वाराणसी, शुक्रवार 13 दिसम्बर, 2024
मार्ग शीर्ष, शुक्ल पक्ष 13, वर्ष 13, अंक 305, पृष्ठ 16, मूल्य : 5.00
परख सच की
जनसंदेश टाइम्स
वाराणसी, लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर एवं प्रयागराज से प्रकाशित
डाक/नगर संस्करण
E-paper : www.jansandeshtimes.net | Portal : www.jansandeshtimes.news

अन्दर : प्रियंका गांधी से बहुत उम्मीदें हैं

अन्दर : नीलम ने एकदिवसीय में दोहरा शतक लगाया

मंदिर-मस्जिदों का नहीं होगा सर्वे

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक, केंद्र सरकार से मांगा हलफनामा

बड़ा आदेश

धार्मिक स्थलों पर नए मुकदमे नहीं दायर किये जायेंगे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को निर्देश दिया कि धार्मिक स्थलों या तीर्थस्थलों के संबंध में कोई नया मुकदमा दर्ज नहीं किया जा सकता है या जिला अदालतों द्वारा सर्वेक्षण का आदेश तब तक नहीं दिया जा सकता है जब तक कि उपासना स्थल अधिनियम, 1991 की वैधता से संबंधित मामला उसके समक्ष लंबित है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा, जब मामला इस अदालत के समक्ष विचाराधीन है तो क्या अन्य लोगों के लिए इस पर अपना हाथ नहीं डालना उचित नहीं होगा। शीर्ष अदालत ने कहा कि हालांकि नए मुकदमे दायर किए जा सकते हैं लेकिन उन्हें पंजीकृत नहीं किया जाएगा और जिला अदालतों द्वारा कोई प्रभावी आदेश पारित नहीं किया जाएगा।

उपासना स्थल अधिनियम, 1991 क्या है : उपासना स्थल अधिनियम, 1991 को पीवी नरसिम्हा राव सरकार ने राम मंदिर आंदोलन के चरम पर लागू किया था। इस कानून का उद्देश्य 15 अगस्त, 1947 को मौजूद धार्मिक स्थलों की स्थिति की रक्षा करना था। देश भर में मस्जिद और दरगाह सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों पर सर्वेक्षण करने के लिए लगभग 18 मुकदमे दायर किए गए हैं, जिसके बारे में मुस्लिम पक्षों ने दावा किया है कि यह कानून के प्रावधानों अवहेलना है।

केंद्र को दिया चार हफ्ते का समय

शीर्ष अदालत ने 1991 के कानून की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर जवाब दाखिल करने के लिए केंद्र सरकार को चार सप्ताह का और समय दिया। याचिकाओं के एक समूह पर विचार करते हुए अदालत ने यह भी कहा कि कानून के क्रियान्वयन की मांग करने वाली याचिका पर भी केंद्र द्वारा कोई जवाब दाखिल नहीं किया गया है। नवगठित पीठ ने नए मुकदमों पर विचार करने पर रोक लगाने के आदेश के विरोध को खारिज कर दिया। कानून की वैधता को चुनौती देने वालों की ओर से पेश वकीलों ने इस आदेश का विरोध किया था। पीठ ने कहा, मुकदमे दायर किए जाने पर भी कोई कार्यवाही नहीं की जा सकती। जब मामला इस अदालत के समक्ष विचाराधीन है तो क्या दूसरों के लिए इस पर रोक लगाना उचित नहीं होगा। जब तक हम मामले की जांच नहीं कर लेते, तब तक कोई प्रभावी आदेश या सर्वेक्षण आदेश पारित नहीं किया जा सकता।

एक राष्ट्र एक चुनाव को मोदी कैबिनेट की मंजूरी

शीतकालीन सत्र में ही बिल पेश होने के आसार

नई दिल्ली। वन नेशन वन इलेक्शन के विधेयक को मोदी सरकार ने कैबिनेट मीटिंग में मंजूरी दे दी है। सरकार संसद के चालू शीतकालीन सत्र में बिल ला सकती है। सबसे पहले यह बिल जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी के पास जाएगा और फिर इस पर सभी सियासी दलों के सुझाव लिए जाएंगे। आखिर में यह बिल संसद में लाया जाएगा और इसको पास करवाया जाएगा। एक साथ चुनाव कराना भारतीय जनता पार्टी द्वारा अपने लोकसभा चुनाव घोषणापत्र में किए गए अहम वादों में से एक था।

यह कदम मोदी सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली हाई लेवल कमेटी की सिफारिशों को मंजूर करने के बाद उठाया है। कमेटी ने चरणबद्ध तरीके से लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ कराने का सुझाव दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस कदम का कांग्रेस और आम आदमी पार्टी जैसी कई इंडिया गठबंधन की पार्टियों ने विरोध किया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि इससे केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी को फायदा होगा। नीतीश कुमार की जेडीयू और चिराग पासवान जैसे अहम एनडीए साथियों ने एक साथ चुनाव कराने का समर्थन किया है।

केंद्र को आम सहमति बनानी होगी: कोविंद

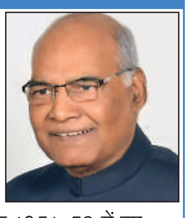

इस मुद्दे पर समिति की अध्यक्षता करने वाले पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मीडिया से बात करते हुए कहा, केंद्र सरकार को आम सहमति बनानी होगी। यह मुद्दा किसी पार्टी के हित में नहीं बल्कि राष्ट्र के हित में है। यह एक राष्ट्र, एक चुनाव गेम-चेंजर होगा। यह मेरी राय नहीं बल्कि अर्थशास्त्रियों की राय है, जो मानते हैं कि इसके लागू होने के बाद देश की जीडीपी 1-1.5 फीसदी बढ़ जाएगी। एक साथ चुनाव कराने की अवधारणा 1951-52 में हुए पहले आम चुनावों से शुरू हुई यानी कि पहले केंद्र और राज्यों के एक साथ में ही इलेक्शन हुआ करते थे। साल 1957, 1962, 1967 में भी केंद्र और राज्य सरकारों के इलेक्शन एक ही साथ में करवाए गए थे। 1967 में उत्तर प्रदेश में चौधरी चरण सिंह की बगवात के चलते सीपी गुप्ता की सरकार गिर गई और यहीं से एकसाथ चुनाव का गणित भी बिगड़ गया। इसके बाद साल 1968 और 1969 में भी कुछ राज्यों की सरकारें समय से पहले ही भंग हो गई। 1971 की जंग के बाद लोकसभा इलेक्शन भी समय से पहले करा दिए गए। इससे चुनावी गणित बिगड़ गया। 2019 के लोकसभा चुनाव में ओडिशा में एकसाथ चुनाव ही हुए थे।

NARAYANDAS
नरायन दास सर्राफ ज्वेलर्स
(प्रा०लि०)
सोने, चाँदी, हीरे, प्लेटिनम एवं कुंदन के आभूषण
• 916 हॉलमार्क ज्वेलरी •
रथयात्रा : 8303173010
अर्दली बाजार : 9696470424
ठठेरी बाजार : 8318650589
SUNDAY OPEN
•रथयात्रा •अर्दली बाजार •चौक(ठठेरी बाजार) वाराणसी
•पार्किंग की सुविधा उपलब्ध•

कड़ाके की ठंड को हो जाइए तैयार

लखनऊ। यूपी समेत उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड पड़ने लगी है। उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों में हो रही बर्फबारी की वजह से मैदानी इलाकों का भी मौसम बदल गया है। यूपी-दिल्ली समेत कई राज्यों में शीतलहर चलने की चेतावनी जारी की गई है। यूपी में 15 दिसंबर तक शीतलहर चलने वाली है।

मौसम विभाग ने बताया है कि उत्तर प्रदेश में अगले चार दिनों तक शीतलहर चलने वाली है। 12 दिसंबर से 15 दिसंबर तक शीतलहर का अलर्ट है। यानी कि राज्य में कड़ाके की ठंड पड़ेगी। इसके अलावा, 12 और 13 दिसंबर को दूर-दराज के इलाकों में पाला भी पड़ सकता है। वहीं, पिछले 24 घंटे के मौसम की बात करें तो यूपी के कुछ इलाकों में शीतलहर रिकॉर्ड की गई है। यूपी के आगरा की बात करें तो न्यूनतम तापमान छह डिग्री और अधिकतम 23 डिग्री तक जाएगा।

चेतावनी

15 दिसम्बर तक चलने वाली है शीतलहर

अगले तीन दिनों तक शीतलहर की चेतावनी है। अलीगढ़ में भी न्यूनतम तापमान सात डिग्री और तीन दिनों तक शीतलहर का अलर्ट है।

बागपत, इटावा, बरेली जैसे जिलों में भी शीतलहर का अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान न्यूनतम तापमान छह से सात डिग्री तक जा सकता है। वहीं, यूपी की राजधानी लखनऊ के तापमान की बात करें तो यहां का न्यूनतम तापमान छि डिग्री और अधिकतम 26 डिग्री तक होगा। सुबह और रात के समय कोहरा छाए रहने की संभावना है। इसके अलावा, हमीरपुर, झांसी जैसे जिलों में भी शीतलहर चलने की आशंका जताई गई है।

निजी नौकरियों में 75 फीसदी आरक्षण देने वाले कानून पर ब्रेक

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में स्थानीय युवाओं को 75 फीसदी आरक्षण देने वाले कानून को लागू करने पर रोक लगा दी है। राज्य सरकार ने 2021 में कैबिनेट में फैसला लिया था कि निजी कंपनियां अपने यहां 40 हजार प्रतिमाह तक की नौकरियों में स्थानीय युवाओं को 75 फीसदी आरक्षण देंगी। जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस दीपक रौशन की खंडपीठ ने लघु उद्योग संघ की ओर से दाखिल की गई याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। याचिका में लघु उद्योग संघ ने निजी क्षेत्र में स्थानीय उम्मीदवारों के झारखंड राज्य रोजगार अधिनियम 2021 के प्रावधानों को चुनौती दी थी। झारखंड लघु उद्योग संघ की ओर से पेश हुए वकील एके दास ने कहा कि इस अधिनियम ने राज्य और झारखंड के बाहर के उम्मीदवारों को बांट दिया है।

विदेशी फंडिंग मामले में एनआईए के छापे का विरोध

भीड़ ने युवक को छुड़ाया, पुलिस ने फिर लिया हिरासत में

झांसी। विदेशों तक दीनी तालीम के लिए ऑनलाइन क्लास चलाने वाले मुफ्ती के सहारे विदेशी फंडिंग का सुराग लगाया जा रहा है। इसी के तहत गुरुवार तड़के करीब 4:00 बजे एनआईए और एटीएस की संयुक्त टीम ने शहर कोतवाली क्षेत्र स्थित सलिम बाग बाहर दतिया गेट निवासी खालिद नदवी के यहां छापा मारा। खालिद के घर आने से पहले उनके रिश्तेदार मुकरयाना में छोटी मस्जिद निवासी साबिर नदवी के यहां भी टीम पहुंची थी। उससे भी पूछताछ की गई।

एनआईए की कार्रवाई के दौरान मुफ्ती खालिद से किसी को मिलने नहीं दिया। इस पर वहां के लोगों ने मस्जिद से एलान कर दिया। इसके बाद मुफ्ती खालिद के घर के बाहर जमा हुई भीड़ ने हंगामा कर दिया। भीड़ ने मुफ्ती खालिद को भी छुड़ा लिया। हालांकि टीम ने फिर से मुफ्ती खालिद को हिरासत में ले लिया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए भारी पुलिस फोर्स तैनात किया गया है। एनआईए टीम मुफ्ती खालिद नदवी को हिरासत में लेकर एसपी कार्यालय पहुंची। यहां एसपी सुधा सिंह की अगुवाई में एनआईए और पुलिस की टीम उससे पूछताछ कर रही है। मुफ्ती खालिद ने कहा, रात के करीब 2:30-3 बजे एनआईए दिल्ली के लोगों ने मेरे दरवाजे पर दस्तक दी।

उन्होंने पूरे घर की अच्छी तरह से जांच की और उन्हें कुछ भी नहीं मिला। उन्हें जो भी किताबें संदिग्ध लगीं, उन्हेंने उसे ले लिया। वे पासपोर्ट, सऊदी अरब का पुराना वीजा जैसे दस्तावेज ले गए। उन्होंने मेरे फोन की जांच की और मेरे व्हाट्सएप संपर्कों और समूहों के बारे में पूछताछ की। उन्होंने मुहम्मद इलियास घुमन के बारे में पूछा। मैं एक ऑनलाइन इस्लामिक कोचिंग सेंटर चलाता हूं, जहां मैं भारतीय और एनआरआई छात्रों को पढ़ाता हूं। उन्होंने मेरे बैंक स्टेटमेंट भी चेक किए।

सीतामढ़ी में चिकन काटने वाले के घर एनआईए का छापा

सीतामढ़ी। जिले में एनआईए टीम ने छापा मारा है। पुलिस से मिल जानकारी में बताया गया है कि बाजपट्टी गोट के एक संदिग्ध व्यक्ति को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। हालांकि अभी यह साफ नहीं हो सका है कि किस मामले में एनआईए ने ये कार्रवाई की। माना जा रहा है कि देशद्रोही गतिविधियों में संलिप्त होने के संदेह में उस व्यक्ति से पूछताछ की जा रही है। जानकारी के मुताबिक गुरुवार तड़के 4 बजे एनआईए की टीम ने लियाकत अंसारी के घर पर रेड मारी। फिर उनके पुत्र अब्दुल अलीम को हिरासत में लिया। सूत्रों की मानें तो टीम ने संदिग्ध का मोबाइल जब्त कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है।

सांसद जियाउर्रहमान बर्क को नोटिस

संभल। सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क को बुधवार को एसडीएम ने बिना नक्शा पास कराए मकान का निर्माण कराने पर नोटिस जारी किया है। साथ ही जवाब भी बृहस्पतिवार की सुबह 10 बजे तक देने के लिए कहा है। यदि निर्माण कार्य नहीं रोका गया तो विनियमित क्षेत्र के नियमों के अनुसार कार्रवाई तय है। जुर्माना भी लगाया जा सकता है। नोटिस में नियम प्राधिकारी/उपजिलाधिकारी विनियमित क्षेत्र संभल की ओर से कहा गया है कि दीपासराय में जो निर्माण चल रहा है, उसके लिए कोई स्वीकृति नहीं ली गई है। यह उत्तर प्रदेश रेगुलेशन ऑफ बिल्डिंग ऑपरेशन एक्ट 1958 का उल्लंघन है।

आस टूटी तो संकट से जूझने लगी रायबरेली की आईटीआई

जूझती आईटीआई

बदहाली पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सदन में उठाए सवाल

लखनऊ। रायबरेली में जिले की लाइफ लाइन मानी जाने वाली आईटीआई अब अपने अस्तित्व के संकट से ही जूझ रही है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को लोकसभा में सवाल किया तो आईटीआई का सच सामने आ गया। केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री ने सांसद के सवालों का जवाब दिया।

सदन के भीतर से यह बात उभर कर सामने आई है कि हर साल हजारों करोड़ रुपए के टर्नओवर वाली इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज की रायबरेली इकाई इस वित्त वर्ष में केवल 20 करोड़ रुपए का ही व्यापार कर पाई है। 51 साल पहले सार्वजनिक क्षेत्र में स्थापित हुई इस फैक्टरी में अब तीन प्रतिशत ही स्थाई कर्मचारी बचे हैं। फैक्टरी को केंद्र सरकार से न पर्याप्त आर्डर मिल रहे हैं

और न रिवाइवल पैकेज ही मिल रहा है। आईटीआई की रायबरेली इकाई को वित्तीय सहायता के 300 करोड़ रुपए मिलने का आज भी इंतजार है।

बताते हैं कि कभी इस फैक्टरी में 7000 स्थाई कर्मचारी हुआ करते थे। सांसद राहुल गांधी के पूछे गए सवाल के जवाब में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने बताया कि आईटीआई की रायबरेली इकाई में वर्तमान में 322 कर्मचारी ही कार्यरत हैं। इसमें 173 स्थाई, 68 संविदा कर्मी और 83 अनौपचारिक कर्मचारी काम कर रहे हैं।

1973 में स्थापित थी आईटीआई की रायबरेली यूनिट

छह अक्तूबर 1973 को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सार्वजनिक क्षेत्र की आईटीआई की रायबरेली इकाई स्थापित कराई थी। प्रारंभ में यहां बेसिक फोन के एक्सचेंज के लिए क्रॉस बार यूनिट का उत्पादन होता था समय बदलने के साथ इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस सी डॉट का उत्पादन शुरू हुआ इस समय सी और रेलवे के लिए आईटीआई में ओएफसी केबल का उत्पादन हो रहा है। इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज की पालघाट, मनकापुर (गोंडा), रायबरेली, बेंगलुरु, नैनी (प्रयागराज) और जम्मू में स्थापित हैं।

वेतन प्रदान करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं? नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सरकार से लोकसभा में आईटीआई के कर्मचारियों को समय से वेतन प्रदान करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं? इस पर भी सवाल किया।

जवाब में केंद्रीय मंत्री ने बताया है कि कर्मचारियों को समय से वेतन दिलाने के लिए जरूरी उपाय किए जा रहे हैं। अब तक 4456 करोड़ रुपए की विधि सहायता को मंजूरी दी गई है। विभिन्न बातों में 4157 करोड़ रुपए अवमुक्त किए जा चुके हैं। इस धनराशि का भी आधे से अधिक हिस्सा बकाए और वेतन में खर्च हो गया। वहीं वित्तीय सहायता के करीब 300 करोड़ रुपए अभी भी बाकी हैं। एक सवाल के जवाब में यह भी साफ हो गया कि वित्तीय सहायता की धनराशि को रिलीज नहीं किया जा सकता है।

यूपीए शासनकाल में संसद के रूप में सोनिया गांधी ने 2009-10 में करीब 8000 करोड़ का रिवाइवल पैकेज आईटीआई की रायबरेली इकाई के लिए उपलब्ध कराया था। इस धनराशि का अधिकतर हिस्सा कर्मचारियों के वेतन और बकाया में ही खर्च हो गया था। इसी कारण फैक्टरी नए बाजार के मुताबिक खुद को ढाल नहीं सकी है।

दंतेवाड़ा में मुठभेड़, सात माओवादी मार गिराए

जगदलपुर। दंतेवाड़ा जिले की सीमा में गुरुवार की सुबह नक्सलियों और पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई। अब तक सात वदीर्धारी नक्सली मारे गए हैं। पुलिस नक्सलियों की फायरिंग का मुंहतोड़ जवाब दे रही है। बताया जा रहा है कि नक्सल विरोधी सर्च अभियान में नारायणपुर, दंतेवाड़ा, जगदलपुर, कोंडागांव जिले की डीआरजी के साथ एसटीएफ-सीआरपीएफ की संयुक्त पार्टी दक्षिण अबूझमाड़ क्षेत्र में रवाना हुई थी। जहां गुरुवार की सुबह तीन बजे से संयुक्त सुरक्षा बलों की टीम और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई।बता दें कि, 1 जनवरी से अब तक 215 नक्सली मारे गए हैं। 15 दिसंबर को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बस्तर के दौरे पर रहेंगे। शाह के बस्तर दौरे से पहले फोर्स एक्टिव हो गई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि माड़ इलाके में भारी संख्या में नक्सली मौजूद हैं। इसी सूचना के आधार पर करीब 1 हजार से ज्यादा जवानों को ऑपरेशन के लिए निकाला गया था।

देश में आईएएस के 1,316 और आईपीएस के 586 पद खाली

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने गुरुवार को बताया कि भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा अधिकारियों के क्रमशः 1,316 और 586 पद खाली हैं। जितेंद्र सिंह ने राज्यसभा में एक लिखित जवाब में बताया कि एक जनवरी 2024 तक 6,858 आईएएस की कुल स्वीकृत संख्या में से 5,542 अधिकारी कार्यरत थे।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि 5,055 की स्वीकृत संख्या के मुकाबले 4,469 आईपीएस अधिकारी कार्यरत थे। उन्होंने कहा कि आईएएस के 1,316 रिक्त पदों में से 794 सीधी भर्ती के लिए और 522 प्रमोशन के पद हैं। जितेंद्र सिंह ने कहा कि आईपीएस के 586 रिक्त पदों में से 209 सीधी भर्ती के लिए और 377 प्रमोशन के पद हैं। जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारतीय वन सेवा में 3,193 की स्वीकृत संख्या के मुकाबले 2,151 अधिकारी कार्यरत हैं। जितेंद्र सिंह ने कहा कि 1,042 रिक्त आईएफएस पदों में से 503 सीधी भर्ती और 539 प्रमोशन के पद हैं। आईएएस, आईपीएस व आईएफएस अधिकारियों का चयन संघ लोक सेवा आयोग द्वारा हर वर्ष आयोजित की जाने वाली सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। जितेंद्र सिंह ने अपने उत्तर में पिछले पांच वर्षों के दौरान सामान्य, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग से आईएएस, आईपीएस और आईएफएस में की गई नियुक्तियों का विवरण भी शेयर किया। वर्ष 2022 की सिविल सेवा परीक्षा के दौरान आईएएस में सामान्य श्रेणी से 75, ओबीसी श्रेणी से 45, अनुसूचित जाति श्रेणी से 29 और अनुसूचित जनजाति श्रेणी से 13 नियुक्तियां की गईं।

लिखित जवाब

केंद्र सरकार ने संसद में किया स्वीकार

संसद में मंत्री रिजिजू के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव पेश

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सागरिका घोष ने गुरुवार को संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव पेश किया। उच्च सदन में विपक्षी नेताओं के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी के मामले में यह विशेषाधिकार प्रस्ताव लाया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस विशेषाधिकार प्रस्ताव को 60 विपक्षी नेताओं का समर्थन मिला है और इन विपक्षी सांसदों ने इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं।

टीएमसी सांसद सागरिका घोष ने कहा कि बुधवार को सदन में विपक्ष को संबोधित करते हुए किरेन रिजिजू ने कहा कि आप सभी इस सदन में रहने के योग्य नहीं हैं। संसदीय कार्य मंत्री को संसद को सुचारू रूप से चलाने पर फोकस करना चाहिए, लेकिन वे इसके बजाय बार-बार विपक्ष का अपमान कर रहे हैं। घोष ने कहा कि 'किरेन रिजिजू ने विपक्षी सदस्यों का अपमान किया है और संसद के अंदर और बाहर दोनों जगह विपक्षी सांसदों के खिलाफ व्यक्तिगत शब्दों का इस्तेमाल किया है। यह पूरी तरह से अनुचित है।

विपक्षी सांसद ने उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है। जिस पर बुधवार को प्रतिक्रिया देते हुए संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्षी सासंदों पर निशाना साधा और कहा कि विपक्षी सांसद सदन में रहने के योग्य नहीं हैं।

कथित टिप्पणी का मामला

60 विपक्षी सांसदों ने किए हस्ताक्षर

'आप' सरकार महिलाओं को देगी हर माह एक हजार

नई दिल्ली। दिल्ली की आप सरकार महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपए देगी। इस योजना को महिला सम्मान योजना नाम दिया गया है। 18 साल की उम्र पूरी करने वाली हर महिला इस स्कीम के दायरे में आएगी। दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी के नेशनल कन्वीनर अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को इस स्कीम का ऐलान किया। उन्होंने कहा योजना के लिए गुरुवार से ही रजिस्ट्रेशन शुरू किए जा रहे हैं। केजरीवाल ने यह भी कहा कि चुनाव बाद महिलाओं को बढ़ाकर 2100 कर दिया जाएगा। इससे पहले केजरीवाल ने ऑटो चालकों के लिए भी घोषणाएं की हैं। इसके अनुसार ऑटो चालक की बेटी की शादी के लिए एक लाख रुपए दिए जाएंगे। होली-दीवाली पर वर्दी बनवाने के लिए ढाई-ढाई हजार रुपए देंगे। दस लाख रुपए का लाइफ इंश्योरेंस, पांच लाख का एक्सीडेंटल इंश्योरेंस कराया जाएगा।

यूपी के मुकदमों पर क्या होगा असर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मस्जिदों के खिलाफ ताबड़तोड़ दर्ज हो रहे अदालती मुकदमों पर सुप्रीम कोर्ट ने ब्रेक लगा दिया है। इसके बाद संभल की जामा मस्जिद, जौनपुर की अटाला मस्जिद और बदायूं की शम्सी जामा मस्जिद केस पर बड़ा असर पड़ने वाला है। इन सभी मामलों में निचली अदालतें सर्वे के आदेश समेत कोई भी अंतरिम फैसला नहीं दे पाएंगी। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा करने पर रोक लगा दी है। ।

क्या होगा संभल मस्जिद विवाद का : हाल ही में संभल की जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान बवाल मच गया था। 19 नवंबर 2024 को स्थानीय अदालत के जज ने एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त कर मस्जिद के सर्वे का आदेश दिया था। इस मस्जिद का दो बार सर्वे किया जा चुका है लेकिन रिपोर्ट कोर्ट में पेश नहीं की जा सकी है। एससी के ताजा फैसले के बाद अदालत में रिपोर्ट पेश करने की राह में तो कोई अड़चन नहीं आएगी लेकिन जज साहब इस रिपोर्ट के आधार पर मस्जिद को लेकर कोई फैसला नहीं सुना सकेंगे।

बदायूं मस्जिद पर क्या होगा? : बदायूं में अखिल भारतीय हिंदू महासभा के प्रदेश संयोजक मुकेश पटेल ने साल 2022 में कोर्ट में वाद दायर कर दावा किया था कि नीलकंठ महादेव मंदिर को तोड़कर जामा मस्जिद बनाई गई है। इस केस में सरकारी अधिवक्ता की बहस पूरी हो चुकी है। पुरातत्व विभाग की रिपोर्ट भी आ चुकी है। 30 नवंबर से इंतजामिया कमेटी की तरफ से बहस शुरू की गई थी। 3 दिसंबर को इस पर सुनवाई भी हुई थी।अगली सुनवाई के लिए कोर्ट ने 10 दिसंबर की तारीख तय की थी और मंगलवार को मुस्लिम पक्ष को इस पर बहस करनी थी, लेकिन एक अधिवक्ता के निधन के चलते सुनवाई नहीं हो सकी। अब इस मामले में सुनवाई 17 दिसंबर को होनी है। हालांकि, इस केस में मुकदमा सुप्रीम कोर्ट का आदेश आने से पहले का है। ऐसे में, इस पर भी 17 दिसंबर को कोर्ट में सुनवाई तो हो सकेगी लेकिन अदालत कोई भी अंतरिम या अंतिम फैसला नहीं सुना सकेगी। कुल मिलाकर इन तीनों मस्जिदों को लेकर कोर्ट में चल रहा मामला पूरी तरह से पूजा स्थल अधिनियम को लेकर सुप्रीम कोर्ट में चल रहे मुकदमे पर निर्भर हो गया है। सुप्रीम कोर्ट के जज इस अधिनियम का विश्लेषण कर जो फैसला सुनाएंगे, उसके आधार पर ही इन मामलों में स्थानीय अदालतें आगे की कार्रवाई कर पाएंगी। ऐसे में माना जा रहा है कि यूपी में कुछ दिनों तक मंदिर-मस्जिद को लेकर लगातार उठ रहे सनसनीखेज मामले थमेंगे।

यूपी कॉलेज मजार विवाद

वाराणसी में यूपी कॉलेज में मजार को लेकर विवाद भी गरमाया है। कॉलेज के छात्रनेताओं ने इसके खिलाफ न सिर्फ विरोध प्रदर्शन किया बल्कि कॉलेज में हनुमान चालीसा का पाठ भी किया। कई छात्र इस दौरान गिरफ्तार किए गए। कॉलेज में बाहरी लोगों के प्रवेश पर बैन लगा दिया गया। ताजा अपडेट के अनुसार मजार के गेट पर दो ताले जड़ दिए गए हैं। दूसरे ताले के बारे में पुलिस प्रशासन को भी जानकारी नहीं है। हालांकि, यह केस अभी कोर्ट में नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अब इसमें भी केस दर्ज नहीं किया जा सकेगा।

जौनपुर की अटाला मस्जिद का सर्वे रुकेगा?

जौनपुर की अटाला मस्जिद को लेकर भी विवाद पुराना है। दावा किया जा रहा है कि मस्जिद के स्थान पर अटाला देवी का मंदिर था। मामला अदालत में गया तो लोकल कोर्ट ने जुलाई 2024 में अमीन सर्वे का आदेश दिया था। हालांकि, स्थानीय लोगों के विरोध के बाद सर्वे हो नहीं पाया। अब सर्वे का मामला हाई कोर्ट में है। वहीं, हिंदू पक्ष सर्वे को लेकर एक बार फिर स्थानीय अदालत में पहुंच गया है। हिंदू पक्ष ने अमीन को विवादित स्थल का निरीक्षण, उनकी रिपोर्ट और नक्शा तैयार करने के लिए सुरक्षा प्रदान करने के संबंध में पुलिस अधीक्षक को निर्देशित करने को लेकर कोर्ट में अर्जी दाखिल की है। कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई के लिए 16 दिसंबर की तिथि नियत की है। अब 16 दिसबंर को मामले को लेकर सुनवाई तो होगी लेकिन सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अटाला मस्जिद का सर्वे नहीं किया जा सकेगा।

परीक्षा फल में गड़बड़ी पर छात्रों ने किया प्रदर्शन

नाराजगी

काशी विद्यापीठ प्रशासन के साथ वार्ता में आश्वासन मिलने के बाद विद्यार्थियों का प्रदर्शन समाप्त

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में विश्वविद्यालय में बीए और एलएलबी के विभिन्न सेमस्टरों का परीक्षा परिणाम जारी हुआ है। इस परीक्षा परिणाम में तमाम छात्र-छात्राओं को फेल और अनुपस्थित कर दिया गया है।

साथ ही प्राप्तांक भी कम कर दिया गया है। परीक्षा परिणाम देख बड़ी संख्या में विद्यार्थी उग्र हो गए और गुरुवार को प्रशासनिक भवन तालाबंद कर विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं ने मांग की कि परीक्षाफल की गड़बड़ी को दूर कर सही तरीके से परिणाम जारी किया जाए। परीक्षा फल में तमाम छात्रों को अनुपस्थित दिखाकर अनुत्तीर्ण कर दिया गया है। साथ ही नंबर भी कम दिए गए हैं। उसे जब तक सही कर के विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी नहीं किया जाएगा, आंदोलन चलता रहेगा। इस दौरान विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के उप कुलसचिव परीक्षा आंनद मौर्या, उप कुलसचिव सामान्य प्रशासन हरीशचंद व कुलानुशासक प्रो केके सिंह के साथ परीक्षा परिणाम में गड़बड़ी को लेकर वार्ता की। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने सकारात्मक आश्वासन दिया कि दोपहर तक सभी का परिणाम सही कर दिया जाएगा। जिन छात्रों की अनुपस्थिति लगी थी, उसे सही कर दिया गया है। इसके बाद छात्रों का प्रदर्शन समाप्त हुआ। प्रदर्शन करने वालों में प्रमुख रूप से छात्र नेता आशुतोष तिवारी हर्षित, अभिषेक यादव, जतिन पटेल, शिवम यादव भक्ति, देवांश पांडेय, सात्विक, दिव्यांशु, आदर्श पांडेय, राहुल पांडेय आदि शामिल रहे।

प्राणघातक हमला करने में किशोर को राहत नहीं

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। पुरानी रंजिश को लेकर प्रधान संग मिलकर युवक का अपहरण कर जान से मारने की नीयत से लाठी-डंडे से प्राणघातक हमला करने के मामले में किशोर अपचारी को राहत नहीं मिली। किशोर न्याय बोर्ड के प्रभारी मजिस्ट्रेट राजीव मुकुल पाण्डेय की अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए किशोर अपचारी की जमानत अर्जी कोर्ट ने खारिज कर दी।

अदालत में वादिनी की ओर से अधिवक्ता विकास सिंह, अमनदीप सिंह व अखिलेश सिंह ने पक्ष रखा। अभियोजन पक्ष के अनुसार गंजारी, जंसा निवासिनी स्वाति सिंह ने जंसा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप था कि 13 अक्टूबर 2024 को उसके ग्राम प्रधान अमित वर्मा, रवि पटेल, भोलू, अनिकेत व इन्द्रेश अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर शाम 7 बजे पुरानी रंजिश को लेकर उसके पति को प्रधान अपनी गाड़ी में जबरदस्ती अपहरण करके उठा ले जाने की कोशिश करने लगे। इस दौरान शोर मचाने पर वे लोग उसके पति को सड़क पर जान से मारने कि नियत से लाठी-डन्डे से प्राणघातक हमला किए और बाद में उसके पति को मरा समझ के छोड़ कर जाने लगे। इस दौरान हमलावरों ने जाते समय पिस्टल लहराते हुए गाली-गलौज देते हुए पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से भाग निकले। इस मामले में पुलिस ने किशोर अपचारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे बाल सुधार गृह भेज दिया था।

संक्षेप

काया कल्प टीम ने सारनाथ अस्पताल का किया निरीक्षण

वाराणसी। सारनाथ शहरी स्वास्थ्य केंद्र पर अच्छी सुविधा को लेकर गुरुवार को राज्य स्तरीय काया कल्प की टीम ने अस्पताल का निरीक्षण किया। कायाकल्प के डॉ एहतराम,डॉ आबिद,डॉ सौम्या आठ सदस्यीय टीम ने शहरी समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुच कर ऑपरेशन थियेटर, वार्ड, प्रसव कक्ष, फिजियोथेरिपी सेंटर, सहित दवा वितरण कक्ष के साथ चिकित्सक कक्ष का सफाई , मरीजो की मिलने वाली सुविधाओं, प्रतिदिन मरीजो की आमद,व परिसर में सफाई व्यवस्था को बारीकियों से निरीक्षण किया। इसके अतिरिक्त शौचालय का भी निरीक्षण किया। वही अधीक्षक डॉ अभिमन्यु सिंह ने मरीजों की सख्या , चिकित्सकों व प्रसव के साथ यहां होने वाले टीकाकरण की जानकारी दी। टीम के निरीक्षण के बाद अस्पताल अप ग्रेट की श्रेणी में आने पर यहांमरीजों को सुविधाओ का लाभ मिलेगा।

कॉरिडोर के नाम पर स्कूली बसों के आवागमन पर रोक से बच्चे परेशान

वाराणसी। काशी में एक तुगलकी फरमान ने बच्चों की पढ़ाई पर आफत ला दी है। कॉरिडोर के नाम पर स्कूली बसें अब कई इलाकों से बच्चों को ले जाने और छोड़ने नहीं जाएंगी। इससे बच्चों को करीब 10 किलो के बस्ते का बोझ पैदल ही उठाना पड़ेगा। शहर दक्षिणी से सपा के पूर्व प्रत्याशी रहे किशन दीक्षित ने इस मामले में एक बयान जारी किया है। उन्होंने कहा है कि अगर यह क्षेत्र नो व्हीकल जोन है तो यह नियम सब पर लागू किया जाना चाहिए। चाहे कितना बड़ा अधिकारी या वीआईपी क्यों न हो? उन्होंने यह भी कहा है कि बाबा के दरबार में जाना है तो उस फरमान का पालन करना होगा, जो नौनिहालों की पढ़ाई पर डाका डाल रहा है। यह मामला अब सियासी रंग ले रहा है और लोगों में आक्रोश बढ़ रहा है।

चंदन विश्वकर्मा बने सुभासपा के प्रदेश महासचिव

वाराणसी। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर के निर्देश पर राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव डॉ. अरविंद राजभर ने प्रदेश, पूर्वांचल और वाराणसी महानगर कमेटी के पदाधिकारी की घोषणा की। इसमें स्थानीय चंदन विश्वकर्मा को प्रदेश महासचिव, जागेश्वर राजभर को महानगर अध्यक्ष, प्रमोद महाजन को प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्वांचल, वीरेंद्र राजभर को मंडल उपाध्यक्ष वाराणसी, हर्ष राजभर को प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मंच, रामसूरत राजभर व अनुज कुमार सिंह जिला उपाध्यक्ष व रविंद्र राजभर जिला महासचिव बनाये गये हैं।

विद्युत संविदाकर्मियों की मौत पर आश्रितों को मिलेंगे 10 लाख

वाराणसी। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के निदेशक मंडल ने आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से काम करने वाले विद्युत संवदाकर्मियों की मौत पर उनके आश्रितों को दी जाने वाली अनुग्रह धनराशि साढ़े सात लाख की जगह 10 लाख रुपये देने का अनुमोदन किया है। यह निर्णय एक अक्टूबर से प्रभावी मानी जाएगी। पावर कॉरपोरेशन के निदेशक (का.प्र. एवं प्रशा.) ने इस बाबत समस्त डिस्कॉम के प्रबंध निदेशकों को पत्र भेज दिया है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि आउटसोर्स एजेंसी के जरिए उपकेंद्रों एवं लाइनों के मरम्मत कार्य, ट्रांसफॉर्मर लगाने व मरम्मत आदि में नियोजित संविदाकर्मी की कार्य के दौरान मौत होने पर उनके परिजनों को जहां अब 10 लाख रुपये दिये जायेंगे। वहीं, स्थायी अपंगता होने पर भी 10 लाख रुपये दी जाएगी। एक अक्टूबर 2024 से पूर्व से चल रहे अनुबंधों के अनुसार, सामूहिक दुर्घटना बीमा पॉलिसी में किसी भी प्रकार का संशोधन नहीं होगा। उसके सभी नियम यथावत रहेंगे। अनुबंधित आउटसोर्स एजेंसी अपने संविदाकर्मियों के लिए ली गयी बीमा पॉलिसी में बीमा धनराशि को अनुबंध समाप्त होने की अवधि तक साढ़े सात लाख रुपये की क्षतिपूर्ति प्रदान करेगी।

हिन्दू जनजागृति ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

पिंडरा। बांग्लादेश में हिंदुओं के ऊपर हो रहे अत्याचार और इस्कान के स्वामी के गिरफ्तारी के विरोध में गुरुवार को हिन्दू जागृति समिति के पदाधिकारियों ने एसडीएम को पत्रक सौंपा। भारत सरकार को सम्बोधित एसडीएम प्रतिभा मिश्रा को दिए पत्रक में बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए कानूनी रूप से आंदोलन करने वाले इस्कॉन के स्वामी चिन्मय कृष्णदास ब्रह्मचारी के गिरफ्तारी को अन्यायपूर्ण और इसे हिंदू अल्पसंख्यकों के अधिकारों को दबाने का प्रयास बताया। हिंदू जनजागृति समिति ने मांग की है कि भारत सरकार तुरंत हस्तक्षेप कर स्वामी चिन्मय कृष्णदास ब्रह्मचारी की बिना शर्त रिहाई सुनिश्चित करे और बांग्लादेश सरकार को हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए बाध्य करे। पत्रक देने वालों में अधिवक्ता उमेश कुमार सिंह, श्यामशंकर सिंह, संतोष कुमार सिंह उर्फ अनुपम, अतुल कुमार सिंह, अंकित मिश्रा, भरत दूबे, अभिनाश बोस, ज्ञानचंद्र पटेल, दिलीप राय समेत अनेक लोग रहे।

पंचवटी स्थित मधुबन हनुमान मंदिर का श्रृंगार आज

रामनगर। रामनगर पंचवटी पर स्थित मधुबन प्राचीन हनुमान मंदिर में हनुमानजी का वार्षिक श्रृंगार समारोह शुक्रवार को आयोजित किया गया है। यह जानकारी देते हुए आयोजन प्रमुख आलोक कुमार सेठ ने बताया कि हर वर्ष यह आयोजन होता है। इस मौके पर हनुमान जी महाराज का दिव्य श्रृंगार किया जाएगा। कीर्तन भजन का आयोजन किया गया है। शाम पांच बजे से दर्शन पूजन का क्रम शुरू होगा। बता दें कि मधुबन स्थित यह मंदिर विश्वविख्यात रामलीला से जुड़ा हुआ है। लंका जलाने और माँ जानकी का पता लगा कर हनुमान जब श्रीराम के पास लौटते हैं तो भूख लगने पर मधुबन में फलों का स्वाद चखा था। यह प्रसंग इसी मधुबन में मंचित किया जाता है। इसलिए श्रृंगार कार्यक्रम में हनुमान जी का दर्शन पूजन करने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटते हैं।

मजदूर की हत्या में शामिल दूसरा अभियुक्त गिरफ्तार

बड़ागांव। थानाक्षेत्र के भेलखां गांव में स्थित एक देशी शराब ठेके के बगल में शराब पीने के दौरान हुए वाद विवाद में सभईपुर निवासी एक मजदूर की हत्या के शामिल दूसरे अभियुक्त को बड़ागांव पुलिस ने बृहस्पतिवार को दोपहर बाद गिरफ्तार कर लिया। वहीं फरार तीसरे अभियुक्त की तलाश जारी है। बताते चलें की बुधवार को सुबह उपरोक्त घटना स्थल के पास मजदूर राजेश सरोज की सिर और मुंह कूंच कर निर्ममता पूर्वक हत्या कर दिया गया था। इस मामले में बड़ागांव प्रभारी निरीक्षक अतुल कुमार सिंह ने घटना के 12 घंटे बाद ही एक अभियुक्त बबलू यादव निवासी वाजिदपुर को गिरफ्तार कर लिया था। बृहस्पतिवार को दोपहर बाद अखिलेश ऊर्फ नथुनी निवासी वाजिदपुर को हिरासत में लेते हुए एक अन्य की तलाश कर रही है।

मडुवाडीह में एंटी रोमियो टीम ने चलाया अभियान

वाराणसी। महिलाओं और छात्राओं से छेड़छाड़ या फब्तियां कसने वाले मनचलों पर शिकंजा कसने के उद्देश्य से मडुवाडीह थाने की एंटी रोमियो स्क्वाड गुरुवार को सक्रिय दिखी।इसके मद्देनजर मडुवाडीह थाने की एंटी रोमियो स्क्वाड टीम बीएलडब्लु क्षेत्र में स्कूल,पार्क और मंदिरों के बाहर उपनिरीक्षक खुशबू कुमारी, महिला आरक्षी लक्ष्मी तिवारी व सौम्यता के नेतृत्व में तैनात दिखीं।

हवाई अड्डे के फौवारे हो गए चालू

जनसंदेश न्यूज

बाबतपुर। वाराणसी के लालबहादुर शास्त्री अंतरास्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्थापित महादेव की जटा से फिर से गंगा की धारा निकलने लगी। वहीं बन्द फौव्वारे को भी फिर से चालू कर दिया गया।

बता दें कि हवाई अड्डा परिसर में टर्मिनल भवन के सामने आनन्द कानन बगिया से राष्ट्रीय व धार्मिक प्रतीक चिन्ह हटाये जाने के बाद मुख्य द्वार पर विराजमान महादेव की जटा से गंगा की धारा और फौवारे को कई दिनों से बंद पड़ा देख ऐसा प्रतीत हो रहा था कि अब परिसर में विराजित महादेव पर भी संकट के बादल मंडरा रहे थे। जनसंदेश टाइम्स में खबर प्रकाशित होने के बाद ही हवाई अड्डा प्रशासन सकते में आ गया और खराब मसीनो व जंग लगे पाइपों को तत्काल दुरुस्त कराते हुए गुरुवार को पुनः महादेव की जटा से गंगा की धारा और फौवारे को चालू कर दिया गया। वही आनन्द कानन बगिया से हटाए गए शौर्य और प्रगति का प्रतीक चिन्ह अशोक चक्र को भी लगाया जा रहा है।

माल वाहक ऑटो के धक्के से मां-बेटा घायल

चिरईगांव। चौबेपुर थाना क्षेत्र के वाराणसी-गाजीपुर मार्ग पर उगापुर के सामने माल वाहक आटो के धक्के से मां बेटा घायल हो गये। 102 नं एम्बुलेंस से इलाज के लिए पीएचसी चिरईगांव लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डाक्टर ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार चौबेपुर थाना क्षेत्र के जाल्हूपुर निवासी अमन कुमार पुत्र बालकिशुन 21 वर्ष अपनी मां राधिका 50 वर्ष को बाईक से लेकर गाजीपुर गया था। वहां जेल में बंद भाई आशीष से मिलकर लौट रहा था। उगापुर के सामने विपरीत दिशा से आ रही माल वाहक आटो ने जोरदार धक्का मार दिया। जिससे बाईक सवार मां बेटा दोनों गिरकर घायल हो गये। स्थानीय लोगों ने एम्बुलेंस बुलाकर दोनों को इलाज हेतु पीएचसी चिरईगांव भेजा। पैर में फैक्टर होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद डाक्टर ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

घाट किनारे रात-भर चल रहा है गाना-बजाना, रोक लगाए पुलिस

सत्या फाउंडेशन के सदस्यों ने सीपी से मुलाकात कर बतायी समस्या

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। सत्या फाउंडेशन के सदस्यों ने गंगा घाटों के किनारे रात भर गाना-बजाना और धमाचौकड़ी करने की शिकायत गुरुवार को पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल से करते हुए ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

उन्होंने इस प्रकार की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण घाट किनारे रहने वाले नागरिकों की नींद और स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ने का हवाला देते हुए क्षेत्रीय थानेदारों को कार्रवाई के लिए निर्देश देने की मांग। फाउंडेशन के सचिव चेतन उपाध्याय ने पुलिस कमिश्नर से कहा कि धार्मिक कार्यक्रमों में रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे के बीच लाउडस्पीकर को पूरी तरह से बंद कराने के लिए पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित करने की जरूरत है। प्रतिदिन रात्रि 10 बजे 11 बजे के बीच जिले में एक साथ अभियान चलाकर ध्वनि प्रदूषण करने वाले उपकरण जब्त कर मुकदमा करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि जब भी पुलिस मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करती है तब ध्वनि प्रदूषण के मामलों में बहुत कमी आ जाती है। इस दौरान जसबीर सिंह बग्गा, निशा सिंह, संदीप सिंह उपस्थित थे।

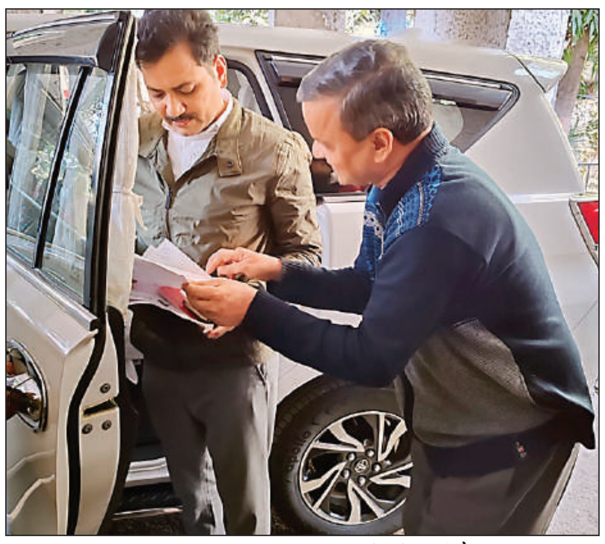

अनियंत्रित ट्रैक्टर पलटने से चालक की मौत

जनसंदेश न्यूज

रोहनिया। स्थानीय थाना क्षेत्र के करसड़ा स्थित चितईपुर चुनार मार्ग पर बालू लादकर जा रहे ट्रैक्टर चालक की झपकी लगने से ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गई जो कि करसड़ा स्थित गड्ढे में पलट गई। जिससे ट्रैक्टर चालक सूरज प्रजापति मुस्तफाबाद चौबेपुर निवासी की मृत्यु हो गई सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा घटना सुबह 5 बजे लगभग की है।

गैंगरेप के मामले में जिरह की अर्जी स्वीकार

होगी जिरह

बीएचयू आईआईटी की छात्रा के साथ रेप का मामला

वाराणसी। फास्ट ट्रैक कोर्ट (प्रथम) कुलदीप सिंह की अदालत में बीएचयू आईआईटी की छात्रा संग हुए गैंगरेप के मामले में पीड़िता के वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बचाव पक्ष की जिरह करने संबंधित अर्जी पर गुरुवार को आंशिक रूप से स्वीकार कर लिया है। कचहरी के वीडियो कांफ्रेंसिंग रूम से बैठ कर बचाव पक्ष की वकील के जिरह करने के आदेश दिया है। बचाव पक्ष के अधिवक्ता कोर्ट से जिरह करेंगे। अगली सुनवाई 16 दिसंबर को होगी। इस अर्जी पर पिछले कई तिथियों से आदेश हेतु सुरक्षित है। कोर्ट में दोनों पक्षों के सुनने के बाद अर्जी पर आदेश हेतु सुरक्षित है। अदालत में लंबित इस मुकदमे में आरोपितों की ओर से पीड़िता से जिरह के लिए चल रही है। जो कई तिथियों से सुनवाई लंबित थी । प्रकरण के अनुसार बीएचयू परिसर में दो नवंबर 2023 की रात में आईआईटी की छात्रा के साथ मोटरसाइकिल सवार तीन आरोपितों ने सामूहिक दुष्कर्म किया था। पीड़िता ने तीनों के खिलाफ लंका थाना में मुकदमा दर्ज कराया था। दौरान विवेचना तीनों आरोपितों कुणाल पांडेय,आनंद चौहान उर्फ अभिषेक और सक्षम पटेल का नाम प्रकाश में आने पर आरोपी बनाया था। अभियोजन के अनुसार एडीजीसी मनोज गुप्ता ने पीड़िता की ओर से एक अर्जी दी गई की पीड़िता जिरह हेतु कोर्ट में बार बार नही आना चाहती है। सुरक्षा और अन्य कारणो से नही आना चाहती है। पीड़िता को वीडियो कांफ्रेंसिंग के द्वारा जिरह कराने की अनुमति मांगी है। इस अर्जी पर दोनों पक्षों के सुनने के बाद आदेश हेतु सुरक्षित रख ली गई थी। इस गुरुवार को आदेश आ गया है।

शातिर चोरों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

टीम को मिला 25000 का पुरस्कार

वाराणसी। लंका थाना क्षेत्र के मीनाक्षीपुरम डाफी में बहन के तिलक और इंगेजमेंट के कार्यक्रम में गए अश्वनी कुमार राय के मकान में चोरी करने वाले तीन शातिर चोरों को लंका पुलिस ने गुरुवार को सामनेघाट स्थित जजेज गेस्ट हाउस के पास से गिफ्तार कर जेल भेज दिया। चोरों ने 16 नवंबर की रात मकान से नगदी और आभूषण पार किए थे। शातिर चोरों ने करीब ढाई घंटे में चोरी की घटना को अंजाम दिया था। घटना का खुलासा एसीपी भेलूपुर धनंजय मिश्र ने गुरुवार को लंका थाने में किया। पुलिस ने चोरों के पास से 11 लाख 40 हजार रुपए और आभूषण बरामद किया । इस घटना का खुलासा करने वाली टीम को डीसीपी काशी जोन ने 25 हजार रुपए के इनाम की घोषणा की है। आरोपियों की शिनाख्त शाहिद अंसारी निवासी कन्हई सराय लोहता, अजय गुप्ता निवासी सालारपुर सारनाथ और शत्रुघ्न कुमार निवासी जलालीपट्टी मडुवाडीह के रूप में हुई है। पुलिस पुछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि मकान से चोरी के दौरान मिले जेवरात बेचकर हमने ग्यारह लाख रुपये इक्ठ्ठा किए थे इसके अलावा चौरा माता मन्दिर के पीछे नैपुराकलाँ डाफी से डेढ़ माह पहले चोरी के बचे हुए समानों को बेचकर चालीस हजार रुपये प्राप्त किए थे। एसीपी भेलूपुर धनंजय मिश्र ने बताया कि गिरफ्तार तीनों आरोपियों का पुराना क्राइम रिकॉर्ड है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष लंका शिवाकान्त मिश्र, इंस्पेक्टर संतोष नारायण पाण्डेय, दरोगा विवेक कुमार शुक्ला, चौकी प्रभारी बीएचयू शिवाकर मिश्रा, दरोगा नवीन कुमार चतुर्वेदी, हेड कांस्टेबल महेन्द्र सिंह, कांस्टेबल कृष्ण कान्त पाण्डेय, अमित शुक्ला, मनोज कुमार सिंह, सूरज सिंह, आशीष तिवारी, कमल सिंह यादव, हृदय कुमार शामिल रहे।

सारनाथ में बंद मकान का ताला तोड़ लाखों की चोरी

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। सारनाथ आशापुर-मवइया स्थित एक बंद मकान से चोरों ने एसी, सिलिंडर सहित लाखों का सामान चोरी कर लिया। इस बाबत भुक्तभोगी ने गुरुवार को स्थानीय थाने पर तहरीर दे दी। पुलिस घटना स्थल के पास लगे सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से चोरों के शिनाख्त में जुट गई।

जानकारी के अनुसार आशापुर मवइया में संजय वर्मा का मकान है। वह मकान का एक कमरा किराए पर गयासुद्दीन सिद्दकी को दिए हैं। संजय वर्मा परिवार के साथ औरंगाबाद में रहते हैं। लंका पर उनकी बुटीक साड़ी की दुकान है। गयासुद्दीन सिद्दकी किसी काम से चंडीगढ़ गए थे। जब वह गुरुवार की सुबह आए तो देखा कि मकान के कमरों का ताला टूटा हुआ है। संजय की पत्नी नीलम वर्मा ने बताया कि आशापुर मवइया स्थित मकान पर गोदाम है। यहां पर बुटीक साड़ी व महिलाओं का रेडीमेड कपड़ा रखा हुआ था। मकान के कमरों का ताला तोड़कर लगभग दो लाख का बुटीक साड़ी व महिलाओं का रेडीमेड कपड़ा, एक एसी और गैस सिलिंडर सहित महंगे कुंडी आदि चोरी कर ले गए। नीलम वर्मा ने तहरीर दे दिया है।

दो बच्चों की मां ससुराल से गहने व रुपए लेकर फरार

चोलापुर। थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 24 वर्षीय विवाहिता अपने पति वह दो बच्चों को छोड़कर घर से अपने सारे गहने व रुपया लेकर भाग गई। जानकारी के अनुसार मामला यह है कि विवाहिता अपने ससुराल से अस्पताल जाने की बात कह कर घर से अपने शादी के गहनों व नगद रुपया लेकर कहीं चली गई विवाहिता के पति ने चोलापुर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

जनसंदेश टाइम्स
वर्गीकृत

आवश्यकता है

आवश्यकता है- सीताराम रामानंद स्मारक स्नातकोत्तर महाविद्यालय समेंदा, आजमगढ़ (सम्बद्ध एम.एस.डी.एस. यूनिवर्सिटी आजमगढ़) में स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर कला संकाय में संस्कृत, अंग्रेजी एवं विज्ञान संकाय में रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, प्राणी विज्ञान, वनस्पति विज्ञान व गणित तथा स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय में हिन्दी,शिक्षाशास्त्र, भूगोल विषयों में प्रवक्ताओं की। योग्यता व वेतनमान यू.जी.सी./उ.प्र. शासन/ विश्वविद्यालय परिनियमावलीनुसार, इच्छुक योग्य अभ्यर्थी विज्ञापन की तिथि से 21 दिन के अंदर समस्त शैक्षिक प्रमाणपत्रो की छायाप्रति, फोटो सहित महाविद्यालय के पते पर आवेदन करें। साक्षात्कार की सूचना डाक/दूरभाष से दी जायेगी। **प्रबंधक**
मो.9415155880, 8707680166

आवश्यकता है

गोपाल जी महाविद्यालय रेवती, बलिया
(सम्बद्ध-जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया)
में स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत बी0एड0 में दो प्रवक्ता एवं विभागाध्यक्ष तथा कृषि संकाय में प्रवक्ताओं एवं गृह विज्ञान व राजनीति विज्ञान में एक-एक प्रवक्ताओं की आवश्यकता है। योग्यतानुसार सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की छायाप्रति व दो फोटो सहित आवेदन 15 दिनों में करें।
प्रबंधक

नौ लोगों ने किया नामांकन

जनसंदेश न्यूज

तहसील बार पिंडरा चुनाव

पहले दिन 16 लोगों ने किया था नामांकन

पिंडरा। तहसील बार एसोसिएशन पिंडरा के वार्षिक चुनाव में नामांकन के दूसरे दिन 9 लोगों ने विभिन्न पदों के लिए धूमधाम से नामांकन पत्र दाखिल किया।

गुरुवार को सुबह से तहसील परिसर में नामांकन के दूसरे दिन कोषाध्यक्ष पद के लिए सन्तोष कुमार सिंह व कनिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए देवेंद्र कुमार मिश्रा समेत प्रबंध समिति के लिए नामांकन किया। एल्डर्स कमेटी के अधिकारी बच्चालाल यादव , जटाशंकर मिश्रा, प्रेमशंकर सिंह, मनोज श्रीवास्तव, व वकील प्रसाद ने बताया कि पहले दिन अध्यक्ष व महामंत्री समेत विभिन्न पदों पर 16 लोगों तथा दूसरे दिन कोषाध्यक्ष समेत 9 लोगो ने नामांकन किया ।शुक्रवार को नाम वापसी व जांच प्रकिया होगी। मतदान 23 दिसंबर व मतगणना 24 दिसम्बर को होगा।

काशी उदय, काशी रत्न देखकर कृषि वैज्ञानिक ने जताई खुशी

हुए प्रसन्न

कृषि वैज्ञानिकों ने सब्जी के खेतों व प्रतिष्ठानों का किया भ्रमण

किसानों को दी उन्नत किस्मों व तकनीकी के प्रयोग की सलाह

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान में जुटी कृषि वैज्ञानिकों की टीम ने मटर की किस्म काशी उदय व मिर्च की किस्म काशी रत्ना का उत्पादन देखकर काफी खुशी जाहिर की। मटर व मिर्च की उन्नत किस्म विकसित करने के प्रयासों की सराहना करते हुए विशेषज्ञों ने इसे आम किसानों तक पहुंचाने की सलाह दी। भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान की पंचवार्षिक समीक्षा दल के अध्यक्ष डॉ पी राजेंद्रन के नेतृत्व में वैज्ञानिकों के दल ने गुरुवार को सब्जी किसानों, कृषक उत्पादक संगठनों व सब्जी उद्यमियों के खेतों व प्रतिष्ठानों का भ्रमण किया।

सब्जी के खेतों का भ्रमण करते कृषि वैज्ञानिक

कृषि विशेषज्ञों ने संस्थान के गोद लिए गांव शहंशाहपुर, सीखड़ व मझवां तरास में सब्जी किसानों के खेत में संस्थान की ओर से विकसित सब्जी की उन्नत किस्मों व तकनीकों का प्रदर्शन देखा। किसानों से बातचीत के दौरान विशेषज्ञों ने बताया कि संस्थान में तैयार की गयी सब्जी की उन्नत किस्में रोग व कीटरोधी होने के साथ अधिक उत्पादन देती है, इसे अपनाकर किसान कम लागत में, कम रसायनों का प्रयोग कर अधिक लाभ प्राप्त कर सकते है। विशेषज्ञों ने किसानों से मृदा परिक्षण के अनुसार उपयुक्त फसल की किस्मों की खेती, तुड़ाई, प्रबंधन व विपणन की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ नागेन्द्र राय ने संस्थान की ओर से किसानों के लिए चलाई जा रही योजनाओं की समीक्षा करते हुए आधुनिक तकीनीकियों को किसानों तक पहुंचाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। इस दौरान डॉ नीरज सिंह, प्रधान वैज्ञानिक ने भी सब्जी की खेती से जुड़ी जानकारी दी। इस दौरान डॉ राकेश कुमार दुबे, डॉ सुदर्शन मौर्य, डॉ विकास सिंह, डॉ आत्मानन्द त्रिपाठी, डॉ इंदीवर प्रसाद, डॉ केशव गौतम, मनीष, यशपाल व इंद्रेश उपस्थित रहे।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, मिर्जापुर-आजमगढ़

अल्पकालीन निविदा

जिला विकास अधिकारी महोदय आजमगढ़ के आदेश संख्या 1942/2-लेखा/ अनुरक्षण बजट/आवंटन/ 2024-2025 दिनांक 5 दिसम्बर 2024 के संदर्भित पत्र आयुक्त ग्राम्य विकास उ0प्र0 लखनऊ के पत्र संख्या-सी0-11/बजट/03-ब्लाक/आवंटन/ 2024-25 दिनांक 11 नवम्बर 2024 द्वारा मानक मद-29 (अनुरक्षण मद) के अन्तर्गत आवासीय भवनों के मरम्मत हेतु आवंटित धनराशि मू0-36.27 लाख (छत्तीस लाख सत्ताईस हजार रु0 मात्र) का आवंटन प्राप्त के फलस्वरूप आवासीय भवनों संख्या-10 की मरम्मत करायी जानी है। की जाती है, जिसमें 10 आवासीय भवनों के मरम्मत शौचालय/ बाथरूम मरम्मत बरामदे में सुरक्षा जाली आवासों का टाइलीकरण एवं विद्युत सम्बंधित आदि कार्य कराये जाने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है, निविदा दिनांक 19.12.2024 को सायं 03.00 बजे खोली जायेगी।

अधोहस्ताक्षरी को किसी भी परिस्थिति में किसी भी समय मानक व गुणवत्ता में कमी पाये जाने पर टेण्डर निरस्त करने का पूर्ण अधिकार निहित होगा।
जी0एस0टी0 नम्बर-09ALDB01735EIDI Tain no. ALDBO1733E

पत्रांक 1294/लेखा/चतुर्थ राज्य वित्त आयोग/ 2023-24
दिनांक 11.12.2024

खण्ड विकास अधिकारी
मिर्जापुर-आजमगढ़

वाराणसी सर्राफा भाव

सोना (RTGS 999.0)
80450/inc.GST

चांदी (99.50)
94350/- प्रति किलो

चांदी सिक्का
120000/- प्रति सैकड़ा

वाराणसी

पूंजीपतियों को उपकृत करने को गलत आंकड़े पेश रहा यूपीपीसीएल प्रबंधन

जितेंद्र श्रीवास्तव/राकेश सिन्हा

लगाया आरोप

लाइन हॉनियों को लेकर केंद्र और प्रदेश सरकार के दावों में भारी अंतर

उपभोक्ता परिषद बोली स्टैंडर्ड बिडिंग गाइडलाइन में नियमों की अनदेखी

आरक्षित निविदा मूल्य के सापेक्ष कम आंकी गयी क्लस्टरवाइज कीमत

वाराणसी। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति और उत्तर प्रदेश राज्य उपभोक्ता परिषद ने आरोप लगाया है कि उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लि. (यूपीपीसीएल) प्रबंधन पूंजीपतियों को उपकृत करने की खातिर लगातार गलत आंकड़े पेश कर रहा है। लाइन हॉनियों को लेकर केंद्र और प्रदेश सरकार के दावों में भारी अंतर देखा जा सकता है। उपभोक्ता परिषद का कहना है कि पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत निगमों के प्रस्तावित निजीकरण को लेकर स्टैंडर्ड बिडिंग गाइडलाइन में नियमों की अनदेखी की गयी है। इतना ही नहीं, आरक्षित निविदा मूल्य के सापेक्ष कलस्टरवाइज की कीमत कम आंकी गयी है।

उत्तर प्रदेश राज्य उपभोक्ता परिषद के दावों को सच माने तो प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों को संचालित करने के लिए जो प्रस्ताव तैयार किये गये हैं, उसमें तमाम खामियां है। प्रस्ताव में लाइन हॉनियों को लेकर यूपीपीसीएल प्रबंधन जो दावा कर रहा है, उपभोक्ता परिषद की निगाह में गलत है। यूपीपीसीएल प्रबंधन ने गैर सरकारी उपभोक्ताओं का एग्रीकेट टेक्नीकल एंड कॉमर्शियल (एटी एंड सी) हानियां पूर्वांचल-डिस्कॉम की 49.22 प्रतिशत और दक्षिणांचल-डिस्कॉम की 39.42 प्रतिशत बताई हैं। जबकि भारत सरकार ने वर्ष 2024-25 के लिए उत्तर प्रदेश में एटी एंड सी हानियों का अनुमोदन किया है। इसमें पूर्वांचल-डिस्कॉम के लिए 18.97 प्रतिशत और दक्षिणांचल-डिस्कॉम के लिए 18.49 प्रतिशत तय किया गया है। उपभोक्ता परिषद ने आरोप लगाया है कि इसके पीछे यूपीपीसीएल के कुछ अधिकारियों की मंशा उद्योगपतियों को उपकृत करने की है।

ये हैं क्लस्टर के अनुमानित आंकलन

उत्तर प्रदेश राज्य उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने दावा किया कि निजीकरण के प्रस्ताव में आरक्षित निविदा मूल्य 2000 करोड़ रुपये आकलित किया गया है। इससे भी कम कीमत पर क्लस्टरवाइज निविदा मूल्य का आंकलन किया गया है। जबकि नियमानुसार निजी कंपनी की माली हालत कम से कम 4800 करोड़ रुपये होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि काशी क्लस्टर की न्यूनतम निविदा मूल्य करीब 1650 करोड़ रुपये, गोरखपुर क्लस्टर की न्यूनतम निविदा मूल्य करीब 1010 करोड़ रुपये, प्रयागराज क्लस्टर की न्यूनतम निविदा मूल्य करीब 1630 करोड़ रुपये, आगरा-मथुरा क्लस्टर की न्यूनतम निविदा मूल्य करीब 1660 करोड़ रुपये और झांसी-कानपुर कलस्टर की न्यूनतम निविदा मूल्य करीब 1600 करोड़ रुपये आंका गया है। स्टैंडर्ड गाइडलाइन के हिसाब से उत्तर प्रदेश की यह निविदा पीपीपी मॉडल एटी एंड सी हानियों के आधार पर होनी चाहिए।

उत्तर प्रदेश राज्य उपभोक्ता परिषद ने इस यूपीपीसीएल प्रबंधन और केंद्र सरकार के इस अंतर को चुनौती दी है और आरोप लगाया है कि आंकलन के दौरान आंकड़े जान-बूझकर गलत बताए जा रहे हैं। उपभोक्ता परिषद ने मुख्यमंत्री और उर्जा मंत्री से प्रस्ताव की खामियों को लेकर सीबीआई जांच कराने की मांग की है। हालांकि पावर कॉरपोरेशन ही नहीं पूर्वांचल-डिस्कॉम प्रबंधन से जुड़े अधिकारी इस मुद्दे पर कुछ भी बोलने से इंकार कर रहे है। यूपीपीसीएल के अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने मसौदा शासन को भेज दिया है। अब जो फैसला होना है, वहां से ही होना है। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा का कहना है कि भारत सरकार की स्टैंडर्ड बिल्डिंग गाइडलाइन के अनुसार 15 प्रतिशत से अधिक एटी एंड सी हानियों के आधार पर वितरण निगम को पीपीपी मॉडल को दिया जा सकता है। यूपीपीसीएल प्रबंधन स्टैंडर्ड बिडिंग गाइडलाइन को दरकिनार कर पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों को निजी हाथों में सौंपने को अमादा है। यहीं वजह है कि आरक्षित निविदा मूल्य के सापेक्ष कलस्टरवाइज की कीमत भी कम आंकी गयी है।

दोनों निगमों की परिसंपत्तियां करीब 80 हजार करोड़ की

पावर कॉरपोरेशन सूत्रों की माने तो पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों की परिसंपत्तियां करीब लगभग 80 हजार करोड़ रुपये हैं, जिसमें आरडीएसएस योजना सहित विभिन्न योजनाओं के तहत चल रहे कार्य भी शामिल हैं। इसके बाद भी भारत सरकार का नियम है कि निगम की कुल परिसंपत्तियों के आधार पर ही उसे अधिग्रहित करने वाली कंपनी की माली हालत कम से कम 30 प्रतिशत होनी चाहिए। यदि निगमों की परिसंपतियों के आधार पर मूल्यांकन किया जाए तो इन्हें अधिग्रहित करने वाली निजी कंपनी की माली हालत करीब 24 हजार करोड़ रुपये होनी चाहिए। चूंकि पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों को पांच हिस्से में बांटा जाना है तो 24 हजार करोड़ को पांच से भागा दिया जाए तो नयी बिजली कंपनी की माली हालत कम से कम 4800 करोड़ रुपये होना जरूरी है, लेकिन यूपीपीसीएल के प्रस्ताव में नई बनने वाली कंपनी की टेंडर प्रक्रिया की शर्तों में रिजर्व बीडिंग में शामिल होने वाली कंपनी की माली हालत महज दो हजार करोड़ ही रखी गई है, जो केंद्र सरकार के नियमों का खुला उल्लंघन है।

साड़ी कारोबारियों का बांग्लादेश में फंसा करोड़ों

जनसंदेश न्यूज

पूंजी डूबने की आशंका

हिन्दू अत्याचार के विरोध में स्थानीय व्यापारियों ने बांग्लादेश से तोड़ा व्यापारिक नाता

केंद्र सरकार से की दखल देने और फंसी हुई पूंजी दिलाने की उठायी पुरजोर मांग

वाराणसी। बांग्लादेश में हो रहे हिन्दुओं पर अत्याचार और जारी हिंसा का असर स्थानीय साड़ी उद्योग पर दिखाई दे रहा है। यहां से बांग्लादेश जाने वाली बनारसी साड़ियों की सप्लाई पूरी तरह से बंद हो गई है। साड़ी कारोबारियों का कहना है कि बांग्लादेश की मौजूदा स्थितियों के चलते स्थानीय कारोबारियों का करोड़ों रुपये फंस गया है, जिसकी वापसी की गुंजाइश नहीं के बराबर नजर आ रही है। पूंजी डूबने की आशंका के चलते स्थानीय बनारसी साड़ी कारोबारियों पर आर्थिक संकट मंडराने का खतरा उत्पन्न हो गया है।

दरअसल, स्थानीय साड़ी व्यापारी अब बांग्लादेश से व्यापार करने में हिचकिचाहट महसूस कर रहे हैं। बनारसी साड़ियों का कारोबार बांग्लादेश में बहुत बड़े पैमाने पर होता है। बनारसी साड़ियों का एक बड़ा ग्राहक बांग्लादेश है। लेकिन अब यह कारोबार पूरी तरह से ठप सा पड़ गया है। बदली परिस्थितियों में स्थानीय साड़ी व्यापारी बांग्लादेश से अब व्यापारिक सम्बंध नहीं रखना चाहते। साड़ी कारोबारी राजन जायसवाल का कहना है कि कारोबार को चलाने के लिए उधारी पर माल देना हर व्यापारी की विवशता होती है।

बांग्लादेश में तख्ता पलट के चलते स्थानीय दर्जनों कारोबारियों का करोड़ों रुपये फंस गया है। फंसा पैसा मिलने की गुंजाइश नजर नहीं आ रही है। ऐसे में कारोबारियों की जमापूंजी टूट रही है। कारोबार को जिंदा रखने के लिए जद्दोजेहद करनी पड़ रही है। सुड़िया-चौक के साड़ी कारोबारी विवेक पारिख ने बताया कि उनका व्यापार बांग्लादेश में होने वाली हिंसा के कारण प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि वाराणसी से साड़ियां कोलकाता जाती हैं और फिर बांग्लादेश के लिए निर्यात की जाती थीं। लेकिन बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति के चलते उनका लगभग करोड़ों का माल फंसा हुआ है और लाखों रुपये के साड़ी का आर्डर कैंसिल हो चुका है। उन्होंने बताया कि बनारसी साड़ियों की डिमांड बांग्लादेश में बहुत अधिक है, खासकर जाली वर्ग की साड़ियों की। लेकिन अब वे हिन्दुओं पर अत्याचार करने वालों के साथ व्यापार नहीं करना चाहते हैं।

गोलघर के साड़ी व्यापारी मनोज यादव ने साफ शब्दों में कहा है कि भले ही उनके पास साड़ियों का स्टॉक पड़ा हो और उनके पैसे फंसे हों, लेकिन वे हिन्दुओं के साथ अत्याचार को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि वे बांग्लादेश से आयात-निर्यात नहीं करेंगे, क्योंकि वहां हिन्दुओं पर अत्याचार हो रहा है। कोदई चौकी के साड़ी कारोबारी रामबाबू केशरी कहते हैं कि बांग्लादेश के लोग बनारसी साड़ी के दीवाने हैं। वहां की महिलाएं बनारसी साड़ी खूब पसंद करती है। लेकिन बदली हुई परिस्थिति में साड़ी कारोबार पर ग्रहण सा लग गया है। कारोबार तो बंद हो ही गया है, फंसा पैसा वापस मिलने की संभावना नहीं के बराबर नजर आ रही है। साड़ी कारोबारियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार से आस बंधी हुई हैं कि शायद फंसी पूंजी वापस मिल जाए। इसके लिए कारोबारियों ने केंद्र सरकार से दखल देने और फंसी पूंजी वापस दिलाने की पूरजोर मांग की है।

सौरभ ने किया लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में कई सेवाओं का लोकार्पण

रामनगर। कैंट विधानसभा सौरभ श्रीवास्तव ने गुरुवार को स्थानीय लाल बहादुर शास्त्री चिकित्सालय में 24 शैय्यायुक्त नवसृजित सर्जिकल वार्ड, आयुष्मान वार्ड, अल्ट्रासाउंड परिसर, दवा वितरण और पंजीकरण परिसर के कायाकल्प सहित अन्य स्थल विकास कार्यों का मुख्य अतिथि के तौर पर लोकार्पण किया।

इस दौरान विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने कहा कि यह प्रयास स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और मरीजों को उच्चस्तरीय सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भाजपा सरकार प्रत्येक नागरिक तक उच्चस्तरीय चिकित्सकीय सुविधाओं को उपलब्ध कराने के संकल्प के साथ ही कार्य कर रही है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक का आभार जताया। संचालन भाजयुमो युवा मोर्चा महानगर मंत्री सृजन श्रीवास्तव ने किया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण वाराणसी मंडल की अपर निदेशक डॉ. नीता कुलश्रेष्ठ, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप चौधरी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गिरीश चंद्र द्विवेदी, महानगर मंत्री डॉ. अनुपम गुप्ता, अजय प्रताप सिंह, पूर्व सभासद अशोक जायसवाल, राजेंद्र शंकर सिंह, सुरेश बहादुर सिंह, राजकुमार सिंह, आलोक सिंह, सुनील श्रीवास्तव, शुभम बारी, गोविंद मौर्य, प्रदीप जायसवाल, रितेश पाल गौतम, बबलू साहनी, लल्लन सोनकर, जय सिंह, कुलदीप सेठ आदि उपस्थित रहे।

आज निजीकरण विरोधी दिवस मनायेंगे विद्युतकर्मी

वाराणसी। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के आह्वान पर बिजली कर्मचारी और अभियंता 13 दिसंबर को प्रस्तावित निजीकरण के विरोध में निजीकरण विरोधी दिवस मनाएंगे और कार्यालय समय के पश्चात सायं पांच बजे भिखारीपुर स्थित हनुमानजी मन्दिर पर समस्त बिजलीकर्मी विरोध सभा करेंगे। मीडिया सचिव/प्रभारी अंकुर पांडेय ने कहा कि पूर्वांचल-डिस्कॉम का घाटा पिछले साल से हजारों करोड़ घटा है। जबकि राजस्व भी लगभग 1400 करोड़ पिछले वर्ष से बढ़ा है। जबकि कर्मचारियों और अधिकारियों ने भी महंगाई भत्ता और इंक्रीमेंट बढ़ने के बाद भी अपने खर्चे में लगभग एक करोड़ की कटौती की है, जिससे ये साफ प्रदर्शित हो रहा है कि इस विभाग के उन्नति के लिए समस्त कर्मचारी और अधिकारी दिन-रात लगे हुए हैं। उसके बाद भी ऊर्जा प्रबंधन पता नही क्यों बिजली का निजीकरण करने पर आमादा है।

समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए वीडीए ने लगाया कैंप

वाराणसी। जनता की सुविधा और समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए वीडीए ने रामनगर स्थित नगर निगम कार्यालय में गुरूवार को कैंप लगाया। जिसमे रोड़ चौड़ीकरण से प्रभावित भवनों के बारें में जहां जनप्रतिनिधियों से चर्चा की गई ,वहीं व्यापारियों से भी सुझाव मांगा गया। कैंप में कुल 173 लोगों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान17 नोटिस प्रकरणों की सुनवायी की गयी और 03 शमन मानचित्र दाखिल कराये गया जबकि पहले से दाखिल 09 शमन मानचित्र की ड्राइंग सुधार एवं भूस्वामित्व विषयक आपत्तियों का निराकरण किया गया। कैंप में प्रस्तावित एवं शमन मानचित्र की स्वीकृति दी गई,वहीं मानचित्र संशोधन तथा विभाग से संबंधित जन समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया गया। वीडीए ने जनप्रतिनिधि एवं व्यापार मंडल द्वारा रोड चौड़ीकरण से प्रभावित भवनों के सम्बन्ध में दिए गए सुझावों पर जहां चर्चा की, वहीं नए निर्माण करने एवं निर्माण में परिवर्तन करने से पूर्व प्रधिकरणा से मानचित्र स्वीकृत कराने हेतु सुझाव दिया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने जनसमस्याओं के निस्तारण में लापरवाही नहीं किए जाने और व्यापारियों से हुई चर्चा का भी ध्यान रखे जाने का निर्देश दिया। इस अवसर पर वीडीए के जोनल अधिकारी एवं अवर अभियंता आदि लोग उपस्थित रहे।

बिजली टनाटन मिले, भले हो महंगी

उपभोक्ता कहिन

अधिकारियों, अभियंताओं और कर्मचारियों के गठजोड़ से पूर्वांचल-डिस्कॉम का बेड़ा गर्क

जनसंदेश न्यूज

सुदेशना बसु

गोकुल शर्मा

ज्ञानेंद्र नाथ शर्मा

संजय सिंह

वाराणसी। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के प्रस्तावित निजीकरण को लेकर उपभोक्ताओं ने मिश्रित प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कुछ उपभोक्ताओं ने जहां भले ही बिजली महंगी हो जाए, लेकिन टनाटन मिले। जबकि कुछ उपभोक्ताओं का कहना है कि अधिकारियों, अभियंताओं और कर्मचारियों के गठजोड़ से पूर्वांचल-डिस्कॉम का बेड़ा गर्क हुआ है, जिसका खामियाजा निजीकरण होने के बाद उनको झेलना होगा।

वरिष्ठ चार्टर्ड एकाउंटेंट **सुदेशना बसु** का कहना है कि सरकार ने अभी तक जितने भी निर्णय लिए हैं, वे सभी जनता के हित वाली रही है। विद्युत आपूर्ति व्यवस्था के निजीकरण का प्रस्ताव भी उपभोक्ता हित वाली हो सकती है।

आखिरकार सब्सिडी का बोझ तो टैक्सपेयर्स को ही उठाना पड़ता है। टैक्सपेयर्स के कर अदायगी का लाभ चंद लोग लेते हैं। दिल्ली को उदाहरण के रूप में ले सकते हैं। वहीं बिजली फ्री देने की बात कही जाती है। आखिर उसका बोझ किसके सिर पर होता है, जाहिर सी बात है टैक्सपेयर्स के।

वर्तमान में बिजली कर्मचारियों को फ्री में बिजली मिलती है, इसलिए वे इसका ज्यादा विरोध कर रहे हैं। निजी कंपनी आएंगी तो निश्चित रूप से व्यवस्था में सुधार होगा, भले ही बिजली महंगी हो जाएगी।

व्यवसायी **गोकुल शर्मा** का कहना है कि निजीकरण होने से निजी कंपनियां सिर्फ और सिर्फ मुनाफे पर अधिक ध्यान देगी, जबकि उपभोक्ता परेशान होगा। वर्तमान में सरकार की सब्सिडी से जनता को कम कीमत पर बिजली मिल रही है। होना यह चाहिए कि सरकार पावर कॉरपोरेशन के साथ ही पूर्वांचल-डिस्कॉम के अधिकारियों, अभियंताओं और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली पर कड़ी नजर रखे और लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करें। युवा अधिवक्ता **ज्ञानेंद्र नाथ शर्मा** का कहना है कि पावर कॉरपोरेशन की तमाम सेवाओं का निजीकरण हो चुका है। उसका हश्र क्या है? यह किसी से छुपा नहीं है। निजी कंपनियां उपभोक्ताओं के पैसे का दुरुपयोग कर रही है? जब बिजली व्यवस्था का निजीकरण हो जाएगा तो स्थिति बद से बदतर होगी और सरकार का नियंत्रण नहीं के बराबर होगा?

दवा विक्रेता समिति वाराणसी के महामंत्री **संजय सिंह** का कहना है कि जनता के पैसे से पावर कॉरपोरेशन की सम्पत्तियां तैयार हुई है। इसी प्रकार, पूर्वांचल-डिस्कॉम की सम्पत्तियां भी जनता के पैसे से बनी है। निजी कंपनियां आएंगी तो उनको कुछ लगाना नहीं होगा और वे सरकारी सम्पत्तियों का लाभ उठाते हुए मुनाफा कमाएंगी। सरकार को इस बात पर ध्यान देने की जरुरत है। वैसे भी निजीकरण किसी समस्या का समाधान नहीं है।

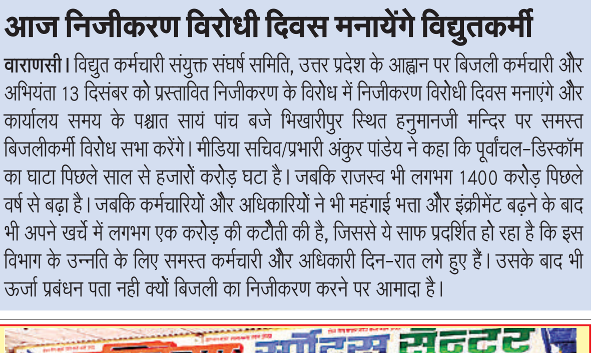

हमारे यहाँ परिषदीय विद्यालयों के खेलकूद सामग्री उचित मूल्य व जी.एस.टी बिल के साथ प्राप्त करें
एल.बी.एस कटरा दुकान नं 50 मुगलसराय, मो. 9198545112

पेइंग गेस्ट हाउस चलाने की अनुमति देने में लेटलतीफी अब पड़ेगी भारी

अनुमति लेने के आवेदनों का निस्तारण एक माह में करने का दिया निर्देश

चेताया

डीएम ने पर्यटन विभाग के अफसरों को लगायी फटकार

वाराणसी। शहर में दिनों दिन बढ़ रही पर्यटकों की संख्या को देखते हुए शहर में पेइंग गेस्ट हाउस व होम स्टे की सुविधा उपलब्ध कराने को अब बेवजह भागदौड़ करने से छुटकारा मिलने की उम्मीद जगी है। पेइंग गेस्ट हाउस व होम स्टे चलाने के इच्छुक लोगों को लाइसेंस के लिए दौड़ाना अफसरों को भारी पड़ेगा। जिलाधिकारी ने पेइंग गेस्ट हाउस व होम स्टे के लाइसेंस देने में आनाकानी करने और महीनों तक आवेदन को लटकाए रखने पर गहरी नाराजगी जाहिर करते हुए पर्यटन विभाग के अफसरों को फटकार लगायी। उन्होंने पर्यटन विभाग के अफसरों को अल्टीमेटम देते हुए आवेदन की तिथि से एक महीने के अंदर मामले का निस्तारण करने की समय सीमा निर्धारित की। जिलाधिकारी ने गुरुवार को राइफल क्लब में पेइंग गेस्ट हाउस, होम स्टे के लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया को लेकर बैठक की।

राइफल क्लब में बैठक करते डीएम एस राजलिंगम

जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों से पेइंग गेस्ट हाउस व होम स्टे चलाने की अनुमति देने की प्रक्रिया के बारे में सवाल- जवाब किया। आवेदनों को लंबे समयसे लटकाए रखने की शिकायत के बाबत उन्होंने पर्यटन विभाग के अधिकारियों को आड़े हाथों लेते हुए कार्यशैली बदलने की हिदायत दी। उन्होंने अनुमति (लाइसेंस) देने के लिये किए गए आवेदन का निस्तारण आवेदन की तिथि से एक माह के भीतर करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग कोई फाइल अनावश्यक रूप से पेंडिंग न रखें। इसके लिए सभी संबंधित विभाग जिसमें पर्यटन, एलआईयू, सम्बन्धित थाना, विकास प्राधिकरण व नगर निगम को एनओसी के लिए आवेदन होते ही प्रक्रिया के लिए पत्राचार शुरू करने का भी निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्होंने आवेदक को आवेदन के समय पावती देने का भी निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि पेइंग गेस्ट हाउस व होम स्टे चलाने की अनुमति देने के लिए निर्धारित मानकों के पालन में भी ढिलाई न बरती जाए। उन्होंने कहा कि जांच में मानकों की अनदेखी मिली तो संबंधित अधिकारियों की भी जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने एडीएम प्रोटोकॉल प्रकाश चंद्र को भी इन मामलों की नियमित रूप से मानीटरिंग करने के साथ ही मौके पर जांच- पड़ताल का निर्देश दिया। एनओसी जारी करने के लिए विकास प्राधिकरण व नगर निगम के अधिकारियों को प्रक्रिया को त्वरित गति से पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक में एडीएम प्रोटोकाल प्रकाश चंद्र, सचिव विकास प्राधिकरण वेद प्रकाश मिश्र, उप निदेशक पर्यटन आरके रावत व नगर निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।

ऑटो कॉरिडोर से जाम की समस्या होगी खत्म

वाराणसी। कैंट रेलवे स्टेशन से वाराणसी बस स्टेशन अब लोगों को जाम से मुक्ति मिलेगी। यातायात व्यवस्था को नई दिशा देने और सुगम बनाने के लिए नगर निगम ने जहां तेजी से पहल की है,वहीं आटो कारिडोर का निर्माण कार्य कराने में करोड़ो का बजट बनाया हैं। इसको लेकर महापौर अशो क तिवारी ने बुधवार को जहां एक करोड़ 48 लाख की लागत से कैंट रेलवे स्टेशन से वाराणसी बस स्टैंड तक कराये जा रहे आटो कारिडोर के विकास कार्य का शिलान्यास किया,वहीं डिठोरी महाल के विंध्यवासिनी नगर कालोनी के आंतरिक सड़क मार्ग और पटरी का निर्माण कार्य में 2 करोड़ 65 लाख का बजट प्रदान कर उसे तत्काल बनवाने का निर्देश दिया। उन्होंने वार्ड संख्या 31 नरायणपुर में पंचवटी धाम कालोनी कठवतिया में बेचन सिंह के मकान सी 6/45-8 बी० से इंदु तिवारी के मकान सी 6/42 के० एच-5 तक कच्चे मार्ग में 45 लाख 20 हजार खर्च से होने वाले इंटरलाकिंग कार्य का शिलान्यास किया,जबकि वार्ड संख्या 31 नारायणपुर में सेंट्रल जेल रोड स्थित शिवाय होटल से वैष्णवी होटल बिल्डिंग होते हुए चुप्पेपुर गांव में रमेश पटेल के मकान तक इंटरलॉकिंग कार्य का शिलान्यास किया, जिसकी लागत 16 लाख 24 हजार है।

इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता अरविंद सिंह, पार्षद विनय सजेदा, अशोक मौर्या, संदीप रघुवंशी, मदन मोहन दूबे, पार्षद प्रतिनिधि अतुल पांडे, पूर्व पार्षद दिनेश यादव, मंडल अध्यक्ष रतन मौर्या आदि लोग उपस्थित रहे।

उपकार हॉस्पिटल
टाटा कैंसर मुम्बई एवं एम्स न्यू दिल्ली के अनुभवी कैंसर सर्जन
पूर्वाचंल के एकमात्र लैप्रोस्कोपिक आंको सर्जन
डॉ. स्वप्निल पटेल
एम.एस. (सर्जरी) एम्स दिल्ली (गोल्ड मेडलिस्ट)
एम.सी.एच. (आंको सर्जरी) टाटा कैंसर हॉस्पिटल, मुम्बई
पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर, महामना कैंसर हॉस्पिटल
कैंसर का सम्पूर्ण ईलाज
बी.एच.यू. रोड सुन्दरपुर, वाराणसी 8787075907

स्वामी हरशंकरानन्द जी हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर
ओ० पी० डी० मात्र 20 रुपये में
स्पेशलिस्ट डॉक्टरों द्वारा सुविधा
• श्वांस एवं टी.बी. रोग विभाग • आर्थोपेडिक सर्जरी (हड्डी रोग विभाग)
• दंत रोग विभाग • आँख रोग विभाग • जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी, कैंसर विभाग
• ई. एन. टी. (नाक, कान, गला रोग) विभाग • यूरोलॉजी विभाग • न्यूरो सर्जरी विभाग
• त्वचा रोग विभाग • गाइनीकोलॉजिकल सर्जरी (स्त्री रोग विभाग) • फिजियोथैरेपी विभाग
अत्याधुनिक आई.सी.यू., एन.आई.सी.यू. एवं डायलिसिस की आधुनिकतम व्यवस्था उपलब्ध
24/7 पैथोलॉजी एवं एम्बुलेन्स की सुविधा 24 घंटे उपलब्ध
एन. 8/237, नेवादा, बी.एच.यू., डी.एल.डब्ल्यू रोड, सुन्दरपुर, वाराणसी Ph: 8090010892

मेधावियों को इस बार दी जाएंगी 14072 उपाधियां

दी जानकारी

काशी हिंदू विश्वविद्यालय का 104वां दीक्षांत समारोह 14 दिसंबर को स्वतंत्रता भवन में आयोजित

विवि के पुराछात्र तथा प्रौद्योगिकी में वैश्विक ख्याति प्राप्त हस्ती जय चौधरी देंगे दीक्षांत भाषण

वाराणसी। बीएचयू के 104वें दीक्षांत समारोह में 14 दिसंबर को मेधावियों को 14072 उपाधियां प्रदान की जाएंगी। मुख्य कार्यक्रम स्वतंत्रता भवन में सुबह 9:30 बजे से आरंभ होगा। दीक्षांत समारोह के संबंध में गुरुवार को केंद्रीय कार्यालय में आयोजित पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. एसके जैन ने बताया कि संस्थानों व संकायों में होने वाले उपाधि वितरण समारोहों में कुल 544 पदक व पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। मुख्य कार्यक्रम में मंच से 30 विद्यार्थी पदक प्राप्त करेंगे।

प्रो. जैन ने कहा कि दीक्षांत विद्यार्थी जीवन से पुराछात्र बनने का एक महत्वपूर्ण व स्मरणीय अवसर होता है। उन्होंने कहा कि दीक्षांत में उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थी जीवन भर इस क्षण को याद करते हैं। बीएचयू के विद्यार्थियों व पुराछात्रों का संस्थान के साथ एक विशिष्ट संबंध है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इस विश्वविद्यालय में मूल्यों व सिद्धांतों की शिक्षा देने के साथ-साथ हम एक परिवार के रूप में उनका अनुसरण भी करते हैं। कुलपति ने बीएचयू के पुराछात्रों का आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय के साथ निरंतर जुड़े रहकर संस्थान की विकास गाथा में भागी बनें। उन्होंने उपाधि प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों तथा पुराछात्रों का आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय के पुराछात्र पोर्टल से जुड़ें। कुलपति प्रो. जैन ने बताया कि इस वर्ष का दीक्षांत प्रदान की जा रही उपाधियों के लिहाज से अत्यंत विशेष हैं। उन्होंने बताया कि डिग्रियों में सुरक्षा फीचर आरंभ किए जा रहे हैं और इनके लिए एक क्यूआर कोड उपलब्ध कराया जा रहा है। इस कोड के माध्यम से शिक्षण संस्थान अथवा हमारे विद्यार्थियों को नियुक्तियां दे रहे संस्थान जानकारियों की तुरंत जांच कर सकेंगे। यह क्यूआर कोड विद्यार्थियों के बारे में आवश्यक जानकारी जैसे पंजीकरण संख्या, कोर्स आदि की सूचना उपलब्ध कराएगा। इसके अलावा फोटोकॉपी करने पर डिग्री की प्रति पर 'कॉपी' अंकित होगा, जिससे उसकी अवैध नकल पर रोक लग सकेगी। डिग्रियों में सुरक्षा फीचर उपलब्ध कराना विश्वविद्यालय के कामकाज में डिजिटल प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बताया कि प्रख्यात वैश्विक उद्यमी तथा सुरक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक प्रमुख हस्ती जय चौधरी दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि हैं। क्लाउड सुरक्षा की एक अग्रणी अंतरराष्ट्रीय कंपनी ज़िस्केलर के सीईओ, अध्यक्ष तथा संस्थापक जय चौधरी ने वर्ष 1980 में विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (अब आईआईटी-बीएचयू) से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी की डिग्री प्राप्त की थी। सुरक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उन्होंने अनेक ऐसे समाधान खोजे हैं, जो उभरती तकनीकों को सुरक्षित रूप से स्थापित करने में उपयोगी साबित हो रहे हैं। उन्होंने सिक्योर आईटी, कोरहार्बर, साइफर ट्रस्ट तथा एयरडिफेंस जैसी कई सफल कंपनियों की स्थापना की है। इस वर्ष दीक्षांत कार्यक्रम के तहत 8110 विद्यार्थियों को स्नातक, 5074 विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर, 867 को पीएचडी तथा 21 को एम.फिल. उपाधि प्रदान की जा रही है।

छायाचित्रों में दिखे हिमालयी अभियानों के रंग-बिरंगे अनुभव

प्रदर्शनी

विश्व पर्वत दिवस पर बीएचयू के पर्वतारोहण केंद्र में लगाई गई छायाचित्र प्रदर्शनी

वाराणसी। विश्व पर्वत दिवस के अवसर पर बीएचयू के पर्वतारोहण केंद्र में पर्वतारोही छात्र-छात्राओं द्वारा पर्वत और पर्वतारोहण पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन गुरुवार को किया गया। इस छायाचित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन केंद्र के प्रभारी प्रो. अनिल कुमार सिंह ने फीता काटकर किया।

इस प्रदर्शनी में छात्रों द्वारा अलग-अलग वर्षों में किए गए हिमालयी अभियानों के रंग-बिरंगे अनुभवों को फोटोग्राफी के माध्यम से दर्शाया गया।

इसमें हिमालय के ऊंचे पर्वतों, वहां के रीति-रिवाजों, पहनावों, प्राकृतिक दृश्यों और पर्वतारोहण के जोखिम भरे पलों को कलात्मक ढंग से छायाचित्रों में पिरोया गया है, जिसे लगभग 120 से अधिक छायाचित्रों द्वारा सजाया गया। इसमें अनिल यादव, स्नेहल प्रकाश, अमित कुमार, बलराम यादव, भवानी सिंह के छायाचित्रों को प्रदर्शित किया गया।

इसी कड़ी में शाम को मुख्य अतिथि सिंहद्वार दर्शन के विभागाध्यक्ष प्रो. चंद्रशेखर पांडेय और शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विक्रम सिंह दवास ने पर्वत के महत्व पर प्रकाश डाला और केक काटकर इस दिवस को त्योहार के रूप में मनाया। कार्यक्रम का संचालन ईशान त्रिपाठी ने और धन्यवाद ज्ञापन अंशिका सचदेव ने किया।

संक्षेप

महालक्ष्मी को अर्पित होगा छप्पन भोग

वाराणसी। लक्ष्मीकुंड स्थित महालक्ष्मी का अन्नकूट महोत्सव 13 दिसम्बर को धूमधाम से मनाया जायेगा। इस मौके पर महालक्ष्मी, महासरस्वती व महाकाली को छप्पन भोग अर्पित किया जायेगा। मंदिर के महंत लिंगिया महराज ने बताया कि अपराह्न तीन बजे भगवती महालक्ष्मी का पंचामृत स्नान कराया जायेगा। तदपश्चात उन्हें नवीन वस्त्र धारण करा कर स्वर्णाभूषणों से भव्य श्रृंगार किया जायेगा। सुबह 5 बजे मंगला आरती होगी। मध्याह्न एक बजे भोग आरती होगी। रात्रि 9 बजे महाआरती होगी। इस अवसर पर सायंकाल सात बजे गीतकार कन्हैया दुबे केडी के संयोजन में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया है। इसमें स्थानीय कलाकार भजनों से मां के दरबार में हाजिरी लगायेंगे।

ग्राम पंचायत सचिवालय का लोकार्पण

चौबेपुर। ग्राम पंचायत चौबेपुर में 14 लाख से निर्मित ग्राम पंचायत सचिवालय का गुरुवार को लोकार्पण किया गया। सहायक जिला पंचायत राज अधिकारी राकेश यादव ने बताया कि ग्राम पंचायत सचिवालय में ग्राम पंचायत अधिकारी, प्रधान समेत कई अधिकारी मौजूद रहेंगे। यहीं विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन, राशन कार्ड, शौचालय का आवेदन किया जा सकेगा। इस दौरान राकेश पाठक, ग्राम प्रधान राघवेंद्र जायसवाल, एडीओ पंचायत अंशुमान सिंह, सचिव हिना पांडेय उपस्थित थे।

रजिस्ट्री कार्यालय को दान किया व्हीलचेयर

पिंडरा। तहसील में रजिस्ट्री करने आने वाले वृद्ध व दिव्यांगों के सहूलियत के लिए एक इंटर कालेज की ओर से व्हील चेयर रजिस्ट्री कार्यालय को उपलब्ध कराया गया। एसडीएम पिंडरा प्रतिभा मिश्र ने समाज सेवा के इस कार्य की प्रशंसा करते हुए अन्य लोगों को भी इस दिशा में पहल करने की अपील की। इस दौरान तहसीलदार विकास पांडेय, नायब तहसीलदार राधेश्याम यादव, श्रीप्रकाश मिश्र, अजय सिंह, अश्वनी मिश्र, अमित सिंह व अंकित श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

गरीबों में बांटे कंबल

वाराणसी। काशी विद्यापीठ ब्लॉक के भदवर गांव में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि महेश सिंह व समाजसेवी अक्षय सिंह मोंटी के सहयोग से रोहनियां विधायक डॉ सुनील पटेल ने गुरुवार को जरूरतमंदों को कम्बल बांटा। कम्बल पाकर गरीबों के चेहरे चमक उठे। इस दौरान विनय सिंह, अभिषेक सिंह, अंकित सिंह, अवधू सिंह, दान बहादुर सिंह, ब्रह्मदेव सिंह मौजूद रहे।

महाकुंभ में काशी से प्रयाग जायेंगे अखाड़े

परम्परा

लगायेंगे आस्था की डुबकी आज पीएम करेंगे भूमि पूजन

वाराणसी। प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ मेले में काशी से साधु-संतों व महंतों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है। महाकुंभ में काशी के संत अखाड़ों के देवता और उनके निशान भी अपने साथ लेकर जा रहे हैं। प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ में अखाड़ों के आराध्य भी आस्था की डुबकी लगाएंगे। काशी के अखाड़ों से साधु-संत, महामंडलेश्वर और श्रीमहंतों के जाने का सिलसिला शुरू हो गया है। ये साधु संत काशी के अखाड़ों के देवता और उनके निशान भी अपने साथ लेकर जा रहे हैं। ये डेढ़ माह तक कुंभनगरी में प्रवास करेंगे। इसी क्रम में 13 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रयागराज आकर भूमि पूजन करेंगे। इस दिन वाराणसी अन्नपूर्णा मठ मंदिर से शंकरपुरी महराज भी प्रयागराज जायेंगे। बताया कि महाकुंभ मेले में शैव, वैष्णव, उदासीन और सिख परंपरा के कुल 13 अखाड़ों के साधु-संत, महामंडलेश्वर व श्रीमहंत और अनुयायियों की बढ़चढ़ कर भागीदारी होती है। इसमें जूना अखाड़े को श्रेष्ठ माना गया है। क्योंकि इनके साधुओं की तादाद करीब दो लाख है। इस अखाड़े का प्रधान कार्यालय काशी में है। इस अखाड़े के इष्टदेव दत्तात्रेय हैं, जो रुद्रावतार हैं। हनुमान घाट स्थित जूना अखाड़े के अनुसार महाकुंभ में दत्तात्रेय भगवान की रजत प्रतिमा, भाला निशान नौ दिसंबर को यहां से गया है। इसके अलावा चांदी का हौदा सहित अन्य सामग्रियां भी भेजी जा रही हैं। संन्यासी भी पहुंच रहे हैं। श्रीशंभू पंचदशनाम आह्वान अखाड़े के इष्टदेव भगवान श्रीगणेश जी की भी प्रतिमा कुंभ में जाएगी। अखाड़े के श्रीमहंत बटेश्वर भारती महाराज ने बताया कि 12 दिसंबर को कबीरचौरा अखाड़े से गाजेबाजे के साथ भगवान गणेश जी की रजत प्रतिमा और भाला निशान लेकर साधु-संत पैदल प्रयागराज के लिए रवाना हो गये हैं।

हरियाणा के शिक्षकों ने बनारस के शिक्षा मॉडल को सराहा

लिया जायजा

हरियाणा सरकार की शैक्षणिक टीम ने पिंडरा ब्लॉक व चौबेपुर के कई स्कूलों का किया भ्रमण

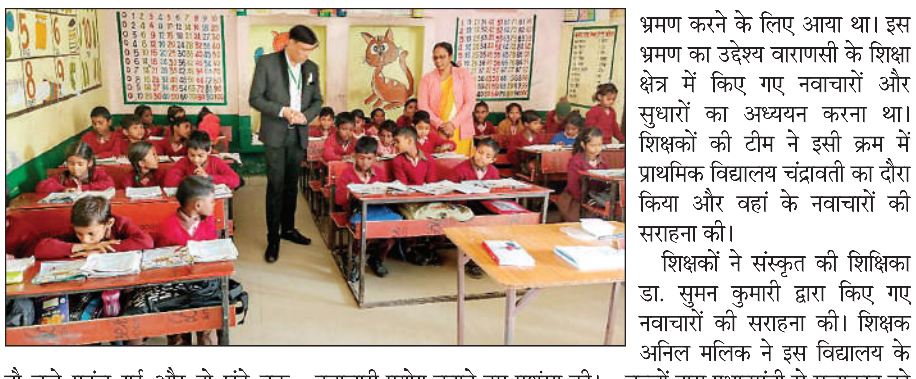

पिंडरा। हरियाणा राज्य सरकार की शिक्षक शैक्षणिक भ्रमण टीम द्वारा गुरुवार को पिंडरा विकास खंड के आठ परिषदीय विद्यालयों का भ्रमण किया और शैक्षणिक स्थिति का अध्ययन कर शिक्षकों से जानकारी हासिल। इस दौरान हरियाणा के शिक्षकों ने बनारस मॉडल की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

हरियाणा राज्य सरकार की तरफ से आई शिक्षकों की टीम ने कंपोजिट विद्यालय रमईपट्टी, चकरमा, शाहपुर तथा प्राथमिक विद्यालय फुलपुर व प्राथमिक विद्यालय जाठी का भ्रमण कर विद्यालय में राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं और शिक्षकों द्वारा बच्चों को दी जा रही शिक्षा के तरीके को जाना और परखा। इन विद्यालयों में अलग-अलग टीम सुबह नौ बजे पहुंच गई और दो घंटे तक विद्यालय परिसर में प्रार्थना सभा से लेकर शिक्षक व्यवस्था को कक्षा कक्ष में देखा। इस दौरान शिक्षण विधि को गहनता से देखा और शिक्षण विधि की सराहना की। इस दौरान शिक्षक संदर्शिका, आधारशिला, शिक्षक संग्रह व ध्यानाकर्षण माड्यूल के साथ निपुण लक्ष्य के बारे में जानकारी प्राप्त की। कंपोजिट स्कूल रमईपट्टी में राज्य पुरस्कार प्राप्त अध्यापक कमलेश पांडेय ने योगा, पीटी और स्मार्ट क्लास में कंटेंट निर्मित पृथ्वी की आंतरिक संरचना का टीचिंग वीडियो दिखाकर नवाचारी प्रयोग बताते हुए प्रशंसा की। प्राथमिक विद्यालय फुलपुर पहुंची टीम ने बच्चों की उपस्थिति 92 फीसदी देख प्रसन्नता जताई और शिक्षण व्यवस्था की भी तारीफ की। वहीं प्राथमिक विद्यालय जाठी के विद्यालयी वातारण देख प्रसन्नता जताई और स्वयं शिक्षकों के साथ फोटो खिंचाई। इस दौरान प्रधानाध्यापकों ने टीम का स्वागत करते हुए टीम को एक-एक जानकारी दी। टीम के साथ एआरपी वीरेंद्र कुमार व रामसेवक यादव रहे।

चौबेपुर में भी हरियाणा के शिक्षकों का एक दल विद्यालयों का शैक्षिक भ्रमण करने के लिए आया था। इस भ्रमण का उद्देश्य वाराणसी के शिक्षा क्षेत्र में किए गए नवाचारों और सुधारों का अध्ययन करना था। शिक्षकों की टीम ने इसी क्रम में प्राथमिक विद्यालय चंद्रावती का दौरा किया और वहां के नवाचारों की सराहना की।

शिक्षकों ने संस्कृत की शिक्षिका डा. सुमन कुमारी द्वारा किए गए नवाचारों की सराहना की। शिक्षक अनिल मलिक ने इस विद्यालय के बच्चों द्वारा प्रधानमंत्री से मुलाकात को भी महत्वपूर्ण बताया और विद्यालय के सुंदर परिवेश की प्रशंसा की। शिक्षक राजेश कुमार ने बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों को अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों से बेहतर बताया। शिक्षक विनोद कुमार ने इस विद्यालय के शिक्षकों और बच्चों के बीच अच्छे तालमेल की सराहना की। भ्रमण में एआरपी संतोष राम, विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेश राम, डा. सुमन कुमारी, रेखा दुबे, धर्मेंद्र यादव, पीएन यादव, मनीष जायसवाल, और रामाश्रय निषाद भी उपस्थित थे।

विश्वनाथ धाम में 32 बटुकों अर्चकों ने किया महारुद्र पाठ

पूजा

गूंजा मंदिर परिसर, मनाई जा रही कॉरिडोर की तीसरी वर्षगांठ

आज भी होगा कई भव्य व दिव्य अनुष्ठान

वाराणसी। काशी विश्वनाथ धाम की तीसरी वर्षगांठ मनाई जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को पुरोहित के साथ अर्चक और बटुकों ने महारुद्र पाठ किया। काशी विश्वनाथ धाम में 32 बटुकों व अर्चकों ने महारुद्र पाठ किया। श्री काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण को तीन साल पूरे होने पर धाम में विशेष आयोजन किए जा रहे हैं।

गुरुवार की सुबह भी महारूद्र पाठ की गूंज के साथ अनुष्ठान किया गया। शुक्रवार यानि 13 दिसम्बर को मंदिर के लोकार्पण को तीन साल पूरे हो रहे हैं। इस दिन भव्य और विशेष आयोजन किए जाएंगे। मंदिर के लोकार्पण के ऐतिहासिक और दिव्य कार्यक्रम के तीन वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में विशेष आयोजन 10 दिसम्बर को आयोजन शुरू हुआ, जो 13 दिसंबर तक जारी रहेगा। इन कार्यक्रमों के क्रम में गुरुवार से महारूद्र पाठ का आयोजन मंदिर परिसर में प्रारंभ किया गया। मंदिर न्यास के अर्चक पं. ओम प्रकाश मिश्र ने मुख्य पुरोहित के रूप में पूजन संपन्न कराया। मुख्य पुरोहित के साथ 32 बटुक एवं अर्चकों ने अनुष्ठान में पौरोहित्य में सहभाग किया। आराधना में यजमान की भूमिका का निर्वाह श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास का प्रतिनिधित्व करते हुए मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण एवं विशेष कार्याधिकारी उमेश कुमार सिंह ने किया।

युवाओं को रोजगार देने काशी में जुटेंगी 300 कंपनियां

मिलेगी नौकरी

दो दिनी काशी सांसद रोजगार मेला- 2025 चार जनवरी से

प्रशासन ने युवाओं को दी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन की सुविधा

ये कंपनियां होंगी शामिल

काशी सांसद रोजगार मेला-2025 में देश के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी कंपनियां अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लेकर उन्हें जॉब आफर करेंगी। इन कंपनियों में मारूति सुजुकी, नेटेप्स, जोमेटो, साइंसों आईटीसल्यूशन, फ्लिपकार्ट, एमेजॉन, क्वीसकार्प, एसआईएस सिक्योरिटी, होटल ताज ग्रुप, दी किंग रेस्टोरेंट, स्कील इण्डिया इन्टरनेशनल, जेएचवी कंस्ट्रक्शन, उत्कर्ष स्माल फाइनेंस बैंक, उप्र राज्य सड़क परिवहन निगम, लावा, बजाज मोटर्स, डिक्सन मोबाइल, हिण्डालको इण्डस्ट्रीज, जी 4 एस सिक्योरिटी, एलएण्डटी, टाटा मोटर्स, वालकरू इण्टरनेशनल, जेके सीमेन्ट, हैप्पी लाईफ आदि मुख्य हैं।

वाराणसी। काशी के बेरोजगार युवाओं के लिए खुशखबरी। युवाओं को उनके हुनर और योग्यता के मुताबिक रोजगार उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन काशी सांसद रोजगार मेला- 2025 आयोजित करेगा। चार व पांच जनवरी- 2025 राजकीय आईटीआई, करौंदी में वृहद स्तर पर रोजगार मेला की प्रशासन ने तैयारियों शुरू कर दी है।

सीडीओ हिमांशु नागपाल ने बताया कि काशी के युवाओं को वृहद स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से दो दिनी काशी सांसद रोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है। इस मेला में देश की नामी- गिरामी कंपनियों के प्रतिनिधि अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लेकर उन्हें जॉब आफर करेंगे। अब तक 300 बहुप्रतिष्ठित कंपनियों ने रोजगार मेला में शामिल होने की सहमति दी है। उन्होंने बताया कि काशी सांसद रोजगार मेला-2025 में एक लाख 80 हजार से लेकर छह लाख सालाना के पैकेज पर कंपनियां जॉब के लिए अभ्यर्थियों को आफर देंगी। काशी सांसद रोजगार मेला- 2025 के लिए बेरोजगार अभ्यर्थियों के रजिस्ट्रेशन को जिला प्रशासन ने पोर्टल विकसित किया हैं। इस पोर्टल के जरिए रजिस्ट्रेशन कर जॉब फेयर में शामिल हो सकते हैं। सीडीओ ने बताया काशी सांसद रोजगार मेला-2025 में कक्षा-आठ, हाईस्कूल, इण्टर, आईटीआई, डिप्लोमा, नर्सिंग, फार्मेसी, स्नातक, परास्नातक, बीबीए, एमबीए, बीटेक, एमटेक डिग्रीधारी भी शामिल हो सकते है। इस रोजगार मेला से संबंधित कोई भी जानकारी चौकाघाट स्थित क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय में सम्पर्क किया जा सकता है।

किसानों को बांटे गेंदा फूल के बीज

जानकारी भी दी

ब्लॉक स्तरीय रबी गोष्ठी में अफसरों ने दी विभागीय योजनाओं की जानकारी

किसानों को बताये गए खेती के आधुनिक तौर-तरीके

रबी गोष्ठी में जुटे अधिकारी व किसान

वाराणसी। किसानों को खेती-किसानी से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी व योजनाओं के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से गुरुवार को बड़ागांव में ब्लाक स्तरीय रबी गोष्ठी आयोजित की गयी। मुख्य अतिथि किसान मोर्चा के महामंत्री दीपक सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर गोष्ठी का शुभारंभ किया। गोष्ठी में जुटे किसानों को कृषि, उद्यान, पशुपालन व मत्स्य विभाग से जुड़ी योजनाओं की जानकारी देने के साथ 35 प्रगतिशील किसानों को गेंदा फूल बीज, नैनो यूरिया वितरित किया गया।

रबी गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे जिला कृषि अधिकारी संगम मौर्य ने किसानों से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में पंजीकरण कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि प्राकृतिक आपदा से किसानों की फसल नष्ट होती है तो उसका मुआवजा बीमा योजना के माध्यम से प्राप्त किया सकता है। उन्होंने बताया कि बीमा योजना के पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर है। उन्होंने बताया कि कृषि विभाग की तरफ से 60 प्रतिशत अनुदान पर सोलर पंप लगाया जा रहा है, किसान अनुदान लेकर सोलर पंप लगवा सकते हैं इससे किसान बिजली बिल का पैसा भी बचा सकते है। जिला उद्यान अधिकारी सुभाष कुमार ने उद्यान विभाग तथा पशु चिकित्सा अधिकारी आशीष कुमार सिंह ने पशुपालन विभाग की विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ राहुल सिंह ने किसानों को गेंहू, चना, मटर व सरसों की खेती के तौर- तरीके के बारे में बताया। इस दौरान हौसिला पांडेय, विपिन राय, अशोक पाल, रौशन कुमार, विरेन्द्र कुमार, तुफानी, नंदलाल मिश्र, हौसिल, रामचंद्र, गुलाब चंद आदि उपस्थित रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
बअदालत न्यायालय श्रीमान् सिविल जज (सी0डि0) मलिहाबाद, लखनऊ
सी0एस0 वाद सं0–2420/2023
पेशी–23.01.2025

श्रीकान्त त्रिवेदी आयु लगभग 49 वर्ष पुत्र स्व0 दिलाशाराम त्रिवेदी निवासी– 43, सुभाषनगर, हरदोई, उ0प्र0 –प्रार्थी/वादी
बनाम्
विनोद पुत्र श्री अमरजीत सिंह निवासी– औरही कोठवार, जिला जौनपुर उ0प्र0 –विपक्षी

हरगाह–प्रार्थी/वादी ने आपके नाम से एक नालिस बावत दावा वास्ते बैनामा/विक्रय विलेख निरस्तीकरण हेतु के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 23.01.2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मार्फत वकील के जो मुकदमा हालात से वाकई वाकिफकार किया गया हो और कुल अहम उमूरात मुताबिक का जवाब दे सके या जिसके साथ और कोई शख्स हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा करे और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज पेश कर जिन पर आप बताइद अपनी जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों बयान तहरीरी दिनांक 23.01.2025 को दाखिल करें। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। मेरे हस्ताक्षर और मोहर अदालत से आज बतारीख 22.11.2024 ई0 को जारी किया जाये।

दस्तखत हाकिम–मोहर अदालत

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
बअदालत न्यायालय श्रीमान् सिविल जज (सी0डि0) मलिहाबाद, लखनऊ
सी0एस0 वाद सं0–2421/2023
पेशी–23.01.2025

श्रीकान्त त्रिवेदी आयु लगभग 49 वर्ष पुत्र स्व0 दिलाशाराम त्रिवेदी निवासी– 43, सुभाषनगर, हरदोई, उ0प्र0 –प्रार्थी/वादी
बनाम्
विनोद पुत्र श्री अमरजीत सिंह निवासी– औरही कोठवार, जिला जौनपुर उ0प्र0 –विपक्षी

हरगाह–प्रार्थी/वादी ने आपके नाम से एक नालिस बावत दावा वास्ते बैनामा/विक्रय विलेख निरस्तीकरण हेतु के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 23.01.2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मार्फत वकील के जो मुकदमा हालात से वाकई वाकिफकार किया गया हो और कुल अहम उमूरात मुताबिक का जवाब दे सके या जिसके साथ और कोई शख्स हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जवाब देही दावा करे और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज पेश कर जिन पर आप बताइद अपनी जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों बयान तहरीरी दिनांक 23.01.2025 को दाखिल करें। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। मेरे हस्ताक्षर और मोहर अदालत से आज बतारीख 22.11.2024 ई0 को जारी किया जाये।

दस्तखत हाकिम–मोहर अदालत

जाने-माने शायर पढ़ेंगे कलाम

बनारस मुशायरा

15 को बेनियाबाग में होगा आयोजन

वाराणसी। बनारस मुशायरा का आयोजन बेनियाबाग मैदान में 15 दिसंबर (रविवार) को शाम 6.30 बजे से किया जा रहा है। उक्त आयोजन में देश के जाने माने शायर शिरकत करेंगे। यह मुशायरा विगत 6 वर्षों से होता चला आ रहा है। शहर बनारस की पहचान गंगा जमुना तहजीब की मिसाल इस कार्यक्रम में प्रख्यात शायरों के साथ ही नए चेहरों को भी मंच प्रदान किया जाता है।

उक्त जानकारी देते हुए सुधांशु श्रीवास्तव एवं शिव यादव ने बताया कि बनारस के भी कई शायर इसमें शिरकत करेंगे। इस बार के आयोजन में शबीना अदीब, मोहन मुंतजिर, इस्माईल नजर, गुल ए सबा, धर्मराज उपाध्याय, के साथ ही काशी के सलीम शिवालवी, डॉ प्रशांत सिंह भी शायरी पेश करेंगे। पं. सुदामा तिवारी उर्फ सांड़ बनारसी, अनिल यादव 'बंटी' के साथ ही अरमान अहमद, एड. विवेक शंकर तिवारी, नसीर अहमद 'बबलू ', आदि के सहभागिता से यह आयोजन सम्पन्न होगा।

मुशायरे की निजामत इस्माइल नजर ,सदारत सांड़ बनारसी करेंगे। विशिष्ट अतिथि - श्यामलाल यादव (अध्यक्ष - शनिवार गोष्ठी समिति) आयोजक के तौर पर शायरों का स्वागत सम्मान भी करेंगे। खैरमकदम अध्यक्ष अनिल यादव 'बंटी' करेंगे। पत्रकार वार्ता में इरशाद हुसैन, वसीम रजा, आसिफ इकबाल, आदर्श अग्रहरि, हाजी अनवर,जबीर सिद्दीकी,वसीम रजा,हाजी अनवर,विजेन्द्र कुमार मिश्र, शफकत सलीम, श्रुति श्रीवास्तव आदि लोग शामिल रहे।

संस्कृत भाषा का भविष्य उज्ज्वल: प्रो. शैलेश

संबोधन

संपूर्णानंद संस्कृत विवि के दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र में संस्कृत संभाषण प्रशिक्षण शिविर का समापन

वाराणसी। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र में चल रहे संस्कृत संभाषण प्रशिक्षण शिविर का समापन गुरुवार को हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रो . शैलेश कुमार मिश्र ने कहा कि भाषा अभ्यास का विषय है और प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद यह आवश्यक है कि आप सभी संस्कृत भाषा का निरंतर अभ्यास करें। आज के समय में निश्चित रूप से संस्कृत का भविष्य अत्यंत उज्जवल है।

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर राजनाथ ने कहा कि संस्कृत भाषा में अपार संभावनाएं हैं। उदाहरण के तौर पर हमारे यहां लाखों पांडुलिपियां हैं और जिसमें अपार ज्ञान राशि है। सारस्वत अतिथि प्रोफेसर हीरक कांत चक्रवर्ती ने कहा कि संस्कृत भाषा का यह प्रशिक्षण हम सभी के लिए इस भाषा का ज्ञान प्राप्त करने का एक अच्छा अवसर है और हमें चाहिए कि बिना किसी संकोच के इस भाषा का प्रयोग हम अपने दैनिक जीवन में करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र की निदेशक प्रोफेसर विधु द्विवेदी ने कहा कि इस प्रशिक्षण को अत्यंत सराहनीय कदम बताते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण का लाभ यह है कि आप सभी संस्कृत भाषा का शुद्ध उच्चारण कर सकेंगे क्योंकि इस भाषा में उच्चारण का विशेष महत्व है। कार्यक्रम में विशेष आमंत्रित अतिथि प्रोफेसर पुष्पा उपाध्याय ने छात्र-छात्राओं को क्रियायोग का प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन द्वारा किया गया। वैदिक मंगलाचरण कौशल केंद्र के छात्र आनंद मिश्रा व पौराणिक मंगलाचरण आशुतोष दुबे ने किया। अतिथियों का स्वागत माल्यार्पण द्वारा कौशल केंद्र के शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र में संस्कृत शिक्षक अखिलेश कुमार मिश्र व धन्यवाद ज्ञापन डा. संदीप शर्मा ने किया। कार्यक्रम में दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र के शिक्षक शिक्षिकाओं में डाक्टर विनय पांडेय, डाक्टर कंचन पाठक, विष्णु पटेल, अरुण पांडेय, अंजली कुमारी आदि की उपस्थिति रही।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, मिर्जापुर-आजमगढ़

अल्पकालीन निविदा

चतुर्थ राज्य वित्त आयोग योजनान्तर्गत वर्ष 2024–25 में क्षेत्र पंचायत मिर्जापुर द्वारा प्रस्तावित/अनुमोदित निम्न परियोजनाओं हेतु निविदा बंद लिफाफे में दिनांक 19.12.2024 को सायं 3.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। उसी तिथियों को सायं 04.00 बजे खोली जायेगी। धरोहर की धनराशि कुल लागत का 10 प्रतिशत स्वीकृत फर्म को जमा करना अनिवार्य होगा। फर्म जो टेण्डर डालेगी उसका जी0एस0टी0/टीन नम्बर पंजीकृत होना आवश्यक है, तथा पंजीकृत का ही मान्य होगा।

पंचम राज्य वित्त/ 15वां केन्द्रीय वित्त–

क्र सं.	ग्राम पंचायत का नाम	परियोजना का नाम	लम्बाई	अनुमानित लागत (लाख में)
1	दाउदपुर	दाउदपुर में रामदेव इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन पर वाटर कूलर स्थापन्ना कार्य	1 अदद	4.40
2	बीनापारा	ग्राम सभा बीनापारा में पंचायत भवन एवं सामुदायिक शौचालय पर इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य	22मी0	4.89

उक्त कार्य पूर्ण कराने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

अधोहस्ताक्षरी को किसी भी परिस्थिति में किसी भी समय मानक व गुणवत्ता में कमी पाये जाने पर टेण्डर निरस्त करने का पूर्ण अधिकार निहित होगा।

जी0एस0टी0 नम्बर–09ALDB01735EIDI Tain no. ALDBO1733E

प्रमुख
क्षेत्रपंचायत मिर्जापुर–आजमगढ़

पत्रांक 1294/लेखा/चतुर्थ राज्य वित्त आयोग/ 2023–24
दिनांक 11.12.2024

खण्ड विकास अधिकारी
मिर्जापुर–आजमगढ़

हद है! कागजों में लगाये गये 1.16 लाख पौधे

सड़क की पटरी से गायब हुए पौधे

सतह पर कुछ नहीं

पौधरोपण अभियान पर खर्च किये गये 80.30 लाख रुपए

शासन को भेज दी गई सघन हरियाली अभियान के पूर्ण होने की रिपोर्ट

सिकंदरपुर। हरित प्रदेश बनाने और पर्यावरण संतुलन के उद्देश्य से वन विभाग हर साल बरसात के मौसम में बड़े पैमाने पर पौधरोपण करता है। इस साल भी बड़े जोर-शोर से वन विभाग सहित अन्य सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा पौधरोपण किया गया, लेकिन अफसोस कि सिकंदरपुर तहसील में पौधरोपण के नाम पर बड़ा खेल हुआ है।

सघन हरियाली के नाम पर करीब 1.16 लाख पौधों को लगाने की बजाय विभाग कागजों में पौधरोपण कर अपनी पीठ थपथपा रहा है। सघन हरियाली अभियान के तहत सिकंदरपुर तहसील क्षेत्र के अलग-अलग नौ क्षेत्रों से कुल 73 हेक्टेयर भूमि पर पौधरोपण कराया जाना था। प्रति हेक्टेयर 1600 पौधों की दर से 116800 पौधे लगाने का लक्ष्य था। वहीं, पौधरोपण अभियान पर प्रति हेक्टेयर 1.10 लाख रुपए के हिसाब से कुल 80.30 लाख रुपए भी खर्च किए गए। तहसील क्षेत्र के जिन इलाकों को कागजों में हरित घोषित कर दिया गया, वह स्पाट सरकारी धन के बंदरबांट और अभियान के सच्चाई की पोल खोल रहे हैं। हद तो यह है कि विभाग ने उक्त स्पाटों पर पौधरोपण किए बगैर ही सघन हरियाली अभियान के पूर्ण होने की रिपोर्ट भी शासन को भेज दी है।

धरातल पर नजर नहीं आ रहा एक भी पौधा

हवा-हवाई साबित हो रहा वन विभाग का दावा

सिकंदरपुर। तहसील क्षेत्र के जिन इलाकों में सघन हरियाली अभियान के तहत विभाग पौधरोपण करने का दावा कर रहा है, उसमें रामपुर से डंकिनगंज पेट्रोल पंप तक सात हेक्टेयर, पेटोल पम्प से टंडवा तक सात हेक्टेयर, टंडवा से उससा तक सात हेक्टेयर, लखनापार नहर से गौरा मदनपुरा तक सात हेक्टेयर, मालदह से डूहा बिहरा एवं बंधा संपर्क मार्ग तक आठ हेक्टेयर, नवानगर से मुइया मझवालिया एवं अन्य संपर्क मार्ग तक सात हेक्टेयर, बेलसड़ी से करसी सहित अन्य संपर्क मार्ग तक सात हेक्टेयर, पुर से मेउली तक आठ हेक्टेयर, मेउली से रकसा तक आठ हेक्टेयर और उससा से पुर तक सात हेक्टेयर शामिल है। विडंबना यह है इनमें से अधिकतर क्षेत्रों में विभाग ने पौधरोपण कराया ही नहीं है। यदि यत्र-तत्र पौधरोपण कराया भी है तो उनमें से अधिकतर पौधे अब सूख चुके हैं। लखनापार से गौरा मदनपुरा नहर मार्ग इसकी तस्दीक करने के लिए पर्याप्त है। करीब तीन किमी लंबे इसे मार्ग पर नहर की पटरी पर सात हेक्टेयर क्षेत्रफल में 11200 पौधे लगाने का दावा विभाग कर रहा है, लेकिन मौके पर एक भी पौधा नजर नहीं आ रहा है। लोगों की माने तो पौधरोपण के लिए गड्ढे जरूर खोदे गए थे, लेकिन पौधे नहीं लगाए गए। वहीं, डकिनगंज निवासी यशवंत सिंह, नहिलापार निवासी सुधीर, मुड़ेरा निवासी राघवेंद्र सिंह और सरनी निवासी धर्मेंद्र सिंह का कहना है कि अधिकतर स्पाट पर विभाग द्वारा पौधरोपण कराया ही नहीं गया है। वहीं, कहीं-कहीं लक्ष्य का मात्र 25 प्रतिशत ही पौधरोपण कराया गया है, जिनमें से अधिकतर सुख चुके हैं।

> मैं इस संबंध में कुछ भी नहीं बता सकता। किसी भी प्रकार का बयान या जानकारी देने के लिए मैं अधिकृत नहीं हूं। इस बाबत डिविजन कार्यालय से संपर्क करें।
>
> शिवम गुप्ता, क्षेत्रीय वन अधिकारी, सिकंदरपुर

> यह मामला मेरे संज्ञान में नहीं है। यदि ऐसा कोई स्पॉट या क्षेत्र है तो उसकी जानकारी कर पौधों को पुनः रोपित कराने का काम किया जाएगा। रही बात रेंजर के जानकारी न देने की तो यह उनका उत्तरदायित्व है। इस संबंध में उनसे जवाब तलब किया जाएगा।
>
> विमल कुमार आनंद, डीएफओ, बलिया

स्टेशन पर कच्छप गति से चल रहा निर्माण कार्य

वक्त से बेपरवाह

कार्यदायी संस्था की उदासीनता से यात्रियों को हो रही परेशानी

सुरेमनपुर स्टेशन परिसर में बिखरा पड़ा सामान

बैरिया। सुरेमनपुर रेलवे स्टेशन पर 'नाम बड़े और दर्शन छोटे' की कहावत चरितार्थ हो रही है। भारत सरकार द्वारा सुरेमनपुर स्टेशन को अमृत भारत रेलवे स्टेशन के रूप में चयन के बाद लोगों में खुशी थी कि इसे समस्त सुविधाओं से लैस किया जायेगा। लेकिन रेलवे स्टेशन के पुनर्निर्माण का कार्य काफी धीरे चलने के कारण ऐसा लग रहा है कि जैसे यहां कार्य पूरा होने में काफी समय लगेगा। कार्यदायी संस्था की उदासीनता के कारण यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

बता दे कि सुरेमनपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर दो पर फर्श बनाने से लेकर टीन शेड पर छप्पर लगाने का कार्य लगभग एक वर्ष से अधिक समय से अधर में लटका हुआ है। प्लेटफार्म नंबर दो पर रोशनी एवं पेयजल की सुविधाओं का टोटा है। वही, प्लेटफार्म नंबर एक पर लगाया गया आरओ मशीन काफी दिनों से खराब होकर बंद पड़ा है। निर्माण कार्य कच्छप गति से चल रहा है।

स्टेशन के भवन के कमरों में कहीं बालू बिखरा है तो कहीं गिट्टी। स्टेशन परिसर में कहीं ईट रखे हुए हैं तो कहीं लोहे का सरिया। यह कहीं ना कहीं यात्रियों के लिए कष्टकारक साबित हो रहे है। रेलवे के अधिकारियों की माने तो पहले यहां का कार्य दिसंबर 2024 तक पूरा होना था, किंतु अब कहा जा रहा है कि यहां का कार्य मार्च 2025 तक पूरा हो जाएगा। लोगों ने आशंका जताई है कि जिस गति से कार्य हो रहा है, उससे अभी दो वर्ष और लगेंगे। प्लेटफार्म पर कोच डिस्प्ले लगाना, स्टेशन पर ध्वनि विस्तारक यंत्र लगाना, पानी एवं रोशनी की व्यवस्था को लेकर कार्यदाई संस्था गति शक्ति पूरी तरह से उदासीन बनी हुई है। वहीं, रेलवे के अधिकारी कह रहे हैं कि सभी सामग्री सुरेमनपुर में ले जाकर रख दिया गया है। गति शक्ति के अवर अभियंता एके श्रीवास्तव ने बताया कि निर्धारित अवधि में रेलवे का कार्य पूरा हो जाएगा। निर्माण के समय कुछ असुविधा स्वाभाविक है। अब समय सीमा नहीं बढ़ेगा। मार्च 2025 तक सभी कार्य संपन्न हो जाएंगे।

सड़क की दोनों पटरियों से हटाया गया अतिक्रमण

बलिया। शहर में गुरुवार को जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं नगर पालिका प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। टीम में शामिल डिप्टी कलेक्टर अभिनेंद्र, नपा के अवर अभियन्ता शशि प्रकाश, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक अहमद नदीम, लिपिक अभिनव कुमार, भारत भूषण, अनिल राम, राहुल मिश्र, संतोष पांडेय आदि ने मालगोदम तिराहा से एलआईसी रोड पर आदित्य विजन तिराहा तक सड़क की दोनों तरफ पटरी पर किये गये अस्थाई अवैध अतिक्रमण को अर्थदण्ड लगाते हुए हटवाया। पटरी पर खड़े वाहनों का चालान पुलिस प्रशासन द्वारा करके हटवाया गया। पटरी पर लगे ठेला या खोमचा को हटवाया गया। साथ ही यह चेतावनी दी गयी कि अपने निजी भूमि पर ही दुकान लगाकर अपना व्यापार करें। सभी दुकानदारों से अपने समक्ष नो पार्किंग जोन का नोटिस लगाने और वाहनों को सड़क से कम से कम दो मीटर छोड़कर ही पार्किंग करने के लिए अपील की गई। इसके अनुपालन में कुछ दुकानदारों द्वारा तत्काल नो पार्किंग जोन का स्टीकर लगाया गया। इस दौरान नगर पालिका परिषद बलिया द्वारा अर्थदण्ड के रूप में 18500 रूपये वसूली की गई।

महिला आयोग की सदस्य ने किया विद्यालय का औचक निरीक्षण

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में छात्राओं से बात करती राज्य महिला आयोग की सदस्य

बांसडीह। कस्बा स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का राज्य महिला आयोग की सदस्य सुनीता श्रीवास्तव ने बुधवार की देर शाम को औचक निरीक्षण किया। इससे विद्यालय में हड़कंप की स्थिति रही। इस दौरान कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में अध्यनरत छात्राओं से श्रीमती श्रीवास्तव ने संवाद कर सवाल जवाब किए। उन्होंने छात्राओं से उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान विद्यालय में काफी खामियां मिली। विद्यालय के जर्जर भवन, शौचालय में साफ सफाई, घना अंधेरा, बिजली की बत्ती इत्यादि नहीं होने पर वार्डन अनिता श्रीवास्तव पर कड़ी नाराजगी जताई। छात्राओं से संवाद में पता चला कि एक माह से अधिक समय से रोजमर्रा के काम में प्रयोग होने वाले साबुन-सर्फ इत्यादि नहीं मिल रहा है।

उन्होंने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में संचालित कक्षाओं और छात्राओं की शिक्षा के बारे में भी जानकारी हासिल किया। साथ ही उनके हास्टल का निरीक्षण किया और मूलभूत सुविधाओं की जानकारी लेते हुए वार्डन को शासन द्वारा जारी सारी सुविधाएं बालिकाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान खामियां मिलने पर कड़ी कार्यवाही की बात कही गई। इस मौके पर खंड अधिकारी सुनील कुमार चौबे मौजूद रहे।

24 घंटे बाद ही व्यवसायियों ने कर लिया अतिक्रमण

सड़क की पटरी पर रखा गया सामान

सड़क पर सजी दुकान

सड़क के किनारे रखी गई कुर्सियां एवं अन्य सामान

जो चाहे कर लो

विगत् दिनों अतिक्रमण के खिलाफ चला था बुलडोजर

बैरिया। शासन की मंशा के अनुरूप अतिक्रमण का सफाया करने के लिए तहसील प्रशासन द्वारा बैरिया बाजार से अतिक्रमण हटाने के 24 घंटे बाद ही संबंधित व्यवसायों द्वारा अतिक्रमण कर पूर्व की स्थिति कर दी गई है। यानी अतिक्रमण हटाने का कोई फायदा नहीं हुआ। अधिकारियों की मेहनत एवं प्रयास का कोई प्रतिफल नही मिला। स्थिति-परिस्थिति बिल्कुल पहले जैसा जस का तस हो गया है।

बता दे कि एक सप्ताह पहले उप जिलाधिकारी सुनील कुमार, तहसीलदार सुदर्शन कुमार, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत बैरिया नौशाद आलम, कोतवाल रामायण सिंह की मौजूदगी में व्यापारियों ने बैठक में स्वतः अतिक्रमण हटा लेने का भरोसा दिया था। जब अतिक्रमण नहीं हटा तो विगत नौ दिसंबर को उप जिलाधिकारी ने अतिक्रमण पर बुलडोजर चलवा दिया। कुछ घंटे के लिए बैरिया बाजार अतिक्रमण से मुक्त हो गया, किंतु एक ही दिन बाद दोबारा व्यवसायियों ने अपना टीन शेड एवं अस्थाई निर्माण के साथ सामान रखकर पुनः स्थापित कर दिया। इससे अतिक्रमण की स्थिति जस की तस हो गई है। इसी क्रम में ई-रिक्शा चालकों के साथ उप जिलाधिकारी ने अपने मातहतों के संग बैठक करके उनके लिए भी गाइडलाइन जारी किया था। कहा था कि जहां-तहां सड़कों पर ई-रिक्शा खड़ा कर जाम की स्थिति पैदा ना करें। उन लोगों ने भी बैठक में हामी भर दी, किंतु उसके बाद उनका भी रवैया पूर्व की तरह कायम है। ऐसे में बुलडोजर चलवाने और अधिकारियों द्वारा घूम-घूम कर अतिक्रमण हटवाने से क्या फायदा हुआ? जब अतिक्रमण हटाने के 24 घंटा बाद ही दोबारा अतिक्रमण कर लिया गया।

इस संदर्भ में पूछने पर उप जिलाधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि किसी भी कीमत पर सड़क की पटरियों पर अतिक्रमण कर कब्जा नहीं करने दिया जाएगा। बुलडोजर चलाने के बाद अगर व्यापारियों द्वारा दोबारा अतिक्रमण किया गया है तो उनका सामान जब्त किया जाएगा। साथ ही उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। किसी को भी अतिक्रमण करने की छूट नही दी जा सकती है।

चंद्रशेखर एवं बलिया एक-दूसरे के पर्याय थे

कार्यक्रम को संबोधित करते उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक

चिकित्सकों से जानकारी लेते उप मुख्यमंत्री

पूर्व पीएम चंद्रशेखर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन करते उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक एवं अन्य

उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक को माला पहनाते लोग

बोले बृजेश पाठक

चंद्रशेखर हॉस्पिटल एंड कैंसर इंस्टिट्यूट की अत्याधुनिक डायलिसिस का उद्घाटन

बेल्थरारोड। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने गुरूवार को इब्राहिमपट्टी में जननायक चंद्रशेखर हास्पिटल एंड कैंसर इंस्टिट्यूट की अत्याधुनिक डायलिसिस इकाई का उद्घाटन किया। उन्होंने निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में भी बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस अवसर पर डिप्टी सीएम ने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की स्मृतियों को नमन करते हुए कहा कि चंद्रशेखर के बगैर भारतीय राजनीति को पूर्ण नहीं माना जा सकता। चंद्रशेखर और बलिया एक-दूसरे के पर्याय थे। उन्होंने पूरे भारत वर्ष में बलिया को स्थापित करने का कार्य किया।

कहा कि 1980 के दशक में उन्होंने कल्पना की थी कि बलिया के हर किसी को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिले और उसी सोच के क्रम में उन्होंने जिला मुख्यालय से सुदूर अपने गांव में इस अस्पताल का निर्माण करवाया था। इस अस्पताल की आधारशिला में लोकनायक जयप्रकाश नारायण का नाम भी जुड़ा हुआ है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र ने बलिया के इस अस्पताल को बेहतर स्वरूप में देखने की चिंता की, जिसके लिए वह भी धन्यवाद के पात्र हैं। अस्पताल संचालन की जिम्मेदारी उठाने वाले डा. संजय सिंह से कहा कि बलिया के ऐतिहासिक धरती के लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत ना हो, इसका पूरा ख्याल रखा जाना चाहिए। गरीब, किसान और बहन-बेटियों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत न होने पाए। सरकार ने जनता के लिए सारी व्यवस्था दी है। यहां भी स्वास्थ्य सुविधा ऐसी हो कि पूरे देश में इसका संदेश जाए।

उप मुख्यमंत्री ने बेहतर स्वास्थ्य की दी टिप्स

बेल्थरारोड। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने कहा कि सबसे पहले हमें इस बात का ध्यान रखना है कि हम बीमार पड़े ही ना। इसके लिए किसी भी ऐसे पेय पदार्थ को नहीं लेना है या ऐसा कुछ नहीं खाना है, जिसका नुकसान हमारे शरीर पर पड़े। लगभग 40-50 मिनट योग-व्यायाम को अपनी दैनिक दिनचर्या में जरूर शामिल करें। आवश्यकता से अधिक भोजन न लें और पर्याप्त पानी पिएं। लोगों से यह भी आवाह्न किया कि अपने दांतों को सुरक्षित रखने पर भी विशेष ध्यान दें। इसके लिए सुबह के अलावा रात को भी दांतों की सफाई करके ही सोएं।

सीएचसी-पीएचसी पर जच्चा-बच्चा की पूरी सुविधा

बेल्थरारोड। उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि प्रेग्नेंसी के दौरान बहनों को तीन या चार बार अल्ट्रासाउंड के लिए जाना पड़ता है। इसको देखते हुए सरकार ने यह भी व्यवस्था दी है कि सरकारी के अलावा प्राइवेट अल्ट्रासाउंड सेंटर पर भी निःशुल्क अल्ट्रासाउंड होगा। नवजात शिशु के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए जिले पर व्यवस्था है।

संक्षेप

केक काटकर मनाया गया कन्या जन्मोत्सव

बेरुआरबारी। स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के मीटिंग हाल में महिला कल्याण विभाग द्वारा गुरुवार को मिशन शक्ति 5.0 के अन्तर्गत कन्या जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान 25 माताओं एवं बच्चियों को सम्मान पत्र, बेबी डायपर, कम्बल, कपड़ा आदि प्रदान किया गया। साथ ही केक काटकर कन्या जन्मोत्सव मनाया गया। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती सुनिता श्रीवास्तव ने कहा कि कन्या जन्मोत्सव केवल एक उत्सव नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज की सोच में बदलाव लाने का प्रतीक है। यह हमें याद दिलाता है कि बेटियां हमारी ताकत है। हमारी पहचान है और हमारी धरोहर है। हमें यह समझना होगा कि बेटियों को सशक्त बनाकर ही हम समाज को एक नई दिशा दे सकते हैं। इस अवसर पर विनोद सिंह, प्रिया सिंह, आकांक्षा राय, अंजली सिंह, खण्ड विकास अधिकारी शैलेन्द्र कुमार मुरारी, डा. एसके सिंह, बीपीएम विनय कुमार यादव आदि मौजूद रहे। संचालन हर्षवर्धन कुमार ने किया।

छेड़खानी मामले में बाल अपचारी गिरफ्तार

बैरिया। कोचिंग सेंटर से पढ़कर अपने घर जा रही छात्रा से छेड़खानी करने वाले दो बाल अपचारियों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया था। इसमें एक बाल अपचारी को दोकटी पुलिस ने बुधवार की शाम को गिरफ्तार कर न्यायालय के सुपुर्द कर दिया। थानाध्यक्ष वंश बहादुर सिंह ने बताया कि पीड़िता कोचिंग में पढ़ने के लिए मंगलवार को गई थी, जहां पहले से दूसरे समुदाय के दो बाल अपचारी मौजूद थे। उन्होंने छात्रा को गंदे इशारे किए। छेड़खानी की एवं भद्दी-भद्दी गालियां दी। दोनों बाल अपचारियों के खिलाफ छेड़खानी एवं पाक्सो एक्ट का मुकदमा दर्ज किया गया था। उसमें से एक बाल अपचारी को बुधवार की देर शाम को सोनबरसा मोड़ से गिरफ्तार कर न्यायालय के सुपुर्द कर दिया गया। वहीं, दूसरे बाल अपचारी की तलाश जारी है।

हनी सोनी के कांस्य पदक जीतने पर हर्ष

मझौवां। साउथ अफ्रीका के डरबन में 28 नवम्बर से एक दिसम्बर तक चले 11वीं कामनवेल्थ कराटे चैंपियनशिप अंडर-21 आयु वर्ग के 57 किग्रा भार वर्ग में पीएन इंटर कालेज दुबेछपरा के छात्र सुघर छपरा निवासी हनी सोनी ने अफ्रीका के एंजल ब्रेक्स को हराकर कांस्य पदक जीता है। इस पर पीएन इण्टर कालेज दुबेछपरा के प्रधानाचार्य समेत अध्यापकों में खुशी की लहर दौड़ गई। प्रधानाचार्य सुंधाशु प्रकाश मिश्र ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। कहा कि हनी सोनी इस विद्यालय का होनहार छात्र रहा। विद्यालय परिवार उसके गांव आने पर पुरस्कृत करेगा।

सनबीम स्कूल में वार्षिक स्पोर्ट्स कैंप 'उड़ान' का शुभारंभ

बलिया। सनबीम स्कूल अगरसंडा में गुरुवार को तीन दिवसीय वार्षिक स्पोर्ट्स कैंप 'उड़ान' का शुभारंभ प्रधानाचार्या डॉ. अर्पिता सिंह ने किया। प्रथम दिवस कक्षा तीसरी से पांचवी के विद्यार्थियों हेतु सैक रेस, लेमन रेस, स्कीपिंग, 60 मीटर रेस, 120 मीटर रेस, रिले रेस ब्रॉड जंप आदि का आयोजन किया गया। इसमें नन्हें बाल खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। कक्षा तीसरी से पांचवी तक के क्रीड़ार्थियों में क्रमशः अभिनव सिंह, यशस्वीनी, आयुष सिंह, श्रीति प्रजापति ने ब्रॉड जंप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। 60 मीटर दौड़ में सक्षम कुमार, आराध्या यादव, अरब यादव ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। रुद्र, नंदिनी, सूर्यांश, जाह्नवी ने 120 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। सभी विजेताओं को विद्यालय की प्रधानाचार्या ने पदक एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर संतोष कुमार चतुर्वेदी, श्रीमती सहर बानू, श्रीमती नीतू पांडेय, पंकज सिंह, मिथिलेश यादव, आदित्य यादव, कुमारी बबिता, प्रिया, प्रीति आदि उपस्थित रहे।

स्पार्किंग से लगी आग से गृहस्थी का सामान राख

बलिया। सुखपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत केशरीपुर गांव में स्पार्किंग से भीषण आग लग जाने के कारण घर का सारा सामान जलकर राख हो गया। बताया जाता है कि केशरीपुर निवासी श्याम नारायण चौहान के घर में स्पार्किंग के कारण भीषण आग लग गई। लोगों ने बड़ी मुश्किल से आग पर काबू पाया। घटना के समय घर के लोग मजदूरी करने गये थे। आग से घर-गृहस्थी का सारा सामान जलकर राख हो गया। सूचना पाकर पहुंचे क्षेत्रीय लेखपाल ने मौका मुआयना किया। मौके पर जब तक फायर बिग्रेड की गाड़ी पहुंची, तब तक लोगों ने आग पर काबू पा लिया था। प्रधान बबलू राजभर ने पीड़ित परिवार को सहायता देने की मांग किया है।

नाले में मिला युवक का शव

बलिया। शहर कोतवाली क्षेत्र के बेदुआ मोहल्ले में बुधवार की रात एक युवक नशे की हालत में नाले में गिर गया। इसमें फंस जाने के कारण उसकी मौत हो गई। गुरुवार की सुबह जब लोग टहलने निकले तो उनकी नजर नाले में पड़े शव पर पड़ी। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जुट गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। इसके बाद आवश्यक कारवाई में जुट गयी। वहीं, मृतक की शिनाख्त रंजीत कुमार (35) पुत्र मदेश्वर प्रसाद राम निवासी बेदुआ, थाना कोतवाली के रूप में की गई। वही, हादसे की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

धूमधाम से मना प्रांतीय रक्षक दल का स्थापना दिवस

बलिया। युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग द्वारा बुधवार को प्रांतीय रक्षक दल का 76वां स्थापना दिवस पुलिस लाइन के परेड ग्राउंड में मनाया गया। मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज तथा प्रभारी जिला युवा कल्याण अधिकारी दिनेश चौहान ने पीआरडी स्वयंसेवकों का नैतिक मान प्रणाम स्वीकार किया। परेड के संचालक प्रथम कमांडर शत्रुधन प्रसाद, द्वितीय कमांडर रंजीत कुमार, तृतीय कमांडर पिंटू कुमार रहे। इस अवसर कुल चार टोलियों का संचालन चंद्रशेखर राम, मुकेश कुमार, राजेंद्र कुमार राम, महिला टोली को किरण देवी द्वारा संचालित किया गया। कार्यक्रम के प्रभारी धनेश सिंह यादव, क्षेत्रीय युवक कल्याण अधिकारी राकेश कुमार सिंह, चंदन सिंह, शरद कुमार यादव, अमित चौहान मौजूद रहे।

प्रतिनिधि मंडल ने डिप्टी सीएम को सौंपा ज्ञापन

बेल्थरारोड। तहसील अधिवक्ता एसोसिएशन बेल्थरारोड का प्रतिनिधि मण्डल गुरुवार को इब्राहिमपट्टी में अध्यक्ष शौकत अली एवं मंत्री दिनेश प्रसाद के नेतृत्व में उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक से मिला और ज्ञापन सौंपा। मांग किया है कि शासन की मंशा के अनुरुप बेल्थरारोड में ग्राम न्यायालय की स्थापना लंबित चली आ रही है, जबकि तहसील भवन में न्यायालय से सम्बन्धित सभी ब्यवस्था पूर्ण हो चुकी है। इसका न्यायिक अधिकारियों द्वारा निरीक्षण कर फाइनल भी कर दिया गया है। बेल्थरारोड का जिला मुख्यालय बलिया 60 किमी की दूरी पर स्थित है। इसके कारण वादकारियों का धन, समय तथा श्रम तीनों की हानि होती है। प्रतिनिधि मण्डल ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरुप आदेश देकर तत्काल ग्राम न्यायालय की स्थापना कर संचालन किया जाना जनहित में जरुरी है। इस पर उप मुख्यमंत्री श्री पाठक ने कार्यवाही करने का भरोसा दिया। प्रतिनिधि मंडल में राशिद अली, गोरख पटेल, राशिद कमाल पाशा, शिवानन्द, मो. आलमगीर, चन्द्रमणि, रघुबंश मिश्रा आदि शामिल रहे।

डिप्टी सीएम ने अस्पताल परिसर में किया पौधरोपण

बेल्थरारोड। उप मुख्यमंत्री के जनपद आगमन पर पूर्व मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार, पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर तथा निदेशक डा.संजय सिंह सहित अन्य अधिकारियों व नेताओं ने स्वागत किया। कार्यक्रम को पूर्व मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने संबोधित करते हुए कहा कि हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री जननायक चंद्रशेखर सपना था कि हम अपने गांव में एक बड़ा हास्पिटल बनाएं। उन्होंने अस्पताल को संचालित करने में अहम भूमिका निभाने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। उप मुख्यमंत्री तथा पूर्व मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने अस्पताल परिसर में वृक्षारोपण किया। इस मौके पर पूर्व विधायक धनंजय कन्नौजिया, डा.सुषमा शेखर, सीडीओ ओजस्वी राज आदि मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट कार्यालय में तैनात लिपिक ने की खुदकुशी

घटना

पत्नी से कहासुनी के बाद उसने कदम उठाया

मुहम्मदाबाद गोहना (मऊ)। कोतवाली क्षेत्र के सैदपुर मुहल्ला निवासी अधेड़ ने बुधवार की बीती रात खुदकुशी कर ली। बताया जा रहा है कि पत्नी से कहासुनी के बाद उसने ये कदम उठाया। घटना की जानकारी बृहस्पतिवार की सुबह उस समय हुई जब कई बार दरवाजा खटखटाने के बाद अधेड़ ने दरवाजा नहीं खोला। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मृतक कलेक्ट्रेट कार्यालय में लिपिक के पद पर तैनात था। मृतक मुहम्मदाबाद गोहना कस्बा के भुईलीपुर मोहल्ला के मूल निवासी थे और उनका नाम श्याम कुमार बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार पहली पत्नी की मृत्यु के बाद उन्होंने दूसरी शादी किया था। मृतक की पहली पत्नी के बच्चों अपने पुश्तैनी मकान भूलीपुर में रहते है जबकि श्याम कुमार अपनी दूसरी पत्नी और बच्चों के साथ कस्बा के सैदपुर मोहल्ला में किराया के मकान में रहते थे। बुधवार की रात किसी बात को लेकर वह अपने कमरे का दरवाजा बंद कर पंखा से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। आशंका होने पर उनकी पत्नी ने दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया लेकिन अंदर से दरवाजा बंद था। उसने शोर मचाया आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला और रात में ही पंचनामा बनाकर जिला अस्पताल भेज दिया। घटना के संबंध में मुहम्मदाबाद गोहना प्रभारी निरीक्षक रविंद्र नाथ राय ने बताया कि सैदपुर मोहल्ला में एक व्यक्ति द्वारा फांसी लगाई जाने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा बनाया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इस संबंध में अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। बताया कि पत्नी से विवाद के बाद आत्महत्या करने की बात सामने आ रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे कार्यवाही की जाएगी।

रंजिश में चली गोली, एक घायल दूसरा युवक मारपीट में गंभीर

रसड़ा (बलिया)। क्षेत्र के सुल्तानीपुर गांव में गुरूवार की सायं पुरानी रंजिश के विवाद में गोली लगने से एक व्यक्ति घायल हो गया। वहीं मारपीट में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस दोनो घायलों को अस्पताल लाया जहां इलाज के दौरान दोनों की हालत गंभीर होने पर चिकित्सको ने रेफर कर दिया। सत्यनारायण एवं लल्लन सिंह में काफी दिनों से पट्टीदारी विवाद चल रहा था। सत्य नारायण सिंह ट्यूबल का बोरिंग करा रहे थे कि दो पक्षों आमने सामने हो गए। वाद विवाद मारपीट में गोली चल गई। गोली चलने से समीर सिंह उर्फ राजू सिंह (35) पुत्र लल्लन सिंह सुल्तानीपुर निवासी गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें वहीं लाठी-डंडे से घायल सत्यनारायण सिंह (55) पुत्र सुबेदार सिंह भी गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनो घायलों को अस्पताल लाया गया जहां से चिकित्सको ने दोनों को रेफर कर दिया। घटना के बाद गांव तनाव को देखते हुए पूरे गांव में कई थानों को पुलिस फोर्स की तैनाती कर दी गई है। जमीनी विवाद के बीच एक पक्ष द्वारा खेत में बोरिंग कराई जा रही थी कि दूसरे पक्ष ने बोरिंग रोकने को लेकर मना किया तो दोनों पक्षों में लाठी-डंडे से मारपीट शुरू हो गई। इसी दरम्यान फायरिंग शुरू हो गई जिसमें राजू सिंह को ताबड़तोड़ पांच गोलियां लगी। हमलावर भाग निकले। पुलिस मौके पर पहुंच गयी। पुलिस हमलावरों के धर पकड़ के लिए हमलावरों के संभावित ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई शुरू करते हुए सुल्तानीपुर गांव में तनाव को देखते ही भारी पुलिस फोर्स की तैनाती कर दी। गोली कांड से पूर्व लाठी-डंडे से घायल सत्यनारायण सिंह को रेफर कर दिया गया। इस बाबत क्षेत्राधिकार मोहम्मद फहीम कुरैशी ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है दोषियों को बक्सा नहीं जाएगा।

दो पक्षों में मारपीट, 13 लोगों पर मुकदमा दर्ज

बांसडीह। कोतवाली क्षेत्र के गोसाईपुर में नीम का पेड़ काटने को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट एवं बवाल के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर 13 लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है। बता दें कि गोसाईपुर निवासी महात्म यादव एवं विस्मर यादव के परिवारों के बीच नीम के पेड़ को लेकर विवाद चल रहा था। दोनों पक्ष नीम के पेड़ पर अपनी दावेदारी जता रहे थे। इसी बीच एक पक्ष ने नीम का पेड़ काटना शुरू किया तो दूसरे पक्ष ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। इसके बाद अचानक से दोनों पक्ष लाठी-डंडे के साथ एक-दूसरे से भिड़ गये और जमकर मारपीट होने लगी। मारपीट में दोनों पक्षों से कई लोग घायल हो गए हैं। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने बवाल शांत कराया। मामले में एक पक्ष से पंकज यादव की तहरीर पर नितेश यादव, विनय यादव, महात्मा, मैनेजर, रमाशंकर, अमित, बिट्टू व सत्यराम यादव के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। वहीं दूसरे पक्ष से महात्म यादव की तहरीर पर विस्मर यादव, रामनिवास, पंकज, अजीत व सुजीत यादव के खिलाफ मारपीट एवं अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले में विधिक कार्रवाई में जुटी है।

एसीएमओ ने किया निरीक्षण, दो पैथोलॉजी सेंटर को किया सील

सिकंदरपुर (बलिया)। तहसील क्षेत्र में चल रहे अवैध पैथोलॉजी सेंटरों व नर्सिंग होम के खिलाफ गुरुवार को अभियान चलाकर विभाग ने दो पैथोलॉजी सेंटरों को सील करा दिया। एडिशनल सीएमओ डॉ पद्मावती गौतम के नेतृत्व में पहुंची टीम की औचक छापेमारी से पैथालोजी संचालकों में हड़कंप मच गया। वहीं इसकी भनक लगते ही सीएचसी के इर्द गिर्द स्थित एक दर्जन से अधिक अवैध पैथोलॉजी संचालक अपना सेंटर बंद कर फरार हो गए। इस दौरान बिना रजिस्ट्रेशन और चिकित्सक के संचालित किए जा रहे आयुष व खुशबू पैथोलॉजी को सील करा दिया गया। जबकि अतुल्यम नर्सिंग होम व कृष्णा हॉस्पिटल की जांच के दौरान डॉक्टर उपलब्ध न होने पर नोटिस जारी कर जवाब तलब करने की बात एसीएमओ ने कही। बताया कि आकाश तिवारी द्वारा कस्बा और आस पास के क्षेत्रों में चल रहे अवैध पैथालोजी सेंटरों की शिकायत आईजीआरएस पोर्टल पर की थी। जिस क्रम में उक्त कार्रवाई की गई है। वहीं मौके की नजाकत देख सेंटर बंद कर फरार होने वाले संचालकों के बारे में एसीएमओ का कहना था कि ऐसे पैथोलॉजी व नर्सिंग होम संचालकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा जाएगा।

सील हुआ पैथोलॉजी केंद्र

बैठे-बिठाये मीटर रीडिंग दर्ज कर रहे रीडर

बैरिया। सरकार बिजली विभाग को जहां सुविधाजनक तरीके से हाईटेक करने में लगी है, वहीं बिजली विभाग में संविदा पर नियुक्त मीटर रीडरों द्वारा गलत रीडिंग दर्ज किए जाने से उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ गई है। साथ ही बिजली विभाग का राजस्व वसूली भी प्रभावित हो रहा है। बता दें कि कुछ मीटर रीडर घर बैठे-बैठे मीटर रीडिंग दर्ज कर रहे हैं। कुछ तो जान-बूझकर बढ़ाकर यूनिट दर्ज कर रहे हैं। इससे उपभोक्ताओं का विद्युत बिल बढ़कर आ रहा है। पैसा जमा करने के बावजूद विद्युत बिल के बकाया धन में घटाव नहीं होने के कारण उपभोक्ता परेशान है। उपभोक्ताओं का कहना है कि ऐसा जान-बूझकर किया जा रहा है। संविदा के लिपिक एवं मीटर रीडर जान-बूझकर ऐसा कर रहे हैं। उन्हें विभागीय अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त है। रानीगंज निवासी राजकुमार सिंह, बैरिया निवासी महेश प्रसाद, सोनबरसा निवासी संतोष सिंह, मंटू यादव आदि ने बताया है कि उपभोक्ता बार-बार दौड़कर पावर हाउस का चक्कर लगा रहे हैं। फिर भी उनका बिल सुधार नहीं किया जा रहा है। संबंधित कर्मचारी कहते हैं कि बिल जमा कर दीजिए। अगर आपका पैसा अधिक होगा तो रिवाइज हो जाएगा। इससे विद्युत उपभोक्ता परेशान है। ना तो कोई सुनने वाला है और ना तो ऐसे कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने वाला। लोगों ने अधीक्षण अभियंता से आग्रह किया है कि बिजली बिल का सही सुधार किया जाए, जिससे उपभोक्ता अपना उचित विद्युत बिल जमा कर सके। इस संदर्भ में पूछने पर एसडीओ अंबुज तिवारी ने बताया कि इस संदर्भ में उपभोक्ताओं से शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाती है। गलत विद्युत बिल को सुधार करवा कर पैसा जमा किया जाता है। अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह मुझसे संपर्क कर सकता है।

40 पेटी अंग्रेजी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

बलिया। नरही पुलिस ने बुधवार को शराब तस्करी की फिराक में लगे एक तस्कर को 40 पेटी अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार बरामद शराब की कीमत लगभग 2.50 लाख रुपये है। हालांकि मौके का फायदा उठाकर उसके साथी फरार होने में सफल हो गए। पुलिस ने तस्कर के पास से नाव एवं बाइक भी जब्त की है। पुलिस ने तस्कर के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय चालान कर दिया है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर ने बताया कि उप निरीक्षक कुलदीप कुमार पुलिस टीम के साथ गश्त कर रहे थे। इसी बीच भरौली मंदिर घाट के पास विकास प्रजापति निवासी भरौली को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। उसने शराब बिहार लेकर जाने की बात बताई। उसकी निशानदेही पर गंगा घाट पर छोटी नाव में आठ काले बोरे में शराब की 40 पेटी शराब बरामद की गई। शराब तस्करों ने अनुज्ञापी की पहचान उजागर न हो, इसके लिए बोतल के बार कोड पर पेंट लगा दिए थे। आरोपी का चालान कर दिया गया। वहीं, तस्कर के पास से एक बाइक भी बरामद की गयी।

ड्रोन दीदी एवं ड्रोन सहायकों का होगा चयन

कवायद

नैनो यूरिया से किसान अपनी आय में करें वृद्धि

मऊ। जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत नमो ड्रोन दीदी एवं ड्रोन सहायकों के चयन हेतु समिति के सदस्यों के साथ बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक के दौरान उपायुक्त एनआरएलएम उपेंद्र पाठक द्वारा बताया गया कि नमो ड्रोन दीदी के चयन होने से लाभों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि जनपद स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समूहों के चयन, महिला पायलट के चयन एवं योजना के क्रियान्वयन, पर्यवेक्षण एवं प्रगति की समीक्षा हेतु जनपद स्तरीय समिति का गठन किया गया है, जिसमें मुख्य विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, जिला गन्ना अधिकारी, सहायक निबंधक सहकारी समिति, वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र, डीडीएम नाबार्ड, जिला प्रबंधक समन्वयक लीड बैंक एवं जिला प्रबंधक इफको सदस्य होंगे तथा उपायुक्त एन.आर.एल.एम. सदस्य सचिव रहेंगे।

उन्होंने बताया कि जनपद स्तरीय समिति द्वारा लक्षित क्षेत्रफल के सापेक्ष चयनित भू-भागके आधार पर संबंधित नोडल सीएलएफ का चयन किया जाएगा। चयनित संकुल स्तरीय संघ सीएलएफ के दायित्वों के संबंध में उन्होंने बताया कि अपने अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूह सदस्यों को नमो ड्रोन के संचालन हेतु पायलट एवं सहायक रूप में चयनित करना है।

ड्रोन का सुचारू रूप से संचालन एवं आर्थिक व्यवहार्यता को सुनिश्चित करना। कृषकों एवं स्वयं सहायता समूह सदस्यों को ड्रोन उपयोग के लाभ के प्रति जागरूकता बढ़ाना। सीएफएफ के पदाधिकारी के माध्यम से उर्वरक कंपनियों एवं उर्वरक कीटनाशक विक्रेताओं से समन्वय नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी को मांग के अनुरूप उपलब्ध करवाना। एक दूसरे से सटी हुई कम से कम 1000 से 1500 हेक्टेयर कृषि भूमि में व्यावसायिक फसलों की उपलब्धता। ऐसे क्लस्टर जहां 4000 एकड़ या अधिक की भूमि कृषि हेतु संचित हो। ऐसे कृषि क्षेत्र जहां अधिक उर्वरक एवं कीटनाशक की खपत हो, के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी प्रशांत नागर, परियोजना निदेशक रामबाबू त्रिपाठी, जिला कृषि अधिकारी सोम प्रकाश गुप्ता सहित जनपद स्तरीय समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

संक्षेप

गांव की बेटी असिस्टेट कमिश्नर बनी, बधाइयों का ताता

दोहरीघाट (मऊ)। ब्लाक अन्तर्गत धनौली गांव निवासी रामसमुझ राय की बेटी रेनू राय के असिस्टेंट कमीशनर के पद पर तैनाती से जहां गांव मे खुशी का माहौल है। वहीं परिजनो के घर बधाइयो का तांता लगा हुआ है तथा लोग मिठाई बांटकर खुशी का इजहार कर रहे है। रेनू राय वर्तमान मे सहारनपुर मे कामर्शियल टेक्स आफिसर के पद पर तैनात थी।

चार वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

मऊ। जनपद के विभिन्न थानों द्वारा गुरूवार को देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान जरिये मुखबिर की सूचना पर थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा वारण्टी अभियुक्त सुरेश पुत्र सुखदेव निवासी रहजनियाँ थाना कोतवाली नगर जनपद मऊ तथा थाना दोहरीघाट पुलिस द्वारा वारण्टी अभियुक्तगण टेकरी पुत्र मुन्नर यादव निवासी कस्बा दोहरीघाट जनपद मऊ, बृजेश राय पुत्र रघुनाथ राय निवासी खरकौली थाना दोहरीघाट जनपद मऊ, रिशु चैहान पुत्र लल्लन निवासी अहिरानी बुजुर्ग थाना दोहरीघाट जनपद मऊ को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय किया गया।

ग्रामोद्योग बोर्ड विपणन विकास सहायता के अंतर्गत एक दिवसीय जागरूकता शिविर का किया गया आयोजन

मऊ। जिला ग्राम उद्योग अधिकारी राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि उ० प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड विपणन विकास सहायता के अंतर्गत जनपद के सदर तहसील वि० खण्ड परदहा पर एक दिवसीय जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें विभाग द्वारा संचालित विभिन्न लाभार्थीपरक योजनाओं, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम मुख्य मंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना एवं मुख्यमंत्री माटी कला रोजगार योजना अंतर्गत उद्यम स्थापना हेतु इच्छुक प्रतिभागियों को बैंको के माध्यम से नियमानुसार वित्तीय सहायता/ऋण अनुदान आदि उपलब्ध करायें जाने के विषय में बताया गया। विस्तृत जानकारी विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रदान की गयी जिसमें जिला अग्रणी प्रबन्धक यूबीआई मऊ उपायुक्त जिला उद्योग केन्द्र मऊ निदेशक आर सेट्टी मऊ तथा जिला ग्रामोद्योग अधिकारी द्वारा विभागीय योजनाओं के बारे में जानकारी दी गयी।

राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर प्री-ट्रायल बैठक का आयोजन

मऊ। 14 दिसम्बर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में मोटर दुर्घटना प्रतिकर वादों का अधिक से अधिक संख्या में चिन्हांकन व निस्तारण किये जाने हेतु गुरूवार को जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुनील कुमार की अध्यक्षता में दीवानी न्यायालय सभागार में प्री-ट्रायल बैठक आहूत की गयी। उक्त बैठक में जनपद न्यायाधीश द्वारा निर्देशित किया गया कि अधिक से अधिक संख्या में मामलों को चिन्हित करना सुनिश्चित करें ताकि उक्त लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण किया जा सके। अपर जनपद न्यायाधीश बाकर शमीम रिजवी ने उक्त विज्ञप्ति के माध्यम से आमजन से अपील की है कि 14 दिसम्बर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने लम्बित वादों का निस्तारण कराकर इस अवसर का लाभ उठायें।

बिहार के भक्त ने मां विंध्यवासिनी धाम में भेट किया चांदी का गेट

मीरजापुर। औरंगाबाद बिहार राज्य के एक भक्त द्वारा चांदी का गेट व पत्र मां के चरणों में समर्पित किया। श्री विंध्य पंडा समाज व जिला प्रशासन के अधिकारियों के अनुमति के पश्चात गुरूवार को सायं काल प्रथम निकास द्वार दरवाजा बंद कर कार्य को शुरू किया गया। द्वितीय निकास द्वार से वीआईपी व आम श्रद्धालु दर्शन पूजन का कार्य सुचारू रूप से चल रहे हैं। बताते चले की औरंगाबाद बिहार राज्य के रविंद्र कुमार सिंह के तीर्थ पुरोहित सूर्य प्रसाद मिश्रा फन्नर ने बताया कि विगत कई वर्षों से प्रतिमाह परिवार के साथ दर्शन पूजन करने के लिए आते थे। मां के चरणों में सेवा भाव करने की जिज्ञासा उठी उन्होंने 76 किलो 800 ग्राम का चांदी का गेट एवं पत्र मां के समर्पित की है जो प्रथम निकास द्वार पर दरवाजा लगाए जा रहा है। श्री विंध्य पंडा समाज अध्यक्ष पंकज द्विवेदी ने बताया कि मां विंध्यवासिनी के तीर्थ पुरोहित सूर्य प्रसाद मिश्रा के जजमान द्वारा मां के चरणों में चांदी का गेट समर्पित किया गया है जिसको लगवाने के लिए पंडा समाज कार्यकारिणी की बैठक में हुई।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 62 जोड़ों की हुई शादी

मऊ। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत कम्यूनिटि हाल परिसर मऊ में खण्ड विकास अधिकारी परदहा की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विकास खण्ड-बड़राव के 12 जोड़े, विकास खण्ड-फतहपुर मण्डाव के 05 जोड़े विकास खण्ड रतनपुरा के 01 जोड़े, विकास खण्ड घोसी के 02 जोडे, विकास खण्ड मु०बाद गोहना के 15 जोड़े, विकास खण्ड-रानीपुर के 06 जोड़े, विकास खण्ड दोहरीघाट के 09 जोड़े, विकास खण्ड कोपागंज के 08 जोड़े, विकास खण्ड परदहां के 04 जोड़े सम्मिलित हुए। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विनय कुमार, सदस्य उ०प्र० अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग, विशिष्ट अतिथि राजेश कुमार, ब्लाक प्रमुख परदहा, खण्ड विकास अधिकारी परदहा तथा जिला समाज कल्याण अधिकारी मऊ उपस्थित होते हुए जोड़ों को आशीर्वाद दिये। मुख्य अतिथि विनय कुमार द्वारा बताया गया कि जनपद मऊ का लक्ष्य 1051 है। अब तक कुल 393 जोड़ों का विवाह कराया जा चुका है। आज के कार्यक्रम में 62 जोड़ों का विवाह सम्पन्न कराया जा रहा है। विवाह में उपहार सामग्री स्वरूप साड़ी सेट, दुल्हा हेतु पैण्ट शर्ट का कपड़ा, चांदी की बिछ्या 01 जोड़ी व पायल 01 जोड़ी, स्टील डिनर सेट, प्रेशर कुकर, ट्राली बैग, वैनिटी किट, दीवार घड़ी आदि वैवाहिक उपहार सामग्री जोड़ों को वितरित की गयी तथा विवाह के पश्चात रू0 35 हजार की धनराशि लाभार्थी के खाते में भेज दी जायेगी। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने जनपद के लोगों से अत्यधिक आवेदन कर सामूहिक विवाह योजना का लाभ उठाने की अपील की।

गांवों की सड़कों पर दिख रहा कूड़ा-कचरा

मनियर। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत जहां सरकार गांवों को स्वच्छ और सुंदर बनाना चाहती हैं, वही अधिकारी लगातार सरकार के आदेशों की नाफरमानी कर रहे हैं। गांवों में शौच मुक्त से शुरु होने वाले दावे अब शौच युक्त हो गए हैं। इस मामले में जहां अधिकारी और जनप्रतिनिधि शौच मुक्त गांव होने की बड़ी-बड़ी डींगे हांक रहे हैं, वहीं धरातल पर सच्चाई इसके विपरित दिखाई दे रही हैं। मनियर ब्लाक का कोई भी गांव ऐसा नहीं हैं, जहां सड़कों पर शौच और कूड़ा दिखाई न दे। सरकार कह रही हैं कि हर घर शौचालय दिया जा चुका हैं। गांवों में सड़कों पर कोई भी शौच नहीं करता हैं, पर सरकार और अधिकारियों के यह दावे धरातल पर झूठे साबित हो रहे हैं। सरकार को इस मामले में जांच करनी चाहिए कि जो रिपोर्ट ऊपर भेजी जा रही हैं, वह सही भी है या नहीं।इस मामले में जब बीडीओ मनियर से बात की गई तो उन्होंने बताया कि ऐसी कोई बात नही हैं। सभी गांवों में साफ-सफाई का ध्यान रखा जा रहा हैं और रोस्टर बनाकर कार्य किया जा रहा हैं। उन्होंने बताया कि मनियर ब्लाक का कोई भी गांव अभी ओडीएफ प्लस घोषित नहीं हुआ हैं।

खंभों की शोभा बढ़ा रहीं स्ट्रीट लाइटें

खराब पड़ी स्ट्रीट लाइट

शोभा की चीज

खराब पड़ीं स्ट्रीट लाइटों को सही नहीं कराये जाने से रोष

बलिया/सिकंदरपुर। सिकंदरपुर नगर पंचायत में मुख्य मार्ग से लेकर गलियों को रोशन करने के लिए करोड़ों रुपए खर्च कर स्ट्रीट लाइट को लगाया गया है, लेकिन यह लाइटें शो-पीस की तरह सिर्फ खंभों पर लटकी हुई हैं। नगर के अधिकांश इलाकों में खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों को सही नहीं कराए जाने के चलते शाम ढलते ही न सिर्फ अंधेरा पसर जाता है, बल्कि लोग हादसे की आशंका भी जाहिर कर रहे हैं। इस संबंध में नगर पंचायत के चेयरमैन प्रतिनिधि एवं अधिशासी अधिकारी से नगरवासियों ने शिकायत किया है, लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है। इससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

सिकंदरपुर नगर पंचायत के बस स्टैंड चौराहा से लेकर गांधी इंटर कालेज, रामनारायण के दरवाजे से मंटू गुप्ता के घर, बस स्टैण्ड चौराहा से लेकर मैनापुर मार्ग, बस स्टैंड चौराहा से लेकर बालूपुर मार्ग स्थित कोल्ड स्टोरेज के पास, बस स्टैंड चौराहा से लेकर बेल्थरा मार्ग स्थित धोबहा, नगरा मोड़ से लेकर नगरा मार्ग स्थित अरविंद वर्मा के घर एवं नगर के राहिलापाली, हास्पिटल गली में जाने वाले रास्ते पर नगर पंचायत द्वारा सौंदर्यीकरण के दौरान स्ट्रीट लाइटों को लगाया गया था, ताकि सड़क मार्ग रोशन हो सकें। इसके अलावा नगर के प्रत्येक वार्ड और गली में भी खंभों पर स्ट्रीट लाइट लगाई थी। लेकिन दो से तीन साल के भीतर ही लगभग 60 फीसदी स्ट्रीट लाइटें बंद हो चुकी हैं। यही वजह है कि शाम के समय में सड़कों पर अंधेरा पसरा रहता है। हालांकि बाजार चालू रहने तक तो उजाला रहता है, लेकिन बाजार बंद होने के बाद सड़कों पर अंधेरा पसर जाता है। यही नहीं, गलियों में भी अब लोग घर के बाहर बल्ब नहीं जलाते हैं, जिससे यहां अंधेरे के हालात रहते हैं। अंधेरा होने के चलते जहां चोरी, लूट एवं एक्सीडेंट जैसी घटनाओं की आशंका लोगों द्वारा व्यक्त की गई है, वहीं पुलिस को भी गश्त करने के दौरान अंधेरे के चलते परेशानी का सामना करना पड़ता है। पवन कुमार, रामजी, मनीष कुमार, जितेंद्र कुमार, चंदन कुमार, बृजेश, अशोक कुमार, जितेश कुमार ने स्ट्रीट लाइट को सही कराए जाने की मांग की है।

मुख्य मार्ग पर पसरा रहता है अंधेरा

बलिया/सिकंदरपुर। बलिया-सोनौली मार्ग पर स्ट्रीट लाइट बंद होने के चलते गांधी इंटर कालेज से लेकर तहसील एवं मनियर मार्ग स्थित मैनापुर तक आधे से अधिक स्ट्रीट लाइटें खराब होने से रात के अंधेरे में आने-जाने में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं। इधर, बालूपुर मार्ग, नहर मार्ग, बस स्टैंड के पास के अलावा गलियों में भी 60 फीसदी स्ट्रीटें का खराब होना लोगों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। हालांकि उच्चाधिकारियों ने अब इस मामले में नगर पंचायत सिकंदरपुर के कर्मचारियों को खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों को सही कराने के निर्देश दिए हैं, ताकि लोगों को सुविधा मिल सके।

परेशान हो रहे सुबह-शाम वॉक करने वाले लोग

बलिया/सिकंदरपुर। कुछ साल पहले नगर से होकर निकले मुख्य मार्गो पर नगर पंचायत सिकंदरपुर द्वारा स्ट्रीट लाइट चालू कराई गई थी। स्ट्रीट लाइट चालू होने के बाद लोग शाम और सुबह के समय वॉक करने के लिए निकलते थे तो उन्हें परेशानी नहीं होती थी। पिछले कई महीनों से आधे से अधिक स्ट्रीट लाइटें बंद हो चुकी हैं। ऐसे में शाम एवं सुबह के समय लोगों को निकलने में परेशानी हो रही है। लोगों को सुबह और शाम के समय वॉक करने के दौरान हादसे की आशंका नजर आती है। लोगों ने कई बार इन स्ट्रीट लाइटों को सही करने की मांग की है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो पा रही है।

स्ट्रीट लाइट को खोल कर दूसरे खंभे पर लगाया

बलिया/सिकंदरपुर। बालूपुर रोड निवासी जितेंद्र कुमार, मनोज कुमार, दिलीप कुमार, राजू ने बताया कि बालूपुर मार्ग पर बस स्टैंड चौराहा से लेकर कोल्ड स्टोरेज तक पिछले नगर पंचायत कार्यकाल में दक्षिण पटरी के पोल पर स्ट्रीट लाइट लगी थी। लेकिन वर्तमान नगर पंचायत के कार्यकाल में सभी स्ट्रीट लाइटों को पुनः खोल कर उसी मार्ग पर उत्तर पटरी पर लगे पोल पर लगा दिया गया। लोगों ने बताया कि एक ही स्ट्रीट लाइट को पता नही क्यो खोल कर कभी सड़क के उत्तर तरफ लगे पोल पर तो कभी सड़क के दक्षिण तरफ लगे पोल पर लगा दिया जाता है। स्ट्रीट लाइट की पोल दोनों तरफ लगी हुई है। इस मार्ग पर अधिकांश स्ट्रीट लाइट जलती भी नही है।

> हमको बालूपुर मार्ग की तरफ लगे स्ट्रीट लाइट के हेरफेर की जानकारी नहीं है। इसके बारे में पता करते है। अन्य जगहों पर स्ट्रीट लाइट खराब होने की सूचना प्राप्त है। जल्द से जल्द खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों को सही करा दिया जाएगा।
>
> **मनोज कुमार पाण्डेय, अधिशासी अधिकारी, नपं सिकंदरपुर**

रेल पुल का निर्माण कार्य तेज नये वर्ष से दौड़ेंगी कई ट्रेनें

तैयारी पूरी

325 करोड़ की लागत से हो रहा तुर्तीपार रेल पुल का निर्माण

शेष छह स्पैन को फरवरी 2025 तक लांच कर दिया जाएगा

बलिया। बेल्थरारोड-वाराणसी रेल मंडल के भटनी-औड़िहार रेलखंड पर बेल्थरारोड रेलवे स्टेशन के पश्चिम सरयू नदी पर तूर्तीपार रेल पुल संख्या-31 का निर्माण कार्य अब तेजी से जारी है। लगभग 325 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे तुर्तीपार रेल पुल के निर्माण से बिना काशन फुल स्पीड में ट्रेनें दौड़ेंगी।

नए तुर्तीपार रेल पुल के 18 में से 12 स्पैन को लांच कर दिया गया है। स्टील और लोहे के गाटर का कार्य भी जारी है। शेष छह स्पैन को फरवरी 2025 तक लांच कर दिया जाएगा। नए पुल के चालू होने के बाद दोनों लाइन से ट्रेनों का परिचालन शुरू हो जाएगा। तुर्तीपार-बेल्थरारोड रेलवे स्टेशन के बीच सरयू नदी पर अंग्रेजों के जमाने का बना पुराना रेल पुल जर्जर हो चुका है। फिलहाल इसी रेल पुल से सभी ट्रेनें गुजरती हैं। रेल पुल निर्माण की निगरानी कर रही रेल विकास निगम लि. के सीपीएम (मुख्य परियोजना अधिकारी) आशुतोष शुक्ल ने बताया कि रेल पुल के सभी 18 आगामी स्पैन फरवरी 2025 तक लांच हो जाएंगे। 12 स्पैन लांच हुए हैं। शेष का कार्य तेजी से जारी है।

नदी तल से 45 मीटर ऊंचे बने हैं सभी पाये

बलिया। तुर्तीपार रेल पुल के नीचे से विशाल जहाज भी आसानी से निकल जाएगा। नए रेल पुल के सभी 17 पायों में सेफ्टी वाल का निर्माण किया गया है। अगर कोई बड़ा जहाज पुल की दीवारों से अचानक टकरा भी जाएं तो कोई खास नुकसान नहीं पहुंचेगा। सभी पाये नदी तल से करीब 45 मीटर ऊंचे बने हैं।

उपभोक्ताओं को सुचारू रूप से नहीं मिल रही बिजली

बैरिया। शासन के लाख प्रयास के बाद भी बिजली विभाग में सुधार नही हो रहा है। तीन की जगह एक लाइनमैन की तैनाती के कारण विद्युत आपूर्ति में बाधा उत्पन्न हो रही है। छोटा सा फाल्ट दूर करने में घंटों समय लग जाता है। फलस्वरुप शासन की मंशा के अनुसार उपभोक्ताओं को बिजली नहीं मिल पा रही है। विद्युत वितरण खंड चार के विद्युत उपकेंद्र लोकधाम ठेकहा के मठिया फीडर में वर्षों से संविदा के तीन लाइनमैन मनु सिंह, नीरज वर्मा व शैलेंद्र यादव तैनात थे। एक लाइनमैन से झगड़ा के आरोप में नीरज वर्मा एवं शैलेंद्र यादव को कंपनी द्वारा हटा दिया गया। उनकी जगह कोई नई तैनाती नहीं की गई है। फलस्वरुप इस फीडर पर विद्युत आपूर्ति में व्यवधान पड़ रहा है। छोटे-छोटे फाल्ट दूर करने में घंटों समय लग जा रहा है। उपभोक्ता बार-बार अपनी समस्या को लेकर विद्युत उपकेंद्र पर भाग दौड़ कर रहे हैं, किंतु हैण्ड नहीं होने के कारण विद्युत फाल्ट दूर करने में काफी समय लग रहा है। विद्युत उपभोक्ताओं ने अधीक्षण अभियंता से आग्रह किया है कि या तो दोनों पुराने लाइनमैनों को तैनात किया जाए अथवा नए लाइनमैन उनके स्थान पर तैनात किए जाए, ताकि विद्युत आपूर्ति में बाधा उत्पन्न न हो। इस बाबत पूछने पर अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खण्ड चार मूलचंद शर्मा ने बताया कि जो लाइनमैन मौजूद है, उन्हीं से काम चलाना है। वहां आदमी सर प्लस थे। दूसरे फीडर से अवर अभियंता को मठिया फीडर पर एक-दो लाइनमैन स्थानांतरित कर काम लेना चाहिए। मामले को दिखवा रहा हूं। फाल्ट के चलते विद्युत आपूर्ति बाधित होने नहीं दिया जाएगा।

संगठन हित में होना चाहिए चुनावः लल्लू सिंह

बलिया। भाजपा के संगठन पर्व के तहत प्रदेश में संगठनात्मक चुनाव होना है। यह चुनाव पसंद एवं नापसंद से न होकर संगठन हित में होना चाहिए। इसके लिए बूथ एवं मंडल बूथों का मजबूत होना आवश्यक है। इससे भाजपा भी मजबूत होगी। उक्त बातें अयोध्या के पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने व्यक्त किया। गुरुवार को वह भाजपा कार्यालय पर चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। मजबूत बूथ और मंडल इकाइयां ही 2027 के चुनावों में भाजपा की तीसरी बार लगातार सरकार बनाने में सहयोगी होंगी। कहा कि 35 से 45 वर्ष तक की आयु तक के कार्यकर्ता को ही मंडल अध्यक्ष के लिए चुनना है। मण्डल अध्यक्ष वहीं होगा, जो दो बार सक्रिय सदस्य हो। भाजपा जिलाध्यक्ष संजय यादव ने भी चुनाव प्रक्रिया बताई। पार्टी की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने की बात भी कही। इस मौके पर पूर्व सांसद भरत सिंह, राजधारी सिंह, विजय बहादुर सिंह, विनोद शंकर दुबे, सुरेन्द्र सिंह, जयप्रकाश साहू, उपेंद्र पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

एमएसपी कानून बनाने से मुकर रही सरकार

बोले परमात्मानंद राय

किसानों पर छोड़े जा रहे आंसू गैस के गोले, बरसाई जा रहीं लाठियां

बलिया। सरकार कह रही है कि किसानों की फसलें न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी जायेगी, लेकिन वह एमएसपी कानून बनाने से मुकर रही है। आखिर क्यों? जरूर कुछ दाल में काला है। सरकार किसानों को भरमा रही है। सिंधु बार्डर पर किसान फरवरी से उन पुरानी मांगों को लेकर डटे हुए है, जो पिछले वर्षों में हुए किसान आंदोलन में सरकार ने उनसे वादे किए थे। किसान दिल्ली जाकर सरकार से उन मांगों के बारे में बात करना चाहते है, लेकिन उनके ऊपर आंसू गैस के गोले छोड़े गए तथा पुलिस ने लाठियां बरसाईं। यह निंदनीय है।

उक्त बातें संयुक्त किसान मोर्चा बलिया के संयोजक परमात्मा नंद राय ने व्यक्त करते हुए कहा कि पूरे देश में किसान सरकार की किसान विरोधी नीतियों से असंतुष्टि है। वे नोयडा प्राधिकरण के किसानों से हुए समझौते को लागू करने का आंदोलन कर रहे हैं तथा पुलिस की लाठियां खाने को तैयार हैं। इधर, बलिया में किसानों ने ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे का निर्माण रोका। क्योंकि जिला प्रशासन किसानों को अंधकार में रखकर उनके सामने समस्याएं खड़ा करना चाह रहा है। किसान चाहते हैं कि उन्हें अपने खेतों में जाने के लिए पुलिया का निर्माण कराया जाए। कहा कि सरकार किसानों की बात सुनने को तैयार नहीं है। क्योंकि सरकार को पूंजीपतियों, उद्योगपतियों के लाभ की चिंता है, किसानों की नहीं। इसलिए किसान चुप रहने वाले नही है। आने वाले दिनों में किसान आंदोलन पूरी ताकत से पूरे भारत में बढ़ेगा। किसानों की मांगें उसी तरह से सरकार मानेगी, जैसे पिछले किसान आंदोलन के दौरान सरकार को तीन कृषि कानूनों को वापस लेना पड़ा था।

इलाज के दौरान व्यापारी की ट्रॉमा सेंटर में हुई मौत

रेवतीपुर। सुहवल गाँव निवासी एवं चार दिन पूर्व सडक हादसे में घायल व्यवसायी अशोक सिंह कुश्वाहा उम्र करीब (52) का ट्रामा सेंटर वाराणसी में इलाज के दौरान मौत हो गई। जिसके कारण परिजनों में जहाँ कोहराम मच गया,वहीं पूरे मुहल्ले में इस घटना के बाद से ही सन्नाटा पसरा हुआ है। अस्पताल से शव घर पहुंचते ही परजनों में चीत्कार मच गया। पत्नी इंदू देवी सहित अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। सूचना पर अगल बगल के पहुंचे ग्रामीणों और शुभेच्छुओं ने परिजनों को ढाढंस बधाते हुए उन्हें सांत्वना देने में लगे रहे,मगर पिडित परिजनों के आसूं रूकने का नाम नहीं ले रहा था।वहीं परिजनों ने सडक हादसे में घायल की इलाज के दौरान हुई मौत की सूचना पुलिस को दिए बगैर गंगा तट पर मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया।मालूम हो कि बीते चार दिन पूर्व अशोक सिंह कुश्वाहा सुहवल गाँव के ही महादेवां चट्टी पर कुछ काम से गये थे। वहाँ से वापस आते समय ताड़ीघाट-बारा नेशनल हाईवे पर पिछे से आ रहे वाहन ने धक्का मार दिया। जिसके कारण वह जख्मी होकर गिर पड़े। जबकि धक्का मारने वाला वाहन चालक मय वाहन समेत भीड़ का फायदा उठा मौके से फरार हो गया। जबकि हादसे में घायल की सूचना परिजनों को मिलते ही उनमें कोहराम मच गया था। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने घायल को वाहन से गाजीपुर अस्पताल ले गये। जहाँ हालात गंभीर देख चिकित्सकों ने घायल को वाराणसी ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया,इसके बाद परिजन घायल को ट्रामा सेंटर ले जाकर भर्ती कराया। जहाँ बीते बुधवार की देर शाम को इलाज के दौरान मौत हो गई।पिडित परिजनों के मुताबिक मृतक अपने तीन भाईयों में सबसे बडा था,उसके दो पुत्र विनय और सुनील है,बताया कि मृतक अशोक व्यवसाय और खेती कर किसी तरह परिवार का जीविकोपार्जन चलाता था,उसके पिता धुरंधर सिंह कुशवाहा भी घर पर ही रहकर खेती बारी करते है। प्रभारी निरीक्षक राजू दिवाकर ने बताया कि हादसे की सूचना परिजनों ने नहीं दी,अगर कोई लिखित तहरीर देगें तो पुलिस वैधानिक कार्यवाई को तैयार है।

बीमारी से तंग विवाहिता ने लगाई फांसी, मौत

भांवरकोल। स्थानीयन क्षेत्र के जगदीशपुर गांव में गुरुवार को सुबह बीमारी से तंग आकर सत्येंद्र कुमार गोंड़ की पत्नी नीमा देवी(35) रस्सी के सहारे छत की कुंडी से लटक आत्महत्या कर अपनी इह लीला समाप्त कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सत्येंद्र अपने चार भाईयों में तीसरे नंबर पर है और वह अपनी पत्नी नीमा और दो पुत्रों के साथ अलग रहता था ।वह अपने परिवार की परवरिश के लिए छत्तीसगढ़ के रायपुर में रहकर ट्रक चलाने का काम करता था। सत्येंद्र कुमार गोंड़ की पत्नी नीमा देवी भी काफी दिनों से बीमार रहती थी और उसकी दवा गाजीपुर से चल रही थी पति-पत्नी दोनों अस्वस्थ रहते थे। गुरुवार को सुबह जब सत्येंद्र शौच के लिए बात कर चला गया और बच्चे भी घर के अंदर नहीं थे तो एकांत पाकर नीमा ने सीढ़ी पर चढ़कर छत की कुंडी में रस्सी के सहारे लटक कर अपनी इह लीला समाप्त कर दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया ।थानाध्यक्ष विवेक कुमार तिवारी ने बताया कि मृतका नीमा देवी के पति सत्येंद्र कुमार गोंड़ द्वारा दी गई। लिखित सूचना में बताया गया है की नीमा ने अपनी बीमारी से तंग आकर आत्महत्या कर ली है। विधिक कार्यवाही करते हुए मृतका नीमा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सेवराई तहसील को बनवाने के लिए सुप्रीम कोर्ट तक लड़ा : ओपी सिंह

सेवराई। लोकतंत्र में चार चीजें बहुत मजबूत होती हैं।न्याय पालिका, कार्यपालिका, विधायिका और पत्रकारिता जो एक दूसरे के पूरक होते हैं। पहले चारो में से एक के कमजोर पड़ने पर तीन उसको संभाल लेती थी। लेकिन आज चारों में सबसे अधिक गिरने की होड़ लगी है कि कौन किससे अधिक गिर सकता है । आज सबसे बडी दुख की बात है कि जो दूसरों को न्याय दिलाने का काम करते हैं । इस सरकार में उसे बैठने के लिए एक चेंबर भी सरकार नहीं बनवा पा रही है। अधिवक्ता बहुत ही बौद्धिक लोग होते हैं। मैं हमेशा से ही वकीलों का बहुत ही कद्र करता हूं। उक्त बातें जमानियां विधायक ओमप्रकाश सिंह ने सेवराई तहसील के बार एशोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह को बतौर मुख्यअतिथि संबोधित करते हुए कही । उन्होंने कहा कि तहसील व ब्लाक से गांवों का विकास व लोगों को सुविधाएं मिलती है । सेवराई तहसील को बनवाने के लिए मैने सुप्रीम कोर्ट तक लड़ा हूं। इससे पूर्व सेवराई तहसील के बार एशोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को उपजिलाधिकारी संजय यादव ने पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई । इस मौके पर संजय यादव एसडीएम,सुनील सिंह तहसीलदार, पंकज कुमार नायब तहसीदार, अय्याज खां अध्यक्ष बार एशोसिएशन, सुमन्त कुशवाहा, मोहनलाल चौधरी, रामसेवक राम,अशोक सिंह, सुरेश सिंह, धीरेंद्र सिंह,अजय राय आदि लोग मौजूद रहे । अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता दयाशंकर सिंह व संचालन भोला यादव ने किया ।

सेवराई तहसील बार एसो के शपथ ग्रहण समारोह में बोलते विधायक ओपी सिंह।

डीएम की अध्यक्षता में चकबंदी कार्यों की गहन समीक्षा

गाजीपुर। जिला उप संचालक चकबन्दी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में चकबन्दी कार्यों की गहन समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुआ। समीक्षा बैठक में आयुष चौधरी, मुख्य राजस्व अधिकारी/उप संचालक चकबन्दी जनपद व रमजान बख्श, बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी, चकबन्दी अधिकारी तथा समस्त सहायक चकबन्दी अधिकारी उपस्थित थे। समीक्षा बैठक में वर्तमान में चकबन्दी प्रक्रियाधीन कुल 17 ग्रामों की ग्रामवार समीक्षा की गयी। इन 17 ग्रामों में 06 ग्राम बेमुआ, शेरपुर ढोटारी, हटवार मुरारसिंह, भैरोपुर, मखदूमपुर व दशवन्तपुर नव प्रसार के हैं, जो वर्ष 2023 एवं 2024 में चकबन्दी प्रक्रिया में सम्मिलित किये गये है। इन सभी ग्रामों में चकबन्दी प्रक्रिया निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप गतिमान है। ग्राम रायपुर बाघपुर में धारा-52 का प्रकाशन पूर्ण करते हुए शेष 10 ग्राम बबुरा, सकरा, मौधियां, तरांव (सैदपुर), तरांव (खानपुर), तिलसड़ा, दरवेपुर, बद्धोपुर, बघांव व मुड़ियार, 10 वर्ष से अधिक समय से चकबन्दी प्रक्रिया के अन्तर्गत गतिमान है। 10 वर्ष से अधिक पुराने इन ग्रामों की चकबन्दी प्रक्रिया का नियमित अनुश्रवण करते हुए दो वर्ष में पूर्ण कराने हेतु जिलाधिकारी, द्वारा निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी द्वारा उच्च न्यायालय के स्थगन से प्रभावित 03 ग्रामों, तिलसड़ा, दरवेपुर व तरांव (खानपुर) में स्थगन आदेश समाप्त कराने हेतु उच्च न्यायालय में प्रभावी पैरवी करने के निर्देश दिये गये। बैठक में उपस्थित समस्त अधिकारियों को यह निर्देशित किया गया कि जन समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहकर गुणात्मक रूप से समस्याओं का निराकरण करायें तथा इस वित्तीय वर्ष में धारा-7, 8, 9, 10, 20, 23, 24, 27 एवं 52 में लक्षित ग्रामों में निष्पक्ष, पारदर्शी, समयबद्ध व गुणवत्तापरक ढंग से कार्य करते हुए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप चकबन्दी कार्य की प्रगति सुनिश्चित करें। उप संचालक चकबन्दी/बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी/चकबन्दी अधिकारी के न्यायालयों में विचाराधीन वादों का शासन के निदेर्शानुसार समयबद्ध ढंग से निस्तारण किये जाने व विभिन्न चकबन्दी न्यायालयों की पत्रावलियों एवं चकबन्दी प्रक्रिया के अन्तर्गत शामिल ग्रामों के अभिलेखों का रख-रखाव बेहतर ढंग से सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये गये।

एमडीएम घोटाले में प्रबंधक से पत्रावली तलब

कार्रवाई

जांच अधिकारी ने मदरसे के प्रबंधक और प्रधानाचार्य को तीन दिन के अंदर एमडीएम से जुड़े सभी दस्तावेज मांगे

गाजीपुर। चर्चित मदरसा में मध्यान्ह भोजन में 46 लाख घोटाले के आरोपों की जांच के लिए जांच अधिकारी ने प्रबंधक से पत्रावली तलब की है। जांच अधिकारी ने आरोपों से जुड़े सभी दस्तावेजों को तीन दिन के अंदर उपलब्ध कराने के लिए पत्र जारी किया है। दरअसल, मदस्सा मदरसतुल मसाकीन में एमडीएम की धनराशि में 46 लाख से अधिक रूपए के घोटाले का आरोप लगा है। दस लाख की खाद्यान उठान और 36 लाख 22 हजार पैतीस रूपए कन्वर्जन कास्ट में गबन किया गया है। आरोप शिकायतकर्ता एडवोकेट शकील अख्तर ने जिलाधिकारी आर्यका अखौरी और कमिश्नर को लिखित शिकायत पत्र भेजकर लगाया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि मदस्सा मदरसतुल मसाकीन प्रबंधक हाफिज अब्दुल गनी और शिक्षा प्रबंधक जियाउर्रहमान ने एमडीएम योजना में बड़ा घोटाला किया है। भारतीय स्टेट बैंक बहादुरगंज की शाखा में मदरसा के एमडीएम का खाता संचालित है। खाता संख्या 33232566670 है। जिसमें अपने रिश्तेदारों, आभूषण की दुकानों के मालिकों, मिठाई,इलेक्ट्रोनिक्स, हार्डवेयर, ईट भट्टा और सट्टा वालों के खातों में धनराशि स्थानांतरित की गई है।

मदरसा से अभिलेख उपलब्ध कराने का निर्देश

जांच अधिकारी खंड शिक्षा अधिकारी मुहम्मदाबाद दीनानाथ साहनी ने मदरसा मदरसतुल मसाकीन, बहादुरगंज में पीएम पोषण (मध्यान्ह भोजन) योजनान्तर्गत कोविड-19 की अवधि में खाद्य सुरक्षा भत्ता के मद में भेजी गई धनराशि एवं खाद्यान्न को बच्चों / अभिभावको को वितरण कराये जाने संबन्धी प्रामाणित साक्ष्य और अभिलेख उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। वहीं जांच अधिकारी मदरसा से क्रमवार कई बिंदुओं पर साक्ष्य और अभिलेख मांगा है, जिसको आधार बनाकर शिकायतकर्ता ने शिकायत किया है।

जांच अधिकारी ने मदरसा से पत्रावली की तलब

-1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2024 तक प्रत्येक सत्र की 30 सितम्बर की प्रमाणित छात्र संख्या (कक्षा-01 से 08 तक)।

-1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2024 तक एम०डी०एम० पंजिका की माहवार (कक्षा-01 से 08 तक) की प्रमाणित छाया प्रति।

-1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2024 मध्याहन भोजन निधि खाते के पासबुक की प्रमाणित छाया प्रति एवं एमडीएम खाते में जनपद स्तर से प्रेषित धनराशि का मदवार प्राप्ति विवरण (लेजर बुक) ।

- मध्याहन भोजन निधि खाते से कोविड-19 अवधि में अभिभवको के खातों का विवरण जिसमें (प्राथमिक स्तर कक्षा-1 से 5 तक अप्रैल से जून 76/76 दिन, जुलाई से अगस्त 49/49 दिन, सितम्बर से फरवरी 138/138 दिन, अप्रैल से जून 94/128 दिन, जूलाई से अगस्त 87/121 एवं उच्च प्राथमिक स्तर कक्षा-06 से 08 तक अप्रैल से जून 76/76 दिन, जूलाई से अगस्त 49/49 दिन, सितम्बर से फरवरी 124/124 दिन, अप्रैल से जून 84/128 दिन, जुलाई से अगस्त 87/121) दिवस का खाद्य सुरक्षा भत्ता अंतरित कराया गया है (बैंक इन्वाइस एवं चेक बुक की प्रतिपर्ण/छाया प्रति)।

- मध्याह्न भोजन निधि खाते का व्यय विवरण ।

- कोविड-19 अवधि में (प्राथमिक स्तर कक्षा-01 से 05 तक अप्रैल से जून 76/76 दिन, जूलाई से अगस्त 49/49 दिन, सितम्बर से फरवरी 138/138 दिन, अप्रैल से जून 94/128 दिन, जुलाई से अगस्त 87/121 एवं उच्च प्राथमिक स्तर कक्षा-06 से 08 तक अप्रैल से जून 76/76 दिन, जुलाई से अगस्त 49/49 दिन, सितम्बर से फरवरी 124/124 दिन, अप्रैल से जून 84/128 दिन, जूजुलाई से अगस्त 87/121) दिवस के लिए उचित दर विक्रेता के माध्यम से खाद्यान्न वितरण कराये जाने का विवरण, वितरण प्रर्थी का प्रतिपर्ण एवं उचित दर विकेता के वितरण पंजिका एवं स्टॉक पंजिका की प्रमाणित छाया प्रति ।

ठंड का प्रहार, बच्चे लाचार, स्वेटर का इंतजार

अब तक नहीं मिला

बेसिक शिक्षा विभाग के जिम्मेदारों की लापरवाही नौनिहालों पर पड़ी भारी

जनसंदेश न्यूज

गहमर। परिषदीय विद्यालयों के बच्चों पर शिक्षा विभाग के जिम्मेदारों की लापरवाही भारी पड़ रही है। क्योंकि दिसंबर का पहला सप्ताह खत्म होने के बाद भी अधिकतर छात्र-छात्राओं को ड्रेस, स्वेटर, जूता-मोजा नसीब नहीं हो पाया है। कड़ाके की ठंड में स्कूल जाते वक्त ठिठुरना पड़ रहा है।

परिषदीय विद्यालयों का जायजा लेने पर अधिकतर बच्चे बिना स्वेटर के आए थे। करीब 20 फीसदी बच्चों के आधार, बैंक खाते व अन्य त्रुटियां होने से उनका पैसा अटक गया है। हालांकि, शासन ने बच्चों के ड्रेस, जूता-मोजा, बैग आदि के वितरण में पारदर्शिता के लिए डीवीटी (डायरेक्ट वेनीफिट ट्रांसफर) योजना चला रही है। इस योजना के तहत अक्तूबर माह में जिम्मेदारों को बच्चों के अभिभावकों के बैंक खातों को आधार से लिंक कराकर डीबीटी कराने के निर्देश दिए गए थे। मगर, इसमें जिम्मेदारों ने लापरवाही बरती। यही कारण है कि ठंड में भी अधिकतर बच्चे फटे-पुराने ड्रेस व चपलों में विद्यालय आ रहे हैं।

बीआरसी भदौरा स्थित कंपोजिट विद्यालय सेवराई में बिना स्वेटर के पढ़ाई करती छात्राएं।

बिना स्वेटर स्कूल में ठिठुर रहे बच्चे

बीआरसी भदौरा स्थित कंम्पोजिट विद्यालय सेवराई में सुबह 11:15 बजे कुछ बच्चे विद्यालय परिसर में जमीन पर बैठकर पढ़ाई करते देखे गए। जबकि कुछ बच्चे कक्षा में बैठे थे। तमाम बच्चे बगैर स्वेटर के कक्षा में ठिठुरे हुए नजर आए। कक्षा 1 से 5 तक कुल 98 छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं। मौके पर 72 बच्चों की उपस्थिति रही। अब तक 88 वच्चों के अभिभावकों के खाते यूनिफॉर्म के लिए 1200 रुपये भेज दिए गए हैं। किताब का भी वितरण किया जा चुका है। इसी तरह कक्षा 1 से 8 तक 320 पंजिकृत है। 232 बच्चों की उपस्थिति रही। 320 बच्चों के अभिभावकों के खाते में 1200 रुपये भेजे गए हैं।

प्राथमिक विद्यालय हथौरी में अधिकतर बच्चे बगैर स्वेटर, जूता और ड्रेस के दिखाई दिए। एक कक्षा में बच्चों को पढ़ा रहे शिक्षामित्र विनय कुमार सिंह ने बताया कि प्रधानाध्यापक मुकेश कुमार अवकाश पर हैं। डीबीटी के बारे में वहीं बता सकते हैं। बताया कि विद्यालय में 43 बच्चे पंजीकृत है। मौके पर 35 बच्चों की उपस्थिति थी।

प्राथमिक विद्यालय करहिया में सुबह 10:43 बजे शिक्षिका बच्चों को ठंड से बचाने के लिए धूप में पढ़ा रही थी। प्रधानाध्यापक नागेश्वर राम ने बताया कि सहायक अध्यापक चंदन सिंह यादव अवकाश पर हैं। विद्यालय पर कुल 107 बच्चे पंजीकृत हैं। जबकि 90 बच्चे उपस्थित मिले। 68 बच्चों के अभिभावकों के खाते में 1200 रुपये भेजे गए हैं। फिर भी अब तक करीब 39 बच्चों के अभिभावकों के खाते में यूनिफॉर्म की रकम नहीं पहुंची है।

प्राथमिक विद्यालय देवकली में दोपहर 12 बजें बच्चे कक्षा में पढ़ रहे थे। सहायक अध्यापक नंदकुमार राय अवकाश पर थे। प्रधानाध्यापक राजेंद्र राम ने बताया कि विद्यालय में 201 बच्चे पंजीकृत है। 152 बच्चों को उपस्थित है। मिड-डे-मिल में रोटी-सब्जी बना हुआ है। 172 बच्चों के अभिभावकों के खाते में यूनिफॉर्म की रकम भेज दी गई है। जबकि अन्य बच्चों का आधार कार्ड, बैंक खाता संख्या सहित अन्य दिक्कतों की वजह से रकम नहीं जा सकी है।

बच्चों का जन्म प्रमाणपत्र से आधार कार्ड बनता है। जन्म प्रमाणपत्र बनाने की प्रक्रिया काफी लंबी है। यही कारण है कि बच्चों का आधार नहीं बन पाया है। इसके चलते यूनिफॉर्म की रकम से कई बच्चे वंचित हैं। इसके लिए उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया है।

-सीताराम यादव, खंड शिक्षा अधिकारी।

ऑटो-बोलेरो में टक्कर, आठ घायल

नंदगंज। थाना क्षेत्र के दवोपुर हाइवे पर गुरुवार को साय 3 बजे बेलोरो और टैम्पू के टक्कर में टम्पू में सवार 8 लोग घायल हो गए । आसपास के लोगो ने घायलो को नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद नंदगंज में भर्ती कराया जहाँ हालत गम्भीर होने पर सभी को मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार सदर कोतवाली क्षेत्र के भौरहा गांव निवासी असलम का परिवार नासिक मुम्बई से गुरुवार को ट्रेन से औड़िहार स्टेशन पर उतर कर टैम्पू से घर जा रहे थे । कि दवोपुर हाइवे पर पीछे से बेलोरों ने टक्कर मार दी। जिससे टैम्पू और बेलोरो दोनों सड़क किनारे खाई में पलट गयी । टैम्पू में सवार लोगो की चीख पुकार सुनकर आसपास के लोगो ने घायलों को टैम्पू से निकालकर नंदगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया । टैम्पू में सवार घायलो में नरगिस 35 पत्नी असलम तारिख 18, राजू 15, तेतर 10, राजा 5, आलिया 3 वर्ष सभी एक ही परिवार के थे वही टैम्पू में नारी पचदेवरा के राजेश 50 व सैदपुर की रूबी 38 भी घायल हो गयी। सभी घायलों को मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया ।

एक मुश्त समाधान योजना को लेकर निकाली जागरूकता रैली

नंदगंज। स्थानीय जल विद्युत उपकेंद्र के उपखंड अधिकारी संदीप कुमार और अवर अभियंता गजानंद चौधरी के निर्देशन में गुरुवार को बाजार में एकमुश्त समाधान योजना के तहत एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं को इस योजना के बारे में जागरूक करना है। जिससे वह अपनी बिजली के बकाया बिलों को आसानी से जमा कर सकें। रैली में विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने लाउडस्पीकर के माध्यम से ग्रामीणों को बताया था कि इस ओटीएस योजना के तहत उपभोक्ता अपने बकाया बिजली बिलों का भुगतान किश्तों में कर सकते हैं और साथ ही छूट का लाभ भी उठा सकते हैं। इसके साथ ही विद्युत मेगा कैंप का आयोजन भी किया जा रहा है। जिसमें बिजली से सम्बन्धित सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा।इस एकमुश्त समाधान योजना का शुभारम्भ 15 दिसम्बर से हो रहा है। इसका लाभ सभी उपभोक्ता आसानी से उठा सकते हैं। रैली में प्रदीप कुशवाहा, अजीत कुशवाहा, सलाउद्दीन, दीपक, अरविंद, बृजेश कुमार, महेंद्र, रामशरन, लक्ष्मी पटेल, इरफान, संदीप, अनिल, घनश्याम, निखिल गौतम तथा श्याम नारायण सहित विद्युत उपकेंद्र के कर्मचारी मौजूद रहें।

शहीद सैयद साबिर पिया गाजी रहमतुल्ला अलैह का मना उर्स

कासिमाबाद। हिन्दू मुस्लिम एकता के प्रतीक कासिमाबाद क्षेत्र के सोनाबरसा नवाब गंज में स्थित शहीद सैयद साबिर पिया गाजी रहमतुल्ला अलैह के सलाना उर्स के मौके पर गुरुवार के दिन जियारत के लिए जायरिनों की काफी भीड़ उमड़ी रही।

हिंदू मुस्लिम एकता के प्रतीक दरगाह के मजार पर पुरुष महिला बच्चों ने सुबह में कुरान ख्वानी व जिक्र ए ईलाही के बाद ईदमिलादु न्नबी के बाद गद्दा नसिनो के द्वारा चादर पोसी की गई। जिसमें इलाके तमाम जायरीनों ने शिरकत कि चादर पोशी के बाद दुवा ख्वानी की गई। जिसमें कव्वाली की धुन के बीच मजार पर ले जाया गया जहां चादर पोशी की गई। चादर पोसी कर लोगों ने देश में अमन चैन की दुआं मांगी। मजार पर पहुंचकर दुआ मांगने का क्रम सुबह से देर शाम तक बना रहा। उनके जियारत के लिए लोगों की भीड़ का ताता लगा रहा। कई जिले के दूर से आए हुए जायरीन मजार पर पहुंचकर बाबा का जियारत किए। आपको बताते चलें कासिमाबाद चौराहे से एक किलो मीटर दूर सोनबरसा में नवाब मीर कासिम के किला पर सैयद साबिर पिया गाजी रहमतुल्ला अलैह का मजार मौजूद है। जबकि ग्रामीण सैयद साबिर पिया गाजी रहमतुल्ला अलैह के नाम से याद करते हैं। जहां सप्ताह में 2 दिन गुरुवार और शुक्रवार को जियारत के लिए सैकड़ों लोगों की भीड़ उमड़ती है। बाबा के बारे में तरह तरह की कहानियां प्रचलित हैं। ग्रामीणों के अनुसार मजार पर मांगी गई मन्नत अवश्य पूरी होती है। देर शाम तक कव्वाली का कार्यक्रम चलता रहा । इस कार्यक्रम स्थल पर सदर सरफराज अहमद, इस्तियाक खां, जाहिद अली, रमजान, नसीब, सोहराब आदि सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे। देर शाम चादर पोसी के बाद भंडारा किया गया। जिसमें खीचड़ ,जर्दा प्रसाद वितरण हुआ।

सोनबरसा नवाब गंज स्थित शहीद सैयद साबिर पिया गाजी रहमतुल्ला अलैह की मजार पर दुआ करते मुस्लिम।

सड़कों पर नहीं हैं सूचना बोर्ड, गूगल मैप भटका रहा रास्ता

गाजीपुर। गूगल मैप किसी को सड़क से सीधे खेत में तो किसी को नहर तक पहुंचा रहा है। जनपद के कई लोगों के साथ हाल ही में ऐसी घटनाएं हो चुकीं हैं। बरेली में हुई घटना के बाद अब हर कोई संभल कर चल रहा है, लेकिन सड़कों पर रास्तों की जानकारी देने वाले बोर्ड नहीं होने से गूगल मैप का प्रयोग मजबूरी बन चुका है। इसलिए लोग हादसों का शिकार हो रहे हैं। नियमानुसार नेशनल हाईवे, स्टेट हाईवे और जनपद के प्रमुख मार्गों पर रास्ते से संबंधित संकेतक बोर्ड, चेतावनी बोर्ड और जानकारी के बोर्ड होने चाहिए, लेकिन अब ये बोर्ड नहीं दिखते। जहां कुछ बोर्ड लगे हैं, वहां पर संबंधित रास्तों की पूरी जानकारी नहीं है। ऐसे में जब से गूगल मैप की सुविधा शुरू हुई है, तबसे चालक इसका ही प्रयोग कर रहे हैं। सड़क मार्ग से कहीं भी जाना हो तो पहला कदम गूगल मैप लगाना ही होता है। लेकिन, गूगल मैप पर आंखें बंद कर भरोसा करना भी ठीक नहीं है।

संक्षेप

103 लोगों को बेटिकट यात्रा करना पड़ा महंगा

दिलदारनगर। स्थानीय स्टेशन पर डीडीयू के रेल मजिस्ट्रेट के निर्देश पर गुरुवार की सुबह से देर शाम तक चला चेकिंग अभियान से बेटिकट यात्रिओं में अफरा-तफरी मच गया। चेकिंग अभियान के दौरान मेल ,एक्सप्रेस सहित पैसेंजर गाड़ियों के महिला कोच व पावदान पर यात्रा करने, अवैध रूप से रेल पटरी पार करते एवं धूम्रपान के अलावा पार्किंग के बाहर अबैध रुप से खड़ी वाहन करने के मामले में कुल 103 लोगो पर रेलवे अधिनियम की धारा में कार्रवाई किया गया है। हिरासत में लिए गए लोगो को रेल मजिस्ट्रेट के सम्मुख पेश कर साठ हजार रुपया जुमार्ना वसूल कर सभी को रिहा किया गया। इस चेकिंग अभियान में आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक बाल गंगाधर व जीआरपी चौकी इंचार्ज रविन्द्र मिश्रा लोग शामिल रहे।

शौच के लिए गई महिला से मारपीट, मुकदमा

गहमर। घर से खेतों में शौच के लिए गई महिला के साथ गांव के ही कुछ लोगों ने किया मारपीट। पुलिस ने महिला के तहरीर पर मां-बेटा सहित चार पर मुकदमा दर्जकर आवश्यक कार्रवाई में जूट गई। संजू देवी पत्नी बच्चा राजभर निवासी गांव सायर ने बताया कि बीते दिनों देर साम को अपने घर से खेतों में शौच के लिए जा रही थी। पुरानी बातों को लेकर मेरी पड़ोसी चांदमुनी देवी पत्नी सुबेदार राजभर, सोहाना, सोनाली व राजा पुत्रगण सुबेदार राजभर रास्ते में घेरकर रोक लिया फिर जान-माल की धमकी देते हुए गाली-गलौज करने लगी। ऐसा करने से उन्हें रोका तो सभी एक राय होकर बाल पकड़कर जमीन पर पटक-पटक कर घसीटते हुए लात-घूंसों से मारपीट कर घायल कर दिया। चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर अगल-बगल के ग्रामीण जब मौकेपर जूटने लगे तो वहां से सभी भाग खड़े हुए। प्रभारी निरीक्षक राम सजन नागर ने बताया कि पीड़ित महिला के तहरीर पर मुकदमा दर्जकर विवेचना किया जा रहा है।

हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के लिए लगाना पड़ रहा चक्कर

गाजीपुर। वाहनों की सुरक्षा और पहचान के लिए लागू की गई हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट (एचएसआरपी) वाहन स्वामियों के लिए शोषण और परेशानी का जरिया बनी है। ठेका लेने वाली एजेंसी शुल्क जमा कराने के बाद भी कई- कई माह वाहन स्वामियों को चक्कर लगवा रही हैं। एजेंसी कर्मचारियों के व्यवहार और बदसुलूकी से वाहन स्वामियों में रोष है। एजेंसी संचालक रसूख वाले बताए जाते हैं। शुल्क जमा कर लेने के बाद महीनों चक्कर लगवा रहे हैं। अक्सर वाहन स्वामियों से नोकझोंक हो रही है। एक बाइक स्वामी ने बताया कि एजेंसी में एचएसआरपी लगवाने के लिए दो माह पहले आठ अक्तूबर को 495 रुपये जमा किए थे, लेकिन अभी तक प्लेट नहीं लगी। मुख्य शहर से दूर स्थित एजेंसी में कभी काम अधिक तो कभी प्लेट नहीं आए जैसे जवाब दिए जाते रहे।

ऑनलाइन पेमेंट लेने से कतरा रहे परिचालक

गाजीपुर। रोडवेज बसों में टिकट काटने के लिए अब मशीनों को हाईटेक कर दिया गया है। ऑनलाइन पेमेंट की सुविधा दी गई है लेकिन अधिकांश चालक-परिचालक नेटवर्क का हवाला देते हुए ऑनलाइन पेमेंट लेने से कतरा रहे हैं। दो साल से परिचालकों के टिकट काटने की मशीन को हाईटेक कर दिया गया था। जिससे टिकट काटने के लिए यदि पैसा नहीं है तो ऑनलाइन पेमेंट कर दिया जाता है। इसमें परिवहन निगम का बार कोड दिया होता है, जिससे लोग अपने मोबाइल से पेमेंट कर देते हैं।गाजीपुर के परिचालकों के पास व्यवस्था होने के बावजूद वह इसका इस्तेमाल नहीं करते हैं। वहीं परिचालकों का कहना है कि कभी कभार पेमेंट फंस जाता है। रोडवेज डिपो पर लखनऊ जा रहे अनीस ने बताया कि अभी जेब में पैसे नहीं थे और परिचालक से ऑनलाइन पेमेंट की बात की तो बताया कि यह सुविधा उनके पास नहीं है। वहीं आवास विकास निवासी दिनेश कुमार ने बताया कि मुरादाबाद के लिए जा रहा हूं। बड़ी मुश्किल से एक मुसाफिर से पेमेंट ट्रांसफर कराकर फिर कंडक्टर को दिया है।

सर्विस रोड पर अतिक्रमण से बढ़ जाती है मुसीबत

गाजीपुर। शहर क्षेत्र के रौजा ओवरब्रिज नेशनल हाईवे की सर्विस रोड पर अतिक्रमण के चलते जाम लग जाता है। इससे राहगीरों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है। दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। रौजा ओवरब्रिज के नीचे वाले सर्विस मार्ग पर ट्रांसपोर्ट से आए सामानों का ढेर लगे होने से रास्ता संकरा हो गया है। लंबे समय से सड़क की सफाई न होने से सड़क के किनारे मिट्टी तक जम गई। सुबह होते ही सड़क किनारे गाडियां भी यहां खड़ी हो जाती है। इसके चलते जाम लगता है। स्थानीय लोगों ने इस संबंध में एसडीएम से शिकायत की है।

वृहद रोजगार मेले में 1257 को मिला रोजगार

गाजीपुर। जिला सेवायोजन कार्यालय के तत्वावधान में अष्ट शहीद पार्क, मुहम्मदाबाद परिसर में बृहद रोजगार मेला का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागी कम्पनियाँ मुख्य रूप से उत्तर-प्रदेश परिवहन निगम, गाजीपुर, एल0एण्ड0टी0 कान्स्ट्रक्सन बैगलूरू, खेतिहर आर्गेनिक, क्वैस कार्पोरेशन, रोहित हाईब्रीड सीड्स प्रा0लि0, रौजा गाजीपुर एवं गीगा कार्पशोल सहित कुल 28 कम्पनियों द्वारा बस चालक, ब्रान्च मैनेजर, फील्ड आफीसर, मैकेनिक, इलेक्ट्रिशियन, फीटर, कम्प्यूटर आपरेटर, हेल्पर, सेल्स मैन आदि पदों पर चयन किया गया। मेले में लगभग 3500 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें से विभिन्न पदों पर कुल 1257 अभ्यर्थियों का अन्तिम राउंड हेतु चयन किया गया। भारत के कार्यबल को कुशल बनाकर अंतर्राष्ट्रीय अवसरों से जोड़ने हेतु भारत सरकार के स्किल इण्डिया मिशन के तहत स्किल इण्डिया इंटरनेशल सेन्टर, वाराणसी द्वारा उक्त परिसर में प्री-काउंसिलिंग की गयी। जिसमें जपान, जर्मनी, सऊदी अरब देशों में इलेक्ट्रिशियन, फिटर, हल्पर, क्लीनर, माली, ए.सी. टेक्नीशियन, सिक्योरिटी गार्ड, कुक, वेटर, मैकेनिकल ड्राफ्ट्समैन, मेसन, ड्राइवर इत्यादि जॉब रोल्स के लिए प्री-काउंसलिंग में लगभग 412 अभ्यर्थियों का स्किल इण्डिया इंटरनेशल सेन्टर, वाराणसी टीम द्वारा काउंसलिंग की गयी जिसमें से 390 अभ्यर्थी विदेशों में रोजगार पाने हेतु योग्य पाये गये। जिसमें से 308 अभ्यर्थी पासपोर्टधारी है। इन सभी योग्य अभ्यर्थियों को अन्तिम चयन हेतु स्किल इण्डिया इंटरनेशल सेन्टरए वाराणसी सेन्टर पर काल किया जायेगा।

समाजसेवी डॉ. मंजुला की मनी तृतीय पुण्यतिथि

मनिहारी। स्थानीय क्षेत्र के सिद्धपीठ औढ़ारी मठ पर गुरुवार को समाजसेविका स्व. डा.मंजुला की तृतीय पुण्यतिथि पर महंत जयराम यति इंटर कॉलेज के प्रांगण में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया गया तथा उनकी याद में पर्यावरण संरक्षण हेतु आम, आंवला, पीपल, बरगद,नीम सहित आधा दर्जन पौधे रोपित किए गए। साथ ही समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले एक दर्जन लोगों को स्मृति चिन्ह व साफा पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री डा.रमाशंकर राजभर ने कहा कि मंजुला की स्मृति में पौधा लगाना इस बात का भी प्रतीक है कि हमने जो प्रकृति से पाया है, उसे लौटाने का भी हमारे मन में भाव हैं। भारतीय संस्कृति वृक्षों को बहुत महत्व प्रदान करती है, ब्रह्म पुराण में एक वृक्ष को दस पुत्रों के बराबर मानना इस बात का प्रतीक भी है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पूर्व जिला पंचायत सदस्य रमेश यादव ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन के अनमोल रत्न हैं। शुद्ध पर्यावरण के लिए हमें अपने जीवन से ज्यादा इसकी देखभाल करने की जरूरत है ।क्यों की पेड़-पौधों के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। मंजुला जी की स्मृति में वृक्षारोपण करना सराहनीय कार्य है ।पेड़ -पौधों की प्रतिदिन सेवा करना उनकी दिनचर्या का विशिष्ट पक्ष था। इस अवसर पर निरज चौबे,कोमल यादव, रिषभ देव राय,वकील चौहान,त्रिलोकी गिरी, अमित चौहान,संदीप यादव,आकाश राजभर, अंकुर यादव,सागर चौहान,विवेक कुमार, आदित्य राजभर,सर्वेश यादव,सचिन शर्मा,कृश कुमार, गुड्डू यादव, आदि उपस्थित रहे। अध्यक्षता लखन्दर महाराज एवं संचालन रविप्रकाश शुक्ला ने किया।

चकवाकर रजेला में खेल प्रतियोगिता का आयोजन

मुहम्मदाबाद। विकास खंड मुहम्मदाबाद स्थित ग्राम पंचायत चकवाकर रजेला में भव्य खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कबड्डी खो-खो और जलेबी दौड़ जैसी कई रोचक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जिनमें क्षेत्रिय युवाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जबकि एडीओ पंचायत मोहम्मदाबाद विशिष्ट अतिथि के रूप में बच्चों को आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम के दौरान यहां वृक्षारोपण और सामुदायिक शौचालय निर्माण के लिए भूमि पूजन का कार्यक्रम हुआ। कबड्डी में देवपुर ने प्रथम और गणेश्वर ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। इस आयोजन में मुख्य रूप से सुजीत, संजय, त्रिलोकी, प्रदीप, शिवप्रसाद जैसे अन्य सहयोगी मौजूद रहे । कार्यक्रम में रेफरी के रूप में आशीष ,राज, इंद्रजीत, सचिन ने योगदान किया। समापन सुजीत तिवारी ने धन्यवाद देकर किया।

चकवाकर रजेला में खेल प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ी व अन्य।

जनसंपादकीय

भ्रष्टाचार का आखिर क्या करें

प्रभात किशोर

आज देश में भ्रष्टाचार अपनी जड़ें जमा चुका है । ईमान और चरित्र मारीच सा कपट मृग बनकर रह गया है। परिणामस्वरूप हमारी कार्य संस्कृति समाप्त हो गयी है और विकास परियोजनायें ठप्प हो गयी हैं । अतः सरकार को राष्ट्रीय स्तर पर अलग से सख्त कानून बनाना चाहिए । भ्रष्टाचार उन्मूलन हेतु कानून पूर्णरूपेण असरदार होगा और भ्रष्टाचार पर रोक लग जायेगी, इसकी गारंटी नहीं दी जा सकती । ऐसी बात नहीं है कि कानून से बचकर हीं भ्रष्टाचार होता है, कानून की आड़ लेकर भी भ्रष्टाचार होता है । इस परिस्थिति में यदि ऐसा कोई कानून बनाया जाता है, तो इस बात को ध्यान रखना होगा कि इसमें ऐसा कोई छिद्र न रह जाये जिससे भ्रष्टाचारी बचकर निकल सके । हालांकि भारतीय दंड संहिता 1860 एवं भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (समय-समय पर यथासंशोधित) में भ्रष्टाचारियों से निबटने हेतु पूर्व से अनेक धारायें मौजूद हैं, पर वे उतनी प्रभावशाली साबित नहीं हो रहीं हैं। अतः अलग से भ्रष्टाचार उन्मूलन कानून बनाना अति आवश्यक है ।

यह अनुभव सिद्ध है कि केवल कानून बना देने या 'भ्रष्टाचार - भ्रष्टाचार' की चीख पुकार करने से यह संक्रामक रोग समूल नष्ट होने वाला नहीं है । इसके लिए दृढ़ संकल्प , निष्पक्ष पहल तथा कानून के कड़ाई से पालन करवाने की आवश्यकता है । इसमें कोई संदेह नहीं है कि भ्रष्टाचार का रोग उपर से नीचे तक चलता है। इसलिए केवल नौकरशाही पर हीं कड़ी नजर रखने बात नहीं बनेगी । जिस प्रकार गंगा की सफाई के लिए गंगोत्री की सफाई जरूरी है, उसी प्रकार बिना लोकशाही के शुद्धीकरण के भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना संभव नहीं। चुनावों में समाज सेवा के बदले धनतंत्र एवं लाठीतंत्र के प्रादूर्भाव ने भ्रष्टाचार को बेलगाम घोड़े और छुट्टे साढ़ का रूप दे दिया है। सत्ता और भ्रष्टाचार एक हीं सिक्के के दो पहलू से बन गये हैं । क्या यह बात किसी से छिपी हुई है कि जो व्यक्ति कल तक पांव-पैदल घूमते फिरता था, वही राजसत्ता के गलियारे में कदम रखते हीं सुख-सम्पदा एवं अपार वैभव का मालिक कैसे बन जाता है ?

भ्रष्टाचार उन्मूलन हेतु देश में सरयू प्रसाद, टी0 एल0 बेंकटराम, न्यायमूर्ति दत्ता और छागला आयोग जैसे अनेक आयोग बनाये गए। सबों ने अपने प्रतिवेदनों में अनेक तत्कालीन धाकड़ नेताओं को भ्रष्टाचार के भयंकर आरोप के कटघरे में ला खड़ा किया , लेकिन कतिपय अपवादों को छोड़कर राजनैतिक लाभों एवं स्वार्थों को प्राथमिकता दी गयी और उन लोगों को छुट्टा छोड़ दिया गया । ऐसे लोग दंडित होने के बजाय राजसत्ता के भागीदार बनाये गये तथा उन्हें उँचे आसनों पर पदारूढ़ किया गया । यह काम किसी खास दल ने किया हो, ऐसी बात नहीं है । जो भी दल सत्ता में आया, चाहे वह भ्रष्टाचार , बेरोजगारी एवं तानाशाही के खिलाफ हुए संघर्ष एवं जनांदोलन से हीं क्यों न उपजा हो, उसने भी वही कार्य किया । ऐसी स्थिति में भ्रष्टाचारियों का मनोबल घटने के बजाय बढ़ा, जिसका परिणाम यह हुआ कि पहले जो रोग सीमित था , आज अमरबेल की भांति उपर से नीचे तक फैल गया । राजसत्ता के छोटे सहभागियों से लेकर बड़े सहभागियों तक में अधिकांश के दामन भ्रष्टाचार में लिपटे हैं।

भ्रष्टाचार को समूल नष्ट करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी वातावरण तैयार करने की आवश्यकता है । राजनैतिक व्यक्तियों को बिना भेदभाव के यह घोषणा करनी चाहिए कि भ्रष्टाचारियों या इसके संरक्षणकताओं के लिए उनके दल में कोई स्थान नहीं होगा । आज क्या हो रहा है ? सत्तारूढ़ दल के जिन लोगों को कल तक विपक्ष 'भ्रष्टाचारी' करार देते हुए थकता नहीं था, आज उन्हीं लोगों को विपक्षी दलों में शामिल कर उनके त्याग, तपस्या और बलिदान की गाथा गायी जा रही है । यह दुरंगी नीति जब तक रहेगी तब तक न तो भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा और न हीं तुष्टाचारियों का कुछ बिगड़ेगा ।

भ्रष्टाचार उन्मूलन की दिशा में मात्र सरकारी प्रयासों पर विश्वास नहीं किया जा सकता । चूंकि भ्रष्टाचार समाज के हर क्षेत्र में है, अतएव मात्र सरकार के भरोसे इसके उन्मूलन की जबावदेही छोड़ी भी नहीं जा सकती । जब तक इस राष्ट्र का आम आदमी इस पाप और अपराध के खिलाफ खड़ा नहीं होगा, तबतक इससे मुक्ति संभव नहीं है । जिस तरह अत्याचारी के साथ-साथ अत्याचार सहने वाला भी समान रूप से दोषी होता है , उसी तरह भ्रष्टाचार में सहायक व्यक्ति भी कम दोषी नहीं है । आज कानून के साथ-साथ समाज और व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ न सिर्फ सामाजिक स्तर पर जनचेतना जागृत करने की जरूरत है, वरन्‌ ऐसे जुझारू लोगों की भी आवश्यकता है जो इस कार्य को एक मिशन की भांति कर सकें । केन्द्र सरकार को भी ऐसी निष्पक्ष, प्रभावशाली एजेंसियां संगठित करनी चाहिए जो बिना किसी प्रकार का भेदभाव बरते भ्रष्टाचारियों को सजा दिलाने में सक्षम हो । केवल राज्य सरकारों के अभिकरणों से आशा नहीं की जा सकती कि भ्रष्टाचार निरोधक कानून की परिधि में संतरी से मंत्री तक को ले सकेगी ।

(लेखक अभियंता एवं शिक्षा शास्त्री हैं, संपर्क-8544128428)

गजलें

धर्मेन्द्र गुप्त साहिल

(1)
आखर-आखर जोड़ा मैंने/ उस पर दर्द निचोड़ा मैंने
खुद को खुद से तोड़ा मैंने/तब जाकर घर जोड़ा मैंने
जीवन भर तो खर्च किया है/खुद को थोड़ा-थोड़ा मैंने
कर न सका मैं उस पे सवारी/पाया वक़्त का घोड़ा मैंने
सीधा का सीधा ही रहा ये/दिल को खूब मरोड़ा मैंने
दौड़ रहा हूं अब मैं सरपट/खाया वक़्त का कोड़ा मैंने

(2)
शब्द तो जलते रहे/ अर्थ ही गलते रहे
छल नहीं पाया कोई/वक़्त से छलते रहे
रात भर बारिश हुई/रात भर जलते रहे
हाथ फैलाये नहीं/हाथ क्यों मलते रहे
आग थी मुझमें कोई/जिससे दुख गलते रहे

(3)
कभी मेरी कहानी हो/मगर उनकी जुबानी हो
मेरी आँखों में पानी हो/कभी वो शादमानी हो
बहुत ही नर्म लहजे में/कोई भी सचबयानी हो
हो भूरा रंग अम्बर का/धरा का रंग धानी हो
न हो राजा कहीं कोई/न कोई राजधानी हो
खिले इंसानियत के गुल /कुछ ऐसी बागबानी हो
सभी का एक नशेमन हो /और उसमें दाना-पानी हो
फना हो जाए हर इक शय /नहीं एहसास फानी हो
मिला नीरस हर इक मौसम /कोई तो रुत सुहानी हो
हो हर पल शे'र के जैसा/गजल -सी ज़िन्दगानी हो

संपर्क 8935065229

हाईकोर्ट के एक सिटिंग जज ने जो कहा

समय-संदर्भ

रविभूषण

पिछले रविवार (8 दिसम्बर, 2024) को इलाहाबाद हाईकोर्ट के लायब्रेरी हॉल में विश्व हिन्दू परिषद् (विहिप) के विधि प्रकोष्ठ ने एक कार्यक्रम आयोजित किया था, जिसमें इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश शेखर कुमार यादव ने अपने 34 मिनट के भाषण में कई आपत्तिजनक बातें कहीं। विहिप के विधि प्रकोष्ठ के इस पोग्राम में जस्टिस दिनेश पाठक भी उपस्थित थे। अनेक लोगों ने अनेक विषयों - 'वक्फ बोर्ड एक्ट' 'कन्वर्सन : रीजंस एंड प्रीवेन्शन' और 'यूनिफॉर्म सिविल कोड-ए कंस्टीट्युशनल नेसैसिटी' पर अपने विचार व्यक्त किये। जस्टिस शेखर यादव ने 'समान नागरिक संहिता की संवैधानिक अनिवार्यता' विषय पर अपने भाषण में यह कहा कि अगर देश एक है, संविधान एक है तो कानून एक क्यों नहीं है? शाहबानो मामले का उल्लेख कर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट द्वारा 'तीन तलाक' को 'बिल्कुल गलत' कहे जाने की बात कही, पर तत्कालीन सरकार ने उसे नहीं माना।

साठ वर्षीय जस्टिस शेखर यादव (16.4.1964) ने 1988 में अपनी 'लॉ' की पढ़ाई पूरी की। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से विधि स्नातक होने के बाद 8 सितम्बर 1990 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में एक वकील के रूप में वे दाखिल हुए। उनका मुख्य 'फोकस' नागरिक एवं संवैधानिक मामलों पर रहा है। उत्तर प्रदेश की सरकार और केन्द्र सरकार के अधीन वे कई बड़े ओहदों पर रहे हैं। अतिरिक्त महाधिवक्ता भी रहे हैं। पाँच वर्ष पहले, दिसम्बर, 2019 में वे इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 'अतिरिक्त जज' बने थे। स्थायी जज के रूप में उनकी नियुक्ति मार्च 2021 में हुई। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में कुल जजों की संख्या 160 है, जिनमें 120 स्थायी हैं और 40 अतिरिक्त। जस्टिस शेखर यादव का कार्यकाल अब दो वर्ष से भी कम है। वे मार्च 2026 में सेवा-निवृत्त होंगे। ब्रिटिश संसद के हाउस ऑफ लॉर्डस में हाल में उन्होंने 'पायनियर्स ऑफ इंडिया : मूविंग ऑन द पाथ ऑफ डेवेलप्ड इंडिया बाइ 2047' विषय पर भाषण दिया था और अपने इस भाषण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा भी की। अपने भाषण के आरंभ में जस्टिस शेखर यादव ने अपने को उस देश का वासी बताया, जहाँ गंगा बहती है, जहाँ गाय, गंगा और गीता का अपना महत्व है और जहाँ प्रत्येक बालक राम है। जस्टिस शेखर यादव पहले भी सुर्खियों में रहे हैं। स्थायी जज के रूप में नियुक्त होने के कुछ महीने बाद, उसी वर्ष 1 सितम्बर, 2021 को उन्होंने गाय को 'राष्ट्रीय पशु' घोषित करने का कानून बनाने की बात कही थी - 'वैज्ञानिकों का मानना है कि गाय एक मात्र ऐसा जानवर है, जो ऑक्सीजन लेता और छोड़ता है। यह (गाय का दूध) सूर्य की किरणों को विशेष ऊर्जा देता है, जो अंततः बारिश का कारण बनती है। गाय के दूध, दही, घी, मूत्र और गोबर से बने पंच गव्य से कई असाध्य रोगों के उपचार में मदद मिलती है।'

साठ वर्ष पहले विश्व हिन्दू परिषद् (विहिप) की स्थापना 29 अगस्त 1964 को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर एम.एस. गोलवलकर, एस एस आप्टे और स्वामी चिन्मयानन्द ने की थी। संघ परिवार संगठन का यह एक सदस्य है। यह वर्ष आरएसएस का शताब्दी वर्ष है और विहिप की षष्टिपूर्ति का भी। बजरंग दल, विहिप की युवा शाखा है, जिसकी स्थापना 8 अक्टूबर 1984 को हुई थी। इसकी स्त्री शाखा 'दुर्गा वाहिनी' है, जिसकी स्थापना 1991 में साध्वी ऋतम्भरा ने की। विहिप के 6.8 करोड़ सदस्य हैं। विविध क्षेत्रों में 4 हजार 277 से अधिक इसकी सेवा परियोजनाएँ हैं। विहिप का अपना विधि प्रकोष्ठ (लीगल सेल) है। यह देश भर में विधि प्रकोष्ठ का गठन कर रहा है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के परिसर में विहिप के विधि प्रकोष्ठ का कार्यक्रम इसका प्रमाण है कि इसने अपना सम्पर्क-सूत्र और प्रभाव-क्षेत्र का कहाँ तक प्रसार किया है। विहिप के अन्तरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा है कि वे पूर्व जजों के बीच और उनके साथ काम करते हैं। उन्हें विहिप के लिए कार्य करने को आमंत्रित करते हैं, हिन्दुत्व के लिए। जहाँ तक सिटिंग जज का सवाल है, वे ऐसा नहीं करते। विहिप का उद्देश्य 'हिन्दू समाज को संगठित करना, उसे मजबूत करना और हिन्दू धर्म की सेवा, रक्षा करना है।' किसी भी कार्यरत जज का विहिप जैसे संगठन में जाकर भाषण देना अनुचित है। हैदराबाद विश्वविद्यालय में राजनीति-विज्ञान की प्रेफेसर मंजरी काटजू की दो पुस्तकें विहिप को समझने को काफी हैं - 'विश्व हिन्दू परिषद् एंड इंडियन पॉलिटिक्स' (2003/2010) और 'हिन्दूइजिंग डेमोक्रेसी : द विश्व हिन्दू परिषद् इन कंटेम्परेरी इंडिया' (2017) विहिप के किसी भी कार्यक्रम में जज का जाना संविधान के खिलाफ है।

जस्टिस शेखर यादव ने अपने भाषण में यह कहा कि 'बहुसंख्यकों की इच्छा से ही चलेगा भारत'। और 'कठमुल्ला सही शब्द नहीं है, पर कहने में परहेज नहीं है, इनसे सावधान रहने की जरूरत है।' जस्टिस शेखर यादव ने कानून को 'यकीनन बहुसंख्यकों के अनुसार काम करने' की बात कही। ''केवल वही स्वीकार किया जायेगा, जो बहुसंख्यकों के कल्याण और खुशी के लिए फायदेमंद हो''। उनके अनुसार 'समान नागरिक संहिता' (यूसीसी) का मुख्य उद्देश्य सामाजिक सद्भाव, लैंगिक समानता और धर्मनिरपेक्षता को बढ़ावा देना है। एक ओर धर्मनिरपेक्षता की बात और दूसरी ओर बहुसंख्यकवाद की पक्षधरता भी। जस्टिस शेखर यादव ने कहा - 'कठमुल्ला देश के लिए घातक हैं', 'चार पत्नियाँ, हलाला, तीन तलाक नहीं चलने वाला', 'हम बच्चों को जानवरों से प्यार करना सिखाते हैं, वे बच्चों के सामने जानवरों को मारते हैं', 'बहुसंख्यकों की खुशी के लिए ही बने कानून', 'उनके बच्चे सहिष्णु और अहिंसक नहीं होंगे क्योंकि उनके सामने पशुओं का वध किया जाता है', 'हमारे पूर्वजों ने रामलला को आजाद कराने के लिए कुर्बानियाँ दी' और 'देश को विश्व गुरु' हिन्दू ही बना सकता है। जस्टिस शेखर यादव हाईकोर्ट बार एसोसिएशन इलाहाबाद के 'पोडियम' पर बोल रहे थे। मंच से उन्होंने आरएसएस की तारीफ की और कहा कि इसके सौ वर्ष हो रहे हैं।

चीजें लगातार बदतर हो रही हैं। खुले मंच से हाईकोर्ट के एक 'माननीय' न्यायाधीश 'हेट स्पीच दे रहे हैं। जज बनने के बाद उन्होंने अपना 'स्टैंड' साफ कर दिया था। अक्टूबर 1921 के एक फैसले में कहा था- 'संसद को भगवान राम, कृष्ण, रामायण और इसके रचयिता वाल्मीकि के अलावा गीता और इसके रचयिता वेद व्यास को राष्ट्रीय सम्मान देने के लिए कानून लाना चाहिए क्योंकि वे देश की संस्कृति और विरासत हैं'। 5 नवम्बर 2021 को उन्होंने कहा था - 'गाय भारत की संस्कृति है और संस्कृति बचाने का काम देश में रहने वाले हर नागरिक का है, चाहे वह किसी भी धर्म का हो। मौलिक अधिकार केवल गोमांस खाने वालों का विशेषाधिकार नहीं है, बल्कि जो लोग गाय की पूजा करते हैं और आर्थिक रूप से गाय पर निर्भर हैं, उन्हें भी सार्थक जीवन जीने का अधिकार है। भारत तभी समृद्ध होगा जब गायों का सम्मान किया जाएगा।' जस्टिस शेखर यादव ने अपने भाषण से मुसलमानों के प्रति अपनी घृणा प्रकट की है और 'हिन्दुत्व' की विचारधारा मंच से प्रकट की है। उनका भाषण जजों के लिए बनी आचार संहिता का उल्लंघन है। उनके भाषण में घृणा और साम्प्रदायिकता थी। ऐसा भाषण नेता भी नहीं देते। उनके भाषण से न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंची है। बहुसंख्यकों के प्रति निष्ठा संवैधानिक आदर्शों के विरूद्ध है। विहिप के कार्यक्रम में जाना भी संविधान के खिलाफ है। संविधान में भारत को 'प्रभुत्व-सम्पन्न समाजवादी पंथ निरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य' कहा गया है और न्याय, धर्म, स्वतंत्रता, समता, व्यक्ति की गरिमा और बंधुता की बात कही गयी है। जिन पर संविधान की रक्षा का दायित्व है, जो संविधान की शपथ लेकर पद-ग्रहण करते हैं, अब वे ही संविधान के विरूद्ध कार्यरत हैं। प्रशान्त भूषण ने अल्पसंख्यकों के प्रति उनके आरोप को 'दुष्ट', 'कटु' और 'विषैला' कहा है।

जस्टिस शेखर यादव का भाषण न्यायाधीश की शपथ का उल्लंघन है। वह संविधान के अनुच्छेद 14, 21, 25 और 26 का उल्लंघन है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 14 'भारत के सभी नागरिकों के साथ समान व्यवहार' सुनिश्चित करता है। भारत के सभी नागरिकों को 'समता का अधिकार' प्राप्त है। इस अनुच्छेद में 'विधि के समक्ष समता' की बात कही गयी है - 'राज्य, भारत के राज्य क्षेत्र में किसी व्यक्ति को विधि के समक्ष समता से या विधियों के समान संरक्षण से वंचित नहीं करेगा।' 'कानूनों के समान संरक्षण' की अवधारणा अमेरिकी संविधान से ली गयी है। अनुच्छेद 14 दो भागों में विभक्त है - कानून के समक्ष समानता और कानूनों का समान संरक्षण। कानून के समक्ष समानता कानून की नजर में सभी के साथ समान व्यवहार है। कानूनों के समान संरक्षण का अर्थ यह है कि सभी लोगों पर समान रूप से एक ही कानून लागू होगा। अनुच्छेद 21 में जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का संरक्षण है। यह गैर भेद-भाव से जुड़ा है। लिंग, जाति, रंग या सामाजिक मूल, आनुवंशिक विशेषताएँ, भाषा, धर्म या आस्था, राजनीतिक अथवा अन्य राय, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक की सदस्यता, सम्पत्ति, जन्म, विकलांगता जैसे किसी भी आधार पर किसी भी प्रकार का भेदभाव निषिद्ध है। अनुच्छेद 25 के अनुसार सबको धार्मिक आजादी प्राप्त है - 'अंतःकरण की और धर्म के अबाध रूप से मानने, आचरण और प्रचार करने की स्वतंत्रता' है। यह अनुच्छेद 'धर्म की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार की गारंटी' देता है। अनुच्छेद 26 में 'धार्मिक कार्यों के प्रबंध की स्वतंत्रता' है। यह 'सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य की अधीन' है।

अब न्यायपालिका में साम्प्रदायिक सोच वाले अनेक जजों का आगमन हो चुका है। कई जजों की नियुक्ति कॉलेजियम ने सरकार के कहने पर की है। उसने विरोध नहीं किया। ऐसी स्थिति में वैसे जज सरकार के पक्ष में फैसले देंगे। उन्हें न तो संविधान की चिंता रहेगी, न नागरिक अधिकारों की। हाईकोर्ट के परिसर में विहिप के विधि प्रकोष्ठ के कार्यक्रम को अनुमति देना गलत है। अनुमति दी गयी और जज महोदय ने जो कुछ कहा, उससे किसी भी नागरिक का चिंतित होना स्वाभाविक है। भाषण के दूसरे दिन ही, 9 दिसम्बर को अखिल भारतीय वकील संघ (एआईएलयू) ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को पत्र लिखकर जस्टिस शेखर यादव के खिलाफ कार्रवाई की माँग की है। उनके भाषण को नफरत फैलाने वाला बताया गया है। कपिल सिब्बल उनके खिलाफ 'महाभियोग' लाने की तैयारी में लग गये हैं। उन्होंने ऐसे लोगों के 'हाई कोर्ट के जज' होने को 'दुर्भाग्यपूर्ण' कहा है। एआइएलयू ने कहा है - 'मुस्लिम अल्पसंख्यकों के खिलाफ उनके आरोप कड़वी और जहरीली प्रवृति के हैं। एक अदालत के जज के लिए यह अशोभनीय है। यह हाईकोर्ट के जज के पद की संवैधानिक शपथ का उल्लंघन है।' ऐसे जज से क्या अल्पसंख्यक समुदाय का कोई व्यक्ति न्याय की उम्मीद करेगा? न्यायिक जवाबदेही और सुधार अभियान (सीजेएआर) ने 10 दिसम्बर को मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिख कर इस मामले में एक समिति गठित कर 'इन हाउस जाँच' कराने का अनुरोध किया है। भारतीय लोकतंत्र को धार्मिक बहुसंख्यकवाद बनाने का ऐसा कथन बेहद चिंताजनक है। मुख्य न्यायाधीश को कई चिट्ठियाँ दी जा चुकी हैं और 10 दिसम्बर को सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान ले लिया है। उसने इस मुद्दे पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय से विस्तृत जानकारी माँगी है। एक प्रेस विज्ञप्ति में यह कहा गया है - 'हाईकोर्ट से इस मामले पर विवरण माँगा गया है और मामला विचाराधीन है।'

न्यायपालिका की निष्पक्षता और स्वतंत्रता क्या कायम रहेगी? फिलहाल ऐसा कोई दृश्य दिखाई नहीं देता क्योंकि न्यायपालिका अब पूरी तरह साफ-सुथरी नहीं है। सवाल सामान्य नागरिक का है, विधि व्यवस्था का है, संविधान और लोकतंत्र का है। जिन पर संविधान और लोकतंत्र की रक्षा का दायित्व है, वे ही उसे नुकसान भी पहुँचा रहे हैं। क्या जस्टिस शेखर यादव को न्यायिक कार्यों से रोका जायेगा? क्या उन पर महाभियोग चलेगा? क्या जज 'हिन्दुत्व' से मुक्त होंगे? सब कुछ भविष्य में है और जो हालात हैं, वे सबके सामने है।

(लेखक वरिष्ठ आलोचक एवं सामाजिक, राजनीतिक चिंतक हैं, संपर्क 94311 03960)

प्रियंका गांधी से बहुत उम्मीदें हैं

प्रसंगवश

निर्मल रानी

देश में पिछले दिनों जहाँ महाराष्ट्र व झारखण्ड में विधानसभा चुनाव संपन्न हुये वहीं विभिन्न राज्यों की कई सीटों पर विधानसभा व लोकसभा उपचुनाव भी कराये गये। इन्हीं में एक केरल की वायनाड संसदीय सीट भी थी जिस पर 2024 के आम चुनावों में राहुल गाँधी रायबरेली के साथ साथ वायनाड से भी विजयी हुये थे। बाद में राहुल को वायनाड सीट छोड़कर रायबरेली की सीट अपने पास रखनी पड़ी। राहुल ने यहाँ 6,47,445 वोट प्राप्त करके 3,64,422 के अंतर से भारी जीत हासिल की थी। इसी सीट पर हुये उपचुनाव में कांग्रेस ने प्रियंका गाँधी को पहली बार लोकसभा चुनाव में उतारा। प्रियंका को यहाँ राहुल गाँधी से भी अधिक मत हासिल हुये और उन्होंने 4 लाख से अधिक वोटों के अंतर से ऐतिहासिक जीत हासिल की। जिस समय प्रियंका की शानदार जीत व संसदीय राजनीति में उनके सक्रिय व अधिकृत प्रवेश की पटकथा वायनाड की जनता लिख रही थी उस समय देश का 'गोदी मीडिया' केवल महाराष्ट्र के चुनाव परिणामों को महिमामंडित करने में लगा था।

गौर तलब है कि अपने व्यक्तित्व में अपनी दादी इंदिरा गांधी के दर्शन का एहसास कराने वाली प्रियंका गांधी को पहली बार इतने भारी मतों से उस केरल राज्य के लोगों ने चुना है जोकि देश का सबसे शिक्षित राज्य है। और भरतीय जनता पार्टी तमाम प्रयासों के बावजूद यहाँ अपनी दाल गला नहीं पाती। केरल के लोग भाजपा को वोट क्यों नहीं देते इसपर कांग्रेस या विपक्ष क्या कहता है उससे ज्यादा अहमियत इस बात की है कि स्वयं भाजपा इस बारे में क्या सोचती है। इस विषय पर जब मार्च 2021 में केरल भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व केरल भाजपा के अध्यक्ष रहे वरिष्ठ नेता राजागोपाल से पूछा गया कि बीजेपी केरल में अपनी राजनीतिक जमीन क्यों नहीं तैयार कर पाती। इस प्रश्न के उत्तर में राजगोपल ने कहा, "केरल अलग तरह का प्रदेश है। दो-तीन प्रमुख कारण हैं। एक तो यह कि केरल की साक्षरता दर 90 प्रतिशत है। यहां के लोग सोचते हैं, तार्किक हैं। ये शिक्षित लोगों की आदतें हैं। दूसरी बात यह कि केरल में 55 प्रतिशत हिंदू हैं और 45 प्रतिशत अल्पसंख्यक हैं। हर कैलकुलेशन में ये चीज आती है। ऐसे में केरल की तुलना किसी और राज्य से नहीं की जा सकती है। केरल भाजपा नेता राजागोपाल द्वारा पेश की गयी इसी थ्योरी को यदि उलट दिया जाये तो समझा जा सकता है कि भाजपा जिन राज्यों में अपना जनाधार बढ़ा रही है उसकी दरअसल वजह क्या है।

बहरहाल केरल की शिक्षित जनता ने पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ने वाली गाँधी - नेहरू परिवार की बेटी को वायनाड से रिकार्ड विजयश्री दिलवाकर अपना मंतव्य स्पष्ट कर दिया कि देश की शिक्षित व तर्कपूर्ण जनता को गाँधी - नेहरू परिवार की इस बेटी से काफी उम्मीदें जुड़ी हुई हैं। निश्चित रूप से प्रियंका गाँधी ने न केवल दादी इंदिरा गाँधी व पिता राजीव गाँधी के साथ लंबे समय तक प्रधानमंत्री निवास में रहकर राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के गुण सीखे हैं बल्कि पिता राजीव मां सोनिया व भाई राहुल गाँधी के चुनावों में अहम भूमिका निभाकर चुनावी राजनीति में भी पूरी महारत हासिल की है। राहुल गाँधी ने यूँही नहीं कहा था कि यदि प्रियंका 2024 के लोकसभा चुनाव में वाराणसी से नरेंद्र मोदी के विरुद्ध चुनाव लड़तीं तो निश्चित रूप से वे मोदी को पराजित कर देतीं। क्योंकि 2019 में जिस वाराणसी में नरेंद्र मोदी ने 4 लाख 79 हजार वोटों के भारी अंतर से जीते दर्ज की थी वह अंतर इस बार घटकर 1 लाख 52 हजार रह गया है। यहाँ मोदी के विरुद्ध कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने वाले अजय राय को 4 लाख 60 हजार वोट मिले थे। इस लिहाज से वाराणसी से मोदी के विरुद्ध प्रियंका की उम्मीदवारी देश की राजनीति की एक नई पटकथा लिख सकती थी।

अपनी जीत के बाद पहली बार प्रियंका गांधी ने जिन शब्दों में मतदाताओं का आभार व्यक्त किया वह भी काबिल- ए - तारीफ थे। उन्होंने कहा कि ह्यआपने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उसके लिए मैं आपकी बहुत आभारी हूं। मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि समय के साथ, आपको वास्तव में यह महसूस हो कि यह जीत आपकी जीत है और जिस शख़्स को आपने अपना प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना है वह आपकी उम्मीदों और सपनों को समझता है और आपके लिए लड़ता है। मैं संसद में आपकी आवाज बनने के लिए उत्सुक हूं।ह्ण निश्चित रूप से देश की जनता भी भारतीय संसद में प्रियंका गाँधी की आवाज उनका अंदाज तथा उनके द्वारा देशहित में उठाये जाने वाले मुद्दों को सुनने के लिये बेहद उत्सुक है। गत लगभग दो दशक से प्रियंका गाँधी ने कांग्रेस पार्टी के चुनाव प्रचार में अपनी जिस क्षमता व दक्षता का परिचय दिया है उससे कांग्रेस को भी लाभ हुआ है और कांग्रेस जनों में भी उत्साह का संचार हुआ है।

प्रियंका गाँधी का संसदीय राजनीति में प्रवेश ऐसे समय में हुआ है जबकि सत्तरूढ़ भाजपा साम दाम दंड भेद सभी तरीके अपनाकर सत्ता में बने रहना चाहती है तथा अपने अघोषित अतिवादी एजेंडे पर चलकर अपने सपनों का बहुसंख्यवादी भारत बनाना चाह रही है। जबकि कांग्रेस गाँधी के सपनों के भारत के निर्माण की पक्षधर है। कांग्रेस संविधान व लोकतंत्र की रक्षा की बात करती है। जबकि भाजपा के कई नेता संविधान बदलने की बातें करते रहे हैं।

प्रियंका गाँधी का संसदीय राजनीति में प्रवेश ऐसे समय में हुआ है जबकि सत्तरूढ़ भाजपा साम दाम दंड भेद सभी तरीके अपनाकर सत्ता में बने रहना चाहती है तथा अपने अघोषित अतिवादी एजेंडे पर चलकर अपने सपनों का बहुसंख्यवादी भारत बनाना चाह रही है। जबकि कांग्रेस गाँधी के सपनों के भारत के निर्माण की पक्षधर है। कांग्रेस संविधान व लोकतंत्र की रक्षा की बात करती है। जबकि भाजपा के कई नेता संविधान बदलने की बातें करते रहे हैं। उधर इण्डिया गठबंधन भी 2024 में अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद क्षेत्रीय नेताओं के स्वार्थवश मजबूत विपक्ष की भूमिका अदा नहीं कर पा रहा। ऐसे में ले देकर कांग्रेस पार्टी से ही देश को न केवल मजबूत विपक्ष देने की उम्मीदें बंधी हुई हैं बल्कि सत्य अहिंसा व धर्मनिरपेक्ष भारत के निर्माण की आस भी केवल कांग्रेस पार्टी से ही है। राहुल गाँधी निश्चित रूप से अपनी क्षमता से अधिक मेहनत कर सत्ता से मुकाबला करने से लेकर पार्टी को मजबूत बनाने तक के लिये काफी काम कर रहे हैं। परन्तु उनके विरुद्ध सत्तधारी तरह तरह की साजिशें रचकर उन्हें राजनैतिक परिदृश्य से ओझल करने तक की योजना बनाये बैठे हैं।

जिस तरह पूर्व में प्रियंका गाँधी ने महिलाओं की सुरक्षा के हक में आवाजें बुलंद की हैं ,कानून व्यवस्था के मुद्दे उठाये है दलितों,किसानों व गरीबों के लिये आवाज उठाई है उसी वर्ग को प्रियंका गाँधी के लोकसभा पहुँचने से काफी उम्मीदें जुड़ी हुई हैं। माना जा सकता है कि प्रियंका समाज के शोषित व पीड़ित समाज की आवाज तो बनेंगी ही साथ ही राजनीति में अब एक नई इबारत भी लिखेंगी।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

व्यंग्य

बाबाओं का माया जाल

सुधाकर आशावादी

हींग लगे न फिटकरी सिर्फ नाटक का है खेल, जब बाबागिरी का धंधा चले, अन्य धंधे सब फेल, यह उक्ति यूँ ही नहीं बनी है। यह उनके लिए बनी है, जिन्हें लोगों को भ्रमित करने की कला आती है। जिनकी कला के मायाजाल में फंसकर व्यक्ति अपने घर परिवार का मोह छोड़कर उन्हीं की शरण में चला जाता है। महिलाएं अपने पति और बच्चों का मोह छोड़कर उनके आँगन में सफाई करने को प्राथमिकता देने लगती हैं। बाबा ऐसा शब्द है, जिसका स्मरण करते ही धीर गम्भीर एवं अनुभवी चेहरा आँखों में उभर आता है। परिवार के मुखिया को भी बाबा की संज्ञा दी जाती है और सत्संग में प्रवचन करने वाले को भी। आजकल बाबा नाम का आकर्षण कुछ कम होने लगा है। जब से पांच सितारा होटल की तरह विलासिता पूर्ण सुख सुविधाओं से सुसज्जित आश्रमों में बाबा निवास करने लगे हैं तथा लग्जरी वाहनों के काफिले संग चलने लगे हैं। बाबाओं के ठाठ बाट देखकर बाबा बनने की ओर भला कौन नही बढ़ना चाहेगा । सो यह धंधा आजकल अधिक डिमांड में है। इसके लिए बाबा को आडम्बर रचाना पड़ता है। गेरुए वस्त्र धारण करना और लम्बी दाढ़ी बढ़ाना अब बाबा के ड्रेस कोड का हिस्सा नही रहा । बाबा सफारी सूट या शर्ट पैंट या किसी भी प्रकार के परिधान धारण करने के लिए स्वतंत्र हैं। इतना अवश्य है कि झूठ और चमत्कार की अफवाह फैलाकर बाबा को मनोकामना पूर्ण करने वाला चमत्कारी पुरुष दशार्ना पड़ता है। कभी हाथ में सुदर्शन चक्र की तरह का चक्र दिखाना पड़ता है। कभी बाबा की चरण रज में असाध्य रोग दूर करने की शक्ति का बोध कराना पड़ता है। ऐसे में बाबा के दिहाड़ी पर रखे गए चेलों की खास भूमिका होती है। यही चेले बाबा के चमत्कारों का महिमा मंडन करते हैं। इसके अतिरिक्त भी कुछ अन्य नुस्खे आजमाने पड़ते हैं, तब कहीं एक अदद बाबा का निर्माण होता है। नित नए बाबाओं के किस्से प्रकाश में आते हैं, लेकिन बाबाओं के मायाजाल की कहानियाँ उस समय अधिक विस्तार पाती हैं, जब किसी बाबा के प्रवचन में कोई घटना दुर्घटना हो जाए। किसी बाबा के चरित्र पर उंगली उठाई जाए, बाबा के फर्जी चमत्कारों की पोल खोली जाए, अन्यथा जब तक बाबा पर कोई आरोप न लगे, बाबा के प्रवचन के बाद अंध भीड़ बाबा की चरण रज लेने चाह में बाबा के अन्य भक्तों के पैरों तले न रौंदी जाए, तब तक बाबा का राज खुलता ही नही। जब तक बाबा का राज पाश न हो, तब तक बाबा के वैभव में कोई कमी न आती। एक छिपा रहस्य यह भी है, कि बाबा अपने बारे में अधिक नही बोलता, बाबा की महिमा का बखान कुछ विशेष भक्त करते हैं। बाबा केवल गारंटी देता है, बाबा गारंटी कार्ड नही बाँटता, बाबा स्वयं को परमात्मा का रूप बताता है। ऐसा कहकर वह झूठ नहीं बोलता, क्योंकि संसार में सभी स्वयं की परमात्मा का अंश कहते हैं। बाबा चमत्कार करने का दिखावा करता है। बाबा के आश्रम में जमीन से पानी निकालने वाले नल जल नही, अपितु औषधि युक्त अमृत उगलते हैं। यह बाबा नही कहता, उसके भक्त कहते हैं। बाबा के चमत्कारों का बखान बाबा की विश्वसनीयता में चार चाँद लगाना है। बाबा बनना इतना आसान भी नही है, जितना समझा जाता है। एक लम्बी साधना धैर्य एवं सोची समझी योजना से ही बाबा रूपी आकर्षण उत्पन्न किया जा सकता है। विश्वासपात्र शिष्यों का बाबा को बाबा बनाने में महत्वपूर्ण योगदान अपेक्षित होता है। बाबा बनने के अचूक नुस्खों का अध्ययन करें, तो सर्वप्रथम बाबा में वाकपटुता का गुण होना आवश्यक है, कि सामने वाले की जिज्ञासाओं को कैसे शांत करना है, फिर उसे ऐसे चमत्कार दिखाने जरूरी हैं कि उसमें किसी दैवीय शक्ति का वास है। जिससे वह किसी की पीड़ा हर सकता है। उसे अभय मुद्रा में रहने का अभ्यास हो, ताकि वह अधिक समय तक भक्तों को आशीर्वाद देता रहे। उसे बार बार गारंटी देने की आदत होनी चाहिए। उसकी गारंटी भले ही यथार्थ में झूठी निकलें, लेकिन उसके भक्त उन गारंटियों के सही सिद्ध होने का प्रचार निरंतर करते रहें, क्योंकि सौ बार बोला जाने वाला झूठ भी सत्य प्रतीत होने लगता है। जब अफवाहें फैलाकर शीर्ष सत्ता की ओर कदम बढ़ाए जा सकते हैं, तो फर्जी गारंटी और चमत्कारों की अफवाह फैलाकर बाबागिरी के धंधे में सफल क्यों नहीं हुआ जा सकता।

(लेखक व्यंग्यकार हैं, संपर्क - 9758341282)

अमर शहीद राजा जय लाल सिंह अस्पताल का हाल बेहाल

बदहाल व्यवस्था

समय से उपस्थित नहीं रहते चिकित्सक, मरीज परेशान

प्रातः नौ बजे तक आराम फरमा रहे थे मुखिया सीएमएस

मीडिया कर्मियों के कैमरे में कैद हुई सच की तस्वीर

जनसंदेश न्यूज

अमर शहीद राजा जय लाल सिंह 100 शैय्या अस्पताल।

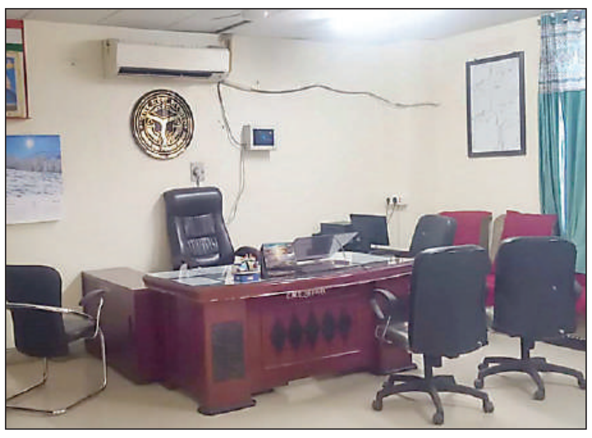
अस्पताल की ओपीडी में खाली पड़ी चिकित्सक की कुर्सी।

अतरौलिया (आजमगढ़)। अमर शहीद राजा जय लाल सिंह 100 शैय्या अस्पताल के ओपीडी का समय सुबह 8 बजे से दोपहर दो बजे तक है। ऐसे में बृहस्पतिवार की सुबह 9 बजे जब मीडिया टीम इसकी हकीकत जानने पहुंची तो देखा कि अस्पताल के मुखिया सीएमएस समेत कई डाक्टर ओपीडी के समय में अपने चैंबर से गायब रहे। वहीं एक्स-रे, पैथोलॉजी व टोकन पर्ची देने वाले समय पर मौजूद मिले। जब डाक्टर की उपस्थिति पंजिका देखा गया तो कुछ डॉक्टर के हस्ताक्षर थे लेकिन वह चैंबर से नदारत रहे। कई डॉक्टरों का तो महीने की पहली तारीख से ही हस्ताक्षर नहीं थे। कुछ एक या दो दिन से उपस्थित पंजीकरण में नहीं थे तो वहीं कुछ डॉक्टर अपनी उपस्थिति एडवांस में ही उपस्थिति पंजिका रजिस्टर पर दर्ज की थी।

मीडिया की टीम जब सुबह 9.30 बजे प्रत्येक ओपीडी के कमरे का जायजा लिया तो केवल दो ही डाक्टर अपने चेंबर में उपस्थित पाए गए जो मरीज देख रहे थे बाकी सभी चेंबर खाली पड़े थे। इस दौरान जब मीडिया टीम सीएमएस के कमरे में पहुंची तो वहां भी कुर्सी खाली मिली। इस संदर्भ में जब कर्मचारियों से पूछा गया तो पता चला कि सीएमएस अपने कमरे पर आराम फरमा रहे हैं।

भीषण ठंड के मौसम में मरीज इधर-उधर भटकते रहे। जब कुछ मरीजों से बात की गई तो उन्होंने बताया कि सुबह 8 बजे से ही अस्पताल में आए हैं लेकिन कोई डाक्टर नहीं आया है। जब मीडिया कर्मियों द्वारा इसका फोटो वीडियो बनाने की कोशिश की गई तो वहां उपस्थित गार्ड द्वारा रोका गया और बताया गया कि सीएमएस का निर्देश है कि कोई मीडिया कर्मी फोटो वीडियो नहीं बना सकता।

इस संदर्भ में अस्पताल के सीएमएस डॉ.एसके ध्रुव से बात की गई तो उन्होंने बताया अस्पताल का समय सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक है। डाक्टर के उपस्थिति के बारे में बताया कि सभी डॉक्टर मौजूद हैं। डॉ. अली हसन व मुकेश गुप्ता 13 तारीख तक छुट्टी पर हैं। फोटो वीडियो बनाने के संदर्भ में बताया कि मेरे द्वारा ही गार्ड से बोला गया है कि कुछ डिलीवरी या महिलाओं की ऐसी परिस्थितियां होती हैं जिसका फोटो वीडियो कोई न बनाएं। स्वयं अस्पताल में अपनी उपस्थिति पर उन्होंने बताया कि मैं सुबह से अस्पताल में मौजूद था दोनों अस्पतालों के राउंड में लगभग एक से डेढ़ घंटे लगते हैं, मैं राउंड पर था। उपस्थिति रजिस्टर को स्वयं अपने कमरे में रखते हैं।

9.45 बजे हमीर सिंह और डॉ. गुलाटी के अलावा कोई भी ओपीडी में मौजूद नहीं था, इस सवाल पर उन्होंने कहा कि डॉ. मुकेश गुप्ता भी थे। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि सीएमएस की बात को माना जाए या मरीजों की। जबकि हकीकत कुछ और ही बयां कर रही जो मीडिया कर्मियों के कैमरे में कैद है।

कार की टक्कर से बाइक सवार तीन लोग घायल

हादसा

तीनों की हालत गंभीर जिला अस्पताल रेफर

जनसंदेश न्यूज

हादसे के बाद थाने पर जुटे ग्रामीण।

आजमगढ़। गुरुवार की सुबह करीब 6 बजे पखनपुर गांव के पास अंबेडकरनगर बी ए की परीक्षा देने जा रहे एक बाईक पर सवार तीन लोगों को अनियंत्रित कार ने टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार तीनों लोग घायल हो गए। चालक कार को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अहरौला में भर्ती कराया गया जहां से तीनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

बिसईपुर गांव निवासी आकाश 19 वर्ष पुत्र छोटेलाल बाइक से अंशिका 19 वर्ष, प्रीती 18 वर्ष, को बीए की परीक्षा दिलाने अंबेडकरनगर जा रहा था कि पखनपुर गांव के पेट्रोल टंकी के पास सामने से आ रही जेन कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। थाने पर तहरीर देने पहुंचे घायल आकाश के पिता छोटेलाल से पुलिस ने मामले में सुलह समझौते का दबाव बनाया। जानकारी होने पर बड़ी संख्या में गांव के ग्रामीण थाने पर पहुंच गये और बताया कि थाने के कर्मचारी जितेंद्र यादव की कार रांग साईड से बाइक में टक्कर मारी है। सभी की हालत गंभीर है। लोगों के विरोध के बाद पुलिस ने तहरीर ली।

छेड़खानी का आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

जनसंदेश न्यूज

संजरपुर (आजमगढ़)। सरायमीर थाना क्षेत्र के एक गांव में बीते 31 मार्च को एक नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ करने के आरोपी को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पर लड़की को गाली-गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप था।

आरोपी में टी गौतम और उसका साथी वीरू गौतम 31 मार्च को लड़की के घर में घुसकर उसे परेशान किया। जब लड़की ने शोर मचाया, तो दोनों आरोपी उसे धमकाकर फरार हो गए। लड़की ने अपनी मां को घटना के बारे में बताया, जिसके बाद पीड़िता की मां ने थाना सरायमीर में शिकायत दर्ज कराई। इस मामले में पहले ही आरोपी वीरू गौतम को गिरफ्तार किया जा चुका था, जबकि मेंटी गौतम फरार था। पुलिस ने वांछित आरोपी को मुखबिर की सूचना पर सिकरौर सहबरी बाजार से गिरफ्तार कर संबंधित धाराओं में चालान कर दिया।

चोरी की बाइक, तमंचा और कारतूस के साथ तीन धराए

फूलपुर पुलिस की गिरफ्त में बाइक चोर।

जनसंदेश न्यूज

फूलपुर (आजमगढ़)। पुलिस ने गुरुवार को चोरी की मोटरसाइकिल, तमंचा व कारतूस के साथ पलिया पुलिया के पास से तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में ग्राम भेड़िया निवासी अखिलेश यादव ने 24 नवम्बर को शिकायत दर्ज कराई थी कि बाइक से भेड़िया गांव में शादी समारोह में गये थे, जहां से बाइक चोरी हो गई।

विवेचना के दौरान प्रकाश में आए शिवांश मौर्या निवासी ग्राम ओरिल डीहवाँ थाना पवई, सुरज यादव पुत्र इन्द्रजीत यादव निवासी ग्राम पाईन्दापुर थाना दीदारगंज और अभिजीत चौहान पुत्र पवन कुमार चौहान ग्राम गुवाई थाना दीदारगंज को चोरी की मोटर साइकिल और अवैध तमंचा, कारतूस के साथ पलिया पुलिया के पास से पुलिस बल के साथ गिरफ्तार कर लिया। अम्बारी पुलिस चौकी प्रभारी रज्जन द्विवेदी ने बताया कि बाइक चोरी के मामले में गिरफ्तार तीनो अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने ली शपथ

जनसंदेश न्यूज

आजमगढ़। ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ पल्हनी इकाई के पदाधिकारियों को गुरुवार को पल्हनी ब्लाक सभागार में शपथ दिलाई गई। ब्लॉक प्रमुख प्रमोद कुमार यादव अध्यक्षता में आयोजित समारोह में खंड विकास अधिकारी भी मौजूद रहे। सहायक विकास पंचायत अधिकारी उमाकांत पाठक ने शपथ ग्रहण कराया। ब्लॉक अध्यक्ष रमेश कुमार यादव, ब्लॉक मंत्री बाबूराम, कोषाध्यक्ष अनिल कुमार के अलावा, अभय चौहान, इरशाद ने शपथ के बाद कहा कि सफाई कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन कर रहे हैं। कर्मचारियों के लिए हमेशा लड़ता रहूंगा। ब्लॉक प्रमुख प्रमोद यादव ने बसाया की आप लोगों का कार्य सराहनीय है। इसी तरह अपने ब्लॉक का नाम रोशन करने के साथ जिले का नाम रोशन करते रहिए। आपके साथ कोई भी दिक्कत हो, तो हमको बताइए। अपने स्तर की शिकायत का हम निस्तारण करेंगे। समारोह में संघ के जिला अध्यक्ष सीपी यादव, जिला महामंत्री ओंकारनाथ, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष गुलाब चौरसिया, जिला संगठनमंत्री अखिलेश कुमार यादव, अनिल मौर्य, जहानागंज ब्लॉक अध्यक्ष राम प्रताप यादव, सेक्टर प्रभारी राज बहादुर चौधरी, संजय कुमार, महेश कुमार यादव, उमेश यादव, संजय कुमार, बृजेश यादव, वीरेंद्र कुमार, रामाश्रय, महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष सीमा मौर्य, परवीन बानो आदि उपस्थित रहीं।

शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित लोग।

पुलिस ने वापस कराए फ्रॉड के चालीस हजार

आजमगढ़। थाना मुबारकपुर पुलिस ने शेयर मार्केट में इनवेस्ट कराने के नाम पर हुए साइबर फ्राड में आवेदक को 40 हजार रुपया वापस कराया।बीते 23 जुलाई को आवेदक वीरेन्द्र प्रजापति पुत्र सुरेश प्रजापति निवासी ग्राम अमिलो थाना मुबारकपुर से मास्टर ट्रस्ट एप के माध्यम से शेयर मार्केट में इनवेस्ट कराने के नाम पर कुल 40 हजार रुपये का साइबर फ्रॉड हो गया था। आवेदक द्वारा उक्त घटना की सूचना थाना मुबारकपुर पर दिया गया। कम्प्यूटर आपरेटर मेहताब आलम द्वारा आवेदक से तत्काल साइबर हेल्पलाइन के टोल फ्री नम्बर 1930 पर काल कराकर कम्पलेन्ट नम्बर 23109240110458 दर्ज कराया गया था। उक्त प्रकरण मे जांचोपरान्त साइबर सेल एवं संबंधित बैंक के अधिकारी से सम्पर्क कर साइबर फ्रॉड के माध्यम से फ्रॉड हुए रुपयों के संबंध में न्यायालय से आदेश कराते हुए एचडीएफसी बैंक के नोडल अधिकारी के माध्यम से आवेदक का 40 हजार रुपया खाते में वापस कराया गया।

चाहिए एकमुश्त समाधान तो समय से कराएं पंजीकरण

विभागीय योजना का प्रचार करने निकले बिजली कर्मचारी

जनसंदेश न्यूज

एकमुश्त समाधान योजना का प्रचार करते विद्युत कर्मचारी।

अतरौलिया(आजमगढ़)। बिजली उपभोक्ताओं को भुगतान के लिए प्रेरित करने के लिए विभाग ने एक मुश्त समाधान योजना शुरू करने का निर्णय लिया है। इसके लिए विभाग के कर्मचारी नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को जागरूक करने में लग गए हैं।

सरकार द्वारा एकमुश्त समाधान योजना के तहत तीन चरणों में बकाया विद्युत बिल जमा करने में छूट मिलेगी। उसके लिए उपभोक्ताओं को 30 जनवरी तक अपने बकाया धनराशि का 30 प्रतिशत जमाकर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। 15 दिसंबर से शुरू योजना का लाभ मिलेगा। पांच हजार और इससे ऊपर के सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं के लिए शासन द्वारा आगामी 15 दिसंबर से एक मुश्त समाधान योजना लागू किया गया है। योजना का लाभ लेने के लिए 15 दिसंबर से पंजीकरण शुरू होगा। प्रथम चरण 15 से 31 दिसंबर तक चलेगा। दूसरा चरण एक जनवरी से 15 जनवरी तक चलेगा जबकि तीसरा चरण 16 जनवरी से 31 जनवरी तक चलेगा। उपभोक्ताओं को एकमुश्त भुगतान के साथ ही अधिकतम 10 किस्तों में भुगतान का विकल्प है। उपखंड अधिकारी बृजेश कुमार राव ने बताया कि यह सीएम की महत्वाकांक्षी योजना है। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता सहज जन सेवा केंद्र पर भी अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

असाध्य रोगों को जड़ से समाप्त करती है होम्योपैथी: डॉ.सुभाष सिंह

जनसंदेश न्यूज

अतिथियों का स्वागत करते डॉ.भक्तवत्सल व अन्य।

आजमगढ़। राजकीय श्री दुर्गा जी होम्योपैथिक मेडिकल कालेज चंडेश्वर में गुरुवार को एक विशेष साइंटिफिक सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें नवीनतम वैज्ञानिक शोध, रोग उपचार की नवीन तकनीको पर चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने होमियोपैथी की उपयोगिता और उसकी विशेषता पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का शुभारंभ डायरेक्टर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ होमियोपैथी डॉ. सुभाष सिंह ने दीप प्रज्वलन और महात्मा हैनिमैन तथा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। प्राचार्य प्रो. डॉ. संजय कुमार पांडेय ने विशिष्ट अतिथि डॉ सुभाष सिंह का स्वागत पुष्प गुच्छ भेंटकर किया। डॉ. सुभाष सिंह ने नवीनतम वैज्ञानिक शोध, तकनीकी नवाचार और भविष्य में होमियोपैथी के विकास के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि होमियोपैथी एक ऐसी चिकित्सा पद्धति है जो असाध्य रोगों को भी जड़ से समाप्त करती है। यह अन्य चिकित्सा पद्धतियों की अपेक्षा काफी सस्ती है। हमारा लक्ष्य होमियोपैथी को जन-जन तक पहुंचाना है। छात्रों और अध्यापकों ने इस ज्ञानवर्धक सत्र का भरपूर लाभ उठाया। सेमिनार में छात्रों को होमियोपैथी के क्षेत्र में करियर बनाने के बारे में भी मार्गदर्शन दिया गया।

प्राचार्य प्रो. डॉ.संजय कुमार पांडेय ने कहा कि यह कार्यक्रम कालेज के लिए एक बड़ी उपलब्धि साबित हुआ है। आगे भी इस तरह के आयोजन किए जाएंगे ताकि छात्रों को नवीन तकनीकों और शोधों की जानकारी मिलती रहे।

इस अवसर पर डॉ. आरएस यादव, डॉ.आरआर यादव, डॉ. चंद्र प्रकाश मिश्रा, डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. सोनी, डॉ. अजय कुमार पांडेय, डॉ. कविता, डॉ. स्फूर्ति, डॉ. प्रतिमा, डॉ. शैलेन्द्र, डॉ. रामकृपाल प्रजापति आदि उपस्थित रहे।

सीडीओ ने किया खंड विकास कार्यालय का निरीक्षण

पवई (आजमगढ़)। खंड विकास कार्यालय पहुंचे मुख्य विकास अधिकारी परीक्षित खटाना ने गुरुवार दोपहर को अभिलेखों की बारीकी से जांच की। कार्यालय के सभी पटल पर अभिलेखों का रखरखाव एवं पत्रावली का अवलोकन किया गया। आरटीआई रजिस्टर एवं जनसुनवाई पंजिका का अवलोकन करते हुए आवश्यक निर्देश दिया। लेखा पटल पर क्षेत्र पंचायत द्वारा राज्य वित्त, केंद्रीय वित्त से कराए गए कार्यों की पत्रावली का अवलोकन किया। मास्टर रोल के भुगतान की ऑनलाइन रिपोर्ट रखने का निर्देश दिया। मनरेगा सेल में ग्राम पंचायत में अमृत सरोवर खोदाई कार्य पत्रावली का अवलोकन किया। इसके बाद ग्राम पंचायत सरायपुल में प्राथमिक विद्यालय, अन्नपूर्णा भवन, अमृत सरोवर, पंचायत भवन, आरआरसी सेंटर व ग्राम पंचायत सौदमा में गौ आश्रय स्थल का निरीक्षण किया। सीडीओ परीक्षित खटाना द्वारा खंड विकास परिसर में दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल का वितरण भी किया गया। निरीक्षण के समय खंड विकास अधिकारी इशरत रोमेल, एपीओ, लेखाकार ओम प्रकाश, वरिष्ठ तकनीकी सहायक, एडीओ पंचायत आदि उपस्थित रहे।

मानक के विपरीत सड़क बनाये जाने से ग्रामीणों में आक्रोश

जनसंदेश न्यूज

पटवध (आजमगढ़)। बिलरियागंज विकासखंड अंतर्गत ग्राम सभा मानपुर में आजमगढ़-बिलरियागंज मुख्य मार्ग से एक लिंक रोड का काफी पुराना निर्माण हुआ था जो रामकृष्ण विद्या मंदिर इंटर कालेज के पीछे से होते हुए हरखपुर, तोहफापुर तथा बिन्दवल तक जाती है। इस पर हजारों कि संख्या में ग्रामीणों का आवागमन है। सड़क काफी जर्जर अवस्था में हो गयी थी, जिसको जिला परिषद द्वारा टेंडर के तहत पटवध सरैया बाजार से एक किलोमीटर तक मशीन द्वारा रोड बनाने का ठेका लगभग 22 लाख रुपए में दिया गया था। काफी दिनों के इंतजार के बाद गिट्टी की कुटाई करके कई महीनों तक छोड़ दिया गया। सोमवार को ठेकेदार द्वारा उस रोड का लेपन कार्य कर दिया गया। लेपन कार्य में गुणवत्ता न होने की वजह से ग्रामीणों में काफी आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि ठेकेदार द्वारा केमिकल मटेरियल कम डाला गया है जिससे गिट्टियां सब उड़ती नजर आ रही हैं। हल्का पैर मारने पर गिट्टियां भरभरा कर निकल जा रही हैं और नीचे की धूल मिट्टी सब दिखाई दे रही है। प्रेशर रोलर का भी प्रयोग ठीक ढंग से नहीं किया गया है। इस मौके पर श्रवण कुमार राय, सोनू राय, रमेश राय, राजेश राय, मनोज राय, अशोक राय,रुद्र प्रकाश राय, अनिल राय, आलोक राय आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

विरोध प्रदर्शन करते ग्रामीण।

संक्षेप

तकनीकी शिक्षण में सहायक है स्मार्ट टीवी: वरुण सिंह

आजमगढ़। तकनीकी शिक्षण व्यवस्था द्वारा किसी विषय वस्तु को सरलतम एवं सुबोध्य बनाने में स्मार्ट टीवी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्मार्ट टीवी और स्मार्टफोन के माध्यम से शिक्षकों को भी छात्रों के बीच शिक्षण कार्य करना सरल और आसान हो जाता है। उक्त बातें श्रीराम राष्ट्रीय इंटर कॉलेज के हाल में सीएसआर फंड के तहत लगी 65 इंच की टीवी एवं स्मार्ट बोर्ड के उद्घाटन अवसर पर आईडीएफसी बैंक के डिवीजनल मैनेजर वरुण सिंह ने कहीं। वरुण सिंह ने कहा कि सरकार की मंशा है कि हर छात्र को कंप्यूटर, लैपटॉप सहित अन्य तकनीकी ज्ञान की जानकारी दी जाए, ताकि उनके मस्तिष्क का सर्वांगीण विकास हो सके। स्मार्ट टीवी ऑल इन वन है। इसमें जरूरत की हर विषय सामग्री मौजूद है। विद्यालय प्रबंधक राकेश कुमार सिंह ने कहा कि व्यक्ति के जीवन में कामयाबी के लिए अनुशासन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इस अवसर पर आईडीएफसी बैंक के क्लस्टर मैनेजर राजेंद्र प्रसाद, सोनू दास, अशोकानन्द सिंह, दीपक यादव, रविंद्र लाल श्रीवास्तव, शिल्पी यादव, साधना सिंह, किरण सिंह, अमित कौशल, रितिक सिंह आदि उपस्थित थे। अध्यक्षता प्रबंधक राकेश कुमार सिंह तथा संचालन शिक्षक नेता कमलेश राय ने किया।

खेलकूद में अव्वल खिलाड़ी हुए पुरस्कृत

लालगंज (आजमगढ़)। विकास खंड लालगंज के अगेहता गांव में स्थित रामसूरत स्मारक इंटर कालेज में आयोजित वार्षिक खेलकूद महोत्सव का समापन हुआ। महोत्सव में छात्रों, शिक्षकों, और अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें दौड़, कबड्डी, ऊंची व लंबी कूद आदि शामिल थे। प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए खेल भावना का परिचय दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि रविंद्र यादव ग्राम प्रधान तथा पत्रकार अनुराग तिवारी ने दीप प्रज्वलित कर किया। रामसूरत स्मारक इंटर कॉलेज की सोनाली गुप्ता, उजाला मौर्य, सिद्धान्त, आर्यन यादव प्रथम रहे। समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि राजकीय इंजीनियरिंग कालेज के प्रो. डॉ. अम्ब्रीश सिंह ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किया। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं अपितु टीम वर्क और अनुशासन का भी पाठ पढ़ाते हैं। प्रधनाचार्य अमित शुक्ला व मैंमेजर राजेश शुक्ला ने सभी प्रतिभागियों, आयोजकों, और दर्शकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विनायक, विवेक, प्रमोद, ओमप्रकाश, सरद, सर्वेश, सरस्वती, वंदना, कामना, अनीता, प्रीति आदि उपस्थित रहीं।

स्थानांतरित सीओ को दी गई विदाई

आजमगढ़। पुलिस अधीक्षक हेमराज मीना की ओर से गुरुवार को पुलिस लाइन सभागार क्षेत्राधिकारी संजय कुमार सिंह को जनपद शाहजहांपुर स्थानांतरण पर विदाई दी गई। सीओ को सम्मानस्वरूप मिठाई और गले में फूल माला पहनाकर व मोमेंटो देकर शाहजहांपुर के लिए रवाना किया गया। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर शैलेन्द्र लाल, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण चिराग जैन, अपर पुलिस अधीक्षक यातायात विवेक त्रिपाठी, सहायक पुलिस अधीक्षक अनन्त चन्द्रशेखर के अलावा अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद रहे।

राजेश्वरी प्रथम तो तेजस्विनी को मिला दूसरा स्थान

आजमगढ़। महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित अंतर महाविद्यालयीय योगासन व खेल प्रतियोगिता में राजेश्वरी प्रथम तो तेजस्विनी दूसरे स्थान पर रहीं। वहीं नेहा सिंह को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता सगड़ी तहसील के श्री गांधी पीजी कॉलेज मालटारी में सम्पन्न हुई। प्रो. प्रशांत राय की देखरेख में हुए योगासन व खेल प्रतियोगिता के विजयी छात्राओं को मेडल देकर सम्मानित किया गया। साथ ही भुवनेश्वर में होने वाली राष्ट्रीय विश्वविद्यालंय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए महाराजा सुहेलदेव विवि की योगासन खेल टीम का चयन किया गया। इसमें राजेश्वरी गोंड, तेजस्वनी गोंड, नेहा सिंह, मिंकू यादव, अंजलि, पायल शामिल हैं। मुख्य अतिथि भाजपा नेता रविंद्र जायसवाल ने कहा कि योग पूर्ण विज्ञान और संपूर्ण मानव जीवन है। इस दौरान विश्वविद्यालय के खेल सचिव एवं विभागाध्यक्ष प्रोफेसर प्रशांत राय, विवेक सिंह सोनू, प्रभात राय, गोपाल राय आदि ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया। प्रतियोगिता का निर्णय खेल प्रशिक्षक शंकर प्रसाद योगाचार्य और सीपू कुमार की उपस्थिति में किया गया।

उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित की गयीं समूह की दीदियां

फूलपुर (आजमगढ़)। स्थानीय विकास खंड के ब्लाक कार्यालय परिसर के मीटिंग कक्ष में विश्व शौचालय दिवस के समापन एवं मानवाधिकार दिवस पर सहायक विकास अधिकारी आईएसबी राजेंद्र प्रसाद यादव, खंड प्रेरक ममता श्रीवास्तव, ब्लॉक मिशन मैनेजर शीरीन फातिमा व गोपाल गौतम द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तिगत शौचालय के लाभार्थी एवं सामुदायिक शौचालय के रख रखाव के लिए नियुक्त समूह की महिला दीदी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सामुदायिक शौचालय सुदनीपुर पर नियुक्त समहू की महिला दीदी शकुंतला को स्वच्छ भारत मिशन योजना के तहत स्वच्छता के प्रति जागरूक करने गली मुहल्ला कोस्वच्छ रखने के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार ग्राम पंचायत हथिनोरा के सामुदायिक शौचालय की देखरेख के लिए नियुक्त सुनीता व व्यक्तिगत शौचालय के लिए रमाकांत भारती को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

गॉड ऑफ नेचर कृति के लिए डॉ. विशाल यादव सम्मानित

लालगंज (आजमगढ़)। ऑल इंडिया फाइन आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स सोसाइटी द्वारा आयोजित 97वीं वार्षिक अखिल भारतीय कला प्रदर्शनी 2024 के दौरान डॉ. विशाल यादव को उनकी प्रभावशाली कलाकृति गॉड ऑफ नेचर के लिए सम्मानित किया गया है। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. बुद्धरश्मि मणि, महानिदेशक, राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली एवं सुप्रसिद्ध मूर्तिकार पद्मश्री वि. रामसुतार ने डॉ. विशाल यादव को पुरस्कृत किया। उनकी उत्कृष्ट कृति 'गॉड ऑफ नेचर' ने पर्यावरण संरक्षण और मानवीय भावनाओं के बीच गहरे संबंध को खूबसूरती से प्रस्तुत किया। इस कृति ने निर्णायकों और दर्शकों को समान रूप से मंत्रमुग्ध कर दिया। डॉ. विशाल यादव मूलरूप से आजमगढ़ जिले के ग्राम रणमों के निवासी हैं। वर्तमान में वे जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान उन्नाव में प्रवक्ता पद पर कार्यरत हैं। शिक्षा और कला के क्षेत्र में उनके योगदान ने न केवल उनके गांव बल्कि पूरे राज्य का गौरव बढ़ाया है। इस कार्यक्रम ने देशभर के कलाकारों को अपनी कला और नवाचार को प्रस्तुत करने का एक सशक्त मंच प्रदान किया। उनके घर पर बधाई देने वालों का ताता लगा रहा। उक्त जानकारी उनके चचेरे भाई तेज बहादुर यादव ने दी।

भाजपा मंडल अध्यक्ष चुनाव के लिए बैठक

पटवध (आजमगढ़)। गोपालपुर विधानसभा अंतर्गत बिलरियागंज का भाजपा मंडल अध्यक्ष बनाने के लिए संगठन द्वारा जिला महामंत्री नन्हकू राम सरोज को मंडल चुनाव अधिकारी बनाया गया था। उनके नेतृत्व में गुरुवार को बनकट स्थित जगतपाल सिंह के हाते में समन्वयक बैठक का आयोजन किया गया। नन्हकू राम सरोज द्वारा बिलरियागंज भाजपा मंडल अध्यक्ष के चुनाव के लिए उपस्थित दावेदारों से पेपर संकलित किया गया। भाजपा मंडल अध्यक्ष के रेस में कुल 6 लोगों की दावेदारी में संतोष पासवान, रूद्रप्रकाश राय, उमेश गौंड, सूरज राय, संतोष यादव तथा लक्ष्मी मिश्रा शामिल रहीं। मंडल चुनाव अधिकारी ने बारी-बारी से सारे संयोजकों और वरिष्ठ पदाधिकारियों से वार्ता किया। बैठक में वरिष्ठ पदाधिकारी तथा शक्ति केंद्र संयोजक एवं बूथ संयोजक आदि उपस्थित थे।

आयुक्त का महाकुम्भ मेले को लेकर अफसरों को दिशा निर्देश

किया सावधान

विन्ध्याचल में श्रद्धालुओं की भीड़ के दृष्टिगत रैन बसेरा व पार्किंग सहित घाटों पर हो एनडीआरएफ व जल पुलिस की व्यवस्था

जनसंदेश न्यूज

मीरजापुर। महाकुम्भ को देखते हुए विन्ध्याचल मीरजापुर व जनपद भदोही से प्रयागराज जाने वाले प्रमुख मार्गो पर भीड़ प्रबन्धन एवं सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत मण्डलायुक्त डॉ0 मुथुकुमार स्वामी बी0 ने दोनों जनपदो के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

बैठक में जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन, पुलिस अधीक्षक अभिनंदन, मुख्य चिकित्साधिकरी डॉ0 सी0एल0 वर्मा, प्राचार्य मेडिकल कालेज डा0 संजीव कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त शिव प्रताप शुक्ल, अपर पुलिस अधीक्षक नक्सल ओम प्रकाश सिंह के अलावा अन्य सम्बन्धित अधिकारी बैठक में उपस्थित रहें।

उप पुलिस महानिरीक्षक आर0पी0 सिंह, जिलाधिकारी भदोही व पुलिस अधीक्षक भदोही व भदोही के अन्य सम्बन्धित अधिकारी बैठक में जूम के माध्यम से शामिल रहें। बैठक में मण्डलायुक्त ने कहा कि पूरे कुम्भ के दौरान विन्ध्याचल तथा विन्ध्याचल होते हुए प्रयागराज जाने वालों में लगभग 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के आने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इसके अतिरिक्त मेडिकल टीम, एम्बुलेंस की भी व्यवस्थाएं की जाए यदि आवश्यकता हो तो जनपद सोनभद्र से एम्बुलेंस आदि की मांग कर ली जाए। विन्ध्याचल में मुख्य मन्दिर विन्ध्याचल व त्रिकोण में शामिल मन्दिरो पर पुलिस व मजिस्ट्रेट की तैनाती की जाए विशेषकर प्रमुख स्नान पर्वो पर अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। मण्डलायुक्त ने प्राचार्य मेडिकल कालेज मीरजापुर को निर्देशित करते हुए कहा कि मेडिकल कालेज में कम से कम 40 अतिरिक्त बेड इमरजेंसी सेवा के लिए रिर्जव रखा जाए। बैठक में जिलाधिकारी मीरजापुर, पुलिस अधीक्षक व जिलाधिकारी भदोही व पुलिस अधीक्षक तथा अन्य सम्बन्धित अधिकारियों के द्वारा अपने-अपने तैयारियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

कुंभ यात्रियों को मेला टैक्स से मुक्त करने की उठी आवाज

जनसंदेश न्यूज

अपील

फिल्मों की तरह रेल में सरचार्ज से मिले छूट

प्रयागराज से वाराणसी तक दिन-रात चलाया जाय स्टीमर

मीरजापुर। सनातन संस्कृति की संवाहक भाजपा सरकार से धर्मनिष्ठ लोगों ने कुम्भ मेला के दौरान फिल्मों की तरह टैक्स मुक्त किए जाने की मांग की हैं। कहा कि मुंबई के तमाम फिल्मों को प्रमोट करने के लिए सरकार टिकटों में छूट देती है। वहीं कुंभ के अवसरों पर तमाम विभागों द्वारा मेला सरचार्ज लिया जाता है, जो किसी दृष्टि से उचित नहीं है।

नगर के गैबीघाट स्थित श्री हनुमान मंदिर पर विन्ध्य सन्त एवं श्रद्धालुमंडल की बैठक में मांग किया गया। गांव-गरीब नेटवर्क के संयोजक सलिल पांडेय ने कहा कि समाज में जागृति पैदा करने वाली बालीवुड की फिल्मों को समय समय पर कर मुक्त किया जाता रहा है। उसी प्रकार संस्कार और संस्कृति को जीवंत रखने वाले प्रयागराज की धरती संगम पर लगने वाले कुंभ मेला को अतिरिक्त सर चार्ज एवं टोल टैक्स से मुक्त रखा जाय। उन्होंने कहा कि फिल्म जगत के लोग धनाढ्य होते हैं। इसके विपरीत संगम स्नान करने वाले बहुतेरे आस्था के चलते येन-केन-प्रकारेण धन जुटा कर स्नान के लिए जाते हैं। मेला अवधि में किसी भी विभाग द्वारा किसी प्रकार का मेल टैक्स न लिया जाए। बल्कि निजी वाहनों से आने वाली छोटी चार पहिया गाड़ियों से टोल टैक्स पूरी तरह मुफ़्त न हो सके तो आधी छूट अवश्य दी जानी चाहिए। मेले में वाहनों की संख्या बहुत बढ़ जाती है। रेलवे द्वारा मेला सरचार्ज लगाना अनुचित है।

श्रद्धालु जन कुंभ मेला के बाद मीरजापुर में मां विंध्यवासिनी तथा वाराणसी में बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने वालों के लिए गङ्गा नदी में रात-दिन स्टीमर चलाने की मांग की गई। कहा कि इससे सड़कों पर जाम कम लगेगा। यात्रियों का यात्रा व्यय भी बचेगा।

संक्षेप

ईंट लदे ट्रैक्टर की ट्रॉली पलटी, चालक सुरक्षित

मड़िहान। संतनगर थाना क्षेत्र के पटेहरा ब्लॉक मुख्यालय के सामने वाली मड़िहान ब्रांच की सड़क पर गुरुवार दोपहर पटेहरा गांव की ओर जा रहे इंट लदा ट्रैक्टर की ट्राली अनियंत्रित होकर पलट गई। चालक राजू पुत्र सूर्यबली निवासी मेजा ने बताया की मेजा से ट्रैक्टर ट्राली में ढाई हजार ईंट लाद कर पटेहरा कला निवासी बबलू कोल के यहां उतारने जा रहा था। पटेहरा ब्लॉक के सामने मड़िहान ब्रांच नहर पर ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और लोड होने के कारण ट्राली पलट गई। नहर किनारे लगे युकीलिपटस के पेड़ में टकराने से ट्राली गड्डे में जाने से बच गई जिसके कारण बाल बाल बच गया।

शादी करने पहुंचे गैर जनपद दुल्हा को पुलिस ले गई थाने

गैपुरा। थाना क्षेत्र के एक गांव में बीती रात डेढ़ दर्जन बारातियों के साथ शादी करने पहुंचे गैर जनपद के दूल्हे को पुलिस थाने उठा ले आई। गुरुवार को दोपहर तक चली थाना पंचायत में लेनदेन का मामला सुलझने के बाद शादी नहीं हुई। बिजनौर जनपद के कैमरी थाना क्षेत्र के गंगापुर कला गांव निवासी जसपाल कौर पुत्र परमजीत सिंह की शादी स्थानीय थाना क्षेत्र के एक गांव में होनी थी। बुधवार की शाम दूल्हे राजा व बारातियों की घरातियों ने काफी आवभगत की। मौके पर दुल्हन का चाचा दूल्हे का आधार कार्ड देखने की मांग करने लगा। सूचना पर पीआरवी पुलिस पहुंच गई। दूल्हे के पास से तीन संदिग्ध आधार कार्ड बरामद हुआ। दूल्हे व इसी थाना क्षेत्र की महिला अगुआ को पुलिस थाने उठा लाई। चाचा के आधार कार्ड मांगने के कारण युवती का जीवन नर्क हो गया। प्रभारी थानाध्यक्ष शैलेश राय ने बताया कि दोनों पक्षों के सुलहनामा प्रस्तुत करने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। मामले को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। आम चर्चा है कि चाचा व युवती की सक्रियता से झांसा देकर शादी करने वाले युवक के मंसूबे पर पानी फिर गया।

पति-पत्नी के विवाद में महिला ने कीटनाशक पीया

राजगढ़। क्षेत्र के एक गांव में पति से विवाद कर पत्नी ने कीटनाशक पी लिया। कुछ देर बाद उल्टी होने पर परिजनों को जहर पीने का आशंका हुई। जिसे लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजगढ़ में भर्ती कराया गया। जहां पर चिकित्सक द्वारा उसका इलाज किया जा रहा है। कुड़ी गांव निवासी एक 22 वर्षीय महिला द्वारा किसी बात को लेकर कई दिन से पति से विवाद चल रहा था। जिसको लेकर घर में रोज पति पत्नी में झगड़ा होता रहा। रोज-रोज किच-किच से तंग आकर महिला ने घर रखे गए सब्जियों को छिड़कने वाला कीटनाशक पी लिया। कुछ देर बाद उल्टी होने एवं हाथ पांव काम न करने पर प्राणों द्वारा महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजगढ़ में भर्ती कराया गया। जहां पर चिकित्सक द्वारा उसका इलाज किया जा रहा है। इस संबंध में चिकित्सा अनूप कुमार ने बताया कि कीटनाशक पी हुई महिला का इलाज चल रहा है, हालत में सुधार है।

महिला की तहरीर पर तीन के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

हलिया। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के बलमपुर नौगवां गांव निवासी उर्मिला पत्नी मुखिया बैद ने पति के साथ मारपीट करने वाले तीन लोगों के विरुद्ध गुरुवार को मुकदमा दर्ज कराया है। दी गई तहरीर में महिला ने बताया कि बुधवार शाम पांच बजे गलरा गांव निवासी रिंकू बैद व कुंवर बैद तथा महेशपुर गांव निवासी रज्जाक पति मुखिया बैद को घर से लेकर रतेह चौराहा गए थे। जहां पर शराब पीने की बात को लेकर तीनों लोग पति को लात घूसों से मारकर घायल कर दिया। महिला की तहरीर पर पुलिस ने तीनों के विरुद्ध मारपीट का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार सरोज ने बताया कि महिला की तहरीर पर मारपीट का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

सात वर्ष से गायब युवक को पुलिस ने परिजनों से मिलाया

सीखड़। मंगलवार को चुनार पुलिस रात्रि गश्त भ्रमण पर थी कि एक युवक सड़क पर घुमते हुए मिला। पुलिस ने उसे थाने पर ले जाकर पूछ ताछ किया तो उसने अपना नाम संजय कुमार निवासी अमाव बताया और घर से सात वर्ष से गायब होने की बात बताई। पुलिस ने सोशल मीडिया व प्लान सी तथा अन्य माध्यमों से युवक के माता-पिता की तलाश करना शुरू की। गुरुवार को सुबह सोशल मीडिया के माध्यम से संजय के पिता गुलाब पुत्र तारकेश्वर माता तारा देवी चाचा सरोज कुमार निवासी अमाव थाना नरही जनपद बलिया, चुनार थाना पहुंच कर अपने बेटे की पहचान कर बताया कि संजय सात वर्ष पूर्व घर से गायब हो गया था जिसका गुमशुदगी नरही थाना में दर्ज कराया गया था। उन्होंने बताया कि कि उनका बेटा कुछ मानसिक रूप से अस्वस्थ है। निरीक्षक शिव जी यादव ने बताया कि गुमशुदा युवक को संतुष्ट होकर गुरुवार को उसके माता-पिता को सुपुर्दगी में दे दिया गया है।

गली विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट

जमालपुर। क्षेत्र के खेमईबरी गांव में गुरुवार को दो पक्षों में गली विवाद को लेकर मारपीट हो गई जिसमें राम मूरत 55 वर्ष, धीरज 25 वर्ष विजय 21 वर्ष, सीता 55 वर्ष एवं राधिका पटेल 21 घायल हो गई। गंभीर रूप से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जमालपुर ले आया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दो की हालत गंभीर सीता एवं राधिका को ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया। पीड़ित राममूरत सिंह ने थाने में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई। थाना प्रभारी विजय कुमार सरोज ने बताया कि तहरीर मिली है जिसकी जांच पड़ताल किया जा रहा है।

ओटीएस योजना के तहत बकाया बिल जमा करने के बताये गये फायदे

लालगंज। स्थानीय क्षेत्र के लहंगपुर विद्युत केंद्र से जुड़े लहंगपुर बाजार में गुरुवार को दोपहर बाद विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता योगेश कुमार के साथ एसडीओ सुमित कुमार यादव ने लोगों को जागरुक करते हुए ओटीएस योजना के तहत बकाया बिल जमा करने के लिए फायदे बताएं। एक्सईएन योगेश कुमार ने कहा कि सरकार द्वारा दी जा रही ओटीएस योजना उपभोक्ताओं के लिए एक बड़ा अवसर है। एसडीओ सुमित कुमार यादव ने बताया कि योजना का प्रथम चरण 15 से 31 दिसम्बर तक, दूसरा चरण 1 जनवरी से 15 जनवरी तक, तीसरा चरण 16 जनवरी से 31 जनवरी तक रहेगी। योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ताओं को पंजीकरण कराना अनिवार्य है। इस दौरान जेई रामकेश पटेल, यूपीपीसीएल के जेई सर्वेश दुबे के अलावा विद्युत विभाग के कर्मचारी व बाजारवासी मौजूद रहे।

मैजिक व बाइक की टक्कर में पिता-पुत्र घायल

जमालपुर। क्षेत्र के जेके स्टेट हाइवे स्थित धारा गांव के पास गुरुवार को विपरीत दिशा से आ रही मैजिक गाड़ी में टक्कर हो जाने से बाइक सवार पिता पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने आनन-फानन में दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जमालपुर ले आए जहां चिकित्सकों ने गंभीर हालत देख ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार अजय उर्फ माहा सिंह पुत्र भगवान दास व मोनू 22 वर्ष पुत्र माहा सिंह निवासी घरवाह अपनी बाइक से घर आ रहे थे कि विपरीत दिशा से आ रही अनियंत्रित मैजिक गाड़ी से अमरावती देवी इंटर कालेज घारा में टक्कर हो गई जिससे पिता पुत्र दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए जिसे चिकित्सक ने ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया। वही मौके का फायदा उठाकर मैजिक चालक गाड़ी लेकर फरार हो गया।

धान का सत्यापन न होने से परेशान है किसान

लालगंज। तहसील परिसर में किसानों की धान सत्यापन न होने अथवा सर्वर फेल होने की वजह से दो दिन से किसान परेशान है और धान का सत्यापन नहीं हो पा रहा है। सत्यापन स्थल पर किसानो की भारी भीड़ बनी हुई है। किसानों के धान सत्यापन तहसील में चल रहा है। सत्यापन कर्ता ने बताया कि विगत 2 दिन से सरवर न होने की वजह से सत्यापन का कार्य नहीं हो पा रहा है। किसानों ने मांग किया है कि ठंडी के समय धान का सत्यापन की लाइन लगा रहा हूं सत्यापन नहीं हो पा रहा है जब सत्यापन ही नहीं हो पा रहा है तो धान कैसे विक्रय किया जाएगा। कहा कि ठंडी के समय में हम किसान किसी तरह धान की फसल तैयार करके घर पर रखा गया है। लगता है कि अब विक्रय नहीं हो पाएगा।

चोरी के सामान के साथ आरोपी गिरफ्तार

मीरजापुर। पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने हेतु अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की धरपकड़, चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाते हुए संलिप्त आरोपियों की गिरफ्तारी, बरामदगी एवं प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये हैं। उक्त निर्देश के क्रम में गुरुवार को उप-निरीक्षक नरेन्द्र कुमार यादव व अभयराज पाल मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबीर की सूचना के आधार पर थाना चुनार क्षेत्रान्तर्गत चचेरी मोड़ फ्लाई ओवर के पास से पिकप पर छिपाकर बिक्री हेतु ले जाये जा रहे चोरी के 51 रेलवे का आयरन स्लीपर तथा 10-10 फीट व 6-6 फीट लम्बाई की 2-2 कुल 04 रेलवे की पुरानी पटरी का टुकाड़ा बरामद किया गया। गिरफ्तारी से बचने हेतु पिकप को फ्लाई ओवर पर खड़ी कर भाग रहे चोटहिल एक आरोपी विकास उर्फ विक्की पुत्र खनझाटी निवासी कालिका धाम बाराडीह थाना कपसेठी जनपद वाराणसी को गिरफ्तार किया गया। थाना चुनार पुलिस द्वारा मौके से फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु सम्भावित स्थानों पर दबिश दी जा रही है। वैध कागजात प्रस्तुत न करने पर अन्तर्गत धारा 207 एमवी एक्ट में गाड़ी को सीज किया गया।

रक्तदान शिविर में ट्रस्ट सदस्यों ने किया रक्तदान

मीरजापुर। नगर के लोहंदी कला क्षेत्र अन्तर्गत एक लान में गुरूवार को इटरनल ग्रेस ट्रस्ट द्वारा 101 टीबी मरीजों को पोषण पोटली भेट करते हुए गोद लेने एवं अपने 25 ट्रस्ट सदस्यों द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन मुख्य अतिथि एडीएम देवेन्द्र प्रसाद सिंह के उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम में एडीएम देवेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा उपस्थित मरीजों के बीच कहा गया कि इस रोग से भयभीत होने की अब आवश्यकता नहीं है क्योंकि सरकारी स्तर से हर सम्भव सुविधाएं अब उपलब्ध हो चुकी हैं। जिला क्षयरोग अधिकारी डाक्टर अनिल कुमार ओझा द्वारा आयोजक ट्रस्ट के उपरोक्त कार्यों की प्रसंशा करते हुए कहा गया कि आपका मरीजों एवं समाज के हित में किया जा रहा यह कार्य अत्यंत सराहनीय एवं प्रेरणा दायक है। डॉक्टर ओझा द्वारा कहा गया कि टीबी मरीजों के लिए अच्छी दवाएं एवं जांच सुविधा जिले में उपलब्ध है। साथ ही बताया कि टीबी मरीजों को अब नवम्बर से 1000/- प्रति माह उनके खाते में पूरे इलाज अवधि तक दिया जाएगा। कार्यक्रम का मंच संचालन क्षय विभाग के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर सतीश शंकर यादव ने किया। कार्यक्रम में क्षय विभाग से अवध बिहारी कुशवाहा, सावित्री देवी, प्रतिक, आकाश, मनभावन, नीरज, अरुण पाल, अनीश, कालीचरण, दुर्गा प्रसाद आदि मौजूद रहे।

नौ गांवों में मनाया गया जनजाति गौरव दिवस

जनसंदेश न्यूज

मड़िहान। विकास खंड क्षेत्र के पड़रिया कला, रामपुर, बहुती, कोटवा पाण्डेय, हड़ौरा, बेदौली गांव के ग्राम पंचायत भवन पर गुरूवार को जनजाति गौरव दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। पड़रिया कला पंचायत भवन पर जनजाति गौरव दिवस में भगवान बिरसा मुंडा के जीवन कालखंड में किए गए अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति के पुनरोद्धार में किए गए व्यावहारिक प्रयासों पर प्रधान विभा तिवारी द्वारा विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में उपस्थित ग्राम सचिव गौरव कुमार ने बताया कि विरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को मनाई जानी थी पर आचार संहिता लग जाने से शासन ने इसे आज की तिथि निर्धारित की थी। कार्यक्रम में प्रधान विभा तिवारी, क्षेत्र पंचायत सदस्य अशोक, रामजतन, छोटकी देवी, सागर, संजू आदि ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए।

डीएम ने पथरहिया मोड़ तक वेंडिंग जोन का किया निरीक्षण

लिया जायजा

अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को बनाई गईं दुकानें आवंटित करने का दिया निर्देश

जनसंदेश न्यूज

मीरजापुर। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने आयुक्त कार्यालय के सामने से पथरहिया मोड़ तक नगर पालिका द्वारा बनाए गए वेंडिंग जोन व टेम्पो स्टैण्ड का भ्रमण कर निरीक्षण किया। इस दौरान सड़को के किनारे दुकानदारो के द्वारा अतिक्रमण कर दुकान लगाने वाले दुकानदारो को वेंडिंग जोन में तत्काल स्थल आवंटन करने का निदेश अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को देते हुए सभी दुकानदारो को निर्देशित किया कि आज ही सायं तक अपनी दुकान को आवंटित वेंडिंग जोन की दुकान पर लगा ले अन्यथा अतिक्रमण हटाओं अभियान के तहत कड़ी कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी के निर्देश पर अधिशासी अधिकारी नगर पालिका मीरजापुर द्वारा तत्काल एक-एक दुकान का नाम नोट करते हुए दुकानों को आवंटित किया गया तथा उक्त दुकानों को अपने स्टाफ के द्वारा आवंटित उनके स्थल पर लगवाने का निर्देश दिया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि तिराहे से ओवरब्रिज के नीचे रेलवे क्रासिंग के नीचे भी सब्जी व फल विक्रेताओं के लिए भी वेंडिंग जोन बनाने का निर्देश अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को दिया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त शिव प्रताप शुक्ल, नगर मजिस्ट्रेट लाल बहादुर सिंह, उप जिलाधिकारी सदर गुलाब चन्द्र, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका मीरजापुर गोवा ला सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

कांग्रेसियों का प्रतिनिधिमंडल डीआईजी से मिला, सौंपा पत्रक

दिलाया ध्यान

घंटाघर के मैदान में हुए अपमान की सुनाई व्यथा

दोषी पुलिस वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

मीरजापुर। शहर कोतवाली इलाके के घंटाघर के मैदान में सीओ सिटी के व्यवहार से आहत कांग्रेस का प्रतिनिधि मंडल डीआईजी आर.पी. सिंह से मुलाकात कर पत्रक सौंपा गया। जिसमें 6 दिसंबर को घंटाघर के मैदान में शोक संवेदना कार्यक्रम के दौरान सीओ सिटी विवेक चावला के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की गई है। डीआईजी से वार्ता करते हुए उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष पूर्व विधायक भगवती प्रसाद चौधरी ने अपनी व्यथा व्यक्त किया। कहा कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर घंटाघर में कुछ लोग जुटे थे। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री के मूर्ति के पास संभल घटना में पीड़ित लोगों को न्याय व सामाजिक सौहार्द के लिए प्रार्थना रखा गया था। मेरे साथ अन्य लोग मोमबत्ती जलाकर बैठे थे। इसी दौरान सीओ सिटी, सिटी इंस्पेक्टर, वसलीगंज चौकी इंचार्ज पहुंचे।

हम सब लोगों के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहे थे। डीआईजी साहब से मांग किया गया कि अभद्रता करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। नहीं तो बड़ा आंदोलन किया जायेगा। प्रतिनिधि मंडल में जिला कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ0 शिव कुमार सिंह पटेल, शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष भगवान दत्त पाठक उर्फ राजन पाठक, जिला पंचायत सदस्य शिव शंकर चौबे, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य मिन्हाज अहमद, छोटे खान, पीसीसी सदस्य रमेश प्रजापति, पप्पू, राजधर दुबे, किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष संजय दूबे, गुलाबचंद पांडेय, इश्तियाक अंसारी, राजेंद्र विश्वकर्मा, राम लखन, कपिल सोनकर, अशोक गुप्ता, डॉ दिनेश चौधरी, अनुज मिश्रा, अंकित अग्रहरि एवं संदीप तिवारी आदि शामिल रहे।

आग लगने से खलिहान में रखी फसल जलकर खाक

मड़िहान। संतनगर थाना क्षेत्र के चाल्हा गांव में गुरुवार दोपहर में अबूझ हाल में खलिहान में रखे धान की फसल में आग लग गई जिससे धान का फसल जलकर खाक हो गया। थाना क्षेत्र के राहकला घोघियां निवासी भोलानाथ यादव की खेती चाल्हा में होती है। जहां खलिहान में सात बीघे धान की फसल मड़ाई के लिए सुरक्षित अपने घर के सामने रख गांव घोघिया की खेती करने गुरुवार को चले गए। उस समय उनकी बहू साधना और नाती गौरव थे जो घर के अंदर थे, अचानक खलिहान में रखे धान की फसल में आग प्रचंड रूप धारण कर जलने लगी। उस समय विद्युत सप्लाई भी रोस्टिंग में बंद थी। प्रधान प्रतिनिधि प्रकाश गिरी के फोनिक सूचना पर थाना संतनगर की पीआरवी पुलिस पहुंची, स्थिति देख थानाध्यक्ष संतनगर जितेंद्र सरोज को अवगत कराया गया, जिनके प्रयास से तत्काल दमकल बुलाया गया और विद्युत सप्लाई जारी कराई गई। ग्रामीणों ने आग पर काबू तो पा लिया किन्तु तब तक सारी फसल जल कर खाक हो गई थी। राजस्व निरीक्षक कृष्णशंकर मिश्र ने बताया कि कृषि आपदा राहत में सहयोग के लिए कार्यवाही की जाएगी।

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन चुनाव की तैयारी, मतदान 21 को

मीरजापुर। नई नियमावली के तहत पहली बार डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के चुनाव की तैयारी आरम्भ हो गई है। संशोधित मतदाता सूची के प्रकाशन और आपत्तियों का निपटारा कर दिया गया है। नामांकन 13 एवं 16 दिसम्बर को होगा। 20 और 21 दिसंबर को मतदान होगा। अंतिम मतदाता सूची के अनुसार 2236 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

सब चौकस

2236 अधिवक्ता अपने मताधिकार का करेंगे प्रयोग

चुनाव में प्रत्याशी बनने के लिए नई नियमावली जारी किया गया है, जिसके अनुसार वकालत पेशे में 25 वर्ष और डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन की 15 साल तक सदस्यता रखने वाले अधिवक्ता ही अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष व कोषाध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ सकेंगे। कनिष्ठ उपाध्यक्ष व सचिव पद के लिए 15 वर्ष और डिस्ट्रिक्ट बार में 10 साल की सदस्यता होना अनिवार्य किया गया है। अब अधिवक्ता के रुप में पंजीकरण कराने के बाद ही चुनाव नहीं लड़ पायेंगे। गत वर्ष मतदाता सूची में 2210 मतदाता थे। इस बार 26 मतदाता की वृद्धि के साथ ही यह संख्या 2236 हो गई है। नई कार्यकारिणी के चयन के लिए 12 दिसंबर से नामांकन पत्रों की बिक्री, 13 एवं 16 को नामांकन तथा 20 दिसंबर को टेंडर और 21 को सामान्य मतदान 4.30 बजे तक होगा। इसी दिन मत पत्रों की गणना की जायेगी।

किसानों ने एकमुश्त समाधान योजना का लाभ उठाया, पैसे जमाकर लिया टोकन मनी

गैपुरा। जिला विधिक सेवा के अध्यक्ष व जिला जज अरविंद मिश्रा ने गुरुवार को क्षेत्र के भैदपुर गांव में आर्यावर्त बैंक के ग्राहकों की समस्या का समाधान कराया। इस दौरान 22 किसानों ने एकमुश्त समाधान योजना का लाभ उठाते हुए पैसे जमाकर टोकन मनी लिया।

बतौर मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में विधिक सेवा प्राधिकरण की निःशुल्क सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। 14 नवंबर को जिला मुख्यालय पर आयोजित लोक अदालत में भागीदारी करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि ग्राम स्तर पर विधिक सेवा प्राधिकरण का कार्यालय खुलना चाहिए। उन्होंने अदालतों का चक्कर लगाने तथा किसी भी प्रकार के शोषण दोहन से बचने के लिए मिल बैठकर आपस में सहमति बनाने पर जोर दिया। प्राधिकरण के अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष ने अपने पास से दो गरीब महिलाओं की टोकन मनी जमा कर मिशाल पेश किया। प्रधान संघ के पूर्व जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने भी एक महिला का टोकन मनी जमा किया। महाप्रबंधक डी0के0 गुप्ता ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। लोन व ब्याज पर छूट को लेकर किसान संतुष्ट नजर आए। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विनय आर्या एवं स्थानीय बैंक शाखाओं के प्रबंधक उपस्थित रहे।

मोबाइल चोर गिरफ्तार कब्जे से मोबाइल बरामद

मीरजापुर। थाना कोतवाली देहात पर बीते 29 सितंबर को सुरेशचन्द्र मिश्रा पुत्र स्व0 कमलाकान्त मिश्रा निवासी विजयपुरा थाना कोतवाली देहात द्वारा अज्ञात के विरुद्ध घर के बरामदे में रखी हुई 03 मोबाइल फोन के चोरी हो जाने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई। जिसके आधार पर थाना कोतवाली देहात पर सम्बंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई। पुलिस अधीक्षक द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में बुधवार को उप-निरीक्षक आशुतोष शुक्ला मय पुलिस टीम द्वारा मुकदमा उपरोक्त की विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी शनि बिन्द पुत्र पन्नालाल बिन्द व साहिल अली अंसारी पुत्र मुन्नवर अली निवासीगण मसारी का पूरा थाना कोतवाली देहात को गिरफ्तार कर कब्जे से दो चोरी की मोबाइल बरामद की गयी। आरोपियों द्वारा चोरी की उक्त घटना को स्वीकार करते हुए बताया गया कि वे दोनों मिलकर 03 मोबाइल घर से चोरी किये थे जिसमें से एक मोबाइल फोन किसी राहगीर को 2000 रुपये में बेच दिए तथा बिक्री की धनराशि को आपस में बांट लिए थे। पुलिस ने विधिक कार्यवाही करते हुए आरोपियों को जेल भेज दिया।

कृषि वैज्ञानिक ने कम पानी में अच्छी उपज लेने के बताए गुर

आयोजन

रबी किसान गोष्ठी मेले का आयोजन

मड़िहान। विकास खंड परिसर में गुरुवार को विकास खंड स्तरीय रबी किसान गोष्ठी मेला का आयोजन किया गया जिसमे कृषि वैज्ञानिकों के साथ मुख्य अतिथि ने किसान हित में अपने विचार रखे। गुरुवार को विकास खंड स्तरीय कृषि निवेश रबी गोष्ठी का बृहद आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक रमाशंकर सिंह पटेल द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत किया। किसानों के हित में आय दो गुनी करने, कम पानी में अच्छी उपज कर मुनाफा कमाने के कई उपाय कृषि वैज्ञानिक डाक्टर एसएन सिंह, डाक्टर पियूष मिश्रा द्वारा कीट नाशक जंतुओं से उपचार के साथ बीज संशोधन, कृत्रिम खाद के प्रयोग से होने वाले हानि और लाभ पर विस्तृत जानकारी साझा किए। मुख्य अतिथि रमाशंकर सिंह पटेल द्वारा सरकार द्वारा चलाई जा रही तमाम योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में विधायक रमाशंकर सिंह पटेल, विकेश कुमार पटेल, अवशेष कुमार यादव, विजय शंकर त्रिपाठी आदि ने भी अपने विचार रखे। विकास खंड से अनुज कुमार पटेल, रमेश कुमार, सुरेश सिंह आदि लोग रहे।क्षेत्रीय किसानों में संतोष तिवारी, विजय सिंह, दिनेश सिंह, ज्ञानदास पटेल, दिनेश सिंह, श्रीप्रकाश पटेल, पुल्लूर मौर्य आदि लोग प्रमुख रूप से रहे।

एसीएमओ समेत 34 कर्मियों का रोका वेतन

लापरवाही पर सीएमओ सख्त, स्वास्थ्य कर्मियों में हड़कंप

जनसंदेश न्यूज

सोनभद्र। सीएमओ डॉ. अश्वनी कुमार ने मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में समीक्षा बैठक के दौरान बड़ी कार्यवाही करते हुए स्वास्थ्य कार्यक्रमों में लापरवाही बरतने वाले अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबन्ध एनएचएम तथा एएमओ सहित 34 कर्मचारियों का वेतन/मानदेय रोकने का निर्देश दिया है। बड़ी संख्या में स्वास्थ्य कर्मियों के वेतन रोकने की कार्यवाही से स्वास्थ्य कर्मियों में खलबली मच गयी है।

बता दें कि बीते सोमवार को हुए जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य कार्यक्रमों में लापरवाही मिलने पर सीएमओ व अन्य अधिकारियों की जमकर क्लास लगायी थी। जिसके बाद बुधवार को सीएमओ ने सख्त रुख अख्तियार करते हुए कड़ी कार्यवाही की है।

सीएमओ ने बताया कि उन्होंने सोमवार को जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक के उपरान्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य समिति के अन्तर्गत समस्त कार्यक्रमों की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की समीक्षा किया।

समीक्षा के उपरान्त जिन अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा कार्यों की प्रगति ठीक नहीं थी, उनको चेतावनी देते हुए स्पष्टीकरण मांगा गया। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबन्ध एनएचएम, एएमओ, सीएचसी चोपन के बीपीएम, बीएएम, बीसीपीएम, सीएचसी घोरावल के बीसीपीएम, सीएचसी म्योपुर के बीसीपीएम, पीएचसी ककराही के बीसीपीएम, 5 सीएचओ, 14 संविदा एएनएम, एक एलटी व एक स्टाफ नर्स, एफएलसी एनसीडी, पीपीएम कार्यालय जिला क्षय रोग अधिकारी, कोआर्डिनेटर वेक्टर बॉर्न, आरबीएसके के 2 चिकित्सक, चिकित्साधिकारी टेली कसलटेंसी पर कार्रवाई हुई है। उन्होंने बताया कि यदि भविष्य में कार्य सुधार पाया जाता है तो वेतन/मानदेय जारी कर दिया जाएगा।

6840 प्रकरणों में 25 करोड़ की वसूली

जनसंदेश न्यूज

सोनभद्र। ज्येष्ठ खान अधिकारी शैलेन्द्र बहादुर सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशन में अवैध खनन/परिवहन की रोकथाम हेतु गठित टास्क फोर्स द्वारा माह अप्रैल से अभी तक 6840 प्रकरणों से 25 करोड़ रुपए की वसूली वाहन स्वामियों, पट्टाधारकों, क्रशर प्लाण्ट स्वामियों से की गयी है तथा अवैध परिवहन के 89 प्रकरणों में सम्बन्धित थानों में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराया गया है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में माह नवम्बर तक 549.17 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है। डीएम द्वारा लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व की प्राप्ति माह मार्च तक शत प्रतिशत किये जाने के कड़े निर्देश दिये गये।

जिपं अध्यक्ष पति, लेखपाल समेत पांच पर मुकदमा दर्ज

करमा पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज कर शुरू की जांच

जनसंदेश न्यूज

सोनभद्र। करमा पुलिस ने अनुसूचित जाति व जनजाति की महिला को जान से मारने की धमकी देने सहित विभिन्न मामलों में जिला पंचायत अध्यक्ष पति, क्षेत्रीय लेखपाल समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने यह कार्रवाई न्यायालय के आदेश पर किया है।

पीड़ित करमा थाना क्षेत्र के सिरसिया ठकुराई गांव निवासी उषा पत्नी लालचन्द्र ने आरोप लगाया कि बीते सात जुलाई गांव के ही अरुण कुमार पुत्र शारदा सिंह पटेल, शिवललित पुत्र रामगुलाम, रामदास पुत्र बुद्धिराम, राजू पुत्र रामदास तथा क्षेत्रीय लेखपाल विशंभर वर्मा अपने 8-10 साथियों को लेकर ट्रैक्टर व कल्टीवेटर के साथ सिपाहियों को लेकर मेरे पूर्वजों के पट्टा व कब्जा भूमि की नाप जोख करने लगे। इसके बाद लेखपाल मेरे जमीन पर कब्जा करने व उसमें लगाए अन्य वृक्षों को काटने का आदेश दे दिया। किसके आदेश पर नापी की गई है यह पूछने पर जाति सूचक शब्दों का प्रयोग किया। इसके बाद गांव के लोग इकठ्ठा हो गए। लोगों के आने के बाद जिपं अध्यक्ष पति अरुण कुमार जान से मारने की धमकी देते हुए चले गये। थानाध्यक्ष राजेश कुमार यादव ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर अरुण कुमार, शिवललित, रामदास, राजू व विशंभर पर केस दर्ज किया गया है। वहीं अध्यक्ष पति ने बताया कि हमारे यहां दोनों काम करते हैं। थोड़ा जमीन का मामला है, अनावश्यक मामले को तूल दिया जा रहा है।

गुहार लगाने के बाद भी हेरोइन बिक्री पर नहीं लगा अंकुश

जनसंदेश न्यूज

लापरवाही

शाम होते ही क्रिकेट खेलने में मस्त हो जा रहे रक्षक तस्करों की बल्ले-बल्ले

डाला। नगर के लोग मादक पदार्थ हेरोइन की बिक्री से परेशान होकर जिलाधिकारी के समक्ष गुहार लगाये थे, लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नही हो सकी। वहीं चौकी प्रभारी अपने छह माह के कार्यकाल में नौ बार में लगभग नब्बे लीटर कच्ची शराब और कुल तीन बार में लगभग 5.150 ग्राम अवैध गांजा तस्कर को भेजकर चुप्पी साध लिए।

बताया गया कि डाला नगर में पूर्व के आए चौकी प्रभारी द्वारा एक-एक किलो अवैध हेरोइन पकड़ कर हेरोइन तस्करों पर नकेल कसे हुए थे, लेकिन वर्तमान चौकी प्रभारी की टीम में मौजूद सिपाही सायं होते ही क्रिकेट खेलने में व्यस्त हो जाते हैं। जिसे नगर की सुरक्षा की जिम्मेदारी है वह क्रिकेट खेलकर समय बिता रहा है। बीते 12 जून को चौकी प्रभारी की तैनाती हुई थी तो नगर के लोगों को लगा कि अब हेरोइन कारोबार पर अंकुश लग जाएगा, लेकिन नगर के लोगों का सपना चूर हो गया। पुलिस द्वारा कार्यवाही न करने से नगर में तरह-तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म है। वहीं नगर में हेरोइन बिक्री को लेकर यातायात माह के समापन के दौरान नगर के लोगों ने जिलाधिकारी को पत्रक सौंपा था, जिसमें पुलिस अधीक्षक की भी मौजूदगी थी। लेकिन दो सप्ताह बीतने के बाद हेरोइन तस्करों पर कार्यवाही नही हो सकी।

व्यापार मंडल अध्यक्ष मुकेश जैन ने बताया कि नशाखोरी व हेरोइन व्यापार पर स्थानीय प्रशासन अंकुश लगाने में विफल है। स्थानीय प्रशासन की विफलता को लेकर उच्च अधिकारीयों को अवगत कराया जाएगा। नगर को हेरोइन तस्करों से मुक्ति के लिए आंदोलन की रणनीति जल्द तैयार की जाएगी।

आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए नगर पालिका ने खोला पेट्रोल पम्प

बोली नपा अध्यक्ष, निकाय की आय में होगी वृद्धि, नागरिक सुविधाओं को मिलेगी गति

जनसंदेश न्यूज

सोनभद्र। वाराणसी-शक्तिनगर राजमार्ग से सटे फिल्टर प्लान्ट के पास राबर्ट्सगंज नगर पालिका की भूमि पर इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड के सहयोग से नगर पालिका परिषद के नवनिर्मित पेट्रोल पम्प का लोकार्पण गुरुवार को नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद की उपस्थिति में सदर विधायक भूपेश चौबे द्वारा फीता काटकर किया गया।

कार में पेट्रोल डालकर उद्घाटन करते सदर विधायक भूपेश चौबे

नपा अध्यक्ष ने कहा कि अपना स्वयं का पेट्रोल पम्प संचालित करने वाली यह प्रदेश की प्रथम नगर पालिका परिषद है। इससे निकाय के आय में वृद्धि होगी जिससे नागरिक सुविधाओं के विकास को महत्वपूर्ण गति मिलेगी। कहा कि नगर पालिका की आर्थिक स्थिति मजबूत करने को पेट्रोल पम्प खोला गया है। पेट्रोल पम्प पर शीघ्र ही सीएनजी की सुविधा भी उपलब्ध कराने की जानकारी दी गयी। कार्य में तत्परतापूर्वक सहयोग हेतु इण्डियन आयल को भी धन्यवाद ज्ञापित किया गया। पेट्रोल पम्प संचालित करने वाली प्रदेश की प्रथम नगर पालिका परिषद होने पर विधायक द्वारा अध्यक्ष तथा इण्डियन आयल कारपोरेशन की सराहना की।

उन्होंने कहा कि जिला मुख्यालय की नगर पालिका होने के कारण इसके उत्तरोत्तर विकास हेतु मेरे स्तर से तत्परतापूर्वक प्रयास किये जा रहे हैं, ताकि यह निकाय विकास के लिए माडल के रूप में प्रदेश स्तर पर स्थापित हो सके। अधिशासी अधिकारी विजय यादव ने कहा कि अपना पेट्रोल पम्प खोलने से नगर पालिका को आय के साथ लाखों रुपए की बचत भी होगी। रोजगार के अवसर भी खुलेंगे। नगर पालिका के वाहनों में हर माह लाखों रुपए का डीजल भराता है। यही डीजल जब अपने पम्प से पालिका के गाड़ियों में भराएगा तो हर माह लाखों रुपए की बचत होगी। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष नंदलाल, अशोक मिश्रा, अजीत चौबे, शुभम सिंह, मनोज चौबे, भईयालाल कनौजिया, अनवर अली, चंद्र प्रकाश दूबे समेत तमाम लोग उपस्थित रहे।

हिण्डाल्को में ऊर्जा संरक्षण सप्ताह का आगाज

ली गयी शपथ

ऊर्जा संरक्षण करके ही पर्यावरण को बचाया जा सकता है : समीर नायक

जनसंदेश न्यूज

गुब्बारा उड़ाकर सप्ताह का आगाज करते हिण्डालको के अधिकारी

रेणुकूट। ऊर्जा संरक्षण के प्रति जनमानस में जागरूकता लाने हेतु प्रत्येक वर्ष 14 दिसम्बर को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी क्रम में हिण्डाल्को प्रबंधन 12 से 18 दिसम्बर तक ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के रूप में मना रहा है। इस क्रम में संस्थान के कर्मचारियों को ऊर्जा शपथ दिलाकर ऊर्जा संरक्षण सप्ताह का आगाज किया गया।

हिण्डाल्को एडमिन विभाग के कॉन्फ्रेंश हॉल में आयोजित कार्यक्रम में ऊर्जा विभाग के विवेक अग्रवाल ने सभी को ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के दौरान होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों व प्रतियोगिताओं की जानकारी दी। बताया कि इस दौरान विद्यार्थियों के लिए चित्रकला तथा क्विज व स्लोगन प्रतियोगिताओं के साथ कर्मचारियों के लिए नुक्कड़ नाटक, पेप टॉक, महिलाओं के लिए अवेयरनेस सेशन आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। एचआर हेड जसबीर सिंह ने संस्थान के नव नियुक्त क्लस्टर हेड समीर नायक का गुलदस्ता भेंट करके स्वागत किया।

क्लस्टर हेड ने कर्मचारियों को ज्यादा से ज्यादा ऊर्जा संरक्षण के प्रोजेक्ट करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि बड़े स्तर पर ऊर्जा का संरक्षण करके ही पर्यावरण को प्रदूषण से बचाया जा सकता है। कहा कि प्रॉसेस में सुधार करके ज्यादा से ज्यादा ऊर्जा को बचाया जा सकता है। अंत में रिडक्शन प्लांट हेड जयेश पवार ने समीर नायक एवं जसबीर सिंह को एनर्जी सेविंग बैज लगाया। क्लस्टर हेड एवं क्लस्टर एचआर हेड समेत कर्मचारियों ने ऊर्जा संरक्षण हेतु प्रेरित करती स्लोगन की तख्ती लगी बैलून उड़ाया और प्लांट के कलाकारों द्वारा लघु नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करके सभी को

ऊर्जा बचत के उपायों से अवगत कराया। इस मौके पर रवि गुप्ता, राजेश कपूर, उज्जल केश, राजीव झुनझुनवाला, संजीव गुप्ता, यशवंत कुमार समेत तमाम लोग उपस्थित रहे। जयेश पवार ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

वृद्धाश्रम में बांटे गर्म वस्त्र व जूते-मोजे

सोनभद्र। बढ़ती ठंड के मद्देनजर इनरव्हील क्लब आर्या राबर्ट्सगंज व रेणुकूट की तरफ से वृद्धाश्रम में गुरुवार को गर्म वस्त्र, जूता-मोजा व खाद पदार्थ का वितरण किया गया। साथ ही दूसरों को भी गरीबों व असहायों की मदद के लिए प्रेरित किया गया।

इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। इससे जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। वक्ताओं ने कहा कि असहायों की सेवा करना ही सबसे बड़ा धर्म है। क्लब की सदस्यों द्वारा स्वेटर, साड़ी, जूता-मोजा व खाद्य पदार्थ बांटा गया। अध्यक्ष वंदना वर्मा व रेणुकूट क्लब की अध्यक्ष हनी सोमानी व उनकी टीम ने कहा कि हमारे क्लब का प्रयास है कि वर्ष भर इस तरह के सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करते रहें। ठंड में ही नहीं अन्य मौसम में भी असहायों की मदद करने का प्रयास किया जाता है।

इधर सामग्री पाते ही महिलाओं व पुरुषों के चेहरे खिल गये। इस मौके पर सेकेट्री पूजा अग्रहरी, अर्पिता कुशवाहा, सीमा अग्रवाल, उमा जैन, अंकिता केजरीवाल, सीमा अग्रवाल, ममता अग्रवाल, उदिता, संध्या सिंह, शीला जैन, नीलू आदि मौजूद रही।

वृद्धाश्रम में बुजुर्गों को सामग्री वितरित करती क्लब की सदस्य

प्लास्टिक मुक्त गांव के लिए हर घर पर टांगे बोरी : एसडीएम

58 प्रधान, 218 अध्यापकों ने प्लास्टिक मुक्त पंचायत बनाने का लिया प्रण

जनसंदेश न्यूज

दुद्धी। स्थानीय बीआरसी परिसर में गुरुवार को आयोजित संगोष्ठी में विकास खण्ड को प्लास्टिक मुक्त बनाए जाने पर चर्चा हुई। मुख्य अतिथि एसडीएम निखिल यादव ने प्लास्टिक मुक्त करने हेतु प्रधानों व अध्यापकों से हर घर एक बोरी रखने की अपील किया।

खण्ड विकास अधिकारी राम विशाल चौरसिया ने प्रधान और अध्यापकों का आह्वान किया कि अपने विकास खण्ड को प्लास्टिक मुक्त बनाया जाना है। जिसके लिए सभी ग्राम प्रधान अपने घर पंचायत भवन एवं ग्राम स्तरीय सभी कर्मचारियों के घर तथा स्कूलों एवं आंगनवाड़ी पर बोरी टांग कर इस अभियान की शुरूआत करें। सहायक विकास अधिकारी पंचायत आशुतोष श्रीवास्तव ने कहा कि प्रधान अगर चाह लें तो विकास खण्ड को प्लास्टिक मुक्त कर सकते हैं। इस अभियान में स्कूलों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। अध्यापकों से अपील किया

संगोष्ठी को संबोधित करते अतिथि

ग्रामीणों को जागरूक करते अधिकारी

गया कि आने वाली पीढ़ियों को हम प्लास्टिक की समस्या को बतायेंगे। प्रार्थना के समय सभी बच्चों को भी इसकी जानकारी दी जाय। कहा कि अपने स्कूल पर एक बोरी जरूर टांगे और स्कूल में प्रयोग होने वाला प्लास्टिक उसी बोरी में रखे।

समापन बीईओ महेंद्र मौर्य ने किया। इस मौके पर बृजेश कुशवाहा, दिनेश यादव, बुन्देल चौबे, निरंजन जायसवाल, त्रिभुवन यादव समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

प्लास्टिक मुक्त पंचायत बनने की ओर अमौली, शुरू हुआ अभियान

सोनभद्र। प्लास्टिक मुक्त पंचायत बनाए जाने की मुहिम विस्तृत रूप लेता जा रहा है। गुरुवार को खण्ड विकास अधिकारी राबर्ट्सगंज उत्कर्ष सक्सेना ने ग्राम पंचायत अमौली को प्लास्टिक मुक्त किए जाने का व्यापक अभियान शुरू किया। कर्मचारियों और गांव के लोगों के सहयोग से बिखरे हुए प्लास्टिक को इकट्ठा किया गया और सभी घरों के लोगों को जागरूक करते हुए 112 घरों पर बोरिया टांगी गई। खंड विकास अधिकारी ने सभी गांव एवं कर्मचारियों की टीम के साथ गांव को प्लास्टिक मुक्त करने की रणनीति बतायी। आह्वान किया कि गांव के सरहद पर फैलकर एक-एक प्लास्टिक को बीनना है। प्रधान सुरेश शुक्ला ने सभी घर जाकर लोगों को कूड़े के रूप में बिखरे हुए प्लास्टिक को बीनते हुए दिखाया। खंड विकास अधिकारी स्वयं हाथ में बोरी लेकर गलियों एवं खेतों में से प्लास्टिक इकट्ठा किये। कहा कि प्लास्टिक जिस हिसाब से हमारे वातावरण में फैल रहा है, वह दिन दूर नहीं जब हमारे लिए यह घातक बनेगा। अभी से हमको सजग होकर प्लास्टिक पर नियंत्रण करने की आवश्यकता है। एक बोरी टांग कर हमें लोगों को जागरूक करना है कि हम अपने प्रयोग किए हुए प्लास्टिक को बाहर फेकने की जगह बोरी में रख लें। कर्मचारियों द्वारा बोरियों में से उक्त प्लास्टिक का कलेक्शन कर लिया जाएगा। इस मौके पर महिपाल लकड़ा, अनिल केसरी समेत तमाम लोग उपस्थित रहे।

संक्षेप

सीकेडी टीम ने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने को किया प्रशिक्षित

रामगढ़। स्वास्थ्य विभाग और सीकेडी सेंटर फॉर नॉलेज एंड डेवलेपमेंट की टीम ने गुरुवार को चतरा ब्लॉक के सभी अपर प्राईमरी स्कूल और कंपोजिट स्कूल के अध्यापकों को राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत चलाए जा रहे स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के लिए प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में टीम के जिला समन्वयक ने अध्यापकों को स्कूल हेल्थ कार्यक्रम के विभिन्न विषयों एनीमिया, पोषण, माहवारी स्वच्छता, मानसिक स्वास्थ्य, लिंग आधारित हिंसा, मादक पदार्थों का सेवन, यौन और प्रजनन स्वास्थ्य पर प्रशिक्षित किया। अध्यापकों को माह में निर्धारित विषय पर सप्ताह में किसी एक दिन बच्चों के सेशन लेने को कहा गया, ताकि बच्चे अपने स्वास्थ्य के बारे में जागरूक हो सकें। साथ ही बच्चों को प्रत्येक सोमवार को स्कूलों में आयरन की गोली खिलाने हेतु अध्यापकों को बताया गया। वहीं उसकी रिपोर्टिंग पर प्रशिक्षण में चर्चा की गई। इस मौके पर खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बीसीपीएम, किशोर स्वास्थ्य काउंसलर, सीकेडी टीम से ब्लॉक समन्वयक सुषमा समेत तमाम लोग उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति समेत उच्च अधिकारियों को पत्र लिख लगायी न्याय की गुहार

शक्तिनगर। स्थानीय खड़िया के प्रधान विजय कुमार गुप्ता ने अपने भाई की हुई हत्या में पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए राष्ट्रपति से लेकर मानवाधिकार समेत तमाम उच्चधिकारियों को पत्र लिखकर निष्पक्ष जांच कर न्याय की गुहार लगाई है। बता दें कि बीते चार नवम्बर को प्रधान के बड़े भाई कोटेदार रामजतन गुप्ता की हत्या कर शव रेलवे ट्रैक पर रख दिया गया था। पुलिस अधीक्षक समेत तमाम अधिकारी मौके पर पहुंच हत्या का जल्द खुलाशा करने का आश्वासन दिये थे, लेकिन डेढ़ महीने बीतने के बाद भी पुलिस के हाथ हत्यारों तक नही पहुंचे। प्रधान ने आरोप लगाया है कि पुलिस मामले में लीपापोती कर रही है। प्रधान का आरोप है कि शव का पंचनामा थाना प्रभारी द्वारा कमरे के अन्दर भरा गया व परिवार के अनुपस्थिति में कागजी कार्यवाही की गयी। अन्त में हम लोगों को हस्ताक्षर करने हेतु बोला गया। पहले से ही थाना प्रभारी द्वारा धारा 302 की प्राथिमिकी दर्ज करने से मना किया जा रहा था। किसी प्रकार अपर पुलिस अधीक्षक के कहने पर 302 में प्राथिमिकी दर्ज की गयी। थाना प्रभारी द्वारा शुरू से ही घटना की लीपापोती का खड़्यंत्र किया जा रहा है। साथ ही अभी तक उनके भाई का सामान, चश्मा व मोबाइल की थाना प्रभारी द्वारा कोई जानकारी नही दी गई न ही मृतक के मोबाईल की कॉल डिटेल्स व लास्ट लोकेशन की जानकारी दी गई है। जिससे प्रतीत होता है कि पुलिस मामले को रफा दफा करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर न्याय दिलाने की गुहार लगायी है।

किसानों को बताये गये वैज्ञानिक खेती के गुर

दुद्धी। स्थानीय ब्लाक अंतर्गत कृषि विभाग परिसर में गुरुवार को एक दिवसीय कृषि सूचना तंत्र के सुद्दढ़ी करण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय कृषि निवेश मेला गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रयागराज टीडी मिश्रा ने जैविक खेती पर प्रकाश डालते हुए किसानों को खेती बारी में उर्वरक के बजाय जैविक खाद प्रयोग किए जाने पर बल दिया। वैज्ञानिक ने कहा कि इससे जमीन की उर्वरा शक्ति बनी रहती है। उन्होंने किसानों की रबी के फसलों की समय पर बुवाई और बेहतर उत्पादन प्राप्त करने के लिए बीज अनुदान के बारे में जानकारी दी। उप संभाग कृषि प्रसार अधिकारी डा. सुधीर कुमार खन्ना ने दलहन व तिलहन खेती करने के साथ पशुपालन एवं जैविक खेती करने पर जोर देते हुए कहा कि किसानों को अपनी आय बढ़ाने के लिए केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा संचालित कृषि योजनाओं की जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने पशुपालन एवं मछली पालन पर ध्यान देने की आवश्यकता जताई। सहायक विकास अधिकारी विनय कुमार सिंह ने कहा कि अधिकतर किसान पराली जलाते हैं। जिस खेत की उर्वरकता कम होती है और उत्पादन प्रभावित होता है, इस मुद्दे पर किसानों को जागरूक होना चाहिए। उन्होंने उन्नतशील बीजों के उपयोग और फसलों की सिंचाई की बेहतर व्यवस्था पर जोर दिया। संचालन बीज गोदाम इंचार्ज नागेश्वर प्रसाद ने किया। इस मौके पर धर्मेंद्र कुमार विश्वकर्मा, धनंजय कुमार समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

सभी वर्गों को हक दिलाना कांग्रेस की प्रथम प्राथमिकता

सोनभद्र। घोरावल विधानसभा के परासी ग्राम में कांग्रेसियों ने 60 दिवसीय संविधान रक्षक अभियान को लेकर आम जनमानस के बीच गुरुवार को चर्चा की। साथ ही लोगों के अधिकार, कर्तव्यों के प्रति उनको जागरुक किया। कांग्रेस नेता आशुतोष कुमार दुबे ने कहा कि लोगों को संविधान द्वारा गारंटीकृत जो आरक्षण की सुविधा प्रदान की गई थी, उसको लेकर कांग्रेस पार्टी कटिबद्ध है। पार्टी ने कहा है कि पार्टी लगातार जातिगत जनगणना के मुद्दे को उठा रही है और आगे भी उसको उठाती रहेगी। लोगों का जो हक है वह दिलाने का काम पार्टी ने पहले भी किया है और आगे भी करेगी। कहा कि कांग्रेस पार्टी लगातार लोगों के अधिकारों की, व्यवस्थाओं की गारंटी की बात करती रहती है और उसकी लड़ाई भी लड़ने का काम करती है। न्याय पंचायत अध्यक्ष परासी दुबे बुल्लू कोल ने कहा कि दलितों का अधिकार कांग्रेस पार्टी ने कभी नहीं छीना है। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर द्वारा जो संविधान बनाया गया है उस संविधान की पूजा हम सब करते हैं और कांग्रेस पार्टी हमेशा दलितों के साथ खड़ी रहती है। इस मौके पर श्रीकांत मिश्रा, दुलरी भारती, शीला भारती, रंगीता भारती, उर्मिला देवी, जोखन भारती, जगजीवन भारती, रामविलास भारती, बनारसी भारती, कालिक भारती, श्याम बिहारी भारती, मुनौवर हुसैन समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

छात्रों के दो गुटों में मारपीट, चार पर केस दर्ज

बीजपुर। परियोजना के आवासीय परिसर में संचालित दो विद्यालयों के छात्र गुटों में एनटीपीसी स्वागत गेट के पास मारपीट हो गयी। जिसमें एक पक्ष से दो छात्र गम्भीर रूप से घायल हो गए। स्वागत गेट पर पेशेवर अपराधियों की तरह हो रही मारपीट को देखने के लिए तमाशबीनों की भीड़ जमा हो गयी। सूचना लगते ही मौके पर पहुंचे लोगों ने हमलावर छात्रों को डांटकर मौके से हटाया। राहगीरों ने घायल छात्रों को परियोजना के धन्वन्तरि हॉस्पिटल में भर्ती कराया। बताया गया कि अभिषेक पांडेय पुत्र विमलेश निवासी सिंदूर, बभनी, संजय जायसवाल पुत्र मोती जायसवाल निवासी पिण्डारी परियोजना परिसर के एक स्कूल से पढ़ाई कर घर वापस आ रहे थे कि इतने में पीछे से 20 से 25 की संख्या में परिसर के ही एक अन्य विद्यालय के गोलबंद छात्रों ने उक्त दोनों छात्रों पर हमला कर लहूलुहान कर दिया। घायल बच्चों के परिजनों ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की तो पुलिस छात्र निहाल सिंह, शुभम जायसवाल, मुकेश प्रजापति व आदित्य गुप्ता के विरुद्ध संगत धाराओं में केस दर्ज कर मामले की जांच में जुट गयी। घायल बच्चों के परिजनों ने बताया कि बस में सीट को लेकर एक दिन पहले कुछ बच्चों में कहासुनी हुई थी। क्या पता कि इतना बड़ा हमला होगा। उधर डीएवी प्रबन्धन के हवाले से बताया गया कि मारपीट में शामिल छात्रों को ब्लैक लिस्ट कर दिया गया है।

डस्टबिन से टकरायी बाइक, तीन युवक घायल

डाला। स्थानीय चौकी क्षेत्र के डाला-ओबरा रोड पर ब्रेकर से अनियंत्रित होकर मोटरसाइकिल सवार तीन युवक सड़क किनारे लोहे की डस्टबिन से टकराकर गंभीर रुप से घायल हो गए। घायलों को बेहतर इलाज के लिए ट्रामा सेण्टर रेफर किया गया। घटना बुधवार रात्रि की है। बताया गया कि बाइक सवार आर्यन अपने मित्र राज को छोड़ने उसके घर जा रहा था कि डाला-ओबरा रोड पर हनुमान मंदिर के पास पहुंचते ही मार्ग पर बने ब्रेकर से अनियंत्रित होकर सड़क किनारे रखे लोहे के कूड़ेदान से टकरा गया। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गये। दुर्घटना में 22 वर्षीय राज पुत्र विनोद चौधरी व 21 वर्षीय गोलू पुत्र अश्विन निवासीगण धौठा टोला डाला और 23 वर्षीय आर्यन पुत्र मोहन निवासी रेक्सहवां डाला गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने राज व आर्यन को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने इलाज के उपरांत दोनों को सिर में गंभीर चोट लगने की वजह से बेहतर इलाज के लिए ट्रामा सेण्टर रेफर कर दिया। जिला अस्पताल के इमरजेंसी चिकित्सक डा प्रशांत ने बताया कि युवक घटना के वक्त हेलमेट नही पहने थे, जिससे सिर में गंभीर चोटे आई।

फंदे से लटकता मिला युवक का शव

दुद्धी। स्थानीय कस्बा के वार्ड दो में घर के भीतर पंखे की कुंडी से युवक का लटकता हुआ शव मिलने से परिजनों में कोहराम मच गया। बताया गया कि गुरुवार को परिजन अचानक देखे कि भोला सोनी 33 पुत्र जगरनाथ सेठ का शव पंखे के कुंडी में रस्सी के सहारे लटक रहा था। परिजनों ने घटना की सूचना कोतवाली पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस शव कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। परिजनों ने बताया कि भोला के दो लड़की एक लड़का है। लेकिन बीते दो साल से पत्नी अपने साथ बच्चे को भी लेकर मायके में रहती है।

प्रथम पुण्यतिथि पर पत्रकार को दी गयी श्रद्धांजलि

रेणुकूट। पिपरी निवासी दिवंगत पत्रकार राहुल शर्मा की प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजित कर स्थानीय पत्रकारों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। रेणुकूट वन प्रभाग कार्यालय के समीप भारतीय पत्रकार एसोसिएशन कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल पत्रकारों ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके जीवन के संबंध में तमाम बातें साझा की। उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किया। इस मौके पर अभय भार्गव, रामाश्रय राय, यशवंत कुमार, नईम गाजीपुरी, शेख जलालुद्दीन, अखिलेश मिश्रा, प्रमोद शर्मा, अमिताभ मिश्रा, सर्वेश सिंह, पीयूष राय, जीके मदान समेत तमाम पत्रकार मौजूद रहे।

संदिग्ध हालात में युवक की मौत

जनसंदेश न्यूज

डीडीयू नगर। मुगलसराय कोतवाली अंतर्गत कूड़ा बाजार चौकी क्षेत्र के कसाब महाल में बुधवार की देर रात्रि एक 28 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मौका मुआयना के उपरांत पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है।

कसाब महाल निवासी 28 वर्षीय मोहम्मद फारूक अपने मामा मोहम्मद असगर के घर रहकर अलमारी रिपेयरिंग का काम करता था। उसकी शादी 10 वर्ष पूर्व कसाब महाल के निवासी स्व.असलम की पुत्री शाहिस्ता से हुई थी। जिनसे एक पुत्र व एक पुत्री है। बुधवार की रात्रि पति-पत्नी किसी समारोह में गए हुए थे। दोनों रात्रि लगभग 10 बजे घर लौटे।

मृतक फारूक की पत्नी अपनी मायके ही एक गई व फारूक घर चला गया और अपने आप को रूम में बंद कर लिया। कुछ देर बाद परिजन फारूक को बुलाने उसके कमरे में गए तब देखा कि फारूक अचेत अवस्था में पड़ा हुआ था। परिजनों ने तत्काल उसे निजी चिकित्सालय पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे भर्ती करने से मना कर दिया। आनन-फानन में तत्काल महिला चिकित्सालय ले गये। जहां जांचोपरांत चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया। वही क्षेत्र में अचानक हुई मौत को लेकर तरह-तरह के चर्चाएं व्याप्त है।

लोगों का कहना है कि मृतक के गर्दन पर रस्सी के निशान व हाथ पर नीले पड़ गए थे। इस मामले में कोतवाल विजय बहादुर सिंह ने बताया कि हम लोगों के पहुंचने से पहले ही मृतक को नीचे लेटा दिया गया था। घर वालों का कहना है कि गिरने से मौत हो गई है। लेकिन गर्दन पर निशान देखने से लगता है कि फांसी से मौत हुई है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मामला स्पष्ट हो पाएगा।

कार के धक्के से महिला की मौत

चहनियां। बलुआ थाना क्षेत्र के सराय स्थित गांव के समीप गुरुवार की सुबह बलेनो कार के धक्के से 28 वर्षीय प्रीति मिश्रा बुरी तरह से घायल हो गयी। परिजन उसे वाराणसी ट्रामा सेंटर ले गये जहां इलाज के दौरान मौत हो गयी। कार चालक गाड़ी लेकर फरार हो गया। घटना की सूचना पर परिजनों में हाहाकार मच गया। बताते हैं कि क्षेत्र के मारूफपुर के रहने वाले दीपक मिश्रा अपनी पत्नी प्रीति मिश्रा व बच्चों के साथ बलुआ बाजार में किराये के मकान में रहती थी। पति सोनहुला स्थित एक निजी हॉस्पिटल में काम करता है। सुबह 8 बजे अपने बच्चे 6 वर्षीय बच्चे राहुल को स्कूल छोड़ने के लिए जा रही थी जो सराय गांव के समीप कार के धक्के से गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन एवं पड़ोसियों ने आनन फानन में वाराणसी स्थित ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। कार सवार मौके से फरार हो गया। घर पर दादी कान्ति देवी का रोकर बुरा हाल रहा। पिता अरुण मिश्रा मुगलसराय में जल निगम में काम करते है। सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल के लिए रवाना हो गए।

सेलर मशीन में गमछा फंसने से किसान की मौत

नौगढ़। धान की कुटाई किए जाने के दौरान बुधवार की रात पट्टे में गोलाबाद गांव निवासी बसंत यादव 50 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे देख परिजनों ने आनन-फानन में सीएससी नौगढ़ में भर्ती कराया। जहां पर हालत गंभीर देख प्राथमिक उपचार कर डा.अजीत पटेल ने जिला संयुक्त चिकित्सालय चकिया के लिए रेफर कर दिया। एंबुलेंस से चकिया ले जाते समय रास्ते में बसंत यादव की मौत हो गई। थानाध्यक्ष कृपेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि सूचना के आधार पर शव को कब्जे में लेकर के पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय चंदौली भेजा गया है। गोलाबाद गांव निवासी बसंत यादव बुधवार को ट्रैक्टर चालित सेलर मशीन से धान की कुटाई के कार्य में लगा था। उसी दौरान अचानक उसके गले में मौजूद गमछा बेल्ट में फंस गया, जिससे लिपटकर वह घायल हो गया। जिसे सीएचसी में भर्ती कराए जाने पर चिकित्सकों ने जिला संयुक्त चिकित्सालय चकिया रेफर कर दिया। रास्ते में उसकी मौत हो गई।

आसनसोल में मिला नवोदय विद्यालय से गायब छात्र बाबूलाल

चहनियां। बलुआ थाना क्षेत्र के बैराठ स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय से गायब कक्षा 9 का 14 वर्षीय छात्र बाबू लाल चौरसिया आसनसोल में मिला। बच्चे को लेने के लिए बलुआ पुलिस के साथ परिजन आसनसोल पहुंचे, जहां कागजी कार्यवाही के बाद बच्चे को रेलवे चाइल्ड लाइन पुलिस ने परिजनों को सौंप दिया। इस घटना के बाद विद्यालय के सुरक्षा में चूक से कई सवाल उठ रहे हैं।

बताते है कि बलिया जनपद के रहने बांसडीह कोतवाली के मुहल्ला बड़ी बाजार के रहने वाले मोहनलाल चौरसिया के पुत्र बाबू लाल चौरसिया चहनियां क्षेत्र के बैराठ गांव स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 9 का छात्र है। वह 8 दिसम्बर की रात्रि साढ़े 10 बजे से विद्यालय से गायब है। 9 दिसम्बर को प्रिंसिपल एएस मिश्रा द्वारा परिजनों को सूचना देने के बाद बलुआ थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करायी। तीन दिन यही क्षेत्र में रहकर परिजनों ने खोजबीन किया। इसके बाद बुधवार को पिता द्वारा बलुआ थाने में तहरीर दिया। किन्तु इसके पहले प्रिंसिपल के तहरीर पर

बरामदगी

परेशान परिजन पहुंचे आसनसोल, रेलवे चाइल्ड लाइन पुलिस ने परिजनों को सौंपा

दर्ज मुकदमा से लगातार बलुआ इंस्पेक्टर द्वारा सीसीटीवी फुटेज व आसपास ग्रामीणों से पूछताछ जारी रखा। बुधवार की शाम को लड़के को मोहरगंज चौकी इंचार्ज सूर्य प्रताप सिंह के साथ लड़के के पिता, माता रात में ही रवाना हो गये। लड़के के पिता मोहनलाल चौरसिया ने फोन द्वारा बताया कि मेरे पुत्र का पैसा खत्म होने पर विद्यालय में अपने एक मित्र के यहां फोन करके जरूरत के लिए पैसा की मांग किया था, तभी पता चला कि वह हावड़ा है। हावड़ा स्टेशन पर रेलवे चाइल्ड लाइन पुलिस द्वारा उससे पूछताछ करने पर पता चला। पुलिस द्वारा लोकेशन के आधार पर हमलोगों यहां पहुंचे है। किन्तु सवाल यह उठता है कि इतने सिक्युरिटी के बाद भी बच्चा रात में निकल जा रहा है। यहां हॉस्टल में सैकड़ों बच्चे बच्चियां पढ़ रही है।

संक्षेप

एकजुट होकर बार एसोसिएशन का चुनाव लड़ने को लेकर बनी सहमति

सकलडीहा। तहसील मुख्यालय स्थित लार्ड बुद्धा चैंबर में गुरुवार को अनुसूचित व अनुसूचित जनजाति के अधिवक्ताओं की संयुक्त रूप से बैठक हुई। बैठक में आगामी दिनों बार एसोसिएशन के चुनाव में एक जुट होकर चुनाव लड़ने की सहमति पर चर्चा किया गया। इस दौरान अधिवक्ताओं से जनसम्पर्क करके आगे की रणनीति बनाने को लेकर चर्चा किया गया। अधिवक्ताओं को सम्बोधित करते हुए पूर्व अध्यक्ष बार एसोसिएशन सकलडीहा अरूण कुमार ने कहा कि हर बार अनुसूचित और जन जाति के लोगो चुनाव में उतरते है। लेकिन कुशल रणनीति के अभाव में चुनाव में पराजय होता है। जिसके कारण अधिकारी से लेकर अन्य लोग अधिवक्ताओं की बातों का अनदेखी करते है। लार्ड बुद्धा चैंबर के तहत अनुसूचित और अनुसूचित जनजाति के अधिवक्ताओं को एकजुट करते हुए महत्वपूर्ण पद पर चुनाव में हर संभव सहयोग करने की घोषणा किया। इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता नंदलाल, अब्दुल रसीद, जितेन्द्र, नरसिंह, लालचन्द्र राम, राजेश, प्रमोद, संदीप, खखनू राम, बनारसी राम, रामजनम, धर्मेन्द्र अशोक, अनिल, प्रेमलाल, बुद्धिराम, जियाशू राम सहित अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

पुलिस स्टेशन के दैनिक कामकाज से रूबरू स्वयंसेवी छात्र

धानापुर। कस्बा स्थित शहीद हीरा सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों को छात्र पुलिस अनुभवात्मक अधिगम (एसपीईएल) कार्यक्रम के तहत धानापुर थाना के उपनिरीक्षक प्रेमशंकर यादव के मार्गदर्शन में पुलिस आचार संहिता तथा पुलिस स्टेशन के दैनिक कामकाज के विषय में लगातार 30 दिनों तक सिखाया जाएगा। इस दौरान स्वयंसेवकों को पुलिस स्टेशन में दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों में शामिल होना होगा जिसके माध्यम से छात्रों को पुलिस स्टेशन में विभिन्न कानूनों की व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। एसपीईएल कार्यक्रम में स्वयंसेवकों को महिलाओं और बच्चों, साइबर अपराधों और यातायात प्रबंधन जैसे विषयों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। एसपीईएल कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पुलिस स्टेशन के दैनिक कामकाज के बारे में अनुभवात्मक जानकारी प्रदान करके छात्रों को बेहतर नागरिक बनाना है। धानापुर पुलिस स्टेशन पर 30 दिनों तक चलने वाले इस एसपीईएल कार्यक्रम में शिवशंकर, आकाश, मृत्युंजय, चंदन, पीयूष, संध्या, अंजु, बिन्नी खरवार ने भाग लिया।

कई स्पेशल ट्रेनों का परिचालन पुनर्बहाल

डीडीयू नगर। यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर पूर्व में रद्द की गयी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन पुनर्बहाल किया गया है। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जन संपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि परिचालन पुनर्बहाल की जाने वाली ट्रेनें 14से 19 दिसंबर तक तक गाड़ी संख्या 05573 झंझारपुर-पाटलिपुत्र, गाड़ी संख्या 05574 पाटलिपुत्र-झंझारपुर, गाड़ी संख्या 03201 राजगीर-पटना, गाड़ी संख्या 03202 पटना-राजगीर, गाड़ी संख्या 03206 पटना-किउल, गाड़ी संख्या 03205 किउल-पटना, गाड़ी संख्या 03656 गया-पटना, गाड़ी संख्या 03655 पटना-गया शामिल है। बताया कि परिचालन पुनर्बहाल की जाने वाली ट्रेनें 12 से 19 दिसंबर तक गाड़ी संख्या 03668 गया-पटना, गाड़ी संख्या 03667 पटना-गया स्पेशल शामिल है।

हिंदुओं को संगठित करने के लिए निकलेगी पदयात्रा

डीडीयू नगर। विश्व हिन्दू रक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं शनि पीठाधीश्वर शनिधाम वाराणसी कन्हैया स्वामी ने जनपद में हिंदुओं को संगठित करने के लिए जगह-जगह मिलने का कार्यक्रम किया है। इस क्रम में गुरुवार की शाम 4:30 बजे कालीमहाल चतुर्भुजपुर स्थित जेबी कराटे क्लब पहुंचे, जहां क्लब के कोच सुनील सिंह व प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बच्चों द्वारा उनका स्वागत सत्कार किया। इस दौरान कन्हैया स्वामी ने कहा कि हिंदुओं के जन जागरण व उन्हें संगठित करने के उद्देश्य से एक पदयात्रा के अंदर जनपद में एक पदयात्रा निकालने के लिए निर्देश है। जिसे के मद्देनजर संगठन के निर्देश पर चन्दौली में जन जनसंपर्क का कार्यक्रम चल रहा है। इसी क्रम में जनपद के एनएच 19 स्थित बाईपास के समीप बदनाम चाय की दुकान, जीवधिपुर स्थित महावीर उत्सव वाटिका, चकिया तिराहा के समीप कुलदीप सिंह द्वारा आयोजित बैठक से होते हुये जेबी कराटे क्लब पहुंचे। इस दौरान क्लब के कोच सुनील सिंह और प्रशिक्षण ले रहे छात्रों ने सीख चुके कराटे की तकनीक का प्रदर्शन कर उनका स्वागत किया। तत्पश्चात कन्हैया स्वामी अग्रिम पड़ाव के लिए रवाना हो गये। इस दौरान उनके साथ सत्येंद्र कुमार, हेमंत गुप्ता, मिथिलेश चंद्र,डॉ प्रमोद तथा प्रशिक्षण ले रहे बच्चे सूर्यकांत, सुनील कुमार, राजकुमार, रौशन सैनी, सृष्टि खरवार, एंजेल आदम, सौरव, शुभम, गौरव, आलोक, लक्ष्य, आयुष, अमित, सरकार, अनिश, सन्नी व कार्तिक मौजूद रहे।

बीपीएससी की परीक्षा में हर्षिता रही अव्वल

डीडीयू नगर। बिहार लोक सेवा आयोग ने सैनिक न्यायाधीश के पदों पर नियुक्ति के लिए न्यायिक सेवा प्रतियोगिता का अंतिम परिणाम आ गया जिसमें मुगलसराय के रवि नगर निवासी गुरुवर सिंह की बेटी हर्षिता सिंह ने पहला स्थान प्राप्त किया। जिसकी खुशी में गुरुवार को जिले की जानी-मानी श्री सेवा सामाजिक संस्था के अध्यक्ष सतीश जिंदल ने अपनी टीम के साथ उनके घर पहुंच कर अंग वस्त्र व संस्था का स्मृति चिन्ह देकर मुंह मीठा कराया जिंदल ने बधाई देते हुए कहा कि आज जिस तरह से इस बेटी ने जनपद को गौरवान्वित किया है। वह सराहनीय है। इसी बात का सबूत है कि हर्षिता से सफलता से और बच्चियों की प्रेरणा भी मिलेगी। हर्षिता ने यह साबित किया है कि मेहनत और ईमानदारी से लक्ष्य निर्धारित कर पढ़ाई करने पर सफलता जरूर मिलती है। मौके पर संस्था के अध्यक्ष सतीश जिंदल, ओपी जिंदल, रजनीश सिंह, संजय राय, डा.मनोज सिंह, सरदार सतपाल सिंह, अनिल कुमार, मुकेश आदि लोग उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य मेले में अधिवक्ताओं ने कराया हेल्थ चेकअप

चंदौली। सिविल बार एसोसिएशन की ओर से गुरुवार को डा.लाल पैथोलॉजी के तरफ से स्वास्थ्य मेला का आयोजन कराया गया, जिसमें कचहरी के तमाम अधिवक्ताओं और वादकारियों ने अपने खून का नमूना जांच के लिए दिया। इस मौके पर डिस्ट्रिक्ट डेमोक्रेटिक बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने कहा इस तरह का स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित कराते रहना चाहिए, ताकि शरीर में किसी भी प्रकार का कोई बीमारी हो तो समय से पता चल जाए और उसका इलाज समय से हो सकता है। इस मौके पर सिविल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश रतन तिवारी ने कहा कि अधिवक्ता विधिक कार्य में व्यस्त होने के बाद अपने स्वास्थ्य की नियमित जांच करा नहीं पाता है, जिसे देखते हुए स्वास्थ्य जांच कैंप का आयोजन किया गया है। प्रयास होगा कि आगे भी ऐसे कार्यक्रम के जरिए अधिवक्ताओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाएगा। साथ ही उनके स्वास्थ्य की जांच कराई जाएगी, ताकि किसी भी प्रकार की बीमारी की जानकारी होने पर उसका समय से उपचार कराया जा सके। इस अवसर पर उपेंद्र सिंह एडवोकेट जय प्रकाश सिंह टुन्नू एडवोकेट उज्जवल सिंह जयप्रकाश सिंह विद्या चरण सिंह चंद भानु सिंह आदि तमाम अधिवक्ता मौजूद रहे।

प्राथमिक विद्यालय के बच्चों में बैग व जूता वितरित

चहनियां। राष्ट्रीय ग्रामीण साक्षरता मिशन अभियान भारत सरकार और डॉ. अजय सिंह चौहान के सहयोग से गुरुवार को क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय डयोढ़ा पर छात्र-छात्राओं के बीच बैग, जूता, मोजा का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि आकाशवाणी वाराणसी के उद्घोषक राकेश यादव रौशन, विशिष्ट अतिथि शाहिद खान, पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा और समाजसेवी सैयद सरफराज पहलवान थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि देश के हर बच्चे को शिक्षा मिले, सब पढ़े और सब आगे बढ़े। इसलिए सभी बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा दी जा रही है। विशिष्ट अतिथि शाहिद खान पूर्व जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा भाजपा वाराणसी ने कहा कि शिक्षा से ही देश का विकास संभव है। हम लोगों का प्रयास है कि देश के हर बच्चे को शिक्षा मिले। दूसरे विशिष्ट अतिथि मुस्लिम मंच अंतरराष्ट्रीय के पूर्व उत्तर प्रदेश के प्रभारी सैयद सरफराज पहलवान ने कहा कि जीवन का आधार ही शिक्षा है। बिना शिक्षा के व्यक्ति पशु के समान है। प्रधानमंत्री जी ने हर गरीब के बच्चे को शिक्षित करने का संकल्प लिया है। संचालन प्रधानाध्यापक फैयाज अहमद ने और धन्यवाद ज्ञापन शिक्षिका सरोज यादव ने किया। मौके पर सरोज यादव, प्रीतम मिश्रा, कामिनी, खुर्शीद खान, शारिक शेख, गुड्डू यादव गीता देवी, उर्मिला देवी आदि उपस्थित थे।

दबे-कुचलों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का करें काम : निरंजन

सपा कार्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष का जन्मदिन मनाती लोहिया वाहिनी टीम।

चंदौली। समाजवादी पार्टी कार्यालय लोहिया भवन चंदौली पर गुरुवार को समाजवादी लोहिया वाहिनी की बैठक हुई। इस दौरान जिलाध्यक्ष निरंजन कनौजिया के नेतृत्व में सपा कार्यकर्ताओं ने समाजवादी लोहिया वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राम करन निर्मल का जन्मदिन मनाया गया।

इस दौरान जिलाध्यक्ष निरंजन कनौजिया ने कहा कि हम सभी को समाजवादी विचारधारा को आगे ले जाना होगा। मुलायम सिंह यादव ने जीवन पर्यंत गरीब व असहाय वर्ग को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का काम किया, ताकि समाज में सभी को समान अधिकार व हक मिल सके। आज समाज में असमानता को फैलाने का काम किया जा रहा है। राजनीतिक फायदे के लिए नफरत फैलाई जा रही है। ऐसे में युवा सपा कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी बनती है कि वह अपने समाज, गांव-मोहल्लों में जाकर लोगों को संगठित व सजग करें, ताकि समाज को तोड़ने का षड्यंत्र करने वालों की साजिश नाकाम हो सके। इस दौरान मुस्ताक अहमद, लव बिहार, राधेश्याम पटेल, अशोक यादव, रवि कनौजिया, अशोयॉन, सोनू अंसारी, अविनाश, आमीन, किशन, शिवशंकर बियार, सोनू सभी लोग मौजूद रहे।

जन्मदिन

सपा कार्यालय पर मना प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रामकरन निर्मल का जन्मदिन

कंधरा नाला में मगरमच्छ आने से ग्रामीणों में दहशत

नौगढ़। कन्धरा नाला में कर्मनाशा नदी में निकल कर आए मगरमच्छ को दो दिन बाद भी हटाने का कोई भी प्रयास नहीं किए जाने से करीब आधा दर्जन घरों में निवास करने वाले दहशत में जी रहे हैं। बुधवार को कन्धरा नाला में मगरमच्छ आ जाने से डूब क्षेत्र वाली भूमि के किनारे किनारे घर मकान बना कर रहने वाले लोगों में काफी भय व्याप्त है। छोटे छोटे बच्चों को लोग घरों से बाहर निकलने पर रोक लगा रहे हैं। गुरुवार को चकिया नौगढ़ मार्ग पर मौजूद कन्धरा पुल पर खड़े होकर मगरमच्छ को देखने वालों की काफी भीड़ लगी रही। वन विभाग को सूचना के बाद भी रेस्क्यू नहीं किए जाने से लोगों में दहशत व्याप्त है। औरवाटांड़ बांध में काफी संख्या में मगरमच्छों का बसेरा है। इस वर्ष कर्मनाशा नदी में जलभराव होने से मगरमच्छ कंधरा नाला में पहुंच गया। बुधवार को पानी में डूबी हुई धान की फसल को ट्यूब के सहारे काट रहे मजदूरों ने मगरमच्छ को देख कर शोरगुल मचाते हुए मजदूर भाग गए थे। कन्धरा पुल के समीप व नौगढ़ बाजार के उत्तरी छोर पर रहने वाले लोगों में बहुत काफी दहशत व्याप्त है। क्षेत्रीय वन अधिकारी संजय कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि जानकारी मिलने पर वनविभाग की टीम गठित कर मगरमच्छ को रेस्क्यू करके कर्मनाशा नदी के गहरे पानी की ओर कराए जाने का निर्देश दिया गया है।

इसीआरइयू ने पचास प्रतिशत मत प्राप्त कर हासिल की मान्यता

चुनाव

सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन को34.62 प्रतिशत मत मिले

जीत के बाद खुशी मनाते ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के पदाधिकारी।

डीडीयू नगर। रेलवे के ट्रेड यूनियन के मान्यता चुनाव में ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन तीसरी बार नहीं जीत सकी। ईस्ट सेंट्रल रेलवे इंप्लाइज यूनियन ने पचास प्रतिशत मत हासिल कर मान्यता हासिल की है। इसके पूर्व बृहस्पतिवार को पूर्व मध्य रेलवे इंटर कॉलेज परिसर में मतों की गिनती शुरू हुई। गिनती के बाद विजेता यूनियन की घोषणा की गई। विजेता होने की घोषणा होते ईसीआरइयू ने जुलूस निकाला और एक दूसरे को मिठाई बांटकर खुशियां मनाई।

रेलवे में मान्यता प्राप्त यूनियन बनने के लिए 04, 05 और 06 दिसंबर को मतदान किया गया। डीडीयू मंडल में 19 बूथों पर 13 हजार 972 रेलकर्मियों में 11 हजार 34 रेलकर्मियों ने मतदान किया। यह कुल मतों का 78.97 प्रतिशत रहा। वहीं प्लांट डिपो कारखाना में दो बूथों पर 1270 मतदाताओं में 853 मतदाता रेलकर्मियों ने मत डाला। इस बार पांच संगठनों के बीच मुकाबला था। सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन इंजार की बाद बृहस्पतिवार की सुबह पूर्व मध्य रेलवे इंटर कॉलेज परिसर में पांच टेबुल पर डीडीयू मंडल के मतों के गिनती की शुरुआत गहमा गहमी के बीच हुई। वहीं प्लांट डिपो में एक टेबल पर मतों की गणना हुई। डीडीयू मंडल में 4958 मत पाकर ईस्ट सेंट्रल रेलवे इंप्लाइज यूनियन विजेता घोषित हुई। ईसीआरइयू को 44.93 प्रतिशत मत प्राप्त हुए है।

मान्यता के लिए 35 प्रतिशत मतों की आवश्यकता रही। मान्यता के चुनाव में लगातार दो बार के विजेता बन रही ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन को 3821 रेलकर्मियों ने पसंद किया। यह कुल पड़े मतों का 34.62 प्रतिशत है। ईस्ट सेंट्रल रेलवे मेंस कांग्रेस को कुल 1895 मत मिले। पूर्व मध्य रेल मजदूर कांग्रेस को मात्र बीस मत मिले। पूर्व मध्य रेलवे मजदूर संघ को 302 जबकि स्वतंत्र रेलवे बहुजन कर्मचारी यूनियन को मात्र 14 रेलकर्मियों ने मत दिया। वहीं 24 मत रद्द हुए। जीत की घोषणा होते ही ईसीआरइयू के पदाधिकारियों ने एक दूसरे का मुंह मीठा कराया और नारेबाजी करते हुए जुलूस निकाला।

बिजली विभाग ने एक मुश्त समाधान योजना के बारे में दी जानकारी

जनसंदेश न्यूज

ग्रामीणों को एक मुश्त समाधान योजना की जानकारी देते बिजली विभाग के कर्मी।

नियामताबाद। क्षेत्र के बिलारीडीह में विद्युत विभाग द्वारा बैंड बाजे के साथ मुनादी करवाते हुए एक मुश्त समाधान योजना का लाभ लेने के लिए रिंग रोड पर एसडीओ अमर सिंह पटेल की देखरेख में अवगत कराया गया। विद्युत विभाग के अधिकारियों द्वारा उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन की ओर से बिजली के बकायेदार उपभोक्ताओं के लिए एक मुश्त समाधान योजना चलाया जा रहा है जिसके चलते सोमवार को एसडीओ अमर सिंह पटेल की मौजूदगी में जेई मोहम्मद शाहिद द्वारा अपने टीम के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में बैंड बाजा और लाउडस्पीकर से मुनादी कर एक मुश्त समाधान योजना के सभी चरणों और छूट पाने की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए आम नागरिकों को प्रेरित किया।

विद्युत कर्मचारियों द्वारा बाइक द्वारा बिलारीडीह, गंगेहरा, जफरपुर, महेवा, चंद्रखा, कठेरवां, भरछा आदि गांवों में जाकर उपभोक्ताओं को एक मुश्त समाधान योजना के लिए प्रेरित किया। एसडीओ ने बताया कि योजना का प्रथम चरण 15 से 31 दिसंबर दूसरा चरण 1 से 15 जनवरी तीसरा चरण 16 से 31 जनवरी तक चलेगा।

योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ताओं को पंजीकरण के समय 30 सितंबर 2024 तक के विद्युत बिलों के मूल बकाया का 30 प्रतिशत राशि जमा करना अनिवार्य होगा प्रथम चरण में अपने विलंबित बिलों का एकमुश्त भुगतान करने पर उनके सरचार्ज में सर्वाधिक में छूट मिलेगी, वही सीएससी सेंटर को एक मुश्त समाधान योजना में बिजली उपभोक्ताओं का बिल जमा करवाने पर लाभ मिलेगा।

इस दौरान एसडीओ अमर सिंह पटेल, जेई मोहम्मद शाहिद, प्रवीण कुमार, आलोक तिवारी व बिजली कर्मचारी उपस्थित रहे।

सहरसा से नई दिल्ली के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन

डीडीयू नगर। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर बरौनी-मुजफ्फरपुर-पाटलिपुत्र-डीडीयू-प्रयागराज के रास्ते सहरसा से नई दिल्ली के एक स्पेशल ट्रेन 04493 का परिचालन किया जाएगा। इस स्पेशल में प्रथम वातानुकूलित श्रेणी का 01, द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी के 02, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के 04, तृतीय वातानुकूलित इकॉनोमी श्रेणी के 02, शयनयान श्रेणी के 06 एवं साधारण श्रेणी के 04 कोच होंगे। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जन संपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि 13 दिसंबर से गाड़ी सं. 04493 सहरसा-नई दिल्ली स्पेशल सहरसा से 02.00 बजे खुलकर 03.13 बजे मानसी, 03.33 बजे खगड़िया, 04.08 बजे बेगुसराय, 04.45 बजे बरौनी, 05.38 बजे दलसिंहसराय, 06.25 बजे समस्तीपुर, 07.25 बजे मुजफ्फरपुर, 08.25 बजे हाजीपुर, 09.38 बजे पाटलिपुत्र, 10.03 बजे दानापुर, 10.35 बजे आरा, 11.28 बजे बक्सर एवं 13.20 बजे डीडीयू रुकते हुए अगले दिन 03.30 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी।

धरहरा सहकारी समिति पर खाद वितरण में अनियमितता का आरोप

सकलडीहा। विकास खण्ड के धरहरा साधन सहकारी समिति पर खाद वितरण में अनियमितता का आरोप किसानों ने लगाया है। गुरुवार को खाद पाने के लिए यहां किसानों की भीड़ लग गई। इन लोगों का कहना है कि सचिव नियमों को ताख पर रख चहेते किसानों को डीएपी दिया जा रहा है। जबकि अन्य किसानों से तमाम दस्तावेज की मांग कर रहा है। जब तक किसान घर से कागजात ला रहा है। तब तक खाद वितरित कर खत्म कर दी जा रही है।

धरहरा साधन सहकारी समिति पर काफी इंतजार के बाद डीएपी पहुंची। गुरुवार को इसको पाने के लिए किसानों की भीड़ लग गई। आरोप है कि यहा तैनात सचिव खाद वितरण में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी कर रहा है। किसान बच्चा सिंह, राजेंद्र सिंह, विनोद सिंह, मिंटू सिंह ने बताया कि घपलेबाजी का आलम यह है कि खाद आने से पूर्व ही सचिव अपने खास बिचौलियों और किसानों को जानकारी दे रहा है। तय समय पर यह लोग किसी और की खतौनी लेकर अपना आधार कार्ड दिखाकर अंगूठा लगा रहे है और खाद लेकर चलते बन रहे है।

सचिव इनसे निर्धारित कीमत से अधिक पैसा भी ले रहा है। खेत हो या ना हो आधार कार्ड के पैमाने पर अंगूठा लगाया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर एक घर से पांच लोगों का आधार कार्ड लेकर 20 बोरी खाद सचिव दे रहा है किसानों ने धरहरा साधन सहकारी समिति पर खाद वितरण की जांच कर सचिव पर कार्यवाही की मांग किया है। इस संबंध में एसडीएम अनुपम मिश्रा ने कहा कि जल्द ही धरहरा समिति के खाद वितरण का सत्यापन किया जाएगा। दोषी मिलने पर सचिव पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बंदरों को लाकर छोड़े जाने से कई गांवों के ग्रामीण परेशान

नियामताबाद। अलीनगर थाना क्षेत्र के ककरही खुर्द गांव के समीप रिंग रोड पर पिछले दिनों लगभग 500 बंदर गाड़ी से लाकर छोड़ दिए जाने से आधा दर्जन गांवों में उत्पाद मचाए हुए हैं। इसको लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

क्षेत्र के ककरही खुर्द गांव के समीप पर 5 दिन पूर्व रात में लगभग 500 बंदरों से भरे वैन से लाकर रिंग रोड पर छोड़कर चले गए। यह बंदर क्षेत्र के सदलपुरा, चंदौली खुर्द, कोरी, तारापुर, जीवनपुर, संघति, महेवा सहित आधा दर्जन गांवों में झुंड के झुंड पहुंचकर घरों से लेकर छतों तक उत्पाद मचा रहे हैं। घर में पानी टंकी का लगी टोटी उखाड़ दे रहे हैं, तो घरों में घुसकर समान तितर बितर कर दे रहे हैं घर पर रखे सामान भी इधर-उधर फेंक दे रहे हैं। आएदिन महिलाओं से लेकर बच्चों को काट ले रहे है, जिससे पूरी तरह ग्रामीण परेशान हो आ चुके हैं। इसको लेकर क्षेत्र के कुंज बिहारी सिंह, गुड्डू भाई,बुद्धन सिंह,प्रदीप गोंड, सुबेदार सिंह, उमाशंकर यादव, राजेश सिंह सहित तमाम लोगों ने आक्रोश व्यक्त किया है। इसको लेकर पूर्व विधायक रंजर राम नारायण ने बताया कि शासन द्वारा हम लोगों को शासनादेश मिला है कि बंदरों को पकड़ने की जिम्मेदारी से वन विभाग को मुक्त किया जा रहा है। इसकी जिम्मेदारी संबंधित ग्राम प्रधान, नगर पालिका अध्यक्ष, नगर निकाय अध्यक्ष की होगी।

सांसत

ग्रामीणों ने बंदरों को पकड़कर जंगल में छोड़े जाने की जताई आवश्यकता

वांछित पुलिस तस्कर को पुलिस ने पकड़ा

नौगढ़। पशु तस्करी में वांछित अभियुक्त सत्येन्द्र को पुलिस ने बुधवार की रात औरवाटांड़ मोड़ के समीप से गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई किया है। थानाध्यक्ष कृपेन्द्र प्रताप ने बताया कि पशु तस्करी के आरोप में वांछित विनायकपुर गांव निवासी सत्येन्द्र पुत्र बुझक को मुखबिर की सूचना पर थाना क्षेत्र के अन्तर्गत औरवाटांड़ मोड़ के समीप से गिरफ्तार कर के अग्रिम कार्रवाई किया गया है।

घायल युवक को अधिवक्ता ने पहुंचाया अस्पताल

चकिया। कोतवाली क्षेत्र के चकिया-नौगढ़ मार्ग पर स्थित डोडापुर गांव के पास गुरुवार की देर शाम अज्ञात वाहन की चपेट करने से बाइक सवार युवक घायल हो गया। जिसको देख अधिवक्ता विकास पांडेय स्वयं ऑटो रिक्शा से लेकर चकिया जिला संयुक्त चिकित्सालय पहुंचे, जहां हालत नाजुक देख चिकित्सकों ने बीएचयू ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया। खबर लिखे जाने तक युवक की पहचान नहीं हो पाई थी।

एक्सपोजर विजिट पर गए परिषदीय विद्यालय के छात्र-छात्राएं

कमालपुर। धानापुर विकासखंड क्षेत्र के दर्जनों परिषदीय विद्यालयों के राष्ट्रीय आविष्कार अभियान में चयनित 100 उत्कृष्ट छात्र-छात्राओं को एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ धानापुर खंड शिक्षा अधिकारी अवधेश नारायण सिंह तथा प्राथमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष प्रदीप सिंह द्वारा संयुक्त रूप से बस को हरी झंडी दिखाकर किया।

इस दौरान खंड शिक्षा अधिकारी अवधेश नारायण सिंह ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों (कक्षा 6 से 8 तक) के छात्र-छात्राओं में जिज्ञासा आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने, वैज्ञानिक मनोवृत्ति का विकास करने, प्रयोग के विविध अवसर उपलब्ध कराने तथा विज्ञान की प्रकृति, प्रक्रियाओं और विधियों की सम्यक समझ विकसित किये जाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत चयनित 100 उत्कृष्ट छात्र-छात्राओं को एक्सपोजर विजिट कराया जा रहा है। जिसमें बच्चों को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय कला भवन रामनगर स्थित पारले-जी बिस्कुट फैक्ट्री तथा विश्वनाथ जी का दर्शन करा कर एक्सपोजर विजिट कराया गया। एक्सपोजर विजिट के दौरान एआरपी ने छात्र-छात्राओं को काशी हिन्दू विवि कला भवन रूबरू कराया गया तथा उन्हें कई विशेष चीजों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारियां दी गई। इसको देखकर वह समझ कर बच्चे खुश नजर आए। इस दौरान एआरपी इरफान अली मंसूरी, अशोक कुमार पाल, संजय कुमार यादव, रचना राम, अमित कुमार जायसवाल, राना प्रताप व शिक्षक इमरान खान, जैद अहमद, सांतनु यादव, विवेक कुमार, मनीष यादव, इब्नू पाल, गीता गुप्ता, सोनू भारती आदि लोग उपस्थित रहे।

स्पोर्ट्स

बुडापेस्ट में विश्व एक्वेटिक चैम्पियनशिप में अवार्ड समारोह में पोज देती हुई स्वर्ण विजेता लेनी पैलिस्टर, रजत विजेता इसाबेल गोस और कांस्य विजेता जर्मनी की कैटी ग्रिम्स।

विश्व कप 2034 का ऐलान, सऊदी अरब में लगेगा फुटबॉल का महाकुंभ

2030 का विश्व कप स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को में

ज्यूरिख। 2034 का फुटबॉल वर्ल्ड कप सऊदी अरब में खेला जाएगा। इतना ही नहीं, 2030 के वर्ल्ड कप की मेजबानी स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को मिलकर करेंगे। दुनिया में फुटबॉल संचालित करने वाली संस्था फीफा ने बुधवार रात को यह ऐलान किया।

2034 वर्ल्ड कप के आयोजन के लिए केवल सऊदी अरब ने बिड किया था। ऐसे में ज्यूरिख में वर्ल्ड बॉडी की स्पेशल मीटिंग के बाद प्रेसिडेंट जियानी इन्फेंटिनो ने सऊदी अरब को ऑफिशियल होस्ट घोषित किया। पुर्तगाल के स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो साल 2030 में होने वाले फुटबॉल विश्व कप को लेकर खासे उत्साहित हैं। रोनाल्डो ने कहा कि छह साल बाद होने वाला यह टूनार्मेंट बेहद खास होगा, ये किसी सपने के सच होने जैसा है। इस विश्व कप की मेजबानी पुर्तगाल सहित पांच अन्य देशों को मिली है। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने कहा है कि 2030 के मैच संयुक्त रुप से तीन महाद्वीपों के छह देशों में खेले जाएंगे।

यह पहली बार है जबकि विश्व कप छह देशों में खेला जाएगा। जिसमें पुर्तगाल के अलावा स्पेन और मोरक्को जैसे देश शामिल हैं। इसके अलावा दक्षिण अमेरिकी देशों अर्जेंटीना, पैराग्वे और उरुग्वे में भी इसके एक-एक मैच होंगे। पहला विश्व कप 1930 में उरुग्वे में खेला गया था

और फीफा ने उसके 100 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए ही दक्षिण अमेरिका के इन देशों को एक-एक मैच की मेजबानी दी है। रोनाल्डो ने मेजबानी मिलने पर खुशी जताते हुए पुर्तगाल की जर्सी पहनकर जश्न मनाते हुए अपनी तस्वीर सोशल मीडिया पर भेजी हैं। इसमें उन्होंने लिखा है, ह्यसपना सच हो गया। यह विश्व कप बेहद विशेष होगा। पुर्तगाल 2030 में विश्व कप की मेजबानी करके हमें गौरवान्वित करेगा।

महिला फुटबॉल विश्व कप भी हुई घोषणा

ज्यूरिख में हुई बैठक में महिला फीफा विश्व कप की मेजबानी को लेकर भी घोषणा की गई। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने मंगलवार को घोषणा की कि 2027 में होने वाला महिला विश्व कप ब्राजील में 24 जून से 25 जुलाई तक खेला जाएगा। यह पहला अवसर होगा जबकि दक्षिण अमेरिका के किसी देश में इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। महिला विश्व कप में कुल 32 टीम भाग लेंगी। स्पेन इस टूनार्मेंट का मौजूदा चैंपियन है। उसने 2023 में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की संयुक्त मेजबानी में खेले गए महिला विश्व कप को जीता था। संभावना है कि फीफा अगले साल टूनार्मेंट के लिए ब्राजील के मेजबान शहरों और स्टेडियमों की घोषणा करेगा। कुल 12 स्टेडियमों ने इसमें दिलचस्पी दिखाई है जिनमें 2014 में पुरुष विश्व कप के मैचों मेजबानी करने वाले कई स्टेडियम भी शामिल हैं।

संक्षेप

यशस्वी की टिप्पणी से बेतर प्रदर्शन को प्रेरित हुए स्टार्क : पोंटिंग

दुबई। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने पहले टेस्ट में जिस प्रकार की टिप्पणी मिशेल स्टार्क के खिलाफ की थी। लगता है वही लगता है उन्हें भारी पड़ी है। उसे टिप्पणी से स्टार्क दूसरे टेस्ट में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित हुए होंगे। यशस्वी ने पर्थ टेस्ट में 161 रनों की पारी के दौरान तंज कसा था कि स्टार्क बहुत धीमी गेंदबाजी कर रहे हैं।

ऑनलाइन क्रीड़ा ज्ञान परीक्षा-2024 इन्दौर के पार्थ प्रजापत प्रथम

इन्दौर। विगत चार वर्षों से आयोजित अखिल भारतीय स्तर पर आनलाइन क्रीड़ा ज्ञान परीक्षा में इस वर्ष देशभर से करीब एक लाख अड़तीस हजार प्रतिभागियों ने अपना पंजीयन कराया था। जिसमें इंदौर के पार्थ प्रजापत ने प्रथम स्थान प्राप्त कर को अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम रह एक लाख रुपए का प्राप्त किया है। ऑनलाइन क्रीड़ा ज्ञान परीक्षा–2024 में पूछे गए 50 प्रश्नों को पार्थ ने 25 मिनट में हल कर सबसे कम समय में 50 में से 50 अंक लेकर प्रथम पुरस्कार जीता।

संदिग्ध परिस्थिति में मिला विवाहिता का शव

जनसंदेश न्यूज

चकिया। कोतवाली क्षेत्र के सिकंदरपुर गांव में बीती रात 24 वर्षीय विवाहिता पूजा ने संदिग्ध परिस्थितियों में साड़ी का फंदा बनाकर लटक गई। परिजनों ने बिना किसी सूचना दिए ही शव को लेकर अंतिम संस्कार के लिए चले गये। मामले की जानकारी होते ही पुलिस ने घाट पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

सिकंदरपुर गांव निवासी विजई पटेल के पुत्र अभिषेक पटेल की वर्ष 2022 में जलीलपुर, मुगलसराय निवासी बालकरण सिंह की पुत्री पूजा से शादी हुई थी। दोनों को एक दो वर्ष की पुत्री भी है। अभिषेक वाराणसी के जालान प्रतिष्ठान में नौकरी करता है। पड़ोसियों की माने तो पति-पत्नी के बीच आएदिन अनबन बनी रहती थी और लड़ाई झगड़े होते रहते थे।

बीते बुधवार की रात पति से फोन पर कहा-सुनी करने के बाद पत्नी पूजा ने साड़ी का फंदा बनाकर मौत को गले लगा लिया। पत्नी का फोन नहीं उठने पर गुरुवार की सुबह वाराणसी से घर पहुंचे अभिषेक ने घर के कमरे में पत्नी को फंदे से झूलते हुए देखा तो अवाक रह गया। अभिषेक ने आसपास के लोगों की मदद से पत्नी के शव को नीचे उतारा। घटना के बाद अभिषेक ने पुलिस को बिना सूचना दिए ही ग्रामीणों की मदद से शव के दाह संस्कार के लिए नारायणपुर के रहपुरिया गंगा किनारे घाट पर चला गया। मामले की जानकारी होने पर मृतक पूजा के पिता बालकरण सिंह ने चकिया कोतवाली पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस में तत्काल नारायणपुर पुलिस चौकी की मदद लेकर अंत्येष्टि के पूर्व ही विवाहिता के शव को कब्जे में ले लिया।

थाना प्रभारी अतुल प्रजापति ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। बताया पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद ही घटना के कारणों का पता चल पाएगा। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक पूजा के पिता बालकरण ने घटना को लेकर लिखित तहरीर कोतवाली पुलिस को दी है तहरीर के आधार मुकदमा दर्ज कर लिया गया।

नीलम ने एकदिवसीय में दोहरा शतक लगाया

अहमदाबाद। उत्तराखंड की 18 साल की युवा बल्लेबाज नीलम भारद्वाज ने नागालैंड के खिलाफ सीनियर महिला एकदिवसीय ट्रॉफी में 137 गेंदों में ही नाबाद 202 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी है। नीलम इस प्रकार दोहरा शतक लाने वाली सबसे युवा भारतीय क्रिकेटर बनी हैं। नीलम ने अपनी पारी में 27 चौके और दो छक्के शामिल हैं। उनकी पारी से उत्तराखंड ने 50 ओवर में 371 रनों का अच्छा खासा स्कोर बना लिया। जिसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए नागालैंड की टीम 47 ओवर में ही 112 रन पर आउट हो गयी। नीलम को उनके इस प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला है। नीलम दोहरा शतक लगाने वाली तीसरी भारतीय महिला क्रिकेटर हैं। इससे पहले स्मृति मंधाना ने गुजरात के खिलाफ 224 रन, जबकि श्वेता सहरावत ने

नागालैंड के खिलाफ 242 रन बनाये थे।

बुमराह का सामना करने को तैयार हूं : मैकस्वीनी : ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया के युवा सलामी बल्लेबाज नाथन मैकस्वीनी ने कहा कि वह गाबा में होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का अच्छी तरह से सामना करेंगे। मैकस्वीनी को अपनी पहली ही टेस्ट सीरीज में बुमराह की गेंदों को खेलना पड़ा है।

शिक्षा संकाय की टीम दोनों वर्ग में विजेता

काशी विद्यापीठ में फिट इंडिया वीक के तहत बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ द्वारा आयोजित फिट इंडिया वीक के चौथे दिन गुरुवार को बैडमिंटन प्रतियोगिता के तहत पुरुष एवं महिला वर्ग का मैच खेला गया। पुरुष वर्ग में कुल 12 टीमों तथा महिला वर्ग में छह टीमों ने प्रतिभाग किया। पुरुष वर्ग का फाइनल मैच शिक्षा संकाय व छात्रावास के बीच खेला गया, जिसमें शिक्षा संकाय की टीम विजेता रही। महिला वर्ग का फाइनल मैच शिक्षा संकाय व गंगापुर के बीच खेला गया, जिसमें शिक्षा संकाय की टीम विजेता रही। महिला वर्ग का फाइनल मैच शिक्षा संकाय व गंगापुर परिसर के बीच खेला गया, जिसमें शिक्षा संकाय की टीम विजेता रही।

विजेता खिलाड़ियों में (पुरुष विजेता एवं उपविजेता) मुर्शीद जमाल, गुरु प्रकाश, गौरव यादव, रवि यादव एवं

सुशील कुमार सिंह, धीरज पटेल, दिलीप यादव, रवि सिंह शामिल हैं। महिला वर्ग में श्रद्धा, दीपा, महिमा एवं पूजा शामिल रहीं।

मुख्य अतिथि काशी विद्यापीठ के अल्युमनी एसोसिएशन के डायरेक्टर एवं अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर डॉ नलिनी श्याम कामिल रहे। इस अवसर पर क्रीड़ा परिषद के उपाध्यक्ष प्रोफेसर संतोष कुमार गुप्ता, डा. अमरेंद्र सिंह, डा. राधेश्याम राय एवं कुमारी बीना तथा अन्य लोग भी उपस्थित रहे। निर्णायक के रूप में अमित कुमार व ज्योतिष मौर्य रहे।

कीड़ा परिषद के सचिव डाक्टर नवरत्न सिंह ने जानकारी दी है कि 13 दिसंबर को रस्साकाशी पुरुष/ महिला वर्ग का मैच खेला जाएगा।

लोगों की सेहत पर खराब असर डाल रहा वाहनों का तेज हॉर्न

जावेद अंसारी

चंदौली। दोपहिया व चार पहिया वाहनों में प्रेशर हार्न का उपयोग प्रतिबंधित होने के बावजूद सड़कों पर धड़ल्ले से रहे हैं। एजेंसी द्वारा वाहन बेचते समय सामान्य हार्न लगा होता है। लेकिन खरीदी के बाद काफी लोग अपने वाहनों में तेज आवाज करने वाले प्रेशर हार्न लगवा रहे हैं। वही युवक बाइक में मौज मस्ती के चलते प्रेशर हार्न लगवा लेते हैं, जिससे आम नागरिकों को परेशानी होती है और लोग विभिन्न बीमारियों के शिकार हो रहे हैं।

शासन की तरफ से निर्देश है कि दो पहिया व चार पहिया वाहनों में तेज ध्वनि वाले हार्न का प्रयोग नहीं किया जा सकता। लेकिन नियम कायदों को ताक पर रखकर वाहन चालक क्षेत्र में प्रेशर हार्न बजाकर शासन को चुनौती देते हैं। इसके लिए यातायात नियमों के तहत प्रावधान की भी अनदेखी की जा रही है। कुछ बिगड़ैल किस्म के युवक इन प्रतिबंधित क्षेत्रों के आसपास से प्रेशर हार्न बजाकर तेज गति में निकल जाते हैं। जिससे वहां से गुजरने वाले और स्थानीय लोगों को काफी परेशानी होती है। क्योंकि ये अपने वाहन में लगे प्रेशर हार्न का इतना उपयोग करते हैं कि जब तक उनके वाहन गुजर नहीं जाते तब तक कुछ सुनाई ही नहीं पड़ता।

वाहनों में प्रेशर हार्न लगाने व बजाने पर 10 हजार तक जुर्माने का प्रविधान है। प्रेशर हार्न बजाने से सुनने की क्षमता प्रभावित होती है। हमारा कान 30-50 डेसिबल तक सुनने की क्षमता रखता है। इससे अधिक क्षमता के हार्न सीधे-सीधे हमारे दिमाग व कान को प्रभावित कर रहे हैं। इससे तमाम बीमारियों का लोग शिकार हो रहे हैं। इस पर पूरी तरह नियंत्रण होना चाहिए। सड़क पर चल रहे पैदल चल रहे महिलाओं, बुजुर्ग, बच्चे व साइकिल सवारों को प्रेशर हार्न की वजह से तेज आवाज के कारण सीधे दिल पर अटैक होता है।

परेशानी

चिड़चिड़ापन, सिरदर्द तनाव, अनिद्रा जैसे बीमारियों का हो रहे शिकार

प्रतिबंधित होने के बावजूद सड़कों पर धड़ल्ले दौड़ रहे प्रेशर हॉर्न लगे वाहन

...क्या कहते हैं अधिकारी

चंदौली। सीओ ट्रैफिक रघुराज ने बताया कि दो पहिया व चार पहिया वाहनों में प्रेशर हॉर्न नही लगा सकते हैं। प्रेशर हॉर्न लगे वाहनों के खिलाफ लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है और जुर्माने के साथ ही कार्रवाई की जा रही है।

...क्या कहते हैं मनोचिकित्सक

चंदौली। पंडित कमलापति त्रिपाठी के मनोरोग विशेषज्ञ चिकित्सक डा. नितेश सिंह ने बताया कि जिला अस्पताल में माइग्रेन के 25 से 30 मरीज प्रतिदिन आ रहे हैं। वाहनों मे तेज हार्न चिड़चिड़ापन, बहरापन, ब्लड प्रेशर, तनाव, अनिद्रा जैसी बीमारी को जन्म देता है और सड़क पर चल रहे मिर्गी के मरीज को अटैक आ सकता है।

पोस्टमास्टर जनरल ने डाकघरों का निरीक्षण कर दिया निर्देश

जनसंदेश न्यूज

चंदौली। वाराणसी परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कर्नल विनोद कुमार ने डाक सेवाओं के जनमानस तक संवर्धन हेतु गुरुवार को चंदौली जनपद का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने एडीएम सुरेन्द्र सिंह के साथ जिले में डाक विभाग की विभिन्न योजनाओं द्वारा आर्थिक सशक्तिकरण एवं वित्तीय समावेशन के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने पर चर्चा की।

इस मौके पर एडीएम ने डाक विभाग की विभिन्न सेवाओं के प्रचार पर बल दिया और प्रमुख स्थानों को चिन्हित कर जनता को जागरूक करने का सुझाव दिया। इस सन्दर्भ में उन्होंने बैनर, ब्रोशर तथा अन्य प्रचार सामग्री की उपलब्धता को जरूरी बताया। एडीएम सुरेन्द्र सिंह ने आंगनबाड़ी कार्यकताओं तथा

सार्वजनिक वितरण प्रणाली की राशन दुकानों के माध्यम से भी डाक विभाग की योजनाओं का प्रसार करने का भी सुझाव दिया। कर्नल विनोद ने उनकी सलाह के अनुरूप प्रवर अधीक्षक डाकघर, वाराणसी को निर्देश दिया और साथ ही चंदौली के सभी डाकघरों के बाहर पर्याप्त प्रचार सुनिश्चित करने के लिए भी आदेश दिया। चंदौली में सप्ताह में कम से कम एक डाक चौपाल आयोजित करने तथा विभिन्न स्थानों पर बचत खाता व आईपीपीबी खाता खोलने एवं डाक जीवन बीमा व ग्रामीण डाक जीवन बीमा हेतु कैम्प एवं मेला की शुरूआत करने का निर्देश भी दिया। बताया कि डाक विभाग द्वारा चंदौली जिले के सुदूर इलाकों में प्रत्येक व्यक्ति को डाक सेवा सुगमता से उपलब्ध कराने के लिए जिले के अंतर्गत 16 नए शाखा डाकघर खोले गए थे, जिनमें 20 पदों पर डाक विभाग के ग्रामीण डाक सेवक नियुक्त किये गए हैं।

प्रवर अधीक्षक डाकघर वाराणसी पूर्वी मंडल राजीव कुमार ने बताया कि आकांक्षी जिला चंदौली में डाक विभाग के आईपीपीबी द्वारा घर बैठे डोर स्टेप बैंकिंग के तहत भुगतान प्राप्त कर रहे हैं। इस दौरान पोस्टमास्टर जनरल ने चंदौली उपडाकघर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर उपडाकघर व हथियानी शाखा डाकघर में भी विजिट किया एवं ग्राहकों से रूबरू होकर उन्हें डाक विभाग की योजनाएं जैसे बचत खाता, सुकन्या समृद्धि योजना, आवर्ती जमा, पीपीएफ, महिला सम्मान बचत पत्र की जानकारी दी। इस अवसर पर एमएम हुसैन, संजय कुमार अहिरवार आदि उपस्थित रहे।

कार्यालय आते समय एडीओ एजी की हार्ट अटैक से मौत

सकलडीहा। विकास खण्ड कार्यालय में तैनात 56 वर्षीय एडीओ एजी की हार्ट अटैक से गुरुवार की मौत हो गई। उनकी मौत की खबर मिलते ही विकास खण्ड कार्यालय सहित अन्य तीन कार्यालय में शोक की लहर दौड़ गयी। बीडीओ विजय कुमार सिंह व ब्लॉक प्रमुख अवधेश सिंह के नेतृत्व में शोक सभा आयोजित कर उन्हें श्रद्धाजलि दी गई।

बलुआ थाना क्षेत्र के मजीदाहा गांव निवासी 56 वर्षीय श्यामसुंदर वर्मा सकलडीहा ब्लाक में एडीओ एजी के पद पर तैनात थे। गुरुवार को घर से ड्यूटी के लिए निकले। तभी उनको हार्ट अटैक आ गया।और वह गिर गए। आनन-फानन मे परिजन उनको

विकास खण्ड कार्यालय में शोक सभा करते बीडीओ व ब्लॉक प्रमुख सहित अन्य।

अस्पताल लेकर पहुचे जहा डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। उनकी मौत की खबर मिलते ही ब्लॉक मुख्यालय सहित कृषि बीज भंडार और उपसंभाग कृषि प्रसार अधिकारी कार्यालय पर भी शोक सभा कर बंद कर दिया गया। ब्लॉक मुख्यालय पर बीडीओ विजय सिंह व ब्लाक प्रमुख अवधेश सिंह के नेतृत्व मे शोक सभा का आयोजन किया गया और ब्लाक को दिनभर के लिए बंद कर दिया गया। इस मौके पर बीडीओ विजय कुमार सिंह, एडीओ पंचायत बजरंगी पाण्डेय, एडीओ आइएसबी हवलदार यादव, पवन दुबे, राम सिंह, संजय यादव, प्रिया मौर्या, शशिकांत भारती, अरबिंद कुमार, महेंद्र यादव, मोनू सिंह, सोनू सिंह, टुनटुन सिंह सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

मृतक एडीओ एजी की फाइल फोटो।

चेकिंग अभियान में 11 स्कूली वाहनों का चालान

चेकिंग अभियान के दौरान स्कूली वाहन को चेक करते परिवहन विभाग के अधिकारी।

चंदौली। जिले में परिवहन विभाग की ओर से गुरुवार को स्कूली वाहनों के खिलाफ विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान स्कूली वाहनों के कागजात चेक किए गए। परिवहन विभाग ने मानक के विपरीत, बिना फिटनेस सही नहीं पाए जाने पर कार्यवाही की गई। कुल 11 वाहनों चालान किया गया। वहीं 30 परिवहन विभाग की जांच में अनफिट पाए गए हैं, वहीं तीन वाहनों को सीज करने की कार्यवाही अमल में लायी गयी है।

शासन और जिला प्रशासन के निदेर्शानुसार आगामी 12 दिसंबर से स्कूली वाहनों के विरुद्ध विशेष चेकिंग अभियान की शुरूआत की गयी। अभियान के पहले दिन परिवहन विभाग की टीम ने सड़कों पर फरार्टा भर रही स्कूली वाहनों को रोका और उनके कागजात चेक किए। विशेष चेकिंग अभियान में आर्य पब्लिक स्कूल का एक वाहन, बाबा जगेश्वरनाथ महाविद्यालय का दो, बृजनन्दनी कान्वेंट स्कूल का एक, धनवंती महाविद्यालय का एक, ज्ञानदीप एजुेशन एकेडमी का एक, लिटिल स्टार एजुकेशन का एक, एमडीएस पब्लिक स्कूल का दो, राहुल इंटरनेशनल स्कूल का पांच, सेंट जोसेफ स्कूल का चार, मानस कान्वेंट स्कूल का चार, मदर टरेसा पब्लिक स्कूल का एक, जमुना प्रसाद सेवा समिति का एक, एसएस पब्लिक स्कूल का तीन, एसआरवीएस स्कूल का तीन वाहनों के कागजात की वैधता समाप्त मिली। एआरटीओ डा. सर्वेश गौतम परिवहन विभाग ने सभी वाहनों को चिह्नित करते हुए संधित विद्यालय प्रबंधक को नोटिस दी।

इसके साथ ही परिवहन विभाग स्कूलों में जाकर वाहनों के चेकिंग की कार्यवाही भी अमल में लाएगा। यदि विद्यालय प्रबंधन वाहनों के प्रपत्र वैध नहीं कराते हैं अथवा किसी भी दुर्घटना की स्थिति में विद्यालय प्रबंधन जिम्मेदार होगा। ऐसी स्थिति में प्रबंधन के विरूद्ध विधिक कार्यवाही की जाएगी।

पापी पेट का सवाल है : कड़ाके की ठण्डी रात में पेट के लिए कबाड़ बीनकर रोजी रोटी का जुगाड़ करता किशोर।

जौनपुर

अतुल का सुसाइड नोट बढ़ा सकता है निकिता फैमिली की मुश्किलें

जनसंदेश न्यूज

जौनपुर। बेंगलुरू में इंजीनियर अतुल सुभाष सुसाइड केस मामले में अब मामले की जैसे-जैसे परत खुलती जा रही है वैसे वैसे अब निकिता और उसके परिजनों की मुश्किलें भी बढ़ती जा रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी भी हो सकती है।

इस बीच देर रात में निकिता की आरोपी मां और भाई के खोवा मण्डी स्थित घर छोड़कर फरार होने की खबरें भी आ रही है जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल

फॉलोअप

मामले के दो आरोपी देर रात घर छोड़कर फरार, वीडियो हुआ वायरल

पुलिस मामले की कर रही जांच, चर्चाओं का बाजार गर्म

हो रहा है। निकिता की मां और भाई जौनपुर स्थित नगर कोतवाली क्षेत्र के खोवा मंडी स्थित मकान में रहते थे। इस समय उनके घर पर ताला लटक रहा है। घर में ताला बंद करके अनुराग सिंघानिया और निशा सिंघानिया भागते हुए कैमरे में कैद हो गए।

बुधवार को सुबह से ही आरोपियों के मकान के पास मीडिया अपनी नजर बनाए हुए था लेकिन कोई भी आरोपी ने मीडिया से बात नहीं किया। फिर रात में मामले के दो आरोपी घर छोड़कर फरार हो गए। वहीं अतुल सुभाष के सुसाइड मामले की खबर पूरे देश में चर्चा का विषय बनी हुई है। अतुल का सुसाइड नोट धीरे-धरे आरोपियों के लिए परेशानी का सबब बन रहा है। एक अच्छे परिवार के कमाने खाने वाले व्यक्ति ने पत्नी की प्रताड़ना से परेशान होकर सुसाइड जैसा निर्णय क्यों लिया पुलिस इसकी जांच कर रही है लेकिन अतुल के घर वालों पर इस घटना के बाद क्या बीत रहा होगा ये तो वही जानते होंगे।

पांच लोगों पर लगाया है प्रताड़ित करने का आरोप

जौनपुर। बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले 34 वर्षीय एआई इंजीनियर अतुल सुभाष ने बेंगलुरु में खुदकुशी करने की घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। आत्महत्या से पहले अतुल ने 1.21 घंटे का एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाला है। इसमें अपनी पत्नी और ससुराल पक्ष के पांच लोगों पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही पुलिस, प्रशासन, महिला आयोग समेत पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े किए हैं। इंजीनियर ने ससुराल पक्ष के लोगों पर कार्रवाई की मांग करते हुए इंसाफ मांगा है। उनसे वीडियो में यह भी कहा कि मरने के बाद भी इंसाफ न मिले तो अस्थियां कोर्ट के सामने गटर में बहा दी जाए।

सुसाइड नोट के आधार पर पुलिस कर रही जांच

जौनपुर। अतुल सुभाष की शादी जिले के रूहट्टा निवासी निकिता सिंघानिया से हुई थी। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद निकिता अचानक बेंगलुरु छोड़कर जौनपुर लौट गई और पति समेत ससुरालवालों पर दहेज उत्पीड़न और घरेलू हिंसा का केस दर्ज करा दिया। अतुल ने अपनी मौत से जो 24 पन्नों का सुसाइड नोट लिखा और डेढ़ घंटे का एक वीडियो बनाया है उसी आधार पर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। उन्होंने अपने सुसाइड नोट और वीडियो में पत्नी निकिता सिंघानिया, सास निशा सिंघानिया, साला अनुराग सिंघानिया उर्फ पीयूष और चचेरे ससुर सुशील सिंघानिया को अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराया है।

मामले के चौथे आरोपी ने मीडिया के सामने रखा अपना पक्ष

जौनपुर। एआई इंजीनियर अतुल सुभाष आत्महत्या कांड जनपद में चर्चा का विषय बना हुआ है। आरोपी परिवार का पक्ष लेने के लिए मीडियाकर्मी उनके घर पहुंचे तो उन्होंने पत्रकारों से बात नहीं किया। वहीं मामले के चौथे आरोपी लड़की के बड़े पिता सुशील सिंघानिया ने मीडिया से बात की और अपने आपको निर्दोष बताया। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों से कोर्ट में मुकदमा चल रहा है। अतुल सुभाष ने सुसाइड से पहले जो वीडियो वायरल किया है उसके सारे आरोपो का जवाब जल्द ही मेरी भतीजी यानी अतुल की पत्नी निकिता मीडिया के सामने देगी।

संक्षेप

डिलेवरी ब्वाय से सामान छीनने के आरोपित पर केस

खुटहन। अहरपुर गांव में नहर से निकले माइनर के पास से गत शनिवार को डिलीवरी बॉय से मोबाइल व अन्य सामान छीनकर भाग जाने के मामले में पुलिस ने एक नामजद आरोपित के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश में दबिश देना शुरू कर दिया है। सरपतहां थाना क्षेत्र के बघरवारा गांव निवासी कौशल कुमार एक कंपनी में बतौर डिलेवरी ब्वाय के पद पर कार्यरत है। उसका आरोप था कि गत 7 दिसंबर को वह अहरपुर जमुनियां गांव निवासी शुभम यादव के आनलाइन आर्डर पर दो मोबाइल देने आया था। आरोप है कि फोन करने पर शुभम उसे इधर उधर टहलाता रहा। बाद में उसने कहा कि उक्त माइनर के पास आइए। वहां सुनसान स्थल पर पहुंचा तो कोई दिखाई नहीं दे रहा था। बाइक खड़ी कर लघुसंका करने चला गया। तभी एक बाइक पर सवार दो युवक वहां पहुंच बाइक पर बंधा सामान लदा बैग खोलने लगे। शोर मचाते हुए उनकी तरफ भागा तो वे उसे धक्का देकर पूरा बैग लेकर भाग गए। आरोप के आधार पर पुलिस ने शुभम यादव के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। थानाध्यक्ष दिव्य प्रकाश सिंह ने बताया कि केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपित को बहुत जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

ओवर ब्रिज निर्माण शुरू कराने के लिए चेयरमैन ने सांसद को लिखा पत्र

जफराबाद। चेयरमैन उम्मे रहिला ने जफराबाद क्रासिंग पर रूके हुए ओवर ब्रिज निर्माण कार्य शुरु कराये जाने के सम्बन्ध में मछलीशहर सांसद प्रिया सरोज को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होने ब्रिज निर्माण कार्य शुरु न होने से क्षेत्रवासियों को होने वाली समस्याओं के बारे में अवगत कराया है।
बता दें कि एक साल पहले भाजपा के पूर्व सांसद बीपी सरोज के प्रयास से जफराबाद जंक्शन का विस्तार व सौन्दर्यीकरण तथा क्रासिंग पर ओवरब्रिज के निर्माण हेतु शिलान्यास किया गया था। स्टेशन निर्माण कार्य तो शुरू करा दिया गया है परन्तु बहुप्रतिक्षित ओवरब्रिज का निर्माण कार्य अभी तक शुरू नहीं किया गया जिसको लेकर आम-जनमानस में आवागमन की समस्या जस की तस बनी हुई है। घन्टों क्रासिंग बन्द रहने से आवागमन की समस्या जस की तस बनी हुई है। इसी के सम्बन्ध में नगर पंचायत चेयरमैन उम्मे राहिला ने मछलीशहर सांसद प्रिया सरोज को पत्र लिखकर ध्यान आकृष्ट कराया है। पूछे जाने पर सांसद मछलीशहर प्रिया सरोज ने बताया कि जानकारी हुई है। जल्द ही रेलवे मंत्री अश्वनी वैष्णव से मिलकर इस समस्या से उन्हे अवगत कराउंगी।

हादसे में घायल अधेड़ की इलाज के दौरान मौत

खेतासराय। सड़क दुर्घटना में घायल अधेड़ की इलाज के दौरान मौत हो गयी। पुलिस तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई में जुट गई। गौरतलब हो कि स्थानीय थानांतर्गत जमदहा गाँव निवासी लालता बिन्द पुत्र स्वर्गीय बल्ला बिन्द (65 वर्ष) बुधवार की देर शाम जमदहां बाजार से सब्जी लेकर घर जा रहे थे कि अज्ञात वाहन द्वारा टक्कर मार देने से उनके सिर में काफी गम्भीर चोट आ गयी थी, जिन्हें परिजनों द्वारा अस्पताल में ले जाया गया जहां गुरुवार को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी। मामले में मृतक के पुत्र ओमप्रकाश बिन्द ने लिखित तहरीर स्थानीय पुलिस को दी। तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर पुलिस विधिक कार्रवाई मे जुट गई।

रेलवे क्रॉसिंग के पास अज्ञात वृद्ध की लाश मिली

जफराबाद। बुधवार की रात एक वृद्ध की लाश नाथुपुर फाटक के पास मिलमे से सनसनी फैल गई। जीआरपी पुलिस अज्ञात वृद्ध की लाश बरामद किया है। जानकारी के अनुसार नाथूपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास एक वृद्ध जिसकी उम्र लगभग 60 वर्ष से अधिक लग रही है उसकी लाश ट्रैक के किनारे पड़ी हुई है। जब जीआरपी के जवान मौके पर पहुंचे तो देखा कि मृतक कुर्ता सफेद रंग का और गमछा सफेद रंग का पहने हुए हैं और पैर में जूता पहने हुए हैं। काफी देर तक लाश की पहचान कराने का प्रयास किया लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी। पुलिस ने लाश को अपने कब्जे में ले लिया है और सदर अस्पताल के लाश घर में रखवा दिया है।

विद्युत पोल टूटने से आपूर्ति बाधित, पेयजल का संकट

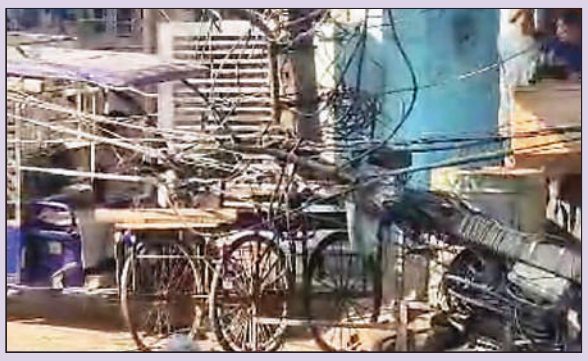

शाहगंज। नगर के एराकियाना मोहल्ले में सड़क किनारे लगे बिजली के पोल को बीती किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मारकर फरार हो गया जिसके चलते पोल टूट गया और आपूर्ति बाधित हो गई। नगर के मुख्य मार्ग स्थित उक्त मोहल्ले में चौराहे के समीप बीती रात बिजली के पोल को किसी अज्ञात वाहन तोड़ कर फरार हो गया। जिससे अगल बगल के कई मोहल्ले की विद्युत आपूर्ति ठप्प हो गई। सूचना मिलने पर एसडीओ विद्युत धमेंद्र कुमार गुप्ता ने मौके पर पहुंच कर कर्मचारियों को बुला कर नया पोल लगवाने का कार्य प्रारंभ कराया। समाचार प्रेषण तक आपूर्ति चालू नहीं हो सकी थी।

कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी सस्ती दवाओं को विकसित करने में महत्वपूर्ण : डॉ. शैलेन्द्र अस्थाना

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के बॉयोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी और एनवायर्नमेंटल साइंस विभाग द्वारा एक व्याख्यान का आयोजन गुरुवार को किया गया।
ट्रांसलेशनल हेल्थ एंड साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, गुरुग्राम हरियाणा के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर शैलेंद्र अस्थाना ने कहा कि प्रोटीन के अध्ययन से कारगर एवं सस्ती दवा को विकसित किया जा सकता है जिससे विभिन्न प्रकार के असंचारी और संचारी बीमारियों को नियंत्रित किया जा सकता है। डॉ. अस्थाना ने कहा कि महंगी एंटीबाडी कैंसर जैसी बीमारी के इलाज में लाखों रुपए खर्च करने पड़ते है उसके विकल्प के तौर पर वे एंटीबाडी मिमिक्स विकसित करने पर लगे है जिससे कैंसर जैसी बीमारी पर होने वाली भारी भरकम खर्च को कम करके 8 से 10 हजार रुपये पर लाया जा सकता है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह की प्रेरणा एवं विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष द्वारा विद्यार्थियों में शोध के प्रति आकर्षण विकसित हो, ऐसे कार्यक्रमों के लिए सतत प्रयासरत है। कार्यक्रम का संचालन बायोटेक्नोलॉजी की शोध छात्रा मंजूषा ने किया और स्वागत प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. राम नारायन, डॉ. श्रीप्रकाश तिवारी, डॉ. मनीष कुमार गुप्ता एवं डॉ. विवेक पाण्डेय ने किया। डॉ. सिपाही लाल पटेल द्वारा कार्यक्रम के बारे में अवगत कराया एवं डॉ. श्वेता श्रीवास्तव अतिथि के संक्षिप्त जीवन परिचय के बारे में बताया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. दिनेश कुमार ने किया। इस कार्यक्रम में विज्ञान संकाय के बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी एवं एनवायर्नमेंटल साइंस के विद्यार्थी एवं शिक्षकों में डॉ. संजीव मौर्य, ऋषि श्रीवास्तव, डॉ. प्रतिमा, मिस ईशानी भारती, डॉ. दीपक, डॉ. अभय कुमार गुप्ता, शोध छात्र एवं बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी विभाग के छात्र उपस्थित रहे।

अधमरी अवस्था में मिली किशोरी उपचार के दौरान तोड़ा दम

केराकत। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के थानागद्दी चौकी अंतर्गत बुधवार को व्यापारी की नृशंक हत्या को अभी चौबीस घंटे भी नहीं बीते कि बराई (अवदर) गांव में गुरुवार की भोर में दलित किशोरी बदहवास हालत में मिली जिसको उपचार हेतु वाराणसी ले जाया जा रहा था जहां रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। मौत की खबर गांव में होते ही हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार बराई (अवदर) गांव निवासी मुन्नी देवी पत्नी रमेश कुमार का परिवार खाना खाकर सो गया। गुरुवार की भोर में अचानक गांव का ही एक लड़का मुन्नी देवी को जगाकर उसकी बेटी के बदहवास होने की बात बताई। लड़के की बात को सुन परिवार अवाक हो उठा। आनन फानन में नट बस्ती पहुंच देखा तो बेटी बदहवास हालत में थी। परिजन बेटी को गोद में उठाकर किसी तरह घर लाये। तत्पश्चात उपचार हेतु सिंधौरा निजी अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने किशोरी की हालत नाजुक देख भर्ती करने से मना कर किया जिसके बाद परिजन वाराणसी ले जा रहे थे कि रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। मौत की खबर होते ही ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना होते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। वहीं सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे एसपी डॉ. अजय पाल शर्मा, एसपी सिटी अरविंद कुमार शर्मा पहुंचे और घटना की जानकारी जुटाई। सुरक्षा के मद्देनजर गांव में भारी पुलिस फोर्स मौजूद रही। बता दें कि दबी जुबान में ग्रामीण दुष्कर्म होने की बात कह रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार मृतका का पिता रमेश कुमार रोजी रोटी के लिए सूरत में रहता है।

मुठभेड़ में शातिर चोर गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

एनकाउंटर

अभियुक्त के खिलाफ लाइन बाजार और जलालपुर थाना में दर्ज हैं मामले

लाइन बाजार और कोतवाली की संयुक्त पुलिस टीम को मिली सफलता

जनसंदेश न्यूज

जौनपुर। थाना लाइन बाजार व थाना कोतवाली की संयुक्त पुलिस टीम के साथ थाना लाइन बाजार अन्तर्गत मुठभेड़ में एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया गया है।

मुठभेड़ के दौरान उसके पैर में गोली लगी है। उसके कब्जे से तमंचा, खोखा कारतूस व चोरी के बेचे हुए सामान से प्राप्त 28,520 रूपया नकद बरामद किया गया। लाइन बाजार थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश सिंह को सुराग मिला कि चोरी की साजिश के तहत कुछ अंतर जनपदीय चोर कजगांव अंडरपास पुलिया के समीप जुटने वाले हैं। उन्होंने तुरंत उच्चाधिकारियों को अवगत कराया।

इसी बीच कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मिथिलेश मिश्र भी टीम के साथ लाइन बाजार पहुंच गए। संयुक्त टीम ने अंडरपास पुलिया के निकट घेराबंदी कर ली। करीब एक बजे संदिग्ध युवक आता दिखा। रुकने का संकेत देने पर पुलिस टीम पर गोली चलाते हुए भागने लगा। पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ फायरिंग की। वह दाहिने पैर में घुटने के नीचे गोली लगने से घायल होकर गिर गया। उसकी शिनाख्त वाराणसी के फूलपुर के बरहीं कला निवासी राज कुमार वेनवंशी के रूप में हुई। उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है।

आरोपी के उपर थाना लाइन बाजार और थाना जलालपुर में कई मामले दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि अभियुक्त के विरुद्ध समुचित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। उसके पास से पुलिस ने एक तमंचा, एक खोखा कारतूस और चोरी के बेचे हुए सामान से प्राप्त 28520 रूपये बरामद किया है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्र.नि. सतीश कुमार सिंह प्रभारी निरीक्षक थाना लाइन बाजार, प्र.नि. मिथिलेश कुमार मिश्रा प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली, उ.नि. रामप्रकाश यादव थाना कोतवाली, उ.नि. अरविन्द कुमार यादव थाना कोतवाली, उ.नि. सत्यवीर यादव थाना लाइन बाजार समेत पुलिस टीम शामिल रही।

प्रशासनिक सुधार विभाग की निरीक्षक ने विद्यालय व ब्लॉक का लिया जायजा

जनसंदेश न्यूज

चंदवक। वाराणसी मंडल की प्रशासनिक सुधार विभाग की निरीक्षक व जनहित गारंटी अधिनियम की नोडल अधिकारी प्रज्ञा सिंह ने प्राथमिक विद्यालय चंदवक व खंड विकास कार्यालय का निरीक्षण कर अभिलेखों का अवलोकन कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

प्राथमिक विद्यालय के निरीक्षण के दौरान खंड शिक्षा अधिकारी रमाकांत सिंह पटेल की उपस्थिति में कक्षाओं में पठन पाठन व आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की उपस्थिति पर संतोष व्यक्त किया। अभिलेखों के निरीक्षण के दौरान प्रधानाध्यापक आलोक रघुवंशी को विद्यालय में साफ सफाई परसंतोष व्यक्त करते हुए विशेष ध्यान देने का सुझाव दिया। खंड विकास कार्यालय में अभिलेखों के निरीक्षण में मनरेगा के कार्य संचालन की जानकारी लेने के दौरान निरीक्षक ने जब जनहित गारंटी अधिनियम 2011 के संबंध में एडीओ सहकारिता अशोक कुमार सिंह सहित अन्य लोगों से पूछताछ की तो लोग समुचित जबाब नहीं दे पाए जिस पर उन्होंने कहा कि इतने महत्वपूर्ण अधिनियम के बारे में जागरूकता के अभाव के कारण लोग अनभिज्ञ है। बताया कि मुझे वाराणसी मंडल का इस अधिनियम का नोडल अधिकारी बनाया गया है।

इसके तहत प्रार्थना पत्र दिए जाने से पेंशन स्वीकृति के लिए 60 दिन, जीपीएफ स्वीकृति पर निर्णय 30 दिन, चिकित्सा अवकाश पर निर्णय 15 दिन, मृतक आश्रित को नियुक्ति पर निर्णय 90 दिन सहित दस सेवाओं के अलावा सरकार द्वारा संचालित अन्य योजनाओं के संबंध में समय सीमा में निर्णय लिए जाने का प्रविधान अधिनियम में किया गया है। जिसका पालन न किए जाने पर अपील की जाती है। दोषी पाए जाने पर अर्थ दंड के साथ प्रशानिक कार्यवाही की जाती है। जागरूकता के अभाव में लोग इसका लाभ नहीं ले पा रहे हैं। लोगों को जागरूक किए जाने की आवश्यकता है।

17 पशुओं के साथ चार अन्तर्राज्यीय पशु तस्करों को पुलिस ने दबोचा

जनसंदेश न्यूज

मुंगराबादशाहपुर। थाना क्षेत्र के कोदहूं गांव के पास से ट्रक पर लदे 17 पशुओं को बरामद कर चार पशु तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार पशु तस्करों के पास से एक अदद तमंचा, खोखा एवं एक अदद जिंदा कारतूस बरामद किया।

थानाध्यक्ष विनोद कुमार मिश्र के मुताबिक रात गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि प्रयागराज मार्ग पर कुछ अन्तर्राज्यीय तस्कर पशुओं को लाद कर प्रयागराज से मुंगराबादशाहपुर की तरफ जाने वाले हैं। थानाध्यक्ष अपने सहयोगी उपनिरीक्षक गंगा सागर मिश्र, उपनिरीक्षक विनोद कुमार सिंह का. आनन्द कुमार सिंह, हरीश कुमार, जितेन्द्र यादव, विपिन यादव, राकेश मणि के साथ कोदहू पुलिया के पास वाहन चेकिंग शुरू किया। थोड़ी देर बाद एक ट्रक आता दिखाई दिया। जब पुलिस ने रूकने का संकेत दिया गया तो वाहन सवार तस्करों द्वारा पुलिस बल पर जान से मारने की नियत से फायर किया गया। पुलिस बल ने किसी तरह से वाहन पर सवार चारो पशु तस्करो को गिरफ्तार कर लिया गया और तलाशी लेने पर उनके पास से एक अदद तमंचा 315 बोर एक अदद खोखा कारतूस तथा एक अदद जिन्दा कारतूस बरामद हुआ।

वाहन पर लदे जानवरो को देखा गया तो उस पर 3 अदद गाय, 2 अदद बछड़े, 7 अदद भैस तथा 5 अदद पड़वा ट्रक पर क्रूरता पूर्वक रस्सी से बांध कर लादे गये थे। पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्तों ने अपना नाम पता राहुल कुर्मी निवासी ग्राम बुधुवा थाना मझगवा जिला जबलपुर मध्य प्रदेश, रमाशंकर मिश्र निवासी हैन्सी परजी थाना मान्धाता जनपद प्रतापगढ, सुशील कुमार कश्यप निवासी देवरी हरदोपट्टी थाना बाघराय जनपद प्रतापगढ़ तथा धर्मेन्द्र दुबे निवासी कस्बा पनागर (जगमोहन वार्ड) थाना पनागर जनपद जबलपुर मध्य प्रदेश बताया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध पशू क्रूरता अधिनियम मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है।

25 हजार का इनामिया गैंगस्टर गिरफ्तार

गौराबादशाहपुर। स्थानीय पुलिस ने 25 हजार के इनामियां गैंगस्टर को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष फूलचंद पांडे ने बताया कि जलालपुर थाने का वांछित गैंगस्टर एक्ट में निरुद्ध दीपक पासवान पुत्र रामचंद्र पासवान निवासी नुआव थाना दुर्गावती कैमूर भभुआ बिहार को मुखबिर की सूचना पर अखड़ों घाट के पास से दोपहर 12:30 बजे उसे वक्त गिरफ्तार कर लिया गया जब वह कहीं जाने के लिए वाहन का इंतजार कर रहा था।

कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने किया बलवा का मॉक ड्रिल

प्रैक्टिस

आंसू गैस के गोले, रबर बुलेट के सम्बन्ध में रिहर्सल कराकर दी गई अहम जानकारी

जौनपुर। जनपद में शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने व किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पुलिस द्वारा पुलिस लाइन में बलवा ड्रिल का अभ्यास किया गया। जहां आंसू गैस के गोले, रबर बुलेट सहित अन्य का प्रयोग करने की जानकारी दी गई। पुलिसकर्मियों को रिहर्सल करा कर बरती जाने वाली सावधानियों से भी अवगत कराया गया।

पुलिस अधीक्षक डा. अजय पाल शर्मा के निर्देशन में जनपदीय पुलिस की कार्यकुशलता को और निपुण व सशक्त बनाने तथा किसी भी परिस्थितियों से निपटने के लिए गुरूवार को पुलिस लाइन के परेड ग्रांउड पर बलवा ड्रिल का अभ्यास कराया गया। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेन्द्र सिंह द्वारा बलवा के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों व की जाने वाली कार्यवाही के सम्बन्ध में सभी को आवश्यक निर्देश दिये गये। ड्रिल के दौरान आंसू गैस के गोले, रबर बुलेट, फायर सर्विस व अन्य का प्रयोग करने की विधि बताकर रिहर्सल कराया गया। उन्होंने बताया कि ड्रिल के रिहर्सल से पुलिस बल को आने वाली किसी भी परिस्थितियों से निपटने में मदद मिलेगी। बलवा ड्रिल में आयुष श्रीवास्तव सहायक पुलिस अधीक्षक, देवेश सिंह क्षेत्राधिकारी सदर, शाहरूख खान क्षेत्राधिकारी प्रशिक्षु, अनुपम सिंह प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन व अन्य अधिकारी, कर्मचारीगण द्वारा प्रतिभाग किया गया।

पति के विरुद्ध पत्नी पहुंची थाने, हुआ चिकित्सकीय परीक्षण

सुइथाकला। थाना क्षेत्र के सुइथाकला गांव निवासिनी एक महिला अपने साथ पति द्वारा मारपीट किए जाने के मामले में थाने जा पहुंची। मामले को लेकर पुलिस द्वारा गुरुवार को उक्त महिला का स्थानीय सीएचसी पर चिकित्सकीय परीक्षण कराते हुए विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि उक्त गांव निवासिनी 34 वर्षीया नजरूल निशा पत्नी सरफुद्दीन थाने पहुंची। जहां उसने अपने साथ पति द्वारा मारपीट किए जाने का हवाला पुलिस को दिया। मामले को लेकर पुलिस गुरुवार को उक्त महिला का स्थानीय सीएचसी पर चिकित्सकीय परीक्षण कराते हुए विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में थानाध्यक्ष मनोज सिंह ने पति द्वारा दूसरी शादी किए जाने को लेकर विवाद का कारण बताया। उन्होंने कहा कि महिला की शिकायत पर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

पूर्व मंत्री की आशंका: भदोही में किडनी गायब करने वाले गिरोह सक्रिय

जताया डर

पूर्व मंत्री ने सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष बाल विद्या विकास यादव के आवास पर की प्रेसवार्ता

भदोही। कालीन नगरी भदोही के रणई याकूबपुर क्षेत्र में पिछले दिनों ग्यारह वर्षीय बालिका के बरामद क्षत विक्षत शव मिलने की विश्वकर्मा परिवार में घटी घटना का समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने संज्ञान लिया हैं। गुरुवार को समाजवादी पार्टी से पूर्व मंत्री रहे राम आसरे विश्वकर्मा ने पीड़ित परिजनों से मुलाकात की व पूर्व जिलाध्यक्ष बाल विद्या विकास यादव के आवास पर प्रेसवार्ता कर बीजेपी सरकार पर जमकर हमला बोला। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा ने भदोही पहुंच कर घटना स्थल पर जाकर पीड़ित परिवार से मिले। पीड़ित परिवार को सांत्वना देने के बाद समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष विकास यादव के आवास पर प्रेस वार्ता करके प्रदेश की कानून व्यवस्था पर जमकर हमला बोला। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि घटना सीधे सीधे पुलिस की लापरवाही से हुई है।

रड़ई गांव में पिछले दिनों 11 वर्षीय बालिका गायब हुई। 5 दिन बाद लाश मिली, इसमें पुलिस की लापरवाही साफ दिख रही है। 24 तारीख की रात बालिका गायब हुई, 26 को एफआईआर दर्ज हुआ। कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चलता है कि लड़की का पेट काट कर किडनी गायब किया गया है। उन्होंने कहा कि इसी गांव के बगल में दो वर्ष पूर्व एक लड़की की हत्या कर दी जाती है। लेकिन अभी तक घटना का खुलासा नहीं किया गया।

ये किडनी गायब करने वाले गिरोह भी हो सकते हैं। इस अवसर पर पुर्व जिलाध्यक्ष विकास यादव, प्रदेश सचिव आरिफ सिद्दीकी, जिला महासचिव ह्रदय नारायण प्रजापति, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्यामला सरोज, जिलाध्यक्ष प्रदीप यादव, मन्टु सिंह, रवि यादव, सरिता बिंद, केशनारायण यादव,डा.पवन विश्वकर्मा, सूबेदार विश्वकर्मा,आशीष विश्वकर्मा जिला मिडिया प्रभारी धर्मेन्द्र कुमार मिश्र पप्पू आदि मौजूद रहें।

महाकुंभ 2025 की तैयारी राजमार्ग पर की गई सफाई

जनसंदेश न्यूज

गोपीगंज। शासन के निर्देश पर महाकुंभ को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका परिषद गोपीगंज द्वारा वाराणसी प्रयागराज मार्ग पर बसे गोपीगंज नगर पालिका सीमा क्षेत्र में 10 दिसम्बर से 12 दिसम्बर तक महासफाई अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत वाराणसी प्रयागराज राजमार्ग पर नगर में सफाई अभियान के तहत राजमार्ग पर से बालू, रेता, ठेला का अतिक्रमण हटाने के साथ ही पटरियों से झाड़ियों की सफाई की जा रही है। इसके अलावा राजमार्ग पर सभी शौचालयों को साफ सुथरा किया जा रहा है। नगर पालिका के ईओ धर्मराज सिंह का सख्त निर्देश है कि राजमार्ग पर व सार्वजनिक स्थानों पर कहीं भी कूड़ा करकट न दिखाई दे।

दर्जनों सफाई कर्मचारी सफाई कार्य में लगे रहे। सफाई कर्मचारियों के साथ सफाई प्रभारी विनोद सेठ, रामानंद, लल्ला लगे हैं। राजमार्ग पर रोड पर या सर्विस लेन पर अतिक्रमण को भी देखा जा रहा है।

खेल से बच्चों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना होती है जागृत: डीएम

भदोही। जिला स्टेडियम मूंसी के ग्राउंड में दो दिवसीय 9वी मण्डलीय बाल क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी विशाल सिंह व विशिष्ट अतिथि सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक विंध्यांचल मंडल मीरजापुर शेषबाला रहे। मण्डलीय बाल क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि जिलाधिकारी विशाल सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में प्राथमिक विद्यालय घराव के बच्चों ने सरस्वती वंदना एवं कंपोजिट विद्यालय भुलईपुर भदोही ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के सह संयोजक मेजबान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भदोही भूपेंद्र नारायण सिंह ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि द्वारा झंडारोहण करने के बाद मार्च पास्ट की सलामी ली गई। मण्डल के तीनों जनपद की टीमो भदोही मीरजापुर और सोनभद्र ने मार्च पास्ट में हिस्सा लिया। जिलाधिकारी ने उपस्थित समस्त अध्यापकों एवं बच्चों को खेल से संबंधित शपथ ग्रहण कराया गया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि खेल से बच्चों में स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा की भावना जागृत होती है। कार्यक्रम का संचालन बीएल पाल जया त्रिपाठी व विजय पाल ने किया। इस अवसर पर वित्त एवं लेखाधिकारी अमन श्रीवास्तव राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक आशीष कुमार सिंह अखिलेश यादव ज्योति कुमारी धीरज सिंह ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

ससजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने किया परियोजना प्रबंधक का स्वागत

गोपीगंज। मिजार्पुर जनपद को जोड़ने वाला रामपुर जोपा पक्का पुल का निर्माण शुरू हो जाने पर सर्व समाज जनहित पार्टी का एक शिष्ट मंडल राष्ट्रीय अध्यक्ष विभूति नारायण सिंह के नेतृत्व मे बुधवार को मिजार्पुर पहुंचा, जहां सेतु निगम के परियोजना प्रबंधक रविशंकर उपाध्याय का अभिनंदन किया।

श्री उपाध्याय का माल्यार्पण कर और गुलाब का पुष्प देकर स्वागत करते हुए कहा कि पार्टी के प्रयास से स्वीकृत पुल का निर्माण कार्य शुरू हो जाने से भदोही की जनता में हर्ष व्याप्त है। श्री उपाध्याय ने बताया कि रास्ते क्यों लेकर निर्माण कार्य शुरू होने में कुछ विलंब हुआ कहां की काम अब शुरू हो गया है। लगभग ढाई साल में पुल का निर्माण पूरा हो जाएगा।शिष्ट मंडल में राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ महासचिव धनेश पंडा, एम एस शुक्ला चंचल, समर बहादुर सिंह, रमेश पाल व अन्य शामिल रहे।

वुडवर्ड के छात्रों का अनोखा प्रयास नुक्कड़ नाटक से फैलाई जागरूकता

कार्यक्रम

नुक्कड़ नाटक बना जनसंचार का सशक्त माध्यम

जनसंदेश न्यूज

भदोही। शहर के सिविल लाइन रोड स्थित वुडवर्ड पब्लिक स्कूल द्वारा वृहस्पतिवार को भदोही जनपद के विभिन्न स्थानों जैसे- राजपुरा चौराहा, चौरी, सुरियावाँ, औराई, खमरिया, रामपुर, गोपीगंज, इंद्रामील, अजीमुलाह चौराहा इत्यादि जगहो पर छात्रो ने विभिन्न विषयों पर जैसे, दहेज प्रथा, भ्रष्टाचार साइबर क्राइम, नशा मुक्ति, फुडवेस्ट मानसिक तनाव मोबाइल का दुष्प्रभाव इत्यादि विषयों पर छात्रो द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया ।

प्रतिभागियो मे जूनियर वर्ग के छात्रो में जिगर, ऐश्वर्या गुप्ता, आलियन, अयान, अवन्तिका, श्रद्धा, हार्दिक, यश, शुभी, आयत, हसीब खान तथा सीनियर वर्ग के छात्रों मे उज्ज्वल दुबे, ईशिता गुप्ता, आस्था दुबे, कामिनी, कोमल तिवारी, इकरा, अंजलि, प्रन्वी, सुंदरम, श्रेया, अर्पित, करन, अदिति, प्रदीप्ति, वेदिका, अखिल, शादाब, उदित, चन्दन आदि छात्र शामिल रहे, जिनका उद्देश्य था समाज में फैली अनेक समाजिक बुराइयों जो हमारे समाज को कमजोर बनाती है। इन्ही समस्याओ को उजागर करने तथा समाज मे जागरूकता फैलाने के लिए वुडवर्ड के छात्रो द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। जिसमे विद्यालय के प्रबन्धक पुनीत मेहरा, प्रधानाचार्या शालिनी मेहरा एव समस्त अध्यापकों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। जिससे समाज मे एक साकारात्मक बदलाव सम्भव हो सके।

उड़ाका दल से मारपीट के मामले पर शिक्षक समूह कुलपति से मिला

जताई चिंता

आरोपी कर्मियों व कॉलेज पर कार्रवाई करने की मांग की

जनसंदेश न्यूज

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की बुधवार को परीक्षा में प्रथम पाली में एक कॉलेज में उड़ाका दल के साथ कॉलेज के कर्मियों की मारपीट हो गई। मारने पीटने से नाराज उड़ाका दल की टीम व शिक्षक नेताओं ने कुलपति से मुलाकात की और कॉलेज पर कार्रवाई की मांग की।

बता दें कि बुधवार की प्रथम पाली में उड़ाका दल के संयोजक डॉ. योगेश शर्मा उनके साथ डॉ. राजेश कुमार सिंह, डॉ. किरण यादव श्री राम लखन सिंह शिक्षण संस्थान नकहरा खानदेव सिंगरामऊ में परीक्षा के निरीक्षण में पहुंचे। इस दौरान आरोप है कि वहां परीक्षा में तैनात कर्मचारियों से आईडी दिखाने की मांग को लेकर कहा सुनी हुई। देखते-देखते दोनों ओर से हाथापाई होने लगी। उड़ाका दल के टीम के संयोजक डॉ. योगेश शर्मा का कहना है कि कालेज कर्मियों ने जमकर पीट दिया उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। मामला शिक्षक संघ की जानकारी में पहुंचा, शिक्षक संघ के अध्यक्ष डा. राहुल सिंह, पूर्व अध्यक्ष डा. विजय प्रताप सिंह, महामंत्री डा. शैलेंद्र सिंह, शिक्षक नेता डॉ. नीलेश सिंह शिक्षक नेताओं के साथ और सभी उड़ाका दल की टीम विश्वविद्यालय में पहुंच गई। कुलपति प्रो. वंदना सिंह, परीक्षा नियंत्रक डा. विनोद कुमार सिंह, उपकुलसचिव अजीत प्रताप सिंह से मुलाकात की। उन्हें बताया कि परीक्षा में नकल कराई जा रही थी, जिसका विरोध किया गया, उस पर कालेज कर्मियों के साथ मारपीट की। शिक्षक नेताओं ने मांग की कि वहां की परीक्षा केंद्र को रद्द किया जाए और मारपीट करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई किया जाए। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने आश्वासन दिया और कहाकि कॉलेज ने अनुशासन को तोड़ा है उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद शिक्षक नेताओ ने आरोपी कॉलेज और कालेज कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक डॉ. अजय पाल शर्मा से मिलकर तहरीर दी। इस दौरान उत्तर प्रदेश स्ववित्तपोषित महाविद्यालय शिक्षक एशोसियेशन के महामंत्री डॉ. निलेश कुमार सिंह ने कुलपति को ज्ञापन देते हुए उड़ाका दल के संयोजक और सदस्यों पर जानलेवा हमले की घोर निंदा की और मामले की जांच के साथ ही कॉलेज के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। इस दौरान वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. जेपी सिंह, डा. राजबहादुर यादव, डॉ. प्रभाकर सिंह, डॉ. अमित सिंह, डॉ. संजीव सिंह, डॉ. विजय तिवारी, डॉ. प्रवीण सिंह, डॉ. यादवेश यादव, डॉ. प्रशांत त्रिवेदी, डॉ. लक्ष्मण सिंह, डॉ. अवनीश यादव, डॉ. राजेश सिंह मौजूद रहे।

छेड़छाड़ व पॉक्सो ऐक्ट का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

पवांरा। स्थानीय थाना क्षेत्र अन्तर्गत एक गांव निवासी ने बीते महीने थाने पर लिखित तहरीर दिया था कि आठ नवम्बर की सुबह उसकी को सजईंकला गांव का आशीष सरोज पुत्र भारत लाल सरोज हाथ पकड़कर खींचने लगा और निर्वस्त्र करने की कोशिश करने लगा। पुलिस ने उपरोक्त अभियुक्त के खिलाफ मु.अ.सं.183/2024 धारा 74, 76 बीएनएस व 7/8 पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्जकर अभियुक्त की तलाश शुरू कर दी थी। गुरुवार की सुबह उपनिरीक्षक सत्येन्द्र भाई पटेल ने पुलिस बल के साथ आशीष सरोज को सजईंकला से गिरफ्तार कर चालान हेतु न्यायालय भेज दिया।

राज्यमंत्री ने मुख्यमंत्री से मिलकर जताया आभार

जौनपुर। सदर विधानसभा के विधायक व प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव गुरूवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर जनपद के प्रयागीपुर केंद्रीय विद्यालय की स्वीकृति दिलाने हेतु जनता की तरफ से आभार प्रकट किया और साथ ही साथ ग्राम कबीरुद्दीनपुर पो. सरेमू थाना गौराबादशाहपुर के ताईक्वांडो खिलाड़ी स्व. अनुराग यादव की गला काटकर निर्मम हत्या कर दी गई थी स्व. अनुराग यादव के परिवार को एवं ग्राम लपरी तहसील शाहगंज के स्व. सत्यम बिन्द के परिवार के लिए आर्थिक सहायता दिलाने के सम्बन्ध में अनुरोध किया, जिसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा आश्वस्त किया गया।

शॉर्ट सर्किट से कार जलकर राख

जनसंदेश न्यूज

करंजाकला। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के सिद्दीकपुर समीप बुधवार की रात करीब 10 बजे लुंबिनी दुद्धी मार्ग पर चलती हुई एक कार में शार्ट होने से आग लग गई। जब तक दमकल की गाड़ी आग पर काबू पाती तब तक कार जलकर राख हो गई।

सरायख्वाजा गांव के निवासी अशोक कुमार सिंह सिद्दीकपुर स्थित एक निजी विद्यालय में प्रधानाचार्य के पद पर कार्यरत है। रोज की तरह बुधवार रात करीब 10 बजे वह अपने घर से विद्यालय के लिए जा रहे थे जैसे ही वह सिद्दीकपुर पेट्रोल पंप के समीप पहुंचे तब तक गाड़ी के अगले हिस्से से धुंआ निकलने लगा। जब उन्होने गाड़ी को सड़क किनारे लगाकर देखा तो गाड़ी में शार्ट सर्किट से आग लगी हुई थी। उधर आग की लपटें देखते ही आसपास से सैकड़ों की संख्या में लोग एकत्रित हो गए। थोड़ी देर में सूचना पर दमकल की गाड़ियां भी पहुंच गई लेकिन तब गाड़ी पूरी तरह जलकर राख हो गई थी। थानाध्यक्ष दिलीप सिंह ने बताया घटना की जानकारी होते ही आग पर काबू पाने के लिए दमकल की गाड़ियां मंगाई गई थी लेकिन तब तक आग लगने के कारण गाड़ी पूरी तरीके से नष्ट हो चुकी थी।

10 लीटर कच्ची शराब के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

पवांरा। मीरगंज थाना पुलिस व आबकारी टीम ने दस लीटर कच्ची शराब के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। बुधवार की शाम उपनिरीक्षक शमीम खां, हेड कान्सटेबल रमाकान्त सरोज के साथ क्षेत्र में भ्रमणशील होकर संदिग्ध व्यक्तियों व संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रहे थे कि इसी बीच आबकारी निरीक्षक इन्द्रजीत कुमार, कान्सटेबल अखिलेश कुमार व जिल्लेदार बिन्द के साथ आकर और आपस में बातचीत करने लगे तभी मुखबिर की सूचना पर भटहर से बंधवा जाने वाली पहली पुलिया के पास से एक अभियुक्त सोनू कुमार गौतम पुत्र छोटेलाल निवासी सरायदेवा थाना मीरगंज को एक पिपिया में दस लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने गिरफ्तार किये गये अभियुक्त के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्जकर आवश्यक विधिक कार्रवाई में जुट गयी है।

डॉ. अभिषेक रावत अध्यक्ष और सचिव चुने गये डॉ. देवी प्रसाद

चुनाव

आईएमए का चुनाव सम्पन्न ज्योत्स्ना भवन में आयोजन

जनसंदेश न्यूज

शाहगंज। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) द्वारा चुनाव सम्बन्धित बैठक ज्योत्स्ना भवन में आयोजित किया गया। बैठक में नये कार्यकाल हेतु अध्यक्ष एवं सचिव का चुनाव सम्पन्न हुआ। मुख्य चुनाव अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक डा. रफिक फारुकी एवं रिटर्निंग अधिकारी डा. डीके गुप्ता रहे। इन्हीं के नेतृत्व में चुनाव सम्पन्न हुआ। सर्वसम्मति से आर्थोपेडिक सर्जन डा. अभिषेक रावत को ध्वनिमत से नया अध्यक्ष चुना गया। वहीं शिशु रोग विशेषज्ञ डा. देवी प्रसाद पुष्पजीवी सचिव निर्वाचित हुये। पूर्व अध्यक्ष डा. एसएल गुप्ता एवं पूर्व सचिव डा. सुधाकर मिश्र ने आगंतुक चिकित्सकों का आभार व्यक्त कर नव निर्वाचित अध्यक्ष और सचिव को बधाई दी। नव निर्वाचित अध्यक्ष डा. अभिषेक रावत ने कहा कि संगठन ने जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है उसे तन मन धन एवं सच्ची निष्ठा व लगन से पूरा करने का प्रयास रहेगा।

चिकित्सकों के हित के साथ साथ मरीजों को भी यथा सम्भव मदद मिले यह भी प्रयास होगा। चिकित्सकीय पेशे में आई गिरावट को दूर कर निर्धनो की मददगार बने चिकित्सक ऐसी मेरी सोच है। जिससे डाक्टर का सम्मान समाज में स्थापित रहे। महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देने हेतु चिकित्सकों का आभार प्रकट किया। इस दौरान डा. डीएस यादव, डा. महेंद्र यादव, डा. जावेद अहमद, डा. जेपी दूबे, डा. रुचि मिश्रा, डा. महफूज अहमद, डा. आकांक्षा सिंह, डा. सुनील दुबे, डा. वाहिद, डा अब्दुलाह आदि चिकित्सक मौजूद रहे।

संक्षेप

दिव्यांग बच्चों में वितरित हुआ उपस्कर उपकरण

भदोही। जिलाधिकारी विशाल सिंह के निर्देशन एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेंद्र नारायण सिंह के मार्गदर्शन में समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय एवं एलिमको कानपुर के सहयोग से परिषदीय प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक विद्यालय में अध्यनरत 6 से 14 वर्ष तक के दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने व दिव्यांग बच्चों को स्कूल पर पहुंचने व शैक्षणिक कार्य में सहयोगी आवश्यक उपस्कर व उपकरण उपलब्ध कराने हेतु गुरूवार को ब्लाक संसाधन केंद्र रोटहां में उकरण वितरण कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न दिव्यांगताओं से ग्रस्त 45 बच्चों को उपस्कर उपकरण उपलब्ध कराया गया। नैदानिक मनोवैज्ञानिक डॉ. अशोक परासर के हाथों उपकरण प्राप्त कर बच्चों के चेहरे खिल उठे। इस अवसर पर एलिमको कानपुर के पुनर्वास विशेषज्ञ पी एंड वो रामानंद कुमार, ऑडियोलॉजिस्ट राजू, फैब्रिकेटिक्स नरेंद्र और मनोज के साथ जिला समन्वयक समेकित शिक्षा रश्मि मिश्रा, डॉ. जेपी सिंह, स्पेशल एजुकेटर विजय मौर्या, सरिता मिश्रा, मनोज सिंह, विवेक पाठक, संदीप वर्मा, मीरा प्रजापति, श्याम बहादुर यादव, राणा गोविंद, सुनील कुमार, शक्तिमान उपाध्याय, सुशील उपाध्याय, मनोज कुमार, सत्येंद्र कुमार द्विवेदी आदि ने सहयोग प्रदान किया।

मैजिक के धक्के से बाइक सवार महिला गंभीर

गोपीगंज। कोतवाली गोपीगंज क्षेत्र के राजमार्ग के गिराई स्थित कर्बला के सामने अज्ञात मैजिक ने बाईक में टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार संगीता उम्र 40 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के संबंध में बताया जाता है कि संगीता पत्नी रामलोलारख बिंद ग्राम इब्राहिमपुर सेमराध बाईक से गोपीगंज दवा लेने आई थी, दवा लेकर वापस घर को लौट रही थी कि राजमार्ग के गिराई स्थित कर्बला के सामने पीछे से आ रही मैजिक ने बाईक में टक्कर मार दी, जिससे महिला गम्भीर रूप से घायल हो गयी, जिसे तत्काल 108 एम्बुलेंस के पायलट कमलेश कुमार ईएमटी दिनेश यादव ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोपीगंज में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल को रेफर कर दिया गया। वहीं सूचना पर परिजन हॉस्पिटल में पहुंच गए थे। बताते चले कि वही बाईक चालक को मामूली चोट आई है।

प्रदेश स्तरीय समन्वय जूनियर बालिका कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

जौनपुर। क्रीड़ा अधिकारी डा. अतुल सिन्हा ने अवगत कराया है कि खेल निदेशालय उ.प्र. लखनऊ के तत्वावधान में खेल विभाग उ.प्र. एवं उ.प्र. कबड्डी संघ के समन्वय से प्रदेश स्तरीय समन्वय जूनियर बालिका कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 18 से 20 दिसम्बर तक आगरा में किया जा रहा है। उक्त के क्रम में जनपद की जूनियर बालिका कबड्डी खिलाड़ियों का जनपदीय चयन परीक्षण 14 दिसम्बर को पूर्वान्ह 10 बजे से इन्दिरा गांधी स्टेडियम सिद्दीकपुर में किया जायेगा। जनपद स्तर पर चयनित जूनियर बालिका कबड्डी खिलाड़ी ही 16 दिसम्बर को आयोजित मण्डल स्तरीय चयन/ट्रायल्स, जो डॉ. सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स काम्पलेक्स सिगरा वाराणसी में प्रातः 9.30 बजे से किया जायेगा, में प्रतिभाग करेंगी। मण्डल स्तरीय चयन/ट्रायल्स उपरान्त मण्डल की टीम का गठन किया जायेगा, मण्डल स्तरीय टीम ही प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता जो आगरा में आयोजित हो रही है, में प्रतिभाग करेगी। इच्छुक खिलाड़ी निर्धारित प्रारूप पर अपना पात्रता प्रमाण पत्र फोटो सहित तथा आयु प्रमाण-पत्र प्रधानाचार्य द्वारा प्रमाणित तथा आधार कार्ड के साथ, हाईस्कूल अंक पत्र की छायाप्रति साथ लेकर जनपदीय चयन/परीक्षण में प्रतिभाग कर सकते हैं।

अज्ञात वाहन की चपेट आने से बाइक सवार युवक घायल

गोपीगंज। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिखापुर में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से शिवप्रकाश यादव पुत्र लालमणि यादव निवासी पकरी कला थाना सुरियांवा गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बताया जाता है कि शिव प्रकाश यादव घर से गोपीगंज को किसी कार्यवश जा रहे थे, इसी बीच अचानक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हुए, तत्काल ग्रामीणों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोपीगंज में भर्ती कराया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल को रेफर कर दिया गया।

गीता महोत्सव में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम से अतिथियों का मन मोहा

खेतासराय। क्षेत्र के मानीकलां के रामलीला मैदान में मोच्छदा एकादशी एवं गीता जयंती के उपलक्ष्य पर गीता महोत्सव का आयोजन हुआ। प्रधानाध्यापक सत्यदेव तिवारी एवं प्रधानाध्यापक अखिलेश चन्द्र मिश्र एवं सर्वेश ने दीप प्रज्वलित किया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में राकेश मिश्र समदर्शी एवं डा. अविनाश पाथर्डीकर ने गीता के महत्वपूर्ण बिन्दुओं को सरलता से समझाया उन्होंने अपने वक्तव्य में समाज के विभिन्न मतभेद को मिटाते हुए धार्मिक ग्रन्थों को पढ़ने की आग्रह किया। बता दे कि गीता महोत्सव में श्री गणेशजी बालोद्यान सन्दहां विद्यालय के बच्चों ने सास्कृतिक कार्यक्रम से अतिथियों का मनमोह लिया। छोटे बच्चों द्वारा गीता श्लोकों का वाचन सुन उपस्थित जनमानस भावविभोर हो गये। प्रधानाध्यापक चन्द्रशेखर तिवारी ने आग्रह किया कि सभी लोग अपने भारतीय संस्कृति पर ध्यान दे जिससे बच्चों के अन्दर अपने देश के प्रति गर्व हो। इस अवसर पर मुख्य रूप से अवधेश पाण्डेय, मनीष गुप्ता, भास्कर तिवारी, जय प्रकाश गुप्ता, अमित तिवारी एडवोकेट, सूरज चौहान, प्रेम यादव, रामकिशुन सोनकर, अशोक बेनवंशी, आदेश चन्द्र, शुभम मोदनवाल, विक्की, रमेश एवं सभी गीता महोत्सव समिति के पदाधिकारी और क्षेत्रीय जनमानस उपस्थित रहे।

प्रभारी विहीन चल रही सराय मोहिउद्दीनपुर पुलिस चौकी

सुइथाकला। थाना क्षेत्र की सर्वाधिक महत्वपूर्ण पुलिस चौकी सराय मोहिउद्दीनपुर वर्तमान में प्रभारी विहीन चल रही है। ऐसे में फरियादियों को सरपतहा थाने का चक्कर लगाना पड़ रहा है। लखनऊ-बलिया राजमार्ग पर सराय मोहिउद्दीनपुर बाजार में चौराहे पर स्थित पुलिस चौकी थाना सरपतहां की महत्वपूर्ण पुलिस चौकी मानी जाती है। उक्त बाजार समेत सराय मोहिउद्दीनपुर, जहरूद्दीनपुर, भटौली, जंगीपुर, बुढ़ूपुर आदि दर्जनों गांवों की शांति और सुरक्षा व्यवस्था का जिम्मा लिए उक्त पुलिस चौकी वर्तमान समय में प्रभारी विहीन चल रही है। यहां पर बतौर प्रभारी तैनात रहे उपनिरीक्षक विजय शंकर सिंह के सेवानिवृत्त होने के बाद से ही उक्त चौकी एक पखवाड़ा होने को जा रहा है प्रभारी विहीन पड़ी हुई। हालांकि वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में थाने पर तैनात उपनिरीक्षक राम प्रीति राम को लगाया गया है पर अतिरिक्त प्रभार के चलते अधिकांश समय उक्त चौकी तैनात आरक्षियों के सहारे ही रह जाती है। ऐसे में छोटे से लेकर बड़े तमाम मामलों के फरियादियों को राहत नहीं मिल पा रही है। चौकी क्षेत्र के लोगो को छोटे से बड़े फरियाद तक के लिए थाने का चक्कर लगाना ही पड़ रहा है। क्षेत्र में चौकी प्रभारी की तैनाती न होने को लेकर लोगों में तमाम तरह की चचाएं होती दिख रही है।

भारतीय किसान यूनियन की बैठक

जंघई। कार्यालय में भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश सचिव राजनाथ यादव ने किसानों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में जंघई क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर वार्ता की गई और एक पांच सुत्रीय मांगपत्र तैयार किया गया, जिसे जिला अधिकारी के नाम सौंपने की तैयारी की जा रही है। बैठक में चर्चा की गई समस्याओं में जंघई मछली शहर फाटक बंद होने से जाम की समस्या, किसानों को डीएपी खाद न मिलना, जंघई बाजार में जाम लगना, जंघई नागरिक इंटर कालेज की जमीन पर प्रबंधक द्वारा अवैध मैरिज हॉल का निर्माण और जंघई स्टेशन पर शुलभ शौचालय की अनुपलब्धता शामिल हैं। इन समस्याओं को लेकर केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री को जिलाधिकारी द्वारा मांग पत्र दिया जाएगा। इस बैठक में गंगा प्रसाद यादव, प्रेम राज मिश्रा, कोमल यादव, शिव कुमार सिंह, प्रकाश चन्द्र, राम चरण, निषाद तिवारी, रोहित पटेल उपस्थित रहे और उन्होंने अपनी समस्याओं को साझा किया।

स्टेशन पर चलाया गया चेकिंग अभियान

जंघई। प्रयागराज मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने के कार्यक्रम को देखते हुए जीआरपी आरपीएफ तथा सिविल पुलिस ने जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन पर चेकिंग अभियान चलाया। गुरूवार की शाम सात बजे जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन पर पहुचे मीरगंज थानाध्यक्ष रमेश कुमार जीआरपी प्रभारी प्रयोद कुमार यादव, आरपीएफ प्रभारी दीपक कुमार के नेतृत्व में पहुची पुलिस ने जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन पर चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान आने जाने वाले वाहनों को भी चेक किया गया। सकुर्लेटिंग एरिया पावर केविन प्लेट फार्म पर चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान यात्रा कर रहे यात्रियों के बैग भी तलाशे गये। सकुर्लेटिंग एरिया में आने वाले वाहनो की डिग्गी खोलकर चेक किया। इस दौरान जंघई चौकी इंचार्ज मुन्नीलाल के साथ आरपीएफ जीआरपी व मीरगंज थाने के पुलिस शामिल रहे। थानाध्यक्ष रमेश कुमार ने बताया की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को देखते हुए सुरक्षा की दृष्टि से चेकिंग अभियान चलाया गया है।

जनसंदेश टाइम्स प्रा.लि.के लिए **प्रवीण कुमार कुशवाहा**, सी 28 /121, तेलियाबाग, प्रथम तल, वाराणसी से प्रकाशित एवं मीडिया टेक्स्ट (Media Text) प्रा.लि. प्रेस, रोहनिया, वाराणसी से मुद्रित।

प्रधान सम्पादक - सुभाष राय

स्थानीय सम्पादक -प्रवीण कुमार कुशवाहा

पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बन्धित विवादों का न्याय क्षेत्र वाराणसी होगा।

फोन नं. 8177008889

आरएनआई नं. **UPHIN/2012/46221**

डाक पंजीयन सं.: जीपीओएलडब्ल्यू / एनपी - 78/2011-13।

गृहकर के बड़े बकायेदारों पर कार्रवाई हुई प्रारम्भ

सख्ती

नगर निगम सख्त, जड़ा एक मकान पर ताला

लोगों की लगी भारी भीड़ 126 ने जमा किये चार लाख रुपए

वाराणसी। नगर निगम ने शहर के गृहकर के बड़े बकायेदारों पर अब कुर्की की कार्यवाही शुरू कर दी है। विभाग ने शहर के बड़े बकायेदार को पहले नोटिस भेजकर जहां टैंक्स जमा करने की अपील की थी ,वही समय से गृहकर अदायगी किए जाने पर मकान पर ताला बंद करने में भी लग गया है। इसको लेकर नगर आयुक्त अक्षत वर्मा के निर्देश पर नगर निगम ने शहर के बड़े बकायेदारों पर सख्ती शुरू कर दी है। इसी क्रम में दशाश्वमेध जोन में भवन संख्या-17/9,पर रु0 3.83 लाख का गृहकर बकाया था। नगर निगम द्वारा बार-बार गृहकर जमा करने हेतु नोटिस दिया गया,परन्तु भवन स्वामी द्वारा गृहकर जमा नही किया जा रहा था। जोनल अधिकारी जितेन्द्र कुमार आनंद के नेतृत्व में कर अधीक्षक दिलशाद हिदायत प्रवर्तन दल के टीम के साथ उक्त प्रतिष्ठान पर पहुंचा,और लाखों रूपया टैक्स बकाए रहने पर उनके प्रतिष्ठान में ताला बन्द कर दिया। इस दौरान नगर निगम की टीम को लावलश्कर के साथ देखकर लोगों की भारी भीड़ लग गई,वहीं विभाग की हुई सख्त कार्यवाही से पूरे इलाके में अफराफरी मच गई। नगर निगम के कड़े एक्शन से प्रतिष्ठान पर ताला बन्द होने के पश्चात भवन स्वामी ने तत्काल एक लाख रूपया जमा किया और शेष बचा बकाया धनराशि अगले दिन देने का आश्वासन दिया। जोनल अधिकारी ने बताया कि पूर्ण धनराशि प्राप्त होने के पश्चात ताला खोला जाएगा। नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने निर्देशित किया हैं कि सभी बड़े बकायेदारों से नियमानुसार कुर्की की कारवाई में तेजी लायी जाय। उधर प्रतिदिन की तरह ही गुरूवार को भी नगर निगमने शहर के सभी जोनो पर कैंप लगाया। जिसमें जोनल कर अधीक्षकों के नेतृत्व में दशाश्वमेध जोन में 27 भवन स्वामियों ने रु0 44.50 हजार, सारनाथ जोन में 27 भवन स्वामियों के द्वारा रु0 45 हजार गृहकर जमा कियागया,वहीं कोतवाली जोन में 18 लोगों ने रु0 1.60 लाख और आदमपुर जोन में 12 मकान मालिको द्वारा रु0 30 हजार मकान टैक्स की अदायगी की गई,जबकि वरूणापार जोन में कुल 35 भवन स्वामियों का एक लाख गृहकर जमा हुआ।

कर आयुक्त के समक्ष करदाताओं की रखी पीड़ा

बैठक

दोषी अधिकारियों के खिलाफ जल्द ही की जाएगी कार्रवाई : डॉ. बंसल

करदाताओं और कर-पेशेवरों की समस्याओं के समाधान पर गंभीर चर्चा

वाराणसी। राज्य कर (जीएसटी) आयुक्त डॉ. नितिन बंसल को गुरुवार को सामने पाकर कर अधिवक्ताओं ने करदाताओं की समस्याओं और पीड़ा को रखा। बताया कि स्थानीय जीएसटी कार्यालयों में काफी अनुशासनीहता व्याप्त है। भ्रष्टाचार इतना बढ़ गया है कि करदाता ही कर अधिवक्ता परेशान है। इस बाबत कर अधिवक्ताओं ने राज्य कर आयुक्त को पत्रक भी सौंपा।

चेतगंज स्थिज राज्य कर के जोनल कार्यालय सभागार में हुई बैठक में स्थानीय बार के पदाधिकारियों, व्यापारिक संगठनों और जीएसटी शिकायत निवारण समिति के सदस्यों ने मुखर होकर अपनी बात रखी। वरिष्ठ कर-अधिवक्ता और जीएसटी शिकायत निवारण समिति के सदस्य आसिम जफर ने राज्य जीएसटी अधिकारियों द्वारा करदाताओं और कर-पेशेवरों के प्रति किए गए अनुशासनहीन व्यवहार और भ्रष्टाचार पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं के कारण करदाताओं को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और उनके अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। बैठक के दौरान जीएसटी शिकायत निवारण समिति के सदस्य आसिम जफर ने कुछ भ्रष्ट अधिकारियों के नाम और संबंधित मामलों की जानकारी आयुक्त को दी और उनसे इन मामलों की जांच की मांग की। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि राज्य जीएसटी अधिकारियों को उचित प्रशिक्षण दिया जाए ताकि उनके कर संबंधी ज्ञान में वृद्धि हो सके और इस तरह की समस्याओं से बचा जा सके। अन्य वक्ताओं ने भी विभागीय कार्यप्रणाली की खुलकर चर्चा की और समस्याओं के समाधान के लिए सकारात्मक दिशा में कार्य करने की आवश्यकता को प्रमुखता दी। राज्य कर आयुक्त डॉ. नितिन बंसल ने सभी उपस्थित व्यक्तियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना और अधिकारियों को इस विषय में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन स्तर पर इस मुद्दे को गंभीरता से लिया जाएगा। आयुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य जीएसटी अधिकारियों के खिलाफ शासन स्तर से कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता और भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और संबंधित अधिकारियों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। बैठक में सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमोद राम त्रिपाठी, वाराणसी टैक्स बार एसोसिएशन के नागेश्वर सिंह 'महादेव', आईटीऐटी बार एसो. के अध्यक्ष अरविंद शुक्ल, शरद त्रिपाठी, अवनीकांत पांडेय, अतुल पांडेय आदि उपस्थित थे।

अर्थशास्त्र विभाग में पीएचडी. कोर्सवर्क की कक्षाएं 16 से

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के अर्थशास्त्र विभाग में पीएचडी कोर्सवर्क-2022 के विद्यार्थियों की कक्षाएं 16 दिसंबर से प्रारंभ हो रही हैं। विभागाध्यक्ष प्रो. राजीव कुमार ने बताया कि इस क्रम में सभी विद्यार्थी 14 दिसंबर को सुबह 11 बजे विभाग में संपर्क करें। उन्होंने कहा कि कक्षाओं में विद्यार्थियों की 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है।

रेड स्पोर्टिंग ने एवरग्रीन क्लब को 3-1 से हराया

स्पोर्ट्स

परमानंदपुर स्थित मिनी स्टेडियम में खेली जा रही जिला स्तरीय बालिका हॉकी प्रतियोगिता

वाराणसी। रेड स्पोर्टिंग ने गुरुवार को रामदुलारी देवी स्मृति जिला स्तरीय बालिका हॉकी प्रतियोगिता में एवरग्रीन क्लब को 3-1 से पराजित कर पूरे अंक हासिल किए।

परमानंदपुर स्थित मिनी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में शुरूआती दौर से रेड स्पोर्टिंग के खिलाड़ियों ने छोटे-छोटे पास का सहारा लेकर एवरग्रीन क्लब पर दबाव बनाए रखा और पहली सफलता खेल के पांचवें मिनट में जाह्नवी मौर्य के पास पर अंशिका शर्मा ने शानदार गोल कर अपनी टीम को 1-0 से आगे कर दिया। एक गोल से बिछड़ने के बाद कप्तान पीहू, नंदिनी श्रीवास्तव व रोशनी पटेल ने संयुक्त रूप से आक्रामक रणनीति अपनाई लेकिन टीम रेड क्लब की मजबूत रक्षा पंक्ति के सामने उनकी एक न चली। प्रथम हाफ में रेड क्लब 1-0 से आगे रही।

खेल के दूसरे हाफ में टीम एवरग्रीन क्लब ने मैच में वापसी के लिए जोरदार संघर्ष किया और इसका फायदा खेल के 32वें मिनट में मिला, जब नंदनी श्रीवास्तव के पास पर रोशनी पटेल ने शानदार गोल कर स्कोर 1-1 की बराबरी पहुंचा दिया। खेल के 37वें मिनट में अनु पाल के पास पर नन्दनी प्रजापति ने कलात्मक गोल कर टीम रेड क्लब को 2-1 की बढ़त दिला दी। तीन मिनट बाद जाह्नवी मौर्य ने दो खिलाड़ियों को छकाते हुए शानदार गोल कर स्कोर 3-1 कर दिया। मैच के दौरान सानिया, नन्दनी श्रीवास्तव , रोशनी पटेल , अनु पाल, दीपिका यादव ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया।

मांगलिक कार्यों पर 15 से लग जायेगा विराम

एक माह का होगा विराम

सूर्य ग्रह के राशि परिवर्तन के साथ खरमास होगा प्रारंभ

सूर्य ग्रह आये वृच्छिक राशि से धनु राशि में

कर्क, तुला, कुंभ, मीन राशि वालों को मिलेगी सफलता

राधेश्याम कमल

वाराणसी। भारतीय ज्योतिष में सूर्यग्रह का नवग्रहों में प्रमुख स्थान बताया गया है। ज्योतिष की गणना के मुताबिक मेष राशि से मीन राशि तक सूर्य ग्रह हर मास अपनी राशि बदलते हैं। जिसका व्यापक प्रभाव पूरे विश्व में देखने को मिलता है। सूर्य के राशि परिवर्तन के साथ 15 दिसम्बर रविवार से खरमास प्रारंभ हो जायेगा। ज्योतिष के मुताबिक जब सूर्य ग्रह धनु व मीन राशि में रहते हैं तब खरमास की स्थिति बनती है। खरमास की अवधि में मांगलिक कार्यों पर विराम लग जाता है। जबकि धार्मिक कृत्य विधि विधान पूर्वक यथावत होते रहेंगे। मांगलिक कृत्यों में विवाह, गृह प्रवेश, गृह निर्माण, नव प्रतिष्ठान या व्यवसाय, वधू प्रवेश, मुंडन, उपनयन संस्कार,देव प्रतिमा प्रतिष्ठा, नव निर्माण आदि सभी कार्य खरमास की समाप्ति तक स्थगित रहेंगे। ज्योतिषविद् पं. विमल जैन ने बताया कि धनु संक्रांति के दिन सूर्य धनु राशि में,चन्द्रमा मिथुन राशि में , मंगल-कर्क राशि में,बुध-वृश्चिक राशि में, वृहस्पति-वृषभ राशि में, शुक्र-मकर राशि में, शनि-कुंभ राशि में, राहु-मीन राशि में तथा केतु कन्या राशि में विराजमान रहेंगे।

विश्व पटल पर अकल्पित घटनाएं देखने को मिलेंगी

पं. विमल जैन के मुताबिक मंगल शनि में षडाष्टक योग बन रहा है। जो कि विशमता का सूचक है। ग्रहयोगों के फलस्वरूप विश्व पटल पर कई अकल्पित व अनहोनी घटनाएं देखने को मिलेगी। सत्ता पक्ष व विपक्ष के राजनीतिक दलों में आपसी आरोप-प्रत्यारोप तथा अनर्गल वार्तालाप की स्थिति बनेगी। देश-विदेश में कहीं-कहीं पर सत्ता परिवर्तन तथा मंत्री मंडल में परिवर्तन आदि का भी योग बन रहा है।

शेयर-वायदा व वित्तीय बाजार में होगा उतार-चढ़ाव

शेयर, वायदा, धातु, व वित्तीय बाजार में उतार चढ़ाव के साथ विशेष हलचल देखने को मिलेगी। अनिश्चितता का वातावरण रहेगा। दैविक आपदाएं, जल थल वायुयान दुर्घटवाओं का प्रकोप तथा कहीं-कहीं आगजनी की घटना की आशंका रहेगी। विशेष मुद्दे को लेकर जन आंदोलन मुखर होगा। मौसम में भी अकल्पित परिवर्तन तथा आंधी-तूफान व वर्षा से भूस्खलन की आशंका भी बनी रहेगी। धार्मिक पक्ष को लेकर जागरुकता बनी रहेगी।

द्वादश राशियों पर पड़ेगा प्रभाव

मेष- भौतिक सुख-सुविधा में कमी,प्रतिष्ठा पर आघात की आशंका, यात्रा निष्फल।
वृषभ- ग्रह स्थिति प्रतिकूल, विरोधी प्रभावी,मान-हानि
मिथुन- सफलता में बाधा, बौद्धिक क्षमता में कमी, उन्नति में व्यवधान
कर्क- आरोग्य सुख,परिस्थितियों में सुधा्र,आकस्मिक लाभ, पदोन्नति।
सिंह- कार्य व्यवसाय में निराशा, स्वास्थ्य में शिथिलता, वाद-विवाद की संभावना,विश्वासघात की आशंका
कन्या-संकल्प विकल्प की स्थिति,विचारों में उग्रता,पारिवारिक व मानसिक अशांति
तुला-आय के नवीन साधन सुलभ,यात्रा सार्थक, कर्ज अदायगी का प्रयास
वृश्चिक- व्यावसायिक प्रगति में बाधा,स्वास्थ्य को लेकर चिंता,शत्रु प्रभावी।
धनु- आरोग्य सुख में व्यतिक्रम, प्रियजनों से मतभेद, क्रोध की अधिकता
मकर- अभिलाषा की पूर्ति में बाधा, व्यय की अधिकता, समय आशा के विपरित।
कुंभ- सफलता के सुअवसर,लाभ का मार्ग प्रशस्त, यात्रा से लाभ
मीन- विविध पक्षों में प्रगति, नवीन योजना में रूचि,बुद्धि चातुर्य से सफलता।

आईआईटी बीएचयू व एनआईटी जमशेदपुर में एमओयू

करार

दोनों संस्थानों में सहयोगात्मक अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए समझौता पत्र पर किए गए हस्ताक्षर

वाराणसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बीएचयू और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) जमशेदपुर के बीच बुधवार को आईआईटी बीएचयू के निदेशक कार्यालय के समिति कक्ष में एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस साझेदारी का उद्देश्य संस्थागत सहयोग को बढ़ावा देना है, जिसमें इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन के क्षेत्र में अनुसंधान, प्रशिक्षण और उद्यमिता विकास को प्राथमिकता दी जाएगी।

यह एमओयू आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो. अमित पात्रा और एनआईटी जमशेदपुर के निदेशक प्रो. गौतम सूत्रधर के द्वारा तीन वर्षों के लिए हस्ताक्षरित किया गया। साझेदारी के बारे में जानकारी देते हुए प्रो. अमित पात्रा ने कहा कि इस एमओयू का उद्देश्य संयुक्त परियोजनाओं को लागू करना है, जिसके तहत राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फंडिंग एजेंसियों को परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाएंगे। ये परियोजनाएं नागरिक इंजीनियरिंग, कंप्यूटर विज्ञान, विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार, सूचना प्रौद्योगिकी, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, धातुकर्म और सामग्री जैसे विभिन्न क्षेत्रों में होंगी। इसका उद्देश्य दोनों संस्थानों के संयुक्त संसाधन और विशेषज्ञता का उपयोग करके अनुसंधान और प्रौद्योगिकी में प्रगति करना है।

इसके अतिरिक्त यह एमओयू संकाय सदस्य, विशेषज्ञ और छात्रों के आदान-प्रदेन की व्यवस्था करता है, ताकि ज्ञान साझा किया जा सके और अनुसंधान यात्राओं के माध्यम से अनुभव साझा किया जा सके। इस सहयोग में शैक्षिक सामग्री और संसाधनों का साझा करना और छात्रों के लिए सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम आयोजित करना भी शामिल है। दोनों संस्थान शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए संयुक्त पाठ्यक्रमों का विकास, नए पाठ्यक्रमों की शुरूआत और कौशल-आधारित मानव संसाधन विकास के लिए शोध परियोजनाओं को रूपरेखा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रो. पात्रा ने आगे कहा कि इस साझेदारी के तहत दोनों संस्थानों के संकाय सदस्य एमटेक और पीएचडी स्तर के छात्रों को मार्गदर्शन देंगे और पेशेवर विकास कार्यक्रमों तथा सम्मेलनों का आयोजन करेंगे। यह साझेदारी एक उद्यमिता विकास कोश की स्थापना में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, जिसका उद्देश्य भविष्य में युवा उद्यमियों को बढ़ावा देना है। एमओयू हस्ताक्षर समारोह में एनआईटी जमशेदपुर के डा. कुणाल सिंह और डा. सूरजित कुंडू सहित आईआईटी (बीएचयू) के प्रो. विकाश कुमार दुबे, प्रो. राजनेश त्यागी, प्रो. हीरालाल प्रमाणिक, प्रो. एसबी द्विवेदी, प्रो. संतोष कुमार सिंह, प्रो. सत्यब्रत जित, प्रो. अर्नब सरकार, प्रो. अमृतांशु पांडेय, प्रो. वाईसी शर्मा, राजन श्रीवास्तव, सुश्री स्वाती बिस्वास आदि मौजूद थीं।

यूपी कॉलेज के बाहर छात्रों ने किया प्रदर्शन

वाराणसी। जुमे की नमाज के एक दिन पूर्व गुरुवार को यूपी कॉलेज परिसर के बाहर छात्रों का प्रदर्शन शुरू हो गया। छात्र अपनी तीन सूत्रीय मांगों को लेकर नाराजगी जताने लगे। उनका कहना था कि हमारी मांगें पूरी की जाएं। वहीं, मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने जब सख्ती दिखाई और कहा कि माहौल खराब न करें नहीं तो सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। बतादें कि यूपी कॉलेज में बीते मंगलवार को भी छात्र नेता समीर की गिरफ्तारी के बाद उसे एक सप्ताह के लिए न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया था। इससे नाराज होकर छात्रों ने आंदोलन की चेतावनी दी था। कॉलेज प्रशासन से जवाब मांगने के लिए छात्रों ने कॉलेज के प्राचार्य कार्यालय का घेराव भी किया था। छात्रों ने बैठक कर पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पास किया और लोकतांत्रिक अंदोलन का निर्णय लिया। छात्रों ने कहा कि महाविद्यालय में बंद छात्रावास खुलवाने, कैंपस की समृद्ध परंपरा फिर संचालित करने और अनियमिताओं की जांच के लिए छात्र लोकतांत्रिक तरीके से विरोध जता रहे हैं, तो उन पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

'देवी अहिल्याबाई महेश्वर से मोक्षदाययनी काशी तक' का विमोचन

वाराणसी। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी जयंती समारोह के तहत बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में आयोजित कार्यक्रम में गुंजन नंदा की पुस्तक 'देवी अहिल्याबाई महेश्वर से मोक्षदाययनी काशी तक' का विमोचन किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने देवी अहिल्याबाई होलकर के जीवन पर आधारित लघु नाटिकाओं का मंचन भी किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह मुकुंद ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर का शासनकाल 'लेस गवर्नमेंट मोर गवर्नेंस' पर आधारित था। उनका जीवन न्यूनतम सुविधा में उत्तम सुशासन का कालखंड था। विशिष्ट अतिथि लोकमाता के वंशज उदय सिंह राजे होल्कर ने कहा कि अहिल्याबाई का जीवन साधारण नहीं रहा। अपने ही जीवनकाल में ही उन्हें सास, ससुर, पति, पुत्र एवं पुत्री सभी की मृत्यु देखनी पड़ी। पति के साथ सती होने से ससुर मल्हार राव होल्कर ने उन्हें रोका। लोकमाता अहिल्याबाई ने घाट, धर्मशाला व मंदिरों का बड़ी संख्या में जीर्णोद्धार उन्होंने अपने स्त्री धन से कराया। उनका कुशल प्रशासनिक व्यक्तित्व भी था। अध्यक्षता लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी जयंती समारोह की अखिल भारतीय अध्यक्ष प्रो. चंद्रकला पांड्या ने की। स्वागत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संपर्क प्रमुख दीनदयाल पांडे व विषय स्थापना आयोजन समिति की सदस्य डॉ. नीरज माधव ने की। संचालन डॉ. भावना त्रिवेदी व गुंजन नंदा ने किया। धन्यवाद प्रो. रामनारायण द्विवेदी ने दिया।

बीएचयू में रजिस्ट्रार व परीक्षा नियंत्रक के पदों पर हो रही भर्ती

वाराणसी। बीएचयू में रजिस्ट्रार और परीक्षा नियंत्रक पद के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई है। समर्थ पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन शुरू हो गया है। अगले साल तीन जनवरी तक ऑनलाइन फॉर्म भरा जा सकता है। वहीं, आठ जनवरी तक आवेदन पत्र डाउनलोड करने के साथ ही जरूरी दस्तावेज बीएचयू के होलकर हाउस में भेजना होगा।

रिक्रूटमेंट एंड एसेसमेंट सेल की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। इस पद के लिए जरूरी योग्यता और बाकी विवरण भी देखा जा सकता है। इनका वेतनमान 14 पे लेवल यानी कि डेढ़ लाख रुपये तक होगा। एकेडमिक स्तर पर 15 साल का अनुभव होना चाहिए। ऐच्छिक योग्यता में पीएचडी, एलएलबी, मैनेजमेंट और ई-गवर्नेंस में काम करने का अनुभव हो। पिछले पांच साल कार्य अनुभव की ग्रेडिंग बहुत अच्छी हो।

48 दिनों में काशी में होगी 10 करोड़ लोगों की आवाजाही

सौरभ अग्रवाल

वाराणसी। काशी में आने वाले दिनों में भीड़ के सभी आंकड़े बौने साबित होने वाले हैं। 2025 के शुरूआती दो महीने में ही काशी में पर्यटकों व श्रद्धालुओं के आवागमन के सारे रिकार्ड टूट जाएंगे। मात्र 48 दिनों के अंदर काशी में देश- दुनिया के कोने-कोने से 10 करोड़ से ज्यादा लोगों के आने की संभावना है। शहर के फाइव स्टार होटलों से लेकर धर्मशाला तक हाउसफुल रहेंगे। काशी में इतने बड़े जुटान का इनपुट मिलते ही प्रशासनिक मशीनरी ने अपनी एक्सरसाइज शुरू कर दी है। करोड़ों लोगों की आवाजाही के बीच सबसे बड़ा चैलेंज सुरक्षा व्यवस्था का है, जिसको लेकर पुलिस अधिकारी रोडमैप तैयार कर रहे हैं। वहीं प्रशासनिक स्तर पर पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों व श्रद्धालुओं को सुखद अनुभव कराने के लिए भी सभी समुचित व्यवस्था पर मंथन किया जा रहा है।

श्री काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के बाद से काशी आने वाले पर्यटकों व श्रद्धालुओं की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। लाखों से आंकड़ा बढ़कर करोड़ों में पहुंच चुका है। लेकिन आने वाले दिनों में अब तक की सबसे ज्यादा भीड़ जुटने वाली है। जनवरी- 2025 से लेकर फरवरी- 2025 के अंत तक 48 दिनों के अंदर 10 करोड़ से ज्यादा लोगों के काशी आने का इनपुट शासन- प्रशासन को मिला है। साल- 2025 के शुरूआती महीनों में ही इतनी बड़ी संख्या में पर्यटकों व श्रद्धालुओं के आने की संभावना की जानकारी मिलते ही सरकारी मशीनरी एलर्ट हो गयी है। काशी आने वाले पर्यटकों व श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए पर्याप्त इंतजाम, भारी भीड़ के बीच सुरक्षा व्यवस्था, क्राउड व ट्रैफिक मैनेजमेंट को लेकर शासन स्तर पर आला अधिकारियों को निर्देश जारी किया गया है। प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों ने इसके लिए वृहद स्तर पर प्लानिंग शुरू कर दी है। अगले 15 दिनों में इतनी बड़ी संख्या में होने वाले जुटान को लेकर तैयारियों को फुल एंड फाइनल करने का निर्देश सूबे के मुखिया आला अधिकारियों को दे चुके हैं।

ऐसे में हर बिंदु पर तैयारी का खाका बनाया जा रहा है। अफसरों की मानें तो प्रयागराज में 14 जनवरी- 2025 से शुरू हो रहे महाकुंभ के दौरान वहां से बड़ी संख्या में पर्यटक और श्रद्धालु काशी आएंगे। प्रयाग में स्नान के बाद श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए काशी पहुंचेंगे। साथ ही काशी के अन्य धार्मिक व पर्यटक स्थलों का भी लुत्फ लेंगे। यहीं नहीं महाकुंभ में कल्पवास के बाद भी लोग बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने काशी पहुंचेंगे। इसमें बड़ी संख्या में साधु-संत भी शामिल रहेंगे। इन सभी लोगों के लिए समुचित व्यवस्था करने की जिम्मेदारी यहां के प्रशासन पर होगी। ऐसे में आगामी दो महीने के लिए प्रशासनिक मशीनरी ने पूरी ताकत पर्यटकों व श्रद्धालुओं को सहूलियत व सुविधा उपलब्ध कराने की तैयारियों में झोंकने की प्लानिंग की है।

प्रशासन अलर्ट

महाकुंभ के दौरान काशी में भीड़ का सभी रिकार्ड टूटने की संभावना

सिक्योरिटी, क्राउड मैनेजमेंट व दर्शन- पूजन की व्यवस्था का तैयार हो रहा स्पेशल रोडमैप

शाही स्नान के बाद बढ़ेगी भीड़भाड़

प्रयागराज में महाकुंभ के प्रत्येक शाही स्नान के बाद काशी में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। अफसरों को मिले इनपुट के मुताबिक काशी में 15 जनवरी- 2025 से ही महाकुंभ के श्रद्धालुओं का पलट प्रवाह शुरू हो जाएगा। देश- दुनिया से पहुंचने वाले पर्यटक संगम में डुबकी लगाने के बाद काशी पहुंचकर श्री काशी विश्वनाथ का आशीर्वाद लेंगे।

महाशिवरात्रि पर सबसे ज्यादा भीड़

महाकुंभ के दौरान काशी में सबसे ज्यादा भीड़ महाशिवरात्रि पर होगी। इस बार महाशिवरात्रि 26 फरवरी को पड़ रही है। ऐसे में अंतिम शाही स्नान होने और बाबा विश्वनाथ के दर्शन- पूजन का विशेष महात्म्य होने के कारण काशी में अब तक की सबसे ज्यादा भीड़ 2025 की महाशिवरात्रि में होने की बात बतायी जा रही है। अफसरों की मानें तो महाशिवरात्रि पर संगम में स्नान के बाद भक्त बाबा दरबार में हाजिरी लगाने पहुंचेंगे। इसको देखते हुए इस बार विशेष इंतजाम की रूपरेखा तैयार की जा रही है। श्री काशी विश्वनाथ धाम बनने के बाद इस बार सबसे ज्यादा श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है।

इस बार आए ज्यादा श्रद्धालु

श्री काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के बाद दर्शन- पूजन के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या करोड़ों में पहुंच चुकी है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन के आंकड़ों की मानें तो वर्ष- 2023 में करीब सात करोड़ श्रद्धालुओं ने बाबा दरबार में हाजिरी लगायी, जबकि इस साल अब तक यह आंकड़ा आठ करोड़ के आसपास पहुंच गया है।

होटल, धर्मशाला, गेस्टहाउस के डिटेल तलब

महाकुंभ के दौरान शहर में भारी संख्या में श्रद्धालुओं के आवागमन की संभावना को देखते हुए जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने एडीएम प्रोटोकाल को शहर में स्थित सभी होटलों, धर्मशालाओं, पेइंग गेस्ट हाउस, होम स्टे की पूरी लिस्ट, कमरों की संख्या, उनके फोन नंबर समेत पूरी डिटेल तलब की है। जिलाधिकारी ने एडीएम प्रोटोकॉल को इसमें किसी भी आश्रय स्थल को न छोड़ने की हिदायत दी है। उन्होंने जिले के किसी भी क्षेत्र में चल रहे होटल, गेस्ट हाउस, धर्मशाला से मिले कमरों की संख्या के बारे में भी जांच कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि गेस्ट हाउस, होटल, धर्मशाला, होम स्टे संचालन के लिए अनुमति के आवेदन में उल्लेखित कमरों की संख्या से ज्यादा संख्या में कमरे संचालित किए जाने पर उसकी भी रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया।

विद्यापीठ व आराजीलाइन में भूजल स्तर 15 मीटर से नीचे

खतरा

असि नदी के प्रवाह को लेकर आईआईटी बीएचयू के सिविल इंजीनियरों का दावा है चौंकाने वाला

वाराणसी। काशी विद्यापीठ और आराजीलाइन ब्लॉक में भूजल का स्तर गिरने से असि नदी का प्रवाह टूटा और यह नदी से नाले में बदल गई। प्रयागराज से बहकर आने वाली इस नदी का प्रवाह पथ करीब 120 किलोमीटर चलने के बाद टूटा है। इन दोनों ब्लॉकों में भूजल का स्तर 15 मीटर से भी ज्यादा नीचे चला गया है। भूजल का स्तर नीचे जाने से नदी की धारा दो जगह टूट गई है। असि नदी के प्रवाह में तीसरी रुकावट बना नेशनल हाईवे का विस्तार।

90 के दशक में जीटी रोड का विस्तार किया गया। इसमें नदी पथ का विशेष ध्यान नहीं दिया गया। इस वजह से नदी का बचा खुचा पथ भी टूट गया। ये तथ्य आईआईटी बीएचयू के सिविल इंजीनियरिंग विभाग में जल जीवन मिशन के तहत आयोजित इंजीनियरों की ट्रेनिंग के दौरान सामने आए।

इससे बीएचयू के वैज्ञानिकों ने ये भी सिद्ध किया कि असि नदी का उद्गम स्थल प्रयागराज का दुवार्सा ऋषि आश्रम है। इसके पैलियो चैनल के साक्ष्य भी मिले हैं। वहीं, सीजीडब्ल्यूबी (सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड) के डाटा के अनुसार काशी विद्यापीठ और आराजीलाइन में भूजल नीचे जाने की वजह से असि नदी का प्रवाह पथ टूट गया है। इसके पहले नदी का प्रवाह कर्दमेश्वर महादेव मंदिर तक जाता था, जो अब पहले जैसा नहीं रह गया है।